



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 27, 1985 (श्रावण 5, 1907)  
No. 30] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 27, 1985 / SHRAVANA 5, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खंड 1

### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railway, and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 मई, 1985

सं० ए 32011/2/85-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली, 1958 के विनियम 7 द्वारा उन्हें प्रदत्त शक्तियों के अधीन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० सं० से० के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बी० टी० शर्मा को 1-5-1985 से 26-5-1985 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक के० सं० से० के ग्रेड-I में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थापनापन रूप से कार्य करने के लिए महर्षि नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 23 मई 1985

सं० ए० 32013/1/85-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, वर्ष 1983 (क्र० सं० 84) की चयन सूची में सम्मिलित केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अधिकारी श्री के० एन० बोहरा को 23 मई, 1985 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर महर्षि नियुक्त करते हैं।

1-166 G/85

के० सं० से० के अधिकारियों की वर्ष 1983 की चयन सूची में अवर सचिव के पद पर श्री के० एन० बोहरा की उपर्युक्त नियुक्ति, सिविल रिट याचिका सं० 511/1980 दिल्ली उच्च न्यायालय, श्री धामस, मैथ्यू और 2 अन्य बनाम भारत संघ, और सिविल रिट याचिका सं० 2555/83-1983 एम० एल० नथानी और अन्य बनाम भारत संघ और सिविल रिट याचिका सं० 10618-28/83-एच० बी० परदासानी और अन्य बनाम भारत संघ—भारत के उच्चतम न्यायालय में लंबित, सहित दिल्ली उच्च न्यायालय में इस संबंध में लंबित रिट याचिका के निर्णय के अध्याधीन है।

एस० बार्गी,

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 जून, 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड डब्ल्यू) श्री के० एस० भुटानी को राष्ट्रपति द्वारा 13 मई, 1985 से 30 जून, 1985 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में निजी सचिव

(25227)

(के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2. श्री भूटानी अवगत कर लें कि निजी सचिव (के० स० स्टे० से० के ग्रेड क) के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता अथवा के० स० स्टे० से० के ग्रेड क में विलयन का उन्हें कोई हक नहीं होगा।

रूप चन्द,  
अवर सचिव (प्रशा.)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग

केन्द्रीय प्रशिक्षण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई, 1985

सं० ए-19021/15/82-प्रशा० 5—राष्ट्रपति ने श्री दिवाकर प्रसाद, भा० पु० सेवा (हि० प्र०-1968) को, दिनांक 1 जून, 1985 के पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक, के० अ० ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 3/25/85-प्रशा० 5—राष्ट्रपति ने, श्री वी० एन० वीक्षित, भा० पु० सेवा (म० प्र०-1971) को, दिनांक 6 जून, 1985 के पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय प्रशिक्षण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्ति पर, पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 3/26/85-प्रशा० 5—राष्ट्रपति ने, श्री परमवीर सिंह, भा० पु० सेवा (तामिलनाडू-1974) को दिनांक 10 जून, 1985 के पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक, के० अ० ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्ति पर, पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

आर० एस० नगापाल,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

#### (गृह मन्त्रालय)

महानिदेशालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० ई-28017/10/84-कार्मिक-1—अधिर्वापिता की आय प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के पक्षरूप श्री एस० एन० गंजू ने पहली जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक, के० ओ० सु० व० (उत्तरी क्षेत्र), नई दिल्ली, के कार्यालय के सहायक महानिरीक्षक के पद का कार्यभार सौंप दिया।

एस० आनन्दराम, के० ओ० व०  
महानिदेशक

#### मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई, 1985

सं० 21/2/82-प्रशा०-2(खण्ड-3)—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक प्रबंधकों (तक०) को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश आने तक मुद्रण निदेशालय में रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में प्रबंधक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

सर्वश्री	
1. टी० के० नारायणन	29-2-84 (पूर्वाह्न)
2. के० गोपालाकृष्णन	29-2-84 (पूर्वाह्न)
3. टी० रामदास	26-12-84 (पूर्वाह्न)
4. ए० के० सेन	4-2-85 (पूर्वाह्न)
5. वाई० विश्वनाथन	10-12-84 (पूर्वाह्न)

2. वे दो वर्षों के लिए परीक्षाधीन रहेंगे।

हेमराज गोवर,  
उप निदेशक, प्रशासन

#### भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

मह. लेखाकार वा. वा. कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० प्रशा० 1/8-132/85-86/52—श्री डी० पाक्वनाथन और श्री एम० वें. ट. मणय्या, लेखा परीक्षा अधिकारी, मह. लेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद से दिनांक 30-6-85 अपराह्न को सेवा निवृत्त हुए।

हरनाथर अपठनय्य  
वरिष्ठ उप-मह. लेखाकार (प्रशासन)

#### कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायें

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 जुलाई, 1985

सं० 1477/ए-प्रशासन/130/82-85—वार्धक्य निवृत्ति आय प्राप्त करने पर श्री पी० वी० उन्नी, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवायें, दिनांक 31-5-1985 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए।

सं० 1478/ए-प्रशासन/130/82-85—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायें नई दिल्ली, निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके सामने अंकित तिथि से, स्थानांतरण लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में, अगले आदेश उपरान्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।



क्रम संख्या	नाम/उपनाम	कार्यालय जहाँ नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की तिथि
1	2	3	4
संदर्भ:			
1.	एन० विश्वनाथन, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं (नौ सेना) बम्बई	6-5-85
2.	मदन लाल, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़	27-5-85
3.	एम०आर० रामाचन्द्रन, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं पश्चिमी कमान चण्डीगढ़	17-6-85

भगवान शरण तायल  
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय  
भा.सी.य. आर्डनेन्स फैक्टरी सेवा  
आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कन जल, दिनांक 18 जून, 1985

सं० 24/जी/85—आवक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री ए.जी० सी० वन सहायक निदेशक (मार्निंग एवं स्थायी फोर्मेन) दिनांक 31 मई, 1985 (अपान्त) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,  
उपमहानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय  
(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 4 जुलाई 1985

सं० सी० ई० आ०/2/85/7—नूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948, की धारा 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आ०/2/77/दिनांक 15 अप्रैल 1977 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ:

- (1) परिच्छेद 2 के उद्देश्य-परिच्छेद (सी) से संबंधित अभिवृत्ति "बड़े के नौ-विध-एबल प्रकार" अनुसूची III के साथ हटा दिए जायेंगे
- (2) उक्त अधिसूचना के परिच्छेद 6 में दिए गए निवेश हटा दिए जायेंगे।

सं० सी० ई० आ०/22/85/8—नूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 की धारा 20 और 21 अ, में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की निम्नलिखित अधिसूचनाओं का खंडन करता हूँ:

- (1) सं० सी० ई० आ०/22/74 दिनांक 3-4-1974
- (2) सं० सी० ई० आ०/23/74 दिनांक 3-4-1974
- (3) सं० सी० ई० आ०/23/74 दिनांक 5-4-1974
- (4) सं० सी० ई० आ०/22/74 दिनांक 21-6-1974
- (5) सं० सी० ई० आ०/22/74 दिनांक 26-6-1974

सं० सी० एल० बी०-1/1/1-1/85/9—नूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948, की धारा 30 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी०-1/1/1-1/75-ए, दिनांक 12-9-1976 का खंडन करता हूँ।

सं० सी० एल० बी०/5(2)/85/10—कृत्रिम रेशम (उत्पादन और विपणन) नियंत्रण आदेश, 1962, की धारा 3 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 5(2)/76-सी० एल० बी० दिनांक 16-9-1976 का खंडन करता हूँ।

सं० 5(2)/85/सी० एल० बी०-2/11—नूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948, की धारा 31 और कृत्रिम रेशम वस्त्र (उत्पादन और विपणन) नियंत्रण आदेश, 1962 की धारा 10 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निम्नलिखित अधिसूचनाओं का खंडन करता हूँ—

- (1) सं० 5(2)/76-सी० एल० बी० 11, दिनांक 6-10-1976 और
- (2) सं० 5(2)/76-सी० एल० बी० 11, दिनांक 15-12-1976

सं० सी० एल० बी०/10(1)/85/12—नूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1955, की धारा 14 ए में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी०-11/10 (1)/73-76 दिनांक 11-10-76 का खंडन करता हूँ।

सं० सीईआ/10/85/13—नूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948, की धारा 21 (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 9 (9)-टीईएक० 1/49 (1) दिनांक 3-9-1949 का खंडन करता हूँ।

सं० सीईआ/13/85/14—नूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948, की धारा 21 (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 9 (9)-टीईएक०-1/49 दिनांक 27-12-1951 का खंडन करता हूँ।

सं० सी० ई० आ०/1/85/15—नूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948, की धारा 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए में एतद्वारा वस्त्र आकुत की अधिसूचना सं० सी० ई० आ०/-  
1/66 दिनांक 27 नितम्बर 1966 का खंडन करता हूं।

आर० के० कुलकर्णी,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 7 जून, 1985

सं० 3 (1)/67 VIII/स्थापना/844—"ब" वर्ग के विभागीय प्रोन्नति समिति के अनुशंसा पर निम्न-हस्ताक्षरकर्ता श्री इन्दर राज को राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर के अन्तर्गत वर्ग "बी" के पद मुख्य अभिलेखक पर 19 मई, 1984 में मौलिक नियुक्ति करते हैं।

राम कुमार,  
निदेशक

इस्मात, खान और कोयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० 6713बी०/ए-19012(1-आर० के०)/84-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महादेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवि०) श्री रहमतुल्ला खान को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी वेतन विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-38-880-40-1200 रु० के वेतनमान पर, स्थापनापत्र क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 12, अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी,  
निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

सं० ए-19011(340)/83-स्था० ए०—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री ए० के० बान्स्लेडे, वरिष्ठ तकनीकी सहायक को भारतीय खान ब्यूरो में वरिष्ठ खान भूविज्ञानिक के पद पर स्थापनापत्र रूप में दिनांक 24 जून 1985 के पूर्वाह्न से संघर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० ए० 19011(384)85-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री पी० श्रीनिवासुलु, स्थायी सहायक खनन अभियंता, भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान

नियंत्रक के पद पर दिनांक 26-6-85 (पूर्वाह्न) में आगामी आदेश तक पदोन्नति प्रदान की गई है।

पी० पी० बादी,  
प्रशासन अधिकारी  
कृते महानियंत्रक।

नागपुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० ए० 1901(78)/79-स्था० ए०—राष्ट्रपति विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एस० आर० देशमुख, अयस्क प्रसाधन अधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में अधीक्षक अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर स्थापनापत्र रूप में 31 मई 1985 (पूर्वाह्न) में पदोन्नति प्रदान करते हैं।

जी० सी० शर्मा,  
सहायक प्रशासन अधिकारी  
कृते महानियंत्रक

आकाशवाणी महादेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून, 1985

सं० 1/9/85-एस-दो—महादेशिक, आकाशवाणी, श्री टी० आर० शर्मा, लेखागार, आकाशवाणी चण्डीगढ़ को अस्थायी क्षमता में नियमित आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर आकाशवाणी, शिमला में 31 मई, 1985 से 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपए के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

2. श्री टी० आर० शर्मा ने उसी तारीख को प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी शिमला के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

मोहन फॉर्तिस,  
प्रशासन उपातिदेशक  
कृते महादेशिक

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० 6(26)/62-एस० एक (खण्ड-3)—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री जे० एम० एस० अबल, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, चण्डीगढ़ 28 फरवरी, 1985 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० 6(109)/63-एस-एक (खण्ड-2)—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० बी० लोहारे, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी नागपुर 31 मई, 1985 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

हरजीत सिंह  
निदेशक (प्रशासन एवं वित्त)  
कृते महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० 4 (42)/84-एडआई—महाविदेशक, आवासवाणी एतद्द्वारा श्री सी० बी० वंशे को 15-9-84 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-ब० रो०-880-40-1000-ब० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्ठाधिकार के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरिश्चन्द्र जयाल,  
प्रशासन उपाधिक्षक  
कृते महाविदेशक

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय

(ग्राम ण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

प्रधान कार्यालय, एन.एच०-4

फरीदाबाद, दिनांक: 8 जुलाई 85

एफ०सं०ए०19023/28/78-ग०II—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के श्री के० बी० वंशे राव, विपणन अधिकारी 31-5-85 (अपराध) को सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जे० कृष्णा  
निदेशक प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार  
भारत सरकार

उत्तरी क्षेत्र कृषि यान्त्र

प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान

हिसार-125001, दिनांक 1 मई 1985

सं० 4-32/63-स्था०—निवृत्ति की आयु (58 वर्ष) के परिणाम स्वरूप श्री भगवान दास झांव, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी (अभियन्ता) को एतद्द्वारा दिनांक 30-4-1985 (अपराध) को सेवा निवृत्त किया जाता है।

विश्वनाथ आ० पाटिल,  
निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलकत्ता-603102, दिनांक 29 जून, 1985

सं० एम० ए० पी० पी०/3 (134)/67 प्र०—परियोजना निदेशक, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, श्री बी० के० सन्तानम, एक स्थाई प्रशासनिक अधिकारी को प्रशासनिक अधिकारी-2 के रूप में अस्थाई रूप से दिनांक 15 अप्रैल 1985 (पूर्वा) से मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में आगे के आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० ए० एस० प्रसाद,  
श्रीलोकिक सम्पर्क अधिकारी

राजस्थान परमाणु बिजलीघर

अणुशक्ति, दिनांक 28 जून 1985

सं० रा बिघ/भर्ती/7 (10अ)/85/स्थ/545—राजस्थान परमाणु बिजली घर के मुख्य अधीक्षक, एतद्द्वारा पी० पी० ई० डी० पूल के स्थायी सहायक लेखाकार तथा रा० प० बि० घ० में स्थापित सहायक लेखा अधिकारी श्री महेश चन्द्र गुप्ता को 29 मई 1985 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश तक राजस्थान परमाणु बिजली घर में लेखा अधिकारी-2 के पद पर अस्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

अर्जुन देव भाटिया,  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

भारी पानी परियोजनाएँ

बम्बई-400 008, दिनांक 3 जून 1985

सं० 05012/भ 1/स्था० पदो/2397—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (कन्द्रीय कार्यालय) के श्री अचल कुमार जी० टिल्लु, स्थायी सहायक लेखाकार को इसी कार्यालय में श्री बी० के० महागांवकर, सहायक लेखा अधिकारी जो भारी पानी परियोजना (क० का०) में स्थापित लेखा अधिकारी-2 नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर 6 मई, 1985 (पूर्वा) से 14 जून, 1985 (अप०) तक के लिए अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर स्थापित सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जून, 1985

सं० 05012/भ 2/स्था० पदो/2362—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयंत्र (बड़ोदा) के घनश्याम छगनभाई टेल, प्रवरण श्रेणी निर्माण को इसी कार्यालय में, श्री एन० जी० नायर, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर हैं के स्थान पर 11 मार्च, 1985 (पूर्वा) से 10 मई, 1985 (अप०) तक के लिए अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर स्थापित सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती क० पी० कल्याणीकुट्टी  
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी०-401504 दिनांक, 22 जून 1985

सं० टी० ए० पी० एस०/2/473/67—अधिवर्षिता की आयु होने पर तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थायी ट्रेड्समैन 'जी' और स्थानापन्न तौर पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता 'एस० बी०' श्री वि० वि० तम्हाणे ने अपने पद का कार्य भार दिनांक 31 मई, 1985 की अपराध को छोड़ दिया।

द० वि० मरकले,  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

## भारत मौसम विज्ञान विभाग

दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० ए-38019/11/83-स्थापना-I.—श्री एच० एस० बिह्ला, मौसम विज्ञानी श्रेणी-1 भारत मौसम विज्ञान विभाग, सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर दिनांक 30-4-1985 से सरकारी सेवा से निवृत्ति हुए।

सं० ए-38019/11/83-स्थापना-I.—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित मौसम विज्ञानी श्रेणी-I, अपने नामों के सामने दो गई तारीख का वार्षिक आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

क्रम सं०	नाम	निवृत्त दिनांक
1.	श्री जी० एस० अईयर	31-5-1984
2.	श्री एम० आर० खान	31-8-1984
3.	श्री एस० के० नाग	31-10-1984
4.	श्री ए० के० बनर्जी	31-10-1984

सं० ए-38019/11/83-स्थापना-I.—श्री पी० ई० मीरे, निदेशक, मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (मौसम पूर्वानुमान) का कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग, सेवानिवृत्ति की

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1	पी० के० ओस्तिया	ग्वालियर	ग्वालियर	31-8-1984 (पूर्वा०)
2	के० नारायणन	कोचीन	कोयम्बतूर	3-9-1984
3	एम० सी० मूद०-1	वाराणसी	अगरतला	3-9-1984 (पूर्वा०)
4	कुलवन्त सिंह	वाराणसी	गोहाटी	1-12-1984 (पूर्वा०)
5	जसवन्त सिंह	रे० नि० पौर वि० एकक दिल्ली	बंगलौर	28-11-1984 (पूर्वा०)
6	आई० पी० मेडी	लखनऊ	बंगलौर	3-9-1984 (पूर्वा०)
7	अनिल कुमार	अनूपपुर	मद्रास	3-9-1984 (पूर्वा०)
8	एम० पी० चौहान	जम्पू	जम्पू	30-5-1985 (पूर्वा०)
9	सी० एस० साहा	वाराणसी	वाराणसी	3-9-1984 (पूर्वा०)
10	ए० एन० पचापुरी	बम्बई	कांडला	4-1-1985 (पूर्वा०)
11	डी० सी० काम्बले	जामनगर	जामनगर	14-9-1984 (पूर्वा०)
12	एन० मन्नूशर	मदुरई	त्रिची	30-4-1985 (पूर्वा०)

बी० जयचन्द्रन,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

आयु को प्राप्त कर दिनांक 30-4-1984 से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

के० मुखर्जी, मौसम विज्ञानी (स्थापना)

कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून, 1985

सं० ए-32014/1/83-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक, नागर विमानन श्री के० सी० चटर्जी, चार्जमेन को दिनांक 11 जून, 1985 (पूर्वाह्न) से, अन्य आदेश होने तक, पदोन्नति देकर सहायक विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री के० सी० चटर्जी को विद्युत एवं यांत्रिक वर्कशाप, सफदरजंग एयरपोर्ट पर तैनात किया जाता है।

जी० बी० लाल,  
सहायक निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1985

सं० ए-32014/3/84-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके द्वारा उच्च पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, रुपये 650-1200 के वेतनमान में सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं और उनके नाम के सामने दिये गए स्टेशन पर तैनात करते हैं :—

## विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 18 जून 1985

सं० 1/337/85-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक, एतद्वारा मद्रास के तकनीकी सहायक, श्री आर० राजाराम को तदर्थ आधार पर 12-11-1984 से 19-12-1984 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

र० का० ठक्कर,  
उप निदेशक

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समारुह का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

सं० 11/3-ई० (ए०) 2/77/पार्ट-II—निम्नलिखित प्रशा० अधिकारियों/लेखा परीक्षकों/सहा० मुख्य लेखा अधिकारियों को उनके नामों के आगे दर्शायी गई तिथि से नियमित आधार पर प्रोन्नत किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तिथि
1.	श्री के० ए० काणे	6-5-1985 पूर्वा०
2.	श्री एस० जी० मुतालिक	6-5-1985 पूर्वा०
3.	श्री एस० एस० कुलकर्णी	6-5-1985 पूर्वा०

सं० 11/3 ई० (ए०) 2/77 पार्ट-II—निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने प्रोन्नति पर अपने नामों के आगे दर्शायी गई तिथि से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1 समारुहतालय में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह "ख" के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया है :—

क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1.	श्री आर० के० धाडगे	17-4-1985 पूर्वा०
2.	श्री आर० के० कुरुप	1-5-1985 पूर्वा०
3.	श्री आर० ए० पई	3-5-1985 पूर्वा०

एच० एम० सिंह,  
समारुहता  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

## निरक्षण महाविद्यालय

सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० 16/85—श्री ए० बी० चट्टोपाध्याय ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समारुहतालय, बलवत्ता-2 में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (ग्रुप "ख") के रूप में तैनात थे, निरक्षण महाविद्यालय के दिनांक 10-5-85 के आदेश सं० सं० 1041/47/84 के अन्तर्गत निरक्षण अधीक्षक (ग्रुप "ख") के रूप में नियुक्ति हो जाने पर निरक्षण महाविद्यालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क की कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 1-6-85 (पूर्वाह्न) से निरक्षण अधीक्षकारी (ग्रुप "ख") के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सी० सं० 1041/46/351

महाविद्यालय निरक्षण  
(ए० सी० सहाय)

## नीवहन और परिवहन मंत्रालय

नीवहन महाविद्यालय

बम्बई-400 038, दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० 1-टी० आर० (9)/83—नाट्ट नि, कर्णाट जे० हरयू० डेविड्स को, जो भातय नवहन विगम, बम्बई में प्र० पी० राजेन्द्र, बम्बई परनाटिकल अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, दिनांक 31-5-1985 (अस्ताह्न) से कार्यमुक्त करते हैं।

अभिनाथ चन्द्र,  
नवहन उप महाविदेशक

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० ए-19012/1072/84—स्थापना पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (मूह-ख) की सिफारिशों पर, अधीक्षक, केन्द्रीय जल आयोग, श्री मिथिलेश कुमार झा, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अधिकृत सहाय निदेशक/सहायक इंजिनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 के वेतमान में 31-12-1984 को पदावृत्त से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अधिकृत सहाय निदेशक/सहाय इंजिनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारिख से दो वर्ष की अवधि के लिए पदोन्नति पर रहेंगे।

मीनार्थ अरोड़ा  
प्रवर सचिव (तमन्त्रय)  
केन्द्रीय जल आयोग

## निर्माण महाविभाग

## केन्द्रीय लोह निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० 27 (एत)/1/70-ई० सी०-9—इा विभाग के उद्यान निदेशन, अ० के० सेड्जो, बार्धक्य क० आयु प्राप्त करने पर 30 जून, 1985 (अपराह्न) को त्रकारो सेवा से निवृत्त होते हैं।

पृथ्वीपाल सिंह  
प्रशासन उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1985

सं० 32/3/85-ई० सी०-2—केन्द्रीय लोह निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी निवृत्ति को आयु (59 वर्ष) होने पर सरकारो सेवा से उनके आगे दो गई तारोख, से सेवा निवृत्त किए जाते हैं :-

क्र० अधिकारो का नाम निवृत्ति की पदनाम और अन्तिम सं० तारोख तैनाती का स्थान

सर्वश्री		
1. बी० पी० अरोड़ा	30-4-85 (अपराह्न)	कार्यपालक इंजीनियर, प्रबन्ध सूचना प्रणाली, मुख्य इंजीनियर (नई दिल्ली)
2. के० बी० आर० आयंगर	30-6-85 (अपराह्न)	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) आयकर विभाग, कलकत्ता
3. के० एन० गुप्ता	30-6-85 (अपराह्न)	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) कलकत्ता विद्युत मंडल सं० 4 के० लो० नि० वि०, कलकत्ता
4. बी० एस० अरोड़ा	30-6-85 (अपराह्न)	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) केन्द्रीय विद्युत मंडल 10, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली

मीरा गर्ग  
प्रशासन उप निदेशक  
कुले निर्माण महाविभाग

## पूर्ति एवं वस्त्र संचालक

## पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परोक्षण गृह, अजीपुर

कलकत्ता, दिनांक जून 1985

सं० जी० 318/ए०—महाविभाग, राष्ट्रीय परोक्षण गृह, कलकत्ता श्री के० एन० घोष को राष्ट्रीय परोक्षण गृह, कलकत्ता में महाविभाग के वैयक्तिक उदायन के रूप में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं जो कि 16-11-84 (पूर्वार्द्ध) से प्रभाव होगा।

जे० एम० भट्टाचार्य  
उपनिदेशक (प्रशासन)  
कुले महाविभाग।

## उद्योग और कम्पनी कार्य संचालक

## (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं जीवन उद्योत फाइनेंस  
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय

बम्बई, दिनांक 19 जून 1985

सं० 697/13439/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जीवन उद्योत फाइनेंस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया हो तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ओ० पी० जैन  
कम्पनियों का प्रतिरक्षित रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गुजरात फार्मिकेम  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1985

सं० 590/1857/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गुजरात फार्मिकेम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ग्रीहलक्ष्मी रंग  
उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1985

सं० 560/1842/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ग्रीहलक्ष्मी रंग उद्योग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

श्री० बा० र

महायक प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य;  
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रत्ना बॉक्स  
मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के  
विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० 560/2676/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रत्ना बॉक्स मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गीदेव इन्वेस्टमेंट  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० 560/5431/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, गीदेव इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अंकलेश्वर  
कॉमर्शियल एण्ड फाइनान्सियल प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० 560/1417/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि अंकलेश्वर कॉमर्शियल एण्ड फाइनान्सियल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पंचाल एण्ड मिस्त्री  
इंजीनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के  
विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० 560/5146/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पंचाल एण्ड मिस्त्री इंजीनियरिंग  
2 —166GI/85

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फोर्टेक इंजीनियरर्स  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० 3677/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर फोर्टेक इंजीनियरर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सर्वोत्कृष्ट कर्पलिंगम  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० 5039/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास अवसान पर सर्वोत्कृष्ट कर्पलिंगम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्री० एस० राजू  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

आयकर आयुक्त का कार्यालय

कोचीन-682016, दिनांक 1 जुलाई 1985

आदेश

विषय : स्थापना आयकर अधिकारी ग्रुप 'ख' के रूप में  
पदोन्नति

सी० सं० 2/प्रशा०/कोण/85-86—निम्नलिखित आयकर  
निरीक्षकों को रु० 650-30-740-35-810-इ० रो०-  
35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200 के वेतनमान

में आयकर अधिकारी, ग्रुप 'ख' के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उनके द्वारा कार्यभार संभाल लेने की तारीख (तारीखों) से तथा अगले आदेश पर्यन्त, पदोन्नत किया जाता है :

1. श्री डी० सुरेश बाबू

2. श्री पी० बालकृष्णन

बे दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन होंगे।

2. उपर्युक्त पदोन्नति अनन्तिम तथा किसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। यह पदोन्नति पदोन्नत अधिकारियों को पदोन्नत ग्रेड में अपनी वरीयता अथवा उस पद में जारी रखने का कोई अधिकार नहीं प्रदान करती है।

एम० जे० भास्करन

कोचिन आयकर आयुक्त



**सूचना नं० डी.एच.एच.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 मई 1985

दर्शन सं० 37 ई ई०/9054/84-85—यतः सुमे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 पहला मंजला, कल्याण कार्पोरेशन के हद्द में, कल्याण जि० थाना है तथा जो कल्याण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अनुसूची में हुई किसी बात को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत न के बलू करने या उसके बचने में सहायता

(ख) एसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री एम० बी० सोनपटकी

मेसर्स सिंहराज कन्स्ट्रक्शन, रानेडवाडा, गांधी चौक, कल्याण, जि० थाना।

(अन्तरक)

(2) श्री छगनलाल श्रीतारमल जैन,

गांधी चौक, बाजारपेठ, कल्याण, जि० थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना—

**उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बावत :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ई ई०/9054/84-85 जो अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 28-5-1985

मोहर

प्रमाण. आई. टी. एन. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5816—मतः मुझे, जे० एल०

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसमें उपावृद्ध प्रतिफल से, ऐसे स्थानान्तरण प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० है कि किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अधीन उपावृद्ध कर देना सही किया गया था या जिसका उपावृद्ध कर देना सही किया गया था के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जीवा राम चौपड़ा पुत्र रामचन्द,  
बासी-407, न्यू जवाहर नगर,  
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरबंस कौर पत्नी सरदारा सिंह,  
श्रीमती तरलोचन कौर पत्नी मोहन सिंह और  
कुलजीत कौर पत्नी गुरवचन सिंह,  
बासी-407, न्यू जवाहर नगर,  
जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री/श्रीमती कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानते हैं  
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में प्रेषित जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3014, दिनांक अक्तूबर, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-6-1985

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 7 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/9/19/85-86—यतः

मुझे, ए० के० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 बी० आर० फ्लैट सं० 1ए है तथा जो  
520, कनार्क टाउन, कुडवी चौक, नागपुर में स्थित है (और  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में धारा 19(1) का उल्लेख है) इस  
कार्यालय (डाकुमेंट सं० 19/15/54-85) में या नाग संवन्दी-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, दिनांक  
30 अक्टूबर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दर्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै.सि. ओम बिल्डिंग्स,  
520, कनार्क टाउन,  
कुडवी चौक, नागपुर। (अन्तरक)

(1) कैप्टन श्री सुरेश, खजान चन्द भारद्वाज,  
शापिंग कार्पोरेशन आफ इंडिया शापिंग टाऊन,  
245 मैडमडामा रोड,  
बाम्बे-400023।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 बी० आर० फ्लैट सं० 1—ए गंगो (मेन बिल्डिंग) जो  
520, कनार्क टाउन, कुडवी चौक नागपुर में स्थित है।

ए० के० जैन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, नागपुर

दिनांक : 7-6-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.ए.स.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारतीय सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनवी/10/85-86—यतः मुझे,  
ए० के० जैन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 201 ए और बी है तथा जो सेवासदन में  
सी० ए० रोड पर, गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे  
उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और उसके इस  
कार्यालय (डाकुमेंट सं० ) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27  
अक्टूबर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तुक के  
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित आदेशों, आदेश 2—

- (1) 1. श्री प्रह्लाद मदनराव अग्रवाल,  
2. श्री श्रीम प्रकाश मदनराव अग्रवाल  
गांधीबाग, नागपुर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीकृष्ण मुरारी कन्हैयालाल अग्रवाल,  
2. श्रीमती शांती देवी कृष्णमुरारी अग्रवाल,  
गांधीबाग, नागपुर

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फैल्ट नं० 201 ए और बी जो सेवासदन बिल्डिंग में सी०  
ए० रोड पर, गांधीबाग नागपुर में स्थित है।

ए० के० जैन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, नागपुर

दिनांक : 10-6-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकसी/11/20/85-86—अतः

मुझे, ए० सी० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्रकाशित की गई है कि  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सकान नं० 618 है तथा जो प्लॉट नं० 45  
पर धरमपेठ, नागपुर में स्थित है (और उसके उपावद्ध अन्तर्गामी  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिवारी के  
कार्यालय नागपुर (सं० 6477) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
23 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक  
(अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-  
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के निम्न और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिसे भारतीय राज-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) पर उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
प्रवृत्ति के लिए

इस :— उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरी सिंह भागुल साधरीया,  
4/42 एम० एल० ए० फ्लाट,  
कोरपडी, नागपुर

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन चन्दमल मुखवानी,  
खरेटाऊ, धरमपेठ, नागपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सकान जिसका यु० का० नं० 618 है और जो प्लॉट  
नं० 45 धरमपेठ में नागपुर में स्थित है।

ए० सी० जैन,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 10-6-1985

मोहर :

पुस्तक बाई नै एम. एम. १९५३ १९५४

(2) 对“ $\frac{1}{2}$ ”的讨论

(अन्तरक)

राष्ट्रकर्म अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन मजदूरी

(2) श्री श्री : सुभाष चन्द्रबोस

(अन्तर्गतिः)

(3) विज्ञेता

(न० जननि, ११ के अविभोग में सम्पत्ति है ।)

**भारत सरकार**

कार्यालय, महायुक्त आयकर आवृत्त (निरिक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

बुधवार, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एस-368/एक्यू-अतः  
मझे, वित्तोद कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी १० बाराची है तथा जो मोहल्ला खुर्रम गेटिया 10 स्थित लाईन, बरेली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अतसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पार्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक को गई है और अभी यह विश्वास करने का कारण है कि गद्याप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उच्च पाया गया प्रतिफल, निम्नी स्थित उद्देश्य के साथ अन्तरक निश्चित से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।

हैं। वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त प्रपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संगीत की शर्मा की मधुरता से लोग भी आश्चर्य --

(क) इस योजना के माध्यम से श्रमिकों की शारीरिक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यक्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को से किसी ध्यावित द्वारा;

(क) इस मुद्दा को राखपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिनों के भीतर लक्ष्य स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ब्यापेहस्ताक्षरों की गणना लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, की तथीन रूप से बचने के सम्बन्ध में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ जो, सिव्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अथवा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वये अन्तर्गृहीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में वर्णित है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों:—

दिनांक : 13-6-1985

**माहूर १३**

## अनुसूची

ग्रामाजी पैंमाईजी 842/1/9 वर्ग-गज स्थित मोहल्ला खुरम गोठिया, 10, मित्रिब काईत बरेली (जैसा फार्म 37-जी संख्या 7658 में जर्जित है) बिपका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिशारी बरेली के कार्यालय में दिनांक एकतूबर 1984 को किया जा चुका है।

निर्देश कुमार,  
महाम प्राधिकारी  
महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेड्डी, लखनऊ

प्रख्य आई.टी.एन.एच.

(1) श्री अनोद कुमार गोयल

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चन्द्र प्रकाश बंसल

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या सी-45/एफ्यू०—अतः

गुप्त, विनोद कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो 10, मिविल लाईन, खुर्रम गोदिया बरेली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया कम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाज की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रचुरक के अधिभोग में करी करने या उससे बचने में सहायता

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आर० आर० धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु ऐसे प्रयोजन के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाज में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

आराजी पैमाईसी 634 वर्ग-गज स्थित 10, मिविल लाईन, खुर्रम गोदिया बरेली (जैसा फार्म 37-जी संख्या 7657 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बरेली के कार्यालय में अक्टूबर 1984 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, 'नम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-166GI/85

दिनांक : 13.6.1985

मोहर

प्रश्न बाई.टी.एन.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त बाबुलाल (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या बी-81/एक्यू०-अतः

मुझे, विनोद कुमार,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो 10, मिडिल लाईन  
खुर्रम गोटिया, बरेली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बभाव्यक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्ली  
(अन्तरलीक) के बीच होने अन्तरक के लिए इसका नाम  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाष की धारक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षेत्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमाणार्थ अन्तर्ली द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री अशां कुमार गायन

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद बिहारी जसोरिया

(अन्तरली)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमोत्तम व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समतल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित रख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त सबों और सबों का, जो उक्त  
अधिनियम, के लघुभाष 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आराजी पैमाईसी 60 वर्ग-गन स्थित 10, मिडिल लाईन  
खुर्रम गोटिया बरेली, (जैसा फर्म-37जी संख्या 765 में  
वर्णित है) जिसका रजिस्ट्रीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बरेली  
के कार्यालय में अक्टूबर 1984 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :



प्रकरण आई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या वी-82/एक्यू०-अंतः

मुझे, विनोद कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो मोहल्ला खुरम गोठिया, 10, सिविल लाईन बरेली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अधीन :—

(1) श्री अशोक कुमार गोयल

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विजय कुमार गुप्ता  
2. श्री अरविन्द कुमार गुप्ता

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् व्यक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी पैमाईसी 854/2/9 वर्ग-गज स्थित मोहल्ला खुरम गोठिया, 10 सिविल लाईन बरेली (जैसा फार्म 37-जी संख्या 7660 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बरेली के कार्यालय में अक्टूबर 1984 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :

## अन्तर्गत आने वाले अधिनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

द्वारा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या आर-248-अतः

मुझे, विनोद कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मालान है तथा जो मोहल्ला पोरगैब मुरादाबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1907 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल अल्पमूल्य उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत, वास्तव में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

- (1) 1. परमात्मा स्वरूप माथुर  
2. बृजराज स्वरूप माथुर,  
द्वारा अटार्नी श्री विष्णु स्वरूप माथुर (संरक्षक)  
व मुखतार खास, नरेण माथुर  
3. जे० एस० माथुर  
4. विरेण स्वरूप माथुर  
द्वारा मुखतार खास, सी० एस० माथुर व  
मुखतार खास, सरवेश्वर स्वरूप  
(अन्तरक)
- (2) 1. श्री राज किशोर,  
2. श्रीमती चिमलेश देवी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किंती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

मकान पैमाईसी 599.88 वर्ग-मीटर स्थित मोहल्ला-पोरगैब, मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 7632 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में अक्टूबर 1984 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 13-6-1985

सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-222/एफ्यू०—अतः

शुभे, विनोद कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी मं० आराजी है तथा जो परभा खेडा, बरेली  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय बरेली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक, अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और जहाँ यह निष्पात  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंश-  
हस्ती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से छुट्टी किसी आय की नावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कभी करने या उसके करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरितीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती कमलेश रानी
2. श्रीमती रमेश रानी

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मदन लाल
2. श्रीमती मंजीत कौर
3. श्री प्रदीप कुमार
4. श्रीमती राज कुमारी

(अन्तरिती)

- (3) विक्रेता  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इसे सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

आराजी पैमाईसी 33 बीघा स्थित परसा खेडा, बरेली  
(जैसा फार्म 37-जी संख्या 9276 में वर्णित है) जिसका  
पंजीकरण रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बरेली के कार्यालय में  
अक्टूबर 1984 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, लखनऊ

दिनांक: 13-6-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1988

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या 82/37 ई० ई०/एफ्यू—

अतः मुझे, विनोद कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
न के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० आफिस नं० 18 है तथा जो 11, एम०  
जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (और  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जुन क्षेत्र लखनऊ,  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 अक्टूबर  
1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समान प्रतिफल में, ऐसे समान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के संबंध  
में कभी करण या उक्त सूचना में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) मेमर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि०  
हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज लखनऊ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनुसुइया देवी वर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के बिना  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कड़े की जानकारी---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्साउ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 19 फोर्थ फ्लोर पर (4) पैमाइसी 275  
वर्ग-फीट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग  
हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ करारनामा जोकि अर्जुन क्षेत्र  
लखनऊ में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अर्जुन क्षेत्र क्रम संख्या  
98 पर दिनांक 1-10-1984 को पंजीकृत किया जा चुका  
है।

विनोद कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 13-6-1988

मोहर

## प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० जी०आई० आर०संख्या 81/37 ईई/एक्यू०—

यतः मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति पैमाईसी 12370 वर्ग-फिट है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जुन क्षेत्र, लखनऊ में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 अक्टूबर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. मै० जन० ई० हबीबउल्ला  
उत्तराधिकारी अली बहादुर हबीबउल्ला
2. श्रीमती गहना हबीबउल्ला ।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स हलबामिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि०,  
हजरत गंज लखनऊ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति पैमाईसी 12370 वर्ग-फिट स्थित 11, एम० जी० मार्ग लखनऊ करारनामा जोकि अर्जुन क्षेत्र क्रम संख्या 97 पर दिनांक 1-10-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ, द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

विनोद कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 13-6-1985

मोहर:

**संक्षेप भाषा: डी.एच.एच.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**

**धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या 80/37 ई ई/एचयू—

यतः मुझे, बिनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें प्रस्तावित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति पैमाईसी 7100 वर्ग-फीट है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग लखनऊ (हजरत गंज) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 1 अक्टूबर 1984।

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बहालपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिकूल है, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का पन्हु प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायव्य में कमी करने या उससे बचने में, बिधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) 1. मेजर जन० ई० हबीबउल्ला,  
उत्तराधिकारी अली बहादुर हबीबउल्ला,  
2. श्रीमती शहला हबीबउल्ला।

(अन्तरक)

- (2) हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि०,  
हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज लखनऊ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ये।

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपूर्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्ताधारी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति पैमाईसी 7100 वर्ग-फीट फ्लोर फ्लोर (प्रथम तल) कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हजरत गंज लखनऊ, करारनामा जोकि अर्जुन क्षेत्र क्रम संख्या 96 पर दिनांक 1-10-1984 को मक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

बिनोद कुमार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 13-6-1985

मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० अम्बाला/86/84-85--यतः मुझे, एम० के०

शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी सं० म० नं० 11 है जो जीवन नगर अम्बाला शहर  
में स्थित है (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची  
में दिया गया है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अम्बाला रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन सं० 5299 तारीख 8 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के सम्बन्धित इस से अधिक नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
असुविधाएं या उक्त अन्तरक में अस्थिरता के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची-अन्तर्गत कृत्रिम रूप से नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था स्थानों में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन सम्पत्ति के अधिकारी, अर्थात् 2--

4-166GI/85

(1) श्री बसन्त कुमार पुत्र श्री मेला राम पुत्र ईश्वर बास,  
निवासी 11, जीवन नगर,  
अम्बाला शहर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार मलहोत्रा पुत्र श्री कृष्ण लाल,  
निवासी-352 माडल टाउन अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवश्यकताएं करवा हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बढ़ने से कम हो जाती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कृत-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के  
पात निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० नं० 11 जो कि जीवन नगर अम्बाला शहर  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 5299 दिनांक 8-10-1984  
पर दिया है।

एम० के० शर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 13-6-1985

मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आदेश 33/85

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० अम्बाला/97/84-85—यतः मुझे, एस० के०  
शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 283 है जो माडल टाउन अम्बाला शहर  
में स्थित (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में  
दिया गया है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
रजिस्ट्रेशन सं० 5657 दिनांक 26 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल या  
पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निश्चित में बाह्य  
विकल्प से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरित करने वाले किसी बात को बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
आदेश 33/85

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोध्यार्थ अन्तरित होना प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सविधा के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, आदेश 33/85—

(1) श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह,  
निवासी सं० नं० 5, सीमल होटल,  
अम्बाला छावनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कैलाश चड्ढा पत्नी श्री सेवक राम,  
निवासी—283 माडल टाउन,  
अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उसके पश्चात् व्यक्ति को पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की बात  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 283 जो कि अम्बाला माडल टाउन  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 5657 दिनांक 26-10-1984  
पर दिया है।

एस० के० शर्मा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :-



दिनांक : 12-6-1985  
 मोहर :

बचन बाई. टी. एन. एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० जगाधरी/75/84-85—अतः मुझे, एस० के०  
शर्मा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 93 कनाल 2 मरले है तथा जो गांव  
बहरामपुर, तह० जगाधरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 3-10-1984, रजिस्ट्रेशन सं० 5664

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम मान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कही किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) एसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री वैजनाथ, सोमधत्त पुत्रान, मुकुन्दा पुत्र प्रभु,  
मौजा, बहरामपुर, तह० जगाधरी, जिला अम्बाला।  
(अन्तरक)

2. श्री हरीचन्द पुत्र पंडित लभुराम शर्मा,  
फार्म गांव, औरंगाबाद, तह० जगाधरी, जिला  
अम्बाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराया हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि, 93 कनाल, 12 मरले, जोकि बहरामपुर  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या, 5564, दिनांक 3-10-1984  
पर दिया है।

एस० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 13-6-1985

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

सं० करनाल/105/84-85—4तः मुझे, एस० के०

शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1306/13 प्लॉट है, तथा जो अर्बन इस्टेट, करनाल  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 5-10-1984 (रजिस्ट्रेशन सं० 6019)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लिये  
अनुसूची में उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लिये  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके लिये प्राप्त प्रतिफल से, ऐसे लिये प्राप्त प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्ध  
के वास्तविक रूप से करीबत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक के  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, किन्तु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, किन्तु के  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मीहन्द्र सिंह पुत्र शेर सिंह,  
निवासी करनाल । (अन्तरक)
2. सर्वश्री राजीव बंसल, संजीव बंसल, पुत्रान,  
ईश्वर चन्द निवासी 1306/13, अर्बन इस्टेट,  
करनाल ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 1306/13 जो कि अर्बन इस्टेट,  
करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या, 6019, दिनांक  
5-10-1984 पर दिया है।

एस० के० शर्मा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :

प्रत्येक भाग टी. एन. एस.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० पानीपत /86/84-85—अतः मुझे, एस० के०

शर्मा

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवक्षित करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० टी०-7 है, तथा जो इन्डस्ट्रियल  
एरिया, पानीपत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्वीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 1-10-85 (डायक्ट्रेट सं० 3237)  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुए किसी बाय को बाय, उक्त  
अभिनियम के अधीन यह करने के अन्तरक के शक्ति  
में कमी करने या उक्त सूचना में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या  
धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

तब, जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ब की अध्याय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री राम कंवर, पुत्र श्री रघुवीर सिंह,  
नि० सं० नं० 106, बार्ड नं० 5,  
पानीपत ।
- (2) श्रीमती ऊषा रानी, विधवा, श्री राज कुमार,  
निवासी 83, बजीर चन्द कालोनी,  
करनाल ।

(अन्तरक)

2. मै० विराट इन्टरप्राइजिज  
द्वारा, श्री विनय नागपाल, पुत्र श्री उत्तम चन्द,  
नि० 223, आर० माडल टाउन पानीपत ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करके हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के अन्तरक में कोई भी वास्तव्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
जिजित न किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति, औद्योगिक प्लॉट नं० टी०-7 क्षेत्रफल, 516  
वर्ग गज, पानीपत, में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री  
कर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या, 3237, दिनांक  
1-10-84 पर दिया है ।

एस० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :—

अध्या. बार्ह. टी. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० सोनीपत/78/84-85--अतः मुझे, एम० के० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 11 क० 5 म० है तथा जो जमाल-  
पुर खुर्द व गढ़ी ब्राह्मणान पर स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-10-1984,  
रजिस्ट्रेशन सं० 3055

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) बाई अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस बाधा द्वा प्रति-  
कम निम्नलिखित संयोजन से उक्त अन्तरण लिखित में बतलाविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी भाष की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने के उद्दिष्टों के लिए  
की/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किसी भाष बाह्य भा, स्थानों के लिए

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, व्यक्ति 2—

(1) श्री भोम सिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह पुत्र लोकराम,  
निवासी-गढ़ी ब्राह्मणान, सोनीपत।

(अन्तरक)

- (2) 1. सर्व श्री भोम प्रताप पुत्र धर्म सिंह, निवासी,  
नया बाप गढ़ी ब्राह्मणान गढ़ी,  
2. उमेश कुमार पुत्र जगदीश चन्द्र मकान नं०  
28 आ० सरला सोनीपत।  
3. सुल्तान सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह, निवासी-इसराना,  
जिला करनाल।  
4. मूल चन्द्र बाज पुत्र परमानन्द, लहलेडी,  
ककरोली रोड, सोनीपत।  
5. रणबीर पुत्र झाड़ूराम, कान्ता भारद्वाज पुत्री  
शिवनरायण, ग्राम-कुंड, तहसील रिवाड़ी। गोबिन्दी-  
बाई विधवा चेतनदास, बवा कामोनी, सोनीपत,  
कृष्णा पत्नी राजेन्द्राह, निवासी-कोहना, तहसील,  
गोहाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारा—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, को भी  
अवधि मात्र में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितकारी के  
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अन्तरक

सम्पत्ति भूमि 11 करनाल 5 सरला जो कि जमालपुर  
खुर्द व गढ़ी ब्राह्मणान में स्थित है जिसका अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या 3055  
दिनांक 8-10-84 पर दिया है।

एम० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, रोहतक

तारीख : 13-6-1985

गोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० सोनीपत/80/84-85—अन: मुझे, एम० के०

शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 11 क० 5 म० है तथा जो जमालपुर खुर्द तहसील सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-10-1984, रजिस्ट्रेशन सं० 3093

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री खेमचन्द पुत्र श्री जगदीश सिंह पुत्र लीक राम सेनी निवासी—ग्राम गढ़ी ब्राह्मणान तहसील सोनीपत द्वारा नेमचन्द पुत्र श्री जगदीश सिंह गरी ब्राह्मणान तहसील सोनीपत।

(अन्तरक)

(2) 1. सर्व श्री छोटे लाल पुत्र तेजराम निवासी—कबूलपुर जिला रोहतक

2. जसवन्त सिंह पुत्र श्रीराम निवासी जागस्ती तहसील गोहाना सोनीपत।

3. मुंगा राम पुत्र शिवदयाल श्रीमती सन्तरदेवी पत्नी जै किशन गुप्ता पुत्र गोपीराम निवासी—जागस्ती तहसील गोहाना जिला सोनीपत।

यशवन्ती जुनिवाल पत्नी श्री श्रीम प्रकाश पुत्र मांगेराम निवासी महलाना तहसील सोनीपत।

4. रामेश्वरदास पुत्र नन्द किशोर कृष्णानगर सोनीपत।

5. श्रीमती कीचो धर्म पत्नी लच्छमन निवासी—ककरोई रोड, सोनीपत।

6. श्रीमती धनपती पत्नी श्री उमेद सिंह वर्मा पुत्र श्री भूलचन्द निवासी हलालपुर, तहसील सोनीपत।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 11 कनाल 5 मरले, जो कि जमालखुर्द में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री सं० 3093, दिनांक 10-10-1984 पर दिया है।

एम० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 13-6-1985

महेश

प्रत्यक्ष बाईं टोपी पुनः एड...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत गणराज्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० रोहतक/59/84-85—अतः मुझे, एस० के०  
शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०एल०एफ० कालोनी पर स्थित  
नम्बर 276-297 सं० वाली, एक लाख रु० से अधिक के  
उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और  
अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका  
अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के रोहतक स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 12-10-1984 तारीख  
को रजिस्ट्रेशन सं० 4806।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपूर्ण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-166GI/85

(1) श्रीमती भगवानी देवी पत्नी श्रीहरदेव सिंह,  
जिला मकान नं० 712/20 डी०एल०एफ०  
कालोनी, रोहतक।

(अन्तरक)

(2) श्री रामलाल पुत्र श्री सिवन्दाराम, श्रीमती  
कौशल्या देवी पत्नी श्रीरामलाल, निवासीगण-  
मकान नं० 276-297 पी०डी०एल०एफ० कालोनी,  
रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाबत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वये 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 276-297 पी०डी० नं० 14,  
जिसका क्षेत्रफल 1035 वर्ग गज है, डी०एल०एफ०  
कालोनी रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री सं० 4806,  
पर दिया है।

एस० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 13-6-1985

मोहर :

प्रस्ताव बाई, टी. एम. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० गुडगांव/498/84-85—अतः मुझे, एस० के० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन उक्त सहायक आयुक्त को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सिलोखरा तहसील गुडगांव पर स्थित भूमि 7 कनाल 12 म० संख्या वाली, एक लाख 80 से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अवल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुडगांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-10-1984 तारीख को रजिस्ट्रेशन सं० 5960

को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है, अर्थात् यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से पूर्व किसी भाव की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की दृष्टि से कभी करने या सख्त बनने से निवृत्ति के लिए;

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत् द्वारा प्रयुक्त नहीं किया गया हो या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामेश्वर दयाल पुत्र लेखराम नि० गांव सिलोखरा तह व जिला गुडगांव। (अन्तरक)

2. सर्वश्री अशोक कुमार चोपड़ा पुत्र एम० सी० चोपड़ा, डी-116, सकेत, नई दिल्ली।

श्रीमती मंजू तंवर पत्नी श्री आर० पी० सिंह, कोठी नं० 2, डाक्टर लेन जनरल होस्पिटल, गुडगांव।

श्रीमती रेनु चौहान पत्नी श्रीपरमोद सिंह, गांव जटौली, तहसील गुडगांव।

श्रीमती गायत्री देवी पत्नी श्री कृशन पाल सिंह, गांव जटौली, तहसील गुडगांव।

श्रीमती रविन्दर चौहान पत्नी श्रीसतपाल सिंह, निवासी, महिन्दर गढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही करा जाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 7 कनाल 12 मरले जो कि सिलोखरा गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 5960, दिनांक 12-10-1984 पर दिया है।

एस० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 13-6-1985

मोहर :



प्रमाण आई, टी, एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० गुडगांव/500/84-85—अतः मुझे, एस० के०

शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गांव चोमा गुडगांव पर स्थित भूमि 52  
क० 9 म० संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित  
बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक  
विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण  
ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
गुडगांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 15-10-84 तारीख को  
रजिस्ट्रेशन सं० 6007।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियां  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दाखल प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री चंदगी पुत्र सीजी पुत्र रूपराम, श्रीमती  
सुरजी पत्नी अमरसिंह पुत्र सीजी, निवासी गांव,  
विलासपुर, तहसील गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरज भान पुत्र श्री मंगल राम, पुत्र हंसराज,  
निवासी गांव चोमा तह० गुडगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 52 कनाल 9 मरले, जो कि चोमा  
गांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 6007, दिनांक 15  
15-10-84 पर दिया है।

एस० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-6-1985

मोहर:

**इसका नाम 'डी.एन.ए.' है—**

**भाषा: अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रंज, रोहतक**

**रोहतक, दिनांक 13 जून 1985**

**निदेश सं० गुडगांव/512/84-85—अतः मुझे, एस० के० शर्मा**

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गांव करोला तहसील गुडगांव पर स्थित भूमि 97 क० 1 म० संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अंतरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुडगांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-10-84 तारीख को रजिस्ट्रेशन सं० 6069।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वास्तविक से कमी करने या उक्त अन्तरण में भ्रमिषा की दिष्टि; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी रूप या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में भ्रमिषा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री देशराज पुत्र मुंशी, पुत्र परसराम, निवासी गांव करोला, तहसील, गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री सन्तराम, भजनलाल, पुतान सामे सिंह, पुत्र श्री नन्दराम, गांव नाथूपुर, तहसील जिला गुडगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजोब 2--**

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति भूमि 97 कनाल 1 मरला, जो कि गांव करोला में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 6069, दिनांक 18-10-84 पर दिया है।

एस० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 13-6-1985

सोहर :

प्रमुख भाई टी. एन. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० गुडगांव/513/84-85—अतः मुझे, एस०के०  
शर्मा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पञ्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० न्यू कालोनी गुडगांव पर स्थित कोठी  
नं० 195ए संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित  
बाजार मूल्य वाली अचल संपत्ति (जिसका और अधिक  
विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण  
(ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के गुडगांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 19-10-1984 तारीख  
को रजिस्ट्रेशन सं० 6083

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचन या सुविधा  
के लिए; लाउ/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदनलाल पुत्र श्री दीनतराम, मकान नं०  
195-ए, न्यू कालोनी, गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार ईशर पुत्र श्री सोमराज ईशर,  
निवासी मकान नं० एन-29, न्यू कालोनी  
गुडगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति मकान नम्बर 195-ए, जो कि न्यू कालोनी  
गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 6083 दिनांक  
19-10-1984 पर दिया है।

एस० के० शर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 13-6-1985

मोहर

प्रकाश जादू, टी. एन. एच.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० दिल्ली/5/84-85—अतः मझे, एस० के०

गर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गांव कामा, पलवल पर स्थित भूमि 31 क० 17 म० सं० वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) की धारा 269 क, ख के अधीन, 18-10-1984 तारीख को रजिस्ट्रेशन सं० 956।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी काम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वनों के अन्तरक के बावजूद नो करी करने या उससे बचने में अधिकारी के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिव को 'बिन्दू' भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा दे लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ममथरी, श्रीमती महतामी पत्नी श्री दाता राम गांव-कामा, तहसील पलवल, जिला फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री धर्मवीर पुत्र श्री खयाममिह, श्री जगवीर पुत्र जीमा राम श्री नेपाल सिंह पुत्र श्री हरीचन्द, गांव-कामा, तहसील पलवल, जिला फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 31 कनाले 17 मरले, जो कि गांव कामा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय पलवल में रजिस्ट्री संख्या 956, दिनांक 18-10-1984 पर दिया है।

एस० के० गर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 12-6-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० गुडगांव/700/84-85—अतः मझे, एस०के०

शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृष्णा कालोनी गुडगांव पर स्थित मकान नं० 457/10 सं० वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुडगांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-10-1984 तारीख को रजिस्ट्रेशन सं० 6214।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्में दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच इसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कृष्णा शानी चावला पत्नी श्री खेम चन्द्र चावला पुत्र मूलचन्द्र चावला, खेम चन्द्र चावला, पुत्र मूलचन्द्र चावला, निवासी धूलिया, तहसील, जिला धूलिया, (महाराष्ट्र)।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवानदाम गुलाटी पुत्र श्री आशा नन्द, पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द, निवासी 172/6, जैकमपुरा, गुडगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में तत्संबंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 457/10, जो कि कृष्णा कालोनी गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 6214 दिनांक 30-10-84 पर दिया है।

एस० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 12-6-1985

मोहर :

रूप: बार: टी. एन. एच. ----

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1985

निदेश सं० फरीदाबाद/1984-85—अतः मुझे, एस० के० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का प्रमाण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फरीदाबाद पर स्थित जायदाद संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के फरीदाबाद स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-10-1984 तारीख को रजिस्ट्रेशन सं० 325

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन करने को अन्तरक के साक्ष्य से करी करनी या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिष्णु के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मणदास पुत्र कालूराम, निवासी-2649 सैक्टर-6, फरीदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कैलाशवती पत्नी ग्यानचन्द, श्रीमती विमलाजैन पत्नी प्रमोद कुमार, निवासी-1841, सैक्टर 16, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अर्थात् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 325 दिनांक 19-10-84 पर दिया है ।

एस० के० शर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 14-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतास

रोहतास, दिनांक 14 जून 1985

निदेश सं० रि.डी/9/84-85—अतः मुझे, एम० के०  
शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मलपुरा तहसील रि.डी पर स्थित,  
भूमि 63 के० 7 म० संख्य. वर्ग, एक लाख रु० से अधिक  
के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और  
अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका  
अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के रि.डी स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रेशन अधिनियम  
1908 (1908 का 16) क.ख के अधीन 25-10-1984  
तारीख को रजिस्ट्रेशन सं० 2113।

क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे  
व्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अधिनियम  
6-166GI/85

(1) श्री फूल सिंह पुत्र श्री रिमल सिंह, निव.सी  
म.रुपुरा।

(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री रजनीर सिंह, राज सिंह, जयलाल सिंह,  
बीर सिंह, निव.सी म.रुपुरा।

(अन्तरिती)

यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 63 कनाल 7 मरेल जो कि गांधी मालपुरा  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्या-  
लय रेवाड़ी में रजिस्ट्री सं० 2113 दिनांक 25-10-84 पर  
दिया है।

एम० के० शर्मा

सहायक आयकर आयुक्त

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतास

तारीख : 19-6-1985

महेश्वर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1985

निदेश सं० पानीपत/89/84-85—अतः मुझे, एस० के०  
शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृष्ण पुरा पर स्थित भूमि 4 बीघा  
19 बिस्वा है (अर्थात् इसमें उपबद्ध आमुचने में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में  
स्थित रजिस्ट्रेशन सं० 34 0 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरको और अंत-  
रिती (अंतरितीयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में  
पुस्तिक रूप से कांथत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्वय, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्रीमती गीता पत्नी अभिमन्यू द्वारा श्री अवतार  
कृष्ण खन्ना पुत्र श्री राधा कृष्णखन्ना, कृष्ण पुरा।  
(अन्तरक)

(2) श्री देवी राम पुत्र लालजी राम, राजकुमार  
पुत्र बृहमानन्द बन् राम पुत्र जयनारायण, सतीस  
कुमार पुत्र हरीराम मदनलाल, जी० टी० रोड  
शिव नगर, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्यता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीघा 9 बिस्वा, को कि कृष्ण पुरा  
में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
पानीपत रजिस्ट्री संख्या 3410 दिनांक 16-10-84 पर दिया  
है।

एस० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 14-6-1985

मोहर :



परूप बाई. टी. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मार्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 14 जून 1985

निदेश सं० फरीदाबाद 17/84-85 अतः मुझे, एस०  
के० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनको सं० भूमि 93 क० 8 म० तथा जो जिला फरीदाबाद  
में स्थित है, (प्रो० इसका उक्त अनुपूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 22-10-84 को रजिस्ट्रेशन सं० 483

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरागतियों) के बीच एस० अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व  
दायित्व में कमी करने या उससे दायित्व में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के

(1) श्री मोल्हडसिंह, अभयसिंह पुत्र निहाल सिंह,  
निवासी सिखदकी सूबा दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजबाला पत्नी श्री सतीश भटी, निवासी  
अलीपुर रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कामवाहया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेप :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुपूची

संपत्ति भूमि 93 क० 8 म० पर जो कि तहसील  
फरीदाबाद में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 483 दिनांक  
22-10-84 पर दिया है।

एस० के० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मार्जन रेंज, रोहतक

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री एस० पट्टमाल और  
एम० राजेन्द्री ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) आचार कवार और

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 60/अक्टूबर 84—अतः मुझे, के० वेंगुगोपाल  
राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 12 है तथा जो नमदु लियर  
स्ट्रीट, मद्रास-79 में स्थित है (और इससे उगावड़ अनुपूर्वी  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय एस० आर० सौकराट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य बहु विस्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसकी दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

के

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बचत :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सहायक अधिकारी के  
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० नमदुलियर स्ट्रीट, मद्रास  
-79 । एस० आर० सौकराट डाकु० सं० 473/84 ।

के० वेंगुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

दिनांक : 13-6-1985  
सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० 82/अक्टूबर 84—अतः सुझे, के० वेणुगोपाल  
राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 122 है तथा जो अन्ना पिल्स  
स्ट्रीट, मद्रास-79 में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची  
में डोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय एस० आर० सौकारपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) एम० अनिल कुमार और  
एस० रमेश कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तिप्प बाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 2A-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जनसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 122, अन्ना पिल्स स्ट्रीट,  
मद्रास-79।

एस० आर० सौकारपेट, डाकु० सं० 476/84 और 481/84

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

दिनांक : 12-6-1985

सोहर :

प्रमाण बाई. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० 62ए/अक्टूबर 84—अतः रुके, के०

वेणुगोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० डोर सं० 122 है तथा जो अन्ना पिप्ले  
स्ट्रीट, मद्रास-79 में स्थित है (और इसने उपायय अनुपूर्वी  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री अर्द्ध अधिकारी के  
कार्यालय एस० आर० सोकारपट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अर्जित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दत्त दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तारत्ता  
(अन्तारत्तया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कोशित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के  
व्यापक में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम. अर्जुन कुमार और  
श्री एस० रमेश कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभरा के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

श्रीम और निमिष डोर सं० 122, अन्ना पिप्ले स्ट्रीट,  
मद्रास-79

एस० आर० सोकारपट, डाकु० सं० 477/84।

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 12-5-1985

मोहर

प्रकृ. भाई. टी. एन. एस. ----

- (1) श्री एस० ब्रह्म कुमार और  
श्री एस० रमेश कुमार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

- (2) नतमाल।

(अन्तर्ति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1985

विदेश सं० 62बी/अक्तूबर 84—अतः रु० के०  
वेणुगोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन अधिम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 122, है तथा जो अन्ना मिल्स  
स्ट्रीट, मद्रास-79 में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से दर्जित है) की स्ट्रीट की अधिकारी के  
कादसिय एस० आर० सोकारपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

को प्राप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तर्ति (अन्तर्तिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाणिज्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

-प्रकाश-

रूनि और निर्माण डोर सं० 122, अन्ना मिल्स स्ट्रीट,  
मद्रास-79

एस० आर० सोकारपेट डाकु० सं० 479/84

के० वेणुगोपाल राजू  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

दिनांक : 12-6-1985

सोहर :

रख्य बाई.टी एन.एल.-----

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

## कार्य परकाय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० 62सी/अक्तूबर 84—अतः मुझे के०, वेणुगोपाल राजू  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पदनाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
ग के अधीन सूचना प्रकाशनी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० और सं० 122, है तथा जो अन्ना पिल्ले स्ट्रीट,  
मद्रास-79 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रॉस्ट्रीवर्ग अधिकारी के कार्यालय  
एस० आर० सौकरपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्राप्तफल के लिए अन्तरित को गढ़ है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरातिता) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निथो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या न किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० अरवि कुमार और  
एस० रमेश कुमार ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार (एच० यू० एच०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-  
वचन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मूँम और निर्माण और सं० 122, अन्ना पिल्ले स्ट्रीट,  
मद्रास-79 ।

एस आर : सौकरपेट, डाकु० सं० 480/84 ।

के० वेणुगोपाल राजू  
सहकर्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

दिनांक : 12-6-1985

सोहर :

**इसमें आई. टी. एन. एच.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० 62 डी/अक्टूबर 84—प्रतः मुझे, के०;

वेणुगोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 122, है तथा जो अन्ना पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-79 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय एस० आर० सौकारपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तर का निर्धारण किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के समित्व में पूरी करने या उसमें प्रत्यक्ष अन्तरण के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं से जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया है, या जिसका बाजार मूल्य, निम्नलिखित में उचित है।

उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
7-166GI/85

(1) श्री एम० अनिल कुमार और  
एस० रमेश कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति हमस बाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अतृप्त व्यक्तियों अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में विधि से अन्तरण।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के अन्तर्गत परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि और निर्माण डोर सं० 122, अन्ना पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-79

एस० आर० सौकारपेट डाकु० सं० 481/84

के० वेणुगोपाल राज

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

दिनांक : 12-6-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० 67/अक्टूबर/84—अतः सुके, के०

वेणुगोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32, लान्डन्स रोड, मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट द० सं० 1084/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन उक्त संपत्ति के सम्पत्तिक के शक्ति में कमी करने या उक्त संपत्ति में अतिरिक्त के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने में परिणाम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नलिनि रामकृष्णा

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सुन्दरलाल लमी और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वसुधैव

भूमि पुरानी सं० 2, नयी सं० 32, लान्डन्स रोड, वीलपाक  
मद्रास-10

(दस० सं० 1084/84)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5-6-1985

आदेश \*



प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री अरदून अभीसिपस रेगो।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के.पी.जेन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० 70/अक्तूबर 84 —अतः मुझे, के०

वेणुगोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 778, पी एच रोड़ है तथा जो मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट दस० सं० 1047/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल से कमी करने या अन्तरण अन्तर्गत आय का अन्तरण और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, विधान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाधक से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त बाधकताओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृतिः—इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 778, "पेनिन्सुता" पी० एच० रोड़, मद्रास-10  
दस० आर० पेरियमेट (दस० सं० 1047/84।

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 10-6-1985  
मोहर

प्रारूप भाई. टी. एन. एस. -----

(1) सिवालया कन्स्ट्रक्शनस।

(अन्तरक)

(2) कमला लक्ष्मानदास और

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 71/अखदूर/ 84—अतः मुझे, के० वेणु-

गोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० कमांडर-शन-चीफ, रोड़ है, तथा  
जो मद्रास-600015 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय एस० आर० पेरियमेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अन्य प्रतिफल या अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीया) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
से ग्रांथविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

जो अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अस्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(क) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य मास्तिदा  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 16, कमांडर-शन-चीफ  
रोड़, एकमोर, मद्रास-600105  
एस० आर० पेरियमेट डाकु सं० 1048/84।

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 11-6-1985  
मोहर :

प्ररूप साह. टी. एन. एस. —————

(1) सिवालय कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तकर)

साथ ही अधीनस्थ, 1961 (1961 का 43) की धारा  
260-ए (1) के अधीन बनना

(2) रूपचन्द एत० निकानि द्रुष्ट ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कक्षा शिक्षक    सहायक    आचार्य    आचार्य    निरीक्षक

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जन 1985

निर्देश सं० ७२/प्रकलब/८४—प्रतः, रुझे, के० वेणुगोपाल

天可，

राज्य सरकार का नियम, १९८४ (१९८४ का ४३) (जिसमें इसमें  
२६९-ए के अधीन सहायक अधिकारियों को यह विश्वास करने का  
अधिकार है कि वे अपने दायित्वों को निभाने में सक्षम हैं। मुख्य

और जिसकी डोर नं० 16 है तथा जो कमांडर-इन-चीफ, रोड एस्मोअर, नम्बरा-400051 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजरीट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० पेरिसोर्ट के राजरीट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1984

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अंतरित की गई राशि का उपयोग अंतरित प्रतिफल के हितों के लिए किया जाएगा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के सार्वजनिक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक समय में संपादन हो सके, के भीतर सूचित व्यक्तियों को यह कि वे व्यक्तिगत दस्तावेज

(ख) हम सचवा के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित-वृद्धि किताब अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

किसी आदमी की बाबत, उसके  
अभिलाषा के बारे में, या उसके  
के लिए; और/या

ਅਨੁਸੂਚੀ

भूमि और निर्माण—प्लेट नं० 203, डोर सं० 16,  
कमांडर-इन-चीफ, रोड, मद्रास-8  
एस० आर० वैरियमेट डाक० सं० 1049/84।

(ख) एंसी इकासी अन्य कृषि-विषयी धन या अन्य वस्तुतयाँ  
को, जिसका सम्बन्ध है आधुनिक कृषि-विज्ञान, 1922 का 11 या उक्त अधिनियम या  
1922 का 11 अधिनियम (1922 का 11) या 1922 का 11  
के अन्तर्गत कार्य करने के लिये आवश्यक था, किन्तु  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
लोकता है किन्तु,

के० वेणुगोपाल राजू  
सहस्र प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-6-1985

माहेर अ

सकम बाई.टी.एन.एस.

(1) सिवालय कन्सल्वेशन।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) जोति पी० निकानि।

(अन्तरक)

(अन्तरिरी)

आयकर अधिनियम

आयोजन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 72-ए/अक्टूबर/84—यतः, मुझे, के०

वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 16 है तथा जो कमांडर-इन-चीफ रोड  
एगमोर, मद्रास-8 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीय अधिकारी के कार्यालय,  
एस० आर० पेरियमेट में राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी  
(अन्तरिरीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए  
अव्यवहारिता करवा है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमवर्गी व्यक्ति पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

राजस्त्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भवन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के शब्दजसम अन्तरिरी द्वारा प्रकृत नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें से  
सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण — फ्लैट नं० 204, डोर सं० 16,  
कमांडर-इन-चीफ, रोड, एगमोर, मद्रास-8

एस० आर० पेरियमेट डाकु० सं० 1050/84

के० वेणुगोपाल राजू  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 12-6-1985

आयुक्त

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) एम० एल० पटवारी और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कमला मेनन और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण

मद्रास, दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० 74/अक्टूबर/84—यतः, सुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अर् और जिसकी डोर सं० 813 है तथा जो पुन्दमल्ली हाई रोड मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० पेरियमेड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1984

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एक वर्ष के प्रतिफल या पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए गव पाया गया प्रति-काज निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से सम्बन्धित दायित्व को किसी अन्य प्रकार के दायित्व से अलग करने के लिए।

अनुसूची

भूमि और निर्माण हाई डोर सं० 813, पुन्दमल्ली हाई रोड, मद्रास-10

एस० आर० पेरियमेडडायु० सं० 1055/85

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिका को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में पञ्चजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में सूचित करने के लिए;

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 11-6-1985

मोहर :

परूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) एम० एल० पटवारी और अन्य

(अन्तरक)

(2) पी० सुरेश और अन्य ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 75/अस्तूवर/34—अतः, मुझे के०  
वेणुगोपाल राजू.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मालिक बाबुल गल्ल  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 813 है तथा जो पुन्दमल्ली हाई  
रोड, मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
एस० आर० पेरियमेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अस्तूवर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आकार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक को रखा है और यदि यह निश्चित  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से उसे उपायुक्त प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच होने के कारण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया जाता है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उनमें प्रदान की सुविधा  
के लिए और/या

अनुपुत्री

डूम और निर्माण डोर सं० 813, पुन्दमल्ली हाई रोड,  
मद्रास-10

एस० आर० पेरियमेट डाकु० सं० 1056/84

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत  
अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त: घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा 269-घ (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 11-6-1984

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० 77/अक्तूबर 84—यतः मुझे, के०  
वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वात करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 16 है तथा जो कमांडर-इन-चीफ रोड  
एगमोर, मद्रास-8 में स्थित है (और ३ से उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, एस० आर० पेरियमेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास  
करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान  
प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—166GI/85

(1) मेसर्स सिवालया कलसद्रकान्त ।

(अन्तरक)

(2) सीताबाई, रामचन्द ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 16, कमांडर-इन-चीफ रोड,  
एगमोर मद्रास-8

एस० आर० पेरियमेट अकु० सं० 1044/84

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 11-6-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० गोपाल मेनन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० आर० सेतुरामन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० 79/अक्तूबर/84—यतः, मुझे, के०

वेणुगोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है तथा जो नोरोजी रोड, चेटपेट, मद्रास-31  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पेरियमेट दस्तावेज सं० 1038/84 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उपबन्ध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिमें  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित ध्येयों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतसूची

भूमि और निर्माण सं० 24, नोरोजी रोड, चेटपेट, मद्रास-31  
(दस० सं० 1038/84)

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 5-6-1985  
गोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री महेन्द्रबाई यू० भट और  
राजेन्द्र एम० भट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० मायालाम् ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 80/प्रस्तूवर/84--अतः, मुझे, के०

वेणुगोपाल राजू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 144 है तथा जो स्वामी नार्डिन स्ट्रीट, चिन्द्रिपेट, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपावद्ध भू-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० पेरियमेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1984

को व्यक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 144, स्वामी नार्डिन स्ट्रीट,  
चिन्द्रिपेट, मद्रास -2,  
एस० आर० पेरियमेट डाकु सं० 1035/84)

के० वेणुगोपाल राजू  
सख्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० 90/अक्तूबर/84—अतः मुझे, के०

वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 84 है तथा जो ऐप्पा मुदली स्ट्रीट,  
मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जे० ए० सं० आर०-1, मद्रास उत्तर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरक) और अंतरली (अंतरली) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद इक़ाहिम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० ए० सिरजन्नीशा।

(अन्तरली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 84, ऐप्पा मुदली स्ट्रीट,  
मद्रास-1,

जे० ए० सं० आर०-1, मद्रास उत्तर। (डाकु० सं० 2910/84)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 13-6-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) एस० रानि अम्माल और

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) वी० चन्द्रशेखरन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० 95/अक्टूबर/84—अतः मुझे के०

वेणुगोपाल राजू

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 4, है तथा जो बन्दर धारडन स्ट्रीट,  
प्रेमपुर मद्रास-600011 में स्थित (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम  
के कार्यालय एस० आर० सेमपियम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को वर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य वर्णित सम्पत्ति के दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच एने अन्तरण के लिए उपाय किया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वैधानिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाणिज्य में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अर्थास्तबों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 4, बन्दर धारडन, 3 स्ट्रीट,  
प्रेमपुर, मद्रास-600011 एस० आर० सेमपियम ।  
(दस सं० 3644/84)

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जन :—

दिनांक : 13-6-1985  
मोहर

प्रकृष आई.टी.एन.एस.-----

(1) रहन बाई और

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

(2) ए०एस० महमूद।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 109/अक्तूबर/84—अतः मुझे, के० वेणु-  
गोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 47 और 48, फस्ट मेयन रोड़  
है, जो सेनार्य नहर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, एस० आर० अन्ना नहर में भारतीय रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 अक्टूबर  
1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के धारित्व  
में कभी करने या उससे बचने में बाधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता वाद्विषय था, छिपाने में सज्जिधा  
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधने :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए या किये;

लक्ष्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण (फ्लाड) डोर सं० 47 और 48,  
फस्ट मेयन रोड़, सेना नहर, मद्रास।

दस० सं० : 3422/84।

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 11-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वाय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 110/अक्तूबर/84—अतः मुझे, के० वेणु-  
गोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 47 और 48, पस्ट मैयन रोड है, जो सेनाई नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०आर० अन्ना नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि युष्मा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाय, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उचित बाजार मूल्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषवाच्य बन्तरीणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या कि या बाय बाय बाय बाय के लिए;

(1) रहन बाई और

(अन्तरक)

(2) श्री सी० सनस्याम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनपत्र

भूमि और निर्माण (प्लॉट) डोर सं० 47 और 48, पहली मेईन रोड, सेनाई नगर, मद्रास एस० आर० अन्ना नगर दस० सं० 3423/84।

के० वेणुगोप ल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

धारा 269-ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-6-1985

मोहर 3

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एम. ----

(1) राहुन बाई और

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) सुसीसा देवी।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जून 1985

देश सं० III/अक्टूबर/84—अतः मुझे, के० वेणु-  
गोपाल राजू,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 47 & 48, फ्रस्ट मेईन रोड  
है, जो सेनाई नगर, मद्रास में स्थित है (और इसे उदाहरण के तौर पर  
में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के  
कार्यालय, एस०आर० अन्ना नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर,  
1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वै वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
का राजस्व भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किता जाता धारित है, उक्त के सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लेखनीय के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमी और निर्माण फ्लॉट डोर सं० 47 & 48,  
फ्रस्ट मेईन रोड, सेनाई नगर, मद्रास एस०आर० : अन्ना नगर,  
दस० सं० 3424/84।

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 11-6-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री एस.पी. सम्बुस्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला बाप्टिस्ट।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० 112/प्रवृत्त/84—अतः मुझे के० वेणु-  
गोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 3183, ब्लॉक ए०एच०  
208, है, जो अन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और  
इससे उपबाद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय अन्ना नगर दस० सं० 3425/84 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16  
के अधीन 16 अक्टूबर, 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उगते बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तिबों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—166GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण प्लॉट सं० 3183, ब्लॉक ए०एच०  
208, अन्ना नगर, मद्रास 40 (द०सं० 3425/84)।

के० वेणुगोपालराजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 5-6-1985

माहुर :

प्रथम भाग टी.एन.एच.-----

वायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० 113/प्रवृत्त/1984—अतः मुझे, के०  
वेणुगोपाल राजू

वायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुरानी सं० 17 (नयी सं० 138) है,  
जो अगप्प नायकन स्ट्रीट, जार्ज टोन मद्रास-1 में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास द०सं०  
2946/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16 के अधीन प्रवृत्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नभै यह विवक्षा  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पास  
नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायफर में कमी करने या उससे बचने में सूचना  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य जातिवा  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रवृत्तिवा अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० मोहमद इकबाल।

(अन्तरक)

(2) श्री एस०ए०एम० बजत अहमद नाचिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के  
पास विवक्षित में किए जा सकेंगे।

लगावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनसूची

भूमि और निर्माण पुरानी सं० 17 (नयी सं० 138)  
अगप्प नायकन स्ट्रीट, जार्ज टोन, मद्रास-1 (द०सं० 2946/  
84)।

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 5-6-1985

मोहर



प्रमुख कार्य. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के. पातिभन ।

(अन्तरक)

वाचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती आर. गजलक्ष्मी और  
एन. रामसेशन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जून 1985

निदेश सं. 114/अकतुवर/84—प्रतः मुसे. के. वेणु-  
गोपाल राजू

वाचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवक्षा करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि. की सं. 131(1/49), कोटल मेवेन्ट स्ट्रीट, है, जो  
मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-धर्ती अधिकारी के कार्यालय,  
उत्तर मद्रास द.सं. 2926/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अक्टूबर,  
1984

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विवक्षा  
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उपर्युक्त से उक्त अन्तरण विवक्षा में  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव का बावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
की, जिन्हें भारतीय वाचकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-  
कत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रकेषार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिये था, जिसमें से सुविधा  
में विवक्षा

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
है, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के बचन से विवक्षा  
कार्यवाही का किया है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वाद है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यायिकरण:—इसमें प्रयुक्त कानूनों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्ण होगा जो उक्त अधिनियम में किया  
गया है।

वसुधैव कुटुम्बकम्

भूमि और निर्माण डोर सं. 131, कोरल मेवेन्ट  
स्ट्रीट, मद्रास-1 (द.सं. 2926/84)।

के. वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-6-1985

मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एन. एन. एन. एन. एन. एन.

(1) श्रीमती सैबुन्निता और अन्यें।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एन० चर्कतुन्निता।

(अन्तरिती)

## प्रकट करकाय

किसी सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० 115/अप्रतूबर/84—अतः मुझे, के० वेणुगो-  
पाल राजू,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 20, अग्रप्य नायकन स्ट्रीट,  
है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाख्य में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-रती अधिकारी के कार्यालय,  
मद्रास (उत्तर) दस्तावेज सं० 2798/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन  
16 अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
बाधित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसार  
है, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित वास्तवों, अर्थात्—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

है:

भूमि और निर्माण डोर सं० 20, अग्रप्य नायकन स्ट्रीट,  
मद्रास-1 (द०सं० 2798/84)।

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-6-1985

ओवर

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

- (1) डी० वामाडियो एन्ड कंपनी  
(एर यूनिट)।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

- (2) मेसर्स बकका कंपनी।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन को लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं०/117/अक्यूब/84---प्रतः मझे, के वेणुगोपाल राजू  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी सं० 9वीं और सी (आपॉरेशन डोर सं०  
351-353 है, जो पाल्तिन रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे  
उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिशारी के कार्यालय, वस्तावेज सं० 1031/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन  
16 अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
छद्मदोष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
पहली किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 351 से 353 तक,  
पाल्तिन रोड, मद्रास-8।

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-6-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. ....

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० 118/अक्टूबर/1984—प्रतः मझे, के०  
वेणगोपाल राजू

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/5, माट्टुकार वीरबद्रन स्ट्रीट है, जो  
पेरियमेट, मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपायद में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के  
कार्यालय, पेरियमेट दस्तावेज सं० 988/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन  
16 अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
बायिल में कमी करने या उससे बचने के सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री वी० एस० इण्डमूर्ती चेट्टियार।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बायोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मुमी और निर्माण और सं० 5, माट्टुकार वीरबद्रन  
स्ट्रीट, मद्रास-3 (दस्तावेज सं० 988/84)।

के० वेणगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-6-1985

मोहर :

प्रकट नाम: टी. एन. एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

ज

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/5781---अतः मझे,  
श्रीमती एस० के० अलिख

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मान नं० डी/82 है, तथा जो कोटरा  
तालाब, सेक्टर बी, ० आर० डी० ए०, रायपुर में स्थित है (और  
इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्री तथा अधिारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का पक्ष  
इतिहास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिचितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
इतिहास, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी मान की वास्तविक  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात्

(1) मे.सँ विजय नर.द्रकान, शास्त्री नगर, रायपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती आविदा बानू परती नूर मोहम्मद, रतिया  
पारा, धमतरी जिला रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मान नं० डी/82, कोटरा तालाब, सेक्टर बी, आर०  
डी० ए०, रायपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर  
37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० अलिख  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण) सहायक भाषाकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-6-1985  
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई-ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5782—प्रतः मुझे,  
श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयगत करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० डी/33, कटोरा तालाब, सेक्टर-बी  
घा० डी० ए० है तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपा-  
युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
गोपनीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स विजय कंस्ट्रक्शन,  
शांतिनगर, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल  
मकान नं० डी/33, कटोरा तालाब,  
सेक्टर-बी, रायपुर डवलपमेन्ट अथोरिटी,  
रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० डी/33, है जो कटोरा तालाब, सेक्टर-बी, रायपुर  
डवलपमेन्ट अथोरिटी, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा  
अन्तरिती, द्वारा सत्यापित किया गया है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक 13-6-1985

मोहर :

**प्रकाश बाई.टी.एल.एस.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5783/अंतः मुझे,

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पन्नाचू 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि मोजा खजरी ब० नं० 84, प० ह०  
नं० 95/35 है, तथा जो खजरी, छिन्दवाड़ा में स्थित है (और  
इससे उपायवत् अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से यगित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बना गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यरत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया है या नियत ज्ञान के अधिनियम, 1957 में  
सूचित है कि;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-166GI/85

1. श्रीमती सुमनबाई पति श्री गुलाब चन्द गुप्ता,  
निवासी छिन्दवाड़ा, तह० विजया छिन्दवाड़ा।  
(अन्तरक)

2. शिक्षक गृहनिर्माण महकारी समिति  
मर्यादित खजरी छिन्दवाड़ा द्वारा अध्यक्ष श्री मदनसिंह  
वर्मा लाल बहादुर शास्त्री विद्यालय, छिन्दवाड़ा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि मोजा खजरी ब० नं० 84, प० ह० नं० 95/34  
है जो छिन्दवाड़ा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित किया गया है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्म  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अन्वयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी/प्रर्व/भोपाल/5784—आ: पुजे  
श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

अन्वयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना अधिकांश को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि प० ह० नं० 53 है तथा जो उज्जैन में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) एन्वयकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज  
परिष्कार के लिए अन्तरित की गई है और इसके सही विवरण करने  
करने का कारण है कि अप्राप्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए लक्ष्य  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्वयकर के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयकर  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (i)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती भूराबाई पंति स्व० श्री गौरधनजी
- (2) रामेश्वर पंति श्री " "
- (3) बाबूलाल पंति " "
- (4) चैन सिंह पंति " "
- (5) अमनालाल पंति " "
- (6) हीराबाल पंति " "
- (7) गोपाल पंति श्री " "
- (8) दयाशंकर व (9) पुष्पोत्तम पंति श्री

(सभी निवासी मालीपुरा, उज्जैन)।

(अन्तरक)

2. नव आकाश गृहनिर्माण सहकारी संस्था मर्यादा 33,  
माधव नगर, उज्जैन।

(अध्यक्ष, श्री राधेश्याम दन्तल पंति श्री छोमालाल बंसल)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के लक्षण में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के लक्षण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के बीच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया  
गया है :

अनुसूची

भूमि प० ह० नं० 53 है, जो तह० उज्जैन, में स्थित है  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में  
निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा, सत्यापित किया गया  
है।

श्रीमति एम० के० औलख

सहय आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-6-1985

माधव



प्रकृष आर्.टी.एन.एल-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून, 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5785---अतः मुझे,  
श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि प० ह० नं० 53 है, तथा जो उज्जैन  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में अंग जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में  
राजस्ट्रोकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से लक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वये  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भागीरथ पिता श्री मनपतजी,  
निवासी मालीपुरा, उज्जैन ।

(अन्तरक)

2. नव आकाश गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित,  
33, माधव नगर, उज्जैन ।

(अध्यक्ष : श्री. राधेश्याम बंसल पिता श्री छोबालाल बंसल)

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि न्यून में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

कन्सुपी

भूमि प० ह० नं० 53 है, जो तह० उज्जैन, में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी-  
में निहित है, तथा अन्तरिणी द्वारा सत्यापित किया गया है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5786—अतः मुझे,  
श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि संरचना खसरा नं० 760 है तथा जो  
खजुराना, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन अक्षत, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गुन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
तत्सर्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एल० आई० सी० एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी, लिमिटेड, बीमा नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स श्री बिल्डर्स 6/7, महेश नगर, इन्दौर।

(1) श्रीमती सुधा झावर पति श्री० के० झावर,

(2) श्रीमती उर्मिला मोदी पति श्री सी० एस० मोदी

(3) श्री शान्तीलाल रन्का, आत्मज

श्री मेहताब चन्द रन्का।

(4) कु० मधु पुत्री श्री एम० एल० रन्का।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एवं खसरा नं० 760 है जो खजुराना, इन्दौर में  
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं०  
37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया  
है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एल. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5787—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विवेक करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 4/17 है, महेश नगर है तथा जो  
इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में  
करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुवर्तमान अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रकाशचन्द बोहरा,  
आत्मज श्री मिश्रीलाल जी बोहरा,  
निवासी 4/17, महेश नगर, इन्दौर (म० प्र०).

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती मनोरमा बाई पत्नी श्री शान्तीलाल जी  
रवनपाल

(2) श्री शान्ती लाल आत्मज श्री वेनीचन्द जी रवनपाल  
निवासी 9, रवनपाल बाजार,  
झाबुआ (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
बाद लिखित में किया जा सकेगा ।

संज्ञाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 4/17 है जो महेशनगर, इन्दौर में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-की में  
निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

॥

दिनांक : 13-6-1985

माहूर :

प्रकाशक: टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5788—अतः मुझे,  
श्रीमती एस० के० श्रीलख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि खसरा नं० 952/1, 953/1 है तथा जो  
ग्राम कैलोदकरताल, तह० इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दाखिल में कमी करने या उतसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तर्गत् द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री मदन लाल आत्मज श्री गंगाराम,  
निवासी ग्राम कैलोदकरताल, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. बिहार सहकारी गृह निर्माण संस्था, मर्यादित,  
41/2, जैल रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 951/1, 953/1 है जो ग्राम कैलोदकर  
ताल, तहसील इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित किया गया है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :

प्रमुख भाग टी.एन.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/5789--अतः मझे,  
श्रीमती एस० के० ओसख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० मकान म्युनिसिपल नं० 20/3/135 है तथा जो यशवंत निवास रोड, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्तान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दख्तान प्रतिफल से, ऐसे दख्तान प्रतिफल के दख्तान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दख्तान से कमी करने या उक्त करने में अन्तरण के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी अन्त या अन्य भागधारी को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया जा रहा था, जिसने से अन्तरण के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम

1. श्रीमती पानकुवर भरकतिया,  
पति स्व० श्री चन्दनसिंह की भरकतिया,  
निवासी 20/3, यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माधुरी भरकतिया,  
पति श्री अक्षयसिंह जी भरकतिया,  
निवासी 20/3, यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाय में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहनाक्षरों के पास निहित या दिया या लफ्फे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अध्याय

म्युनिसिपल मकान नं० 20/3/135 है, जो यशवंत निवास रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिणी द्वारा, सत्यापित किया गया है।

श्रीमती एस० के० ओसख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-6-1985

मोहर :

रूप आर. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5790—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का एक भाग नं० 20/3 (नया नं० 135) है, तथा जो यशवन्त निवास रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पानकुंवर भरकतिया,  
पति श्री चंद्रन सिंह जी भरकतिया,  
निवासी 20/3, यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माधुरी भरकतिया,  
पति श्री अक्षयसिंह जी भरकतिया,  
निवासी 20/3, यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के द्यमान से कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सर्वकारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग जिसका नं० 2/3 (नया नं० 135) है जो यशवन्त निवास रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा, सत्यापित किया गया है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 13-6-1985  
मोहर :

प्रकाश सहकारी, ली. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

1. (1) श्रीमती कमला पति श्री रामफल गवाल,  
(2) श्री रामफल पिता श्री बाधीप्रसादजी गवाल,  
निवासी 55/5; वल्लभ नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. प्रकाश सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित,  
5, पलसिकर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० आर्ड० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5791—अन: मझे,  
श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पहले इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विपदास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 मकान नं० 23/1 है, तथा जो यशवन्त निवास, रोड, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त व्यवमान प्रतिकल से, ऐसे व्यवमान प्रतिकल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरक से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से सुविधा के लिए।

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—166GI/85

सूचना

प्लॉट नं० 1, मकान नं० 23/1 है, जो यशवन्त निवास रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा, सत्यापित किया गया है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक 13-6-1985

आयकर :

प्रमाण आहूति, टी. एम. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5792—अतः मुझे श्रीमती एम० के० श्रीलख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 13/3, 14/1ख, 15/6; 15/7, 15/10, 23/3 है, तथा जो ग्राम पानसेमल, सेंधवा, जिला खरगोन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानसेमल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अन्तरण से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मैसर्स भारत खाण्डसारी शुगर मिल्स, पानसेमल की ओर से ग्राम मुहंतयार पीरचन्द पिता श्री कन्हैयालाल गिन्त, निवासी सेंधवा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लक्ष्मी खाण्डसारी शुगर मिल्स इन्दौर की ओर से भागीदार :—

(1) श्री ताराचन्द पिता श्री सागरमल अग्रवाल, निवासी इन्दौर ।

(2) श्री मनोहर पिता श्री भगवानदाम अग्रवाल, निवासी धुलिया (महाराष्ट्र) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताक्षरी के माध्यम से किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 13/3, 14/1ख, 15/7, 15/10, 23/3 है जो ग्राम पानसेमल, तहसील सेंधवा, जिला खरगोन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, तथा जो अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया जा चुका है।

श्रीमती एम० के० श्रीलख  
सश्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-6-1985

मोहर



प्रथम बार. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5793—अतः मुझे,  
श्रीमती एस० के० श्रीलख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि ग्राम बंजरी, ख० नं० 15/6, 14/1 है  
तथा जो ग्राम बंजरी में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूच-  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अस्तुवर, 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह कि  
का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त निहित में वास्तविक रूप से  
वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अस्तित्व में कभी कल्पना या उक्त अन्तरक में सुविधा  
के लिए; की जाये

(ख) कोई किसी बाय या किसी वन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रणाल्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

1. श्री किशनलाल पिता मुनगा,  
निवासी अकबरपुर, तह० हजूर, जिला भोपाल।

(अन्तरक)

2. आशीर्वाद गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल  
द्वारा अध्यक्ष श्री पी० सी० मालवीय  
ई-4, सब स्टेशन, एम० पी० ई० बी०,  
अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञाकरणः—इसमें उक्त सूचनाओं और पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होना जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 14/1, 15/6, ग्राम बंजरी, तह० हजूर,  
जिला भोपाल, में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में  
निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-6-1985

मोहर

प्रकट भाई. टी. एल. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल 5794—अतः

मुझे श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राप्त करारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 15, 16/5/1 है, तथा जो ग्राम बंजरी तह० हजूर, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जिसके दृष्टान्त प्रतिफल से ऐसे दृष्टान्त प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता के बिन्दु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिसे अन्तरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश (माइसर) द्वारा पिताजी एवं संरक्षक श्री मुनगा पिता श्री देवचंद निवासी-अकबरपुर तह० हजूर जिला भोपाल। (अन्तरक)

2. श्री आशीर्वाद गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित द्वारा अध्यक्ष श्री पी० सी० मालवीय ई-4, सब स्टेशन एम० पी० ई० बी० अरेरा कालोनी भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में प्रमाण प्रस्तुत करने।

स्पष्टीकरण :—इसमें पर्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 15, 16/5/1, ग्राम बंजरी तह० हजूर जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 13-6-1985  
मोहुर ६

प्ररूप आई. टी. ए. एम. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5795—अतः

मुझे श्रीमती एस० के० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
पत्र प्राप्त हुआ कि वह एक प्लॉट, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 268 है, तथा जो मेजर शापिंग  
सेन्टर, हबीबगंज, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), जिसकी अतिरिक्त अधि-  
कारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
व्यापारिक रूप में स्वीकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी दाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
प्रतिफल में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) तब तक कि कोई अन्य दाव किसी भी या अन्य सम्पत्ति  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधागा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मंजूर कुश्नी मशकुर कुश्नी पिता डा० हमीद  
कुश्नी निवासी-38/12, परी बाजार भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री श्याम शरत पालीवाल पिता मुनन भुसान  
पालीवाल अध्यक्ष प्रेमोरायण गऊ सर्वधन, केडरा  
देवरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 268, मेजर शापिंग सेन्टर, हबीबगंज, भोपाल  
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में निहित  
है।

श्रीमती एम० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-6-1985

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5796—अतः

मुझे श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 354 है, तथा जो वार्ड नं०  
18, सतना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सतना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्रीमती सरला देवी पत्नी राम अवतार अग्रवाल  
निवासी सतना (म० नं० 254 वार्ड नं० 18)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुलाब देवी सिधानिया पत्नी गुलाबचंद सिधा-  
निया निवासी म० नं० 254, वार्ड नं० 18, सतना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अक्षुब्ध

मकान नं० 254, वार्ड नं० 18, सतना में स्थित है। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-6-1985

मोहर :

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5797—अतः

श्रीमती एम० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति, क्रिस्टियन क्वार्टरस, कारपोरेशन नं० 1185, 1186 है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 (1) श्री रामशुद्धि पिता स्व० अब्दुल हुसैन
- (2) श्री मोह० हुसैन पिता स्व० अब्दुल हुसैन निवामी-नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

- 2 डा० विष्णु प्रकाश केडिया पिता स्व० सीताराम केडिया निवामी मडहाताल जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबाधतापूर्वक के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वादों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का भाग क्रिस्टियन क्वार्टरस, कारपोरेशन नं० 1185 एवम् 1186, नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में निहित है।

श्रीमती एम० के० श्रीलक्ष्मी

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 13-6-1985

माहूर

अध्यापक, डॉ. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5798—अतः

मुझे श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिष्ठी सं० प्लेट नं० 16, धीरज अपार्टमेंट में है, तथा जो  
नरबंदा रोड, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपान्ध अनुसूची  
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वतन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी बात की बावजूद, उक्त  
अधिकृत के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार  
में कमी करने या उसके अन्तर्गत सूचना के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा बिना जाना जाहिण था, डिपॉजिट में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

1. श्री धीरजलाल मेहता, प्रोप्रा० मेहता इन्वेस्टमेंट्स,  
48, नरबंदा रोड, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्राणा श्रीवास्तव, पत्नी श्री पुरषोत्तमलाल  
श्रीवास्तव, 902, बाई का बगीचा, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्वयिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

प्लेट नं० 16, धीरज अपार्टमेंट्स नरबंदा रोड, जबलपुर  
में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण  
फार्म नंबर 37-जी० में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी महायुक्त आयकर आयुक्त  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 13-6-1985

माहूर

प्ररूप आई. टी. एन. एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5799-अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 69 एवं गैरेज है तथा जो भोपाल में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता-अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर  
1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल नियमितित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या सबसे बचने में इविषा  
के बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किन्दा जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिषा  
के लिए;

नतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—166GI/85

1. (मेजर) आर० वी० यादव पुत्र चौधरी भामन  
सिंह, निवास ई-6/68, अरेरा कालोनी भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री गुलबन्त राय गांधी, पुत्र मदनलाल गांधी, ई-3/  
299, अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 69 एवं गैरेज, शाहपुरा अरेरा कालोनी,  
भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है, जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी  
में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 13-6-1985

मोहर :

रूप आई.डी.एम्.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5800—अतः

मृक्ष, श्रीमती एस० के० श्रीलख

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि (एन० बी० नंबर 221, पी० एच०  
नंबर 31) है, तथा को देगुआ, तहसील गाडरवारा में स्थित है  
(और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाडरवारा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सवम्बर,  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्त-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रति-  
फल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कमी करने या इससे बचने में अधिकार  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संलग्न  
होना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देव शांतिनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट, गाडरवाराटस्टी  
ताराचन्द डागा पुत्र फूलचन्द डागा, निवास डागरवारा,  
वारा, जिला नरसिंहपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अरविन्दकुमार पुत्र श्री प्रेमनारायण रघुवंशी,  
निवासी देगुआ, तहसील गाडरवारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नंबर एन० बी० 221, पी० एच० नंबर 31,  
मोजा देगुआ, तहसील गाडरवारा में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित  
फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-6-1985

मोहर :



रजत बाई. ए. एन. एच. - - -

श्रावण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5801—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेचना करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसफ्री सं० कृषि भूमि (एन० बी० नंबर 221, पी० एच०  
नंबर 31) है, तथा जो देगुआ, तहसील गाडरवारा में स्थित है  
और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाडरवारा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर,  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेचना  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
बाद/या

(ख) किसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिसके प्राथमिक आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुवर्तमान अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देव शांतिनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट, गाडरवारा ट्रस्टी :  
ताराचन्द्र डागा पुत्र फूलचन्द्र डागा, निवासी  
गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेमनारायण पुत्र हल्कू प्रसाद रघुवंशी, निवासी  
देगुआ, तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में उदात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—अन्तरक अर्थात् और पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, नहीं बर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एन० बी० नंबर 221, पी० एच० नंबर 31,  
मोजा देगुआ, तहसील गाडरवारा में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित  
फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-6-1985

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5802—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 75-बी० है, तथा जो कस्तूरबा  
नगर, भोपाल में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन;  
तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का  
वर्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को सूचित करता हूँ :—

1. श्री तीरथदास पुत्र ईश्वरदास निवासी श्रीबेकुलगांज  
जिला रायसेन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम नागा पत्नी श्री महेशकुमार द्वारा  
प्रदीप इन्टरप्राइजेस, जिन्सी जहांगीराबाद, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कृतबोध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शक्तों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 75-बी, कस्तूरबा नगर, भोपाल में स्थित है। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-6-1985

माहुर :

प्रकृष बाई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5803—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जि की सं० भूमि है, तथा जम जेजा तिलि माफी सागर  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री महन्त हरिदास चेला महन्त प्रेमदास, श्री देव  
हनुमानजी सार्वजनिक न्यास, वृन्दावन बाग, सागर।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स संगम गृह निर्माण महकारी समिति मर्यादित,  
सागर (द्वारा उपाध्यक्ष डा० एल० एल० शर्माकर),  
निवासी वृन्दावन बाग, सागर (म० प्र०)।  
(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सौजा तिलि माफी, तहसील एवं जिला सागर में  
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 13-6-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन अंत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5804—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० ग्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 433/4, 433/5, 433/6, 433/7 है, तथा जो ग्राम मरोद तह० धमतरी जिला रायपुर में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनपूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साक्ष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धिमानभाई मेहता, आत्मज रामजी भाई मेहता  
अध्यक्ष आदेश शिक्षण समिति धमतरी तह०  
धमतरी जिला रायपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री चैनसुख बल्द धनराज पारख।  
2. श्रीमती कमलाबाई जोसे जीतमल पारख।  
3. श्री अशोक कुमार आत्मज शेषमल राखेवा।  
4. श्री किशोर कुमार आत्मज शेषमल राखेवा।  
5. डा० नेमीचंद बल्द दीचंद खंडेलवाल।  
6. श्री अशोक कुमार बल्द दीपचंद खंडेलवाल।  
सभी निवासी-धमतरी जिला, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

## उक्त सम्पत्ति की अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## समस्त

भूमि ख० नं० 433/4 से 433/7 तक, ग्राम मरोद जिला, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० ग्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-6-1985

मोहर :

इसका नाम है. एच. एच. एच.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/5805—अतः  
मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पञ्चाक्ष 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान एवम् भूखण्ड है तथा जो  
गंजपारा दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के निम्नलिखित मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेन्द्र कुमार  
आत्मज बजरंगलाल रंगटा  
निवासी गंजपारा दुर्ग

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमल देवी रंगटा  
पत्नी श्री घनश्याम दास रंगटा  
निवासी गंजपारा दुर्ग,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान एवम् भूखण्ड, गंजपारा दुर्ग में स्थित है। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक :— 14-6-1985

गोहर

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एच.-----

- (1) श्री दगडू बल्द धनजी महाजन  
निवासी न्यामतपुरा, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

राज्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## नियम व्यवस्था

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० अई० ए० सी/अर्जुन/भोपाल 5806--

अतः मुझे, श्रीमती एस० के० ओलख,  
राज्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन तत्काल प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खण्ड नं० 69 है, तथा जो ग्राम  
लालबाग जिला बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवहार  
प्रतिफल के लिए बन्धित की गई है, और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पंख  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची के उक्त अन्तरक निहित  
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-  
नियम के अर्जुन कर देने के अन्तरक के धारित में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, बिना भारतीय राज-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या राज-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्य  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, जिसमें से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :-

- (2) 1. कमल सिंह अमर सिंह बर्मा नि० सिलमपुरा,  
बुरहानपुर  
2. नरेन्द्र कुमार देवीदास अग्रवाल नि० कारज-  
बाजार, बुरहानपुर,  
3. रूपचंद नारायण दिलावर, नि० दाउदपुरा,  
बुरहानपुर,  
4. आशा बेन पति नवनीतलाल पारेख  
निवासी शनवारा, बुरहानपुर,  
5. किरन कुमार पूनमचंद शाह  
नि० शाह बाजार, बुरहानपुर,  
6. नवीनभाई अम्बालाल पुरोहित,  
निवासी नया मोहल्ला बुरहानपुर

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवस्थाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि खण्ड नं० 69 ग्राम लालबाग, जिला भोपाल में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित  
है।

श्रीमती एस० के० ओलख  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक :- 14-6-1985

साहर ॥

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5807-अतः

मूले, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10 पर निर्मित मकान नं० 17 है,  
नथा जो मालवीय नगर, टी० टी० नगर, भोपाल में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—166GI/85

1. श्रीमती ख़ुमानी अख्तर पत्नी श्री अहतर हुसैन  
निवासी-मुमताज मस्जिद, शाहजानाबाद,  
भोपाल।

(2) श्री अनवर रजिदी पिता श्री ए० आर०  
रुणदी निवासी-खली मंजिल, नेहरू रोड,  
भोपाल।

(अन्तरक)

2 श्री सुन्दरलाल व शंकरलाल दोनों कन्हैयालाल मेवानी  
मि०-सिन्धी कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

10 पर निर्मित मकान नं० 17, मालवीय नगर, टी० टी०  
भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी  
में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 14-6-1985

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5808—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० एच० नं० 32/1313 है तथा जो जयेंद्रगंज लखर ग्वालियर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सीनूबाई उर्फ कमलाबाई पत्नी नरहरनाथ पुराणिक निवासी-188 पुणे महाराष्ट्र प्रान्त तथा कुसुम खाडसे पुत्री हंकरनाथ राव 13/4, टी० टी० नगर भोपाल, व इन्दिरा बाई पत्नी पुरुषोत्तम नारायण अटेकर, निवासी-जयेंद्रगंज, लखर ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. राजेंद्र कुमार गुप्ता व दीपक कुमार गुप्ता पिता श्री राम प्रसादजी गुप्ता निवासी-जवाहर कालोनी, कम्पू लखर ग्वालियर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन, जयेंद्रगंज, लखर ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-6-1985

मोहर :



प्रकरण आर्ट. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 141/85-86-

अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमी है जो पुनेटीकुरु जिला इस्ट गोदावरी  
स्थित में (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अम्बाजीपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गुण्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वानत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-बी की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० रामनधा शास्त्री पितायोगनेस्वरुडू  
पुलेटीकुरु, कोथापेटा, तालूक, जिला  
इस्ट गोदावरी,  
(अन्तरक)

(2) श्री टी० आनंद राव पिता वेंकडया  
इनुकापूडी कोथापेटा, तालूक जिला  
इस्ट गोदावरी ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांड भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमिविस्तीर्ण 1-85 एकर, अम्बाजीपेट रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 1826/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाजीपेटा

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 6-6-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 142/85-86--

अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो पूलेटीकूर जिला इस्ट गोदावरी  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाजी  
में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 10/84

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बचत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रमोशनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :-

(1) श्री ए० राम नछाशास्त्री पितायेगनेस्वरुड,  
पूलेटीकूर, कोथापेटा, तालूक  
जिला इस्ट गोदावरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० राजा राव पिता ए० आनंद राव,  
इदुसापूडी कोथापेटा तालूक जिला इस्ट गोदावरी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकर, आम्बाजीपेट, रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 1928/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाजीपेटा

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 6-6-1985

मोहर :-

प्रकरण भाग टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 143/85-86--अन:

मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो अम्बाजीपेट में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाजीपेट में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रघात  
तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हत्यस्त में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्री ए० रामनाथा शास्त्री, पुलेटीकूरु, काथापेट, तालूक,  
जिला इस्ट गोंदावरी।

(अन्तरक)

7 श्रीमती टी० धर्माय्यवधम्मा पति बसंतराव, इयूकापूडी,  
काथापेट तालूक जिला इस्ट गोंदावरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकर अम्बाजीपेट, रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 1830/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाजीपेट।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1985  
मोहर :

प्रकृष माह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 144/85-86--प्रतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो अम्बाजीपेट में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाजीपेट, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री ए० रामनाथा शायो पूलेटीकूरू, कौथापेट तालूक,  
जिला इस्ट गोदावरी।

(अन्तरक)

2 श्री टी० सीसम्मा पति राजा राव, इसूकापूडी,  
कौथापेट, तालूक जिला इस्ट गोदावरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़ अम्बाजीपेट, रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 1829/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाजीपेट।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1985

माहिर :

**प्रकरण बाईस टी. एन. एच. —**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 145/85-86—अतः

श्री० मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो वैज्ञाग में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय वैज्ञाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
भावित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पी० राधा लक्ष्मी पत्नी रामभद्रा राजू, 55-  
14-1, टो० पो० टो० कालानी, सीतम्माधारा,  
विशाखापटनम।

(अन्तरक)

2. श्री पी० नत्थनारायणा पिता नत्थनंदम, ट्रेनिंग  
ट्रेनिंग आफिसर ए० पी० एम० आर० टो० सी०  
वेंटीटाडीआग्रहारम, विजयानगरम जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
कार्यवाहियों को अर्जन के लिए किया जा सकता है;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

**अनुसूची**

घर संपत्ति, मुरलीनगर, भाधवधारा, वैज्ञाग, रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 1299/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैज्ञाग।

एम० जगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1985

मोहर :

प्रारूप : आई. टी. एन. ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 146/84-85--अन० मुं०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो गोलकोंडा रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम की कार्यलय जीकडवेल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरांतरों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

तब: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षा में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेनर्स तीरूमला टावर्स कन्स्ट्रक्शन्स,  
1-1-593/सी, गांधीनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० राममोहन राव,  
ब्लॉक ए, नं० 6,  
तीरूमला टावर्स, गोलकोंडा रोड,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 26, चौथा मंजला तीरूमला टावर्स गोलकोंडा, रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्रीगत विलेख नं० 747/84 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, जीकडवेल्ली।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-6-1985

मोहर

**वैयक्तिक आदेश**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 147/85-86--अतः

मैं, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो वैभाग में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैभाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री टी० अम्पाराच येनुगुना स्ट्रीट, महाराणीपेट, वैभाग।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० हायमती, पति वैकटापुन्नया, डी० नं० एम० आई० जी० 11ए/106, श्रीहाउपुरम, वैभाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावरी सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति विभागायुक्तनम, डी० नं० 11ए/107, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 13062/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वैभाग।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

14-166GI/85

दिनांक : 5-6-1985

माहुर :

प्रथम भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 148/85-86---अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो वाल्टीयरवाई वेंभाग में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेंभाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० श्रीरामा वरप्रसाद राजू,  
पिता सत्यनारायण राजू,  
सीतम्भधारा, वेंभाग।

(अन्तरक)

(2) डा० वाई० गोपालकृष्ण मूर्ति,  
पिता वें.देवराव राव,  
9-15-6वीं, सी० बी० एम० कम्पाउन्ड,  
वेंभाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति वाल्टीयर वाई वेंभाग, रजिस्ट्रीकृत विवेक  
नं० 13117/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वेंभाग।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-6-1985

मोहुर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 149/85-86-अतः मुझे,

एम० जगन मोहन,

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो वाल्टीयर वार्ड वेंभाग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेंभाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिनालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाधक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री पी० जीनाराजा दामा और अन्य  
46-22-33, दोनपरती,  
वैज्ञाग-16

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पसरीचा,  
केर आफ सत्यपाल पसरीचा,  
90-30-3, बालाजीनगर, वैज्ञाग।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यक्त

घर सम्पत्ति डी० नं० 7-5-6वीं, वाल्टीयर वार्ड, वैज्ञाग  
रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 31/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
वैज्ञाग।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-6-1985  
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एल.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० आर. ये० सी० नं० 150/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० घ० है, तथा जो वास्टीयर वार्ड वैध  
में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैभाग  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी वाय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
वास्तव में कमी करने या उतरे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० चतकया विनायलय्या,  
कोताजालारीपेट, वैभाग।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० विद्यावती  
पति सीवकानासुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें 'यूका' शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है,

अनुसूची

घर संपत्ति डी० नं० 7-3-234, वास्टीयर वार्ड वैभाग,  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 14751/84ए, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी, वैभाग।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-6-1985

मोहर :

प्रकरण भाग 1, टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० आर० ये० सी० सं० 151/85-86—अतः

मझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर है तथा जो महीषाक्षम में वैज्ञाग में स्थित है (अर्थात् इसमें उपायधन अनुमूर्त्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैज्ञाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1808 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती आर० सौभाग्यवती,  
पति डा० आर० ए० कृष्णा,  
रेडनम गाडेनस, वैज्ञाग ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शानिनी शोभा मंजीरी,  
पति पि० पौल जोमेक,  
2. श्रीमती पि० एम० एम० शैलजा,  
पति जॉन पॉल पातूरी,  
प्लॉट नं० 12, नार्थ एक्सटेंशन,  
सीताम्पधारा, वैज्ञाग ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह सम्पत्ति मदलाधालम, डी० नं० 54-13-4ए, वैज्ञाग, रजिस्ट्रीकृत दिनेख नं० 13713/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वैज्ञाग ।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-6-1985

माहूर :

प्रथम भाग टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
 भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, 7 जून 1985

निदेश सं० आ.० ये० सी० नं० 152/85-86—अतः

मझे, एम० जगत मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो श्रीनिवासानगर कालोनी, सिकंदराबाद में स्थित है (और इसमें डाटाबुद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जवतूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसार, मैं उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जी० वि० जोगालक्ष्मी,  
 पति जी० बी० सूर्यनारायणामूर्ति,  
 11-3-391/1, श्रीनिवासानगर कालोनी,  
 सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० सरोजिनि,  
 पति बी० वेंकटेशम,  
 घर नं० 11-3-301/1,  
 श्रीनिवासानगर कालोनी, सिकंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-  
 धाया

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बाधोपस्थापना के लिए लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 11-3-391/1, श्रीनिवासानगर  
 कालोनी, सिकंदराबाद, विलेख नं० 2657/84, रजिस्ट्रीकर्ता  
 अधिकारी, मारेडपल्ली ।

एम० जगत मोहन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यन्विष्ट सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जून 1985

निदेश सं. आर० ये० सी० नं० 153/85-86—अन:

मझे, एम० जगन मोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो से० जान रोड, सिकंदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायटब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
की।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

(1) एम० एम० टी० बि० मामाजीवाला,  
पिता एम० टी० बी० प्रमाजीवाला,  
11-6-568, लकड़ी का पुल,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) एम० शादुल्ला शरीफ,  
पिता एम० शरीफ,  
10-3-173, सेंट जान रोड,  
सिकंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है:

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 10-3-173, सेंट जान रोड, सिकंदराबाद  
रजिस्ट्रीकृत बिलेंड नं० 2512/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
मारेडपल्ली ।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-6-1985  
माहर

एकूण भाग, टी. एन. एम.

**नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जून 1985

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 154/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० शूमि है तथा जो पेग हाउस एम० पी० रोड सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 15) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एम० पी० शर्मा,  
पिता श्री वामीराम शर्मा,  
उम्मानगंज, हैदराबाद।

(अन्तरक)

- (2) श्री सी० पृथ्वीराज काठारी,  
पिता श्री बांदमल कोठारी,  
3-2-210/1, कलामीगूडा,  
सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पूर्ण का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लॉट नं० 15/ए पेग हाउस, एम० पी० रोड, सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2708/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-6-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जून 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 155/85-86—अतः

मझे एम० जगनमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० घर है तथा जो ए.ग० पी० रोड, मिर्कंदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिर्कंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अवतूबर 1984

को प्रस्तावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरांत्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व में कमी करने या उससे बचने में इच्छा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी भव या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इच्छा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
15-166 GI/85

(1) विजय करन और  
प्रतिमा करण और अन्य  
आई. जी० आफ पुलिस, पाडेवेरी।

(अन्तरक)

(2) भगमं टीप इस्टेट,  
वाई पी० मुन्नीगामी स्ट्रीट,  
6-3-549/5ए,  
रोड नं० 1, बंजारा हिल्स,  
हैदराबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमाण

घर सम्पत्ति नं० 1-2-10 से 1-2-14, सरदार पटेल रोड, मिर्कंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 583/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मिर्कंदराबाद।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-6-1985

बोहर ४

प्रूप. जाह. टी. एन. ए. ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून 1985

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 156/85-86—अतः

भुमे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो लिंगोजीगुडा, हैदराबाद में  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रकाशन के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कमलूदीन रजनि और अन्य,  
मेसर्स हायप्रोफर्म,  
31-निगोजीगुडा, सरोजीनीनगर,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री कलवा बी० बन्नीनाथ और अन्य  
ललितानगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुशी अमीन एस० नं० 31 लिंगोजीगुडा, सहरननगर,  
हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10213/84, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी हैदराबाद इस्ट।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-6-1985

माहूर :



प्रकृ. नं०. टी. एन. एस. २५५५५५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जून 1985

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 157/85-86—अतः

मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बाग माहकाल रंगा रेड्डी  
जिला में स्थित है (और इसमें उक्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इस्लाम-  
पटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कभी करने या सबसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
अ, प, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीकिशन रेड्डी,  
पिता वेंकट रेड्डी और अन्य,  
श्रीगिरीपूर (वही और तालूक),  
महेस्वरम, रंगारेड्डी, जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतीश खोशला,  
पति बी० के० खोशला,  
नं० 26, बंगलो रोड,  
कमला नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताभरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमूना

खुली जमीन भूमि एस० नं० 43, 49 65, 66, और  
67, बाग माहकाल महेस्वरम रोड, रंगा रेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 1164/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी इस्लामपटनम।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-6-1985  
गोहर ५

इक्ष्म बाई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० आर० यू० सी० नं० 158/85-86—अतः

मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिवी सं० भूमि है तथा जो बाग महांकाल रंगा रेड्डी जिला में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्वॉहिमपटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रातपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्राप्ति अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किन्तु जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के कथित :—

(1) श्री डी० हरीकिशन रेड्डी,  
पिता देवकट रेड्डी और अन्य  
श्री गिरीपुर (वही और तालूक),  
महेस्वरम, रंगारेड्डी, जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० के० खोसला,  
पिता श्री एस० एल० खोसला,  
नं० 26, दंगलो रोड,  
कमला नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरक के अन्तर्गत कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती है, किन्तु किसी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मस्थली

खुली जमीन एस० नं० 65 से 71, बाग महांकाल महेस्वरम, रोड, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विदलेख नं० 1165/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी इन्वॉहिमपटनम।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 6-6-1985  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

आयनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० आर० धे० सी० नं० 159/85-86—अतः

मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बागमहल रंगारेड्डी जिला  
में स्थित है (और इसमें उदायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इब्राहीमपटनम  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
—इस बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
खर्चों में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किन्ना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० हरीकृष्ण रेड्डी,  
पिता श्री देकटराम रेड्डी और अन्य  
श्री गिरि विलेज, महेश्वरम,  
रंगारेड्डी जिला ।

(अन्तरक)

(2) बुभारी अचि खोसला,  
घर नं० 26, बानी खोसला,  
बंगला रोड, कमला नगर नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताधरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

कुली जमीन बाग महल महेश्वरम रोड, रंगा रेड्डी जिला,  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1166/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
इब्राहीमपटनम ।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-6-1985  
माहुर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउत सडकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून 1985

निर्देश सं० आर. ये० सी० नं० 160/85-86—अतः

मुझे एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो गव्हरनरपेटा विजयवाड़ा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित होने  
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी बच या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बाद  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, अर्थात्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जी० सत्यनारायण और अन्य  
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) एस० भावनारायण मेनेजिंग पार्टनर  
मेसर्स लक्ष्मी धो रुम,  
महेश्वरन, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोपेक्षा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 23-16-53, बिसेंट रोड, गव्हरनरपेटा,  
विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6811/84, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-6-1985

मोहता

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून 1985

निवेश सं० आर० दे० सी० नं० 161/85-86—अतः

शुभे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
संक्षेप रूप से 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पेदाककनी गूंदूर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूंदूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
लिए ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) के० बास्पा,  
पति साम्बया एड अन्य  
पेदाककनी, गूंदूर।

(अन्तरक)

(2) जी० लक्ष्मीनारायण,  
पिता जगन नाथ राव,  
गूंदूर फो० ओप कन्स्ट्रक्शन सोसायटी लि०  
गूंदूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन पेदाककनी विलेज गूंदूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 12988/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूंदूर।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी.

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग की धारा 269-घ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 162/85-86—अतः

मुझे एम० जगन जोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो गूटूर में स्थित है (और उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय गूटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2 अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक वर्ष के अन्तराल के लिए, कम से कम 20 प्रतिशत से अधिक है और अतः अधिनियम के अधिनियम 20-घ में निर्धारित है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावना, उक्त अधिनियम के अधीन अन्तरण के अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उपरान्त करने में बाधना के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं का, जिन्हें भारतीय राजस्व अधिनियम, 1922 का 111 या अन्य अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम के अधिनियम 20-घ में निर्धारित है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० जगन जोहन  
और पारव, जगिर, के० संजीवाराव  
पिता श्री के० नरसिंह राव,  
विजय नगर कालोनी,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० रमनाईन राव  
पिता रामराव  
ब्राडीपेट, गूटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी की गई है कि उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उपरान्त करने में बाधना के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उपरान्त करने में बाधना के लिए कार्यवाही करता है।

(क) यह सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि में प्रकाशित की जाएगी और अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उपरान्त करने में बाधना के लिए कार्यवाही करता है।

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताधारी के लिए निवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-घ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 3-14-33, कृष्णानगर, गूटूर रजिस्ट्री कार्यालय  
विलेख नं० 12667/84, रजिस्ट्री कार्यालय अधिकारी, गूटूर ।

एम० जगन जोहन  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-6-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 163/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है  
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांछित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूटूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—166 G1/85

(1) श्री आर० पर तम्मा पति

गुरुनाथम,  
राजेन्द्र नगर,  
गूटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कोनेरु इन्दिरा देवी

पति रामा मोहन राव,  
आरन्धल पेट,  
गूटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमसूची

घर सम्पत्ति नं० 4-11-14, चन्द्रमौली नगर, गूटूर,  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12637/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
गूटूर

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-6-1985

माहर :

प्रकाश बाबू, ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० 165/84-85—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है। जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित के शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी बाधा बाधिए या, विधान के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० अरुणिया बिल्डर्स  
मैनेजिंग पार्टनर  
श्री बी० एस० पांडुरंगराजू,  
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० दुर्गा प्रसाद  
पिता वेंकटरामय्या  
सुर्याराव पेट  
विजयवाड़ा ।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोपवाद—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि में भी कहीं वाद के उद्भव होनी हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को वे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युत्पादकरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डब्ल्यू एफ 2 कांचन कम्प्लेक्स  
मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1663/  
84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज हैदराबाद

तारीख : 10-6-1985  
मोहर ।



(अन्तरक)

श्री रामा मोहन राव ,  
ट्रावेल्स बंगलो ,  
नन्दीगामी ,  
कृष्णा जिला ।

(अन्तरिती)

हैदराबाद दिनांक 10 जन 1985

सकल सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्य :-

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अर्जन रेंज, हैदराबाद

मोहर

प्रत्यक्ष भाई टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 166/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो पाटामाटा विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन् 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) श्रीमती अनेपम्मा पति  
श्री वेंकटरामय्या,  
सिद्धार्थी नगर,  
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यू० लक्ष्मी तुलसी पति  
श्री सूर्यनारायणा,  
जिला कृष्णा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धताक्षरी के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रथम भाग में प्रयोग में आते हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 15/38-ए, पाटामाटा, विजयवाड़ा,  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7012/84, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी,  
विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-6-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 167/84-85—अतः

शुभे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो रेवाला विलेज, कोयूर  
तालुक में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुसूच में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकृत अधिकारी के कार्यालय,  
बूचिरेड्डिपालेम में राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
16) के अन्तर्गत जारी 3 नवम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तब बाका नया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या वस्तु वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० अनुगधा पति  
श्री दया शंकर रेड्डी,  
राम मूर्ति नगर,  
नेलीर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० राजेश्वरी पति  
श्री दयाशंकर रेड्डी,  
रेवाला विलेज,  
कोयूर तालुक,  
जिला नेलीर ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्-  
सद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के  
बास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन, रेवाला विलेज, कोयूर तालुक, जिला नेलीर,  
राजस्त्रीकृत विलेख सं० 1277 और 1278/84, राजस्त्री-  
कर्ता अधिकारी, बूचिरेड्डिपालेम ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज, हैदराबाद

तारीख . 10-6-1985

मोहर :

एक भाग : टी. ए. ए. ए. - 11-12

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 168/84-85—अनः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो गूडूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूडूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायज प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० अय गोपाल पिता  
श्री राम सुब्बय्या,  
बुचीरेड्डीपालरम,  
और अन्य, जिला मेलोर।

(अन्तरक)

(1) श्री के० कन्नय्या पिता  
श्री जेयय्या,  
श्री कोडाड स्वामी टेम्पल स्ट्रीट,  
ईस्ट गूडूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां कइता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी निश्चित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

पर सम्पत्ति ईस्ट गूडूर रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं०  
1891/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूडूर।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-6-1985  
मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून, 1985

निर्देश सं० आ० ए० सी० नं० 169/85-86—अन:

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो कुमारी स्ट्रीट, गूडूर में स्थित  
है (और इससे उपावृत्त अनुमोची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूडूर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी  
तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुआ किसी आय की वामत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सहायता के लिए;

(1) श्री श्री० मानेम्मा पति  
श्री रंगम्मा, 8/38,  
कुमारी विधी,  
गूडूर, तेलौर जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० देना बाई  
पति श्री रतन लाला,  
8-116 जानब्रा पालेम  
ईस्ट गूडूर।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति कुमारी विधी ईस्ट गूडूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख  
1110/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूडूर।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-6-1985

मोहर :

प्रश्न नम्बर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० आर०यू०जी० 170/85-86—अतः मुझे, एम०

जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो गूदावली, विलेज में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब सामा जमा प्रतिफल, भिन्नविधित अन्तरण से अन्तः अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वसूल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उक्त वसूल के वृद्धि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में वृद्धि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

(1) श्री सी०एच० वेंकटेश्वर राव पिता नागय्या, सूर्यागपेट, विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री थेरलागड्डा राजगोपाल राव पिता पट्टाभीरामय्या, और अन्य, गव्हरनरपेट, विजयवाडा।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के अन्तर्ग में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी से पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जपूषणी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 3.59, सेंट्स, गूदावली विलेज विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6744/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-6-1985

माँडू

प्रारूप आह्व. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० आर०ये०सी०नं० 171/85-86—अतः मुझे

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिनकी सं० घर है, जो विजयवाडा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौह/या

यः एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योगदान अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पी० माधवगोपाल राव पिता नागभूषय्या,  
मोगलराजपूरम, विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री के० शकुंतला पति मोहन राव, सूर्यारामपेट,  
विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हित-धन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के माध्यम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व. र. में प्रयुक्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ती, नं० 32-2/1-6सी, मोगलराजपूरम, विजय-  
वाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6848/84, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी विजयवाडा।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-166 GI/85

तारीख : 10-6-1985

मोहर

वृत्त भाई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० आर०ये०सी०नं० 172/85-86—अतः मुझे,  
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भूमी है, जो कनका नमपाड विलेज स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कनगीरी, में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन प्रकट 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है  
और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रसंगिक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाया जा रहा हो, किताबों में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—

(1) श्री एम शिवराम रेड्डी पिता पिचय्या रेड्डी,  
कनकनमपाडू विलेज, कनगीरी तालूक,  
जीला प्रकाशम।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० तागेस्वर राव पिता लक्ष्मीमय्या,  
पेदापरोमी मंगलगीरी तालूक; जीला गूटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही करा जाता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोध्याधारी के  
पक्ष लिखित में किए या कहे जायें।

न्यायिक :—इसके प्रयुक्त हकों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, पूरी बर्च होगा जो उक्त अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, कनकनम पाडी, कनगीरीतालूक, जीला  
प्रकाशम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1684, 1685, 1686,  
1687/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कनगीरी।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-6-1985

मोहुर



प्रकरण भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 जून 1985

निदेश संम आर०ये०सी०न० 173/85-86—अतः सुझे,

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमी है, जो पूलेटीकूर कोतापेट तालुक स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्राम्बाजीपेटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अक्कला रामानंदा शास्त्री पिता यगनस्वरुडु,  
पूलेटीकूर विलेज, कोतापेटा, इस्ट गोदावरी।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० नरसम्मा पिता बेंकम्मा,  
इसूकापूडी ज्कोतापेटतालुक,  
जीला इस्ट गोदावरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी, विस्तीर्ण 1 एकर, पूलेटीकूर, कोतापेटा 4, तालुक इस्ट गोदावरी जीला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1827/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ग्राम्बाजीपेट।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1985

मोहर :

**सक्षम बाध' टी. एन. एच.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० आर०ये०सी० नं० 174/85-86—अतः मुझे,  
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो काचीगुडा हैदराबाद स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है)। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आवश्यक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अभिव्यक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
में धारा 269-ग के अधीन सूचना प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० कांतम राजू पिता के०बी० रामूलू,  
10/2, आर०टी० नेहरुनगर,  
काचीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार असीफ अजमल खान,  
8/ए,  
सीआइवि, क्वार्टर्स,  
काचीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

**अनुसूची**

घर नं० 10/2, आर०टी० एम०नं० 2-4-620/2,  
विरागगुडा, नेहरुनगर, काचीगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत  
नेह्रु विलेख नं० 5300/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1985  
मोहर :

प्रमाण नम्बर: टी. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० आर०ये०सी०नं० 175/85-86—अतः मुझे,  
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो नारायणगुडा हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अक्टूबर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य लाभियों  
का अन्तरक अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रकोटनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती आचंता अनारधनम्मा और अन्य,  
पति श्री ए० श्रीहारी राम,  
घर नं० 2-2-118/1-7,  
न्यू नल्लाकूटा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० त्रीविक्रमा राव अडव्होकेट 3-4-5 3 3  
नारायणगुडा, हैदराबाद  
और श्रीमति सी० एच० पारवती पति,  
श्री सी० एच० त्रीविक्रम राव, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अर्थात् की जा  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डवेलींग हाऊस, काम्पाऊंड वाल, आऊट हाऊसेस, मंरेज,  
और अपूरंजमदंदवमे वगैरा, घर नं० 3-4-532, 3-4-533,  
और 3-4-534, नारायणगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 5228/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1985

निवेदन सं० आर०ये०सी०नं० 176/85-86—अतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो बरकतपुरा हैदराबाद स्थित है  
(और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अस्तबद्ध, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धारा उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) डॉ० मूनेत्रा रामचंद्रा काकडे, पति  
डॉ० आर० टी० काकडे,  
घर नं० 3-4-828,  
बरकतपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति पूसा गाला और अन्य,  
पिता प्रेमजीगाला,  
घर नं० 4-4-926/सी/5,  
सूलतान बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जगमोहन

घर का भाग, घर नं० 3-4-828, बरकतपुरा, हैदराबाद,  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 789/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
हैदराबाद।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1985

मोहुर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० आर०ये० सी०नं० 177/85-86—अतः मुझे,

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निदेश देकर का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है, जो बसीरबाग हैदराबाद में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अस्तुथर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उक्त अन्तरण में मोपेधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्रीमति निखत कादरा पति यश०एम० कादरी,  
फ्लेट नं० 701,

बसीर बाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमाधव प्रसाद अग्रवाल, पिता

जे०एम० अग्रवाल,

कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित-  
वस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का अर्थ  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनुसूची

फ्लेट नं० 901, मंजूबा मजला, घर नं० 5-9-59,  
बसीर बाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रकृत विलेख नं० 5402/84,  
रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 12-6-1985

मोहर :

भारत सरकार, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० आर०ये०सी०नं० 178/85-86—अतः मुझे,  
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो हैदराबाद हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाग की वारस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम:—

(1) मेसर्स अजीज टॉवर्स,  
बाइ श्रीमति अजीजुनिसा बेगम, पति  
एम०ए० सत्तार,  
हैदराबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अमीर जूजाबा पिता  
सयद अमीर मोहम्मद हानीस,  
फ्लैट नं० ए-4,  
घर नं० 3-6-290,  
हैदराबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाइ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रामकतापूर्णरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-4, तीसरा मंजिला, 3-6-290, हैदराबाद,  
हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 788/84, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1985  
मोहर :

प्रमुख बाबू टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

मातृ सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० आर०ये०सी०नं० 179/85-86—अतः मुझे,  
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है, जो हैदराबाद, हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हमें किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

(1) मेसर्स मलक बिल्डर्स,  
बाबू श्रीमति अजीजुनिसा देगम,  
घर नं० 3-6-290,  
हैदराबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेहरनिसा पाति सयद मोहंमद इश्माहीम,  
घर नं० 11-5-566,  
रेड हीलस, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए-3, चौथा मंजला, घर नं० 3-6-290,  
हैदराबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 781/84,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
18-166GI/85

तारीख : 12-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एच. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० आर०ये०सी०नं० 180/85-86—अतः मुझे,

एम० जगन मोहन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है, जो हीमायतनगर, हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अक्टूबर 1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि, तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अल्प प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब बाधा नष्ट प्रवि-  
क्त निम्नलिखित सूचने से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) कन्वर्षन से हुई किसी बाध की बाधत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
की/वा

(ख) ऐसी किसी बाध का किसी दाय या अन्य बाधियों  
को, बिना भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रचोचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, किया में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति जेनाब खटून,  
जीर्णिए, श्री अली खाजा,  
बंजारा वॉस्टल रोड नं० 12,  
बंजारा हीलस, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति प्रभावती नास्बीयार,  
12-2-417/40/5,  
शारदा नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भू  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 308, तीसरा मंजला, घर नं० 3-6-782,  
हीमायतनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 785/84,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1985

मोहर



प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 939/85-856—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 903/201/84-85 है, तथा जो  
पत्ता में स्थित है (और इस से उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक पत्ता

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) बी० बी० महात्मे और शोशमबारा,  
क्षितय महात्मे नेत्राबि असे महात्मे,  
बापको हागामा गोवा

(अन्तरक)

(2) रमेश अनंत कामतन,  
पत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही बर्त हुआ जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(स्वातंत्र्य सं० 903/201, तारीख नवम्बर 1984),  
घर के साथ जमीन मिल के 462 स्क्वायर मीटर पत्ता में ।

आर० भारद्वाज  
सश्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 12-6-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मई 1985

निदेश सं० 45391/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पदवाले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 113 है, तथा जो किरलोसकर कालोनी,  
में लग्गेरे विलेज, बंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 15-12-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयदाता अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बी०एन० कृष्ण प्रसाद,  
फ्लेट नं० 005,  
रविकिरण अपार्टमेंट्स, नं० 80,  
4 मैन रोड,  
तलेस्वारम, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस०वी० नागरशाम्मा,  
हासपिटल रोड,  
सोननूर, अरकलगूड तालुक,  
हासन डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सभी और पदों का, श्री अन्तर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3430/84, तारीख 15-12-1984),  
सम्पत्ति है, जिसका सं० 113, जो किरलोसकर कालोनी  
लग्गेरे विलेज, बंगलूर उत्तर तालुक, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-5-1985

मोहर :

प्रमुख बाई.टी.एन.सूचना-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 मई 1985

निर्देश सं० 45466/84-85—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हम  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एस०नं० 186-18 है, तथा जो  
डेरबैल विलेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-11-1984,  
मंगलूर ०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
के अन्तर्गत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) यू० सोमय्या,  
कोडिकल, डेरबैल,  
मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री एस० तंगपांडियन,  
2. एस० सेलवाराज 3. एस० तंगराज,  
4. एस० सुंदरराज, विक्टर रीगो काम्पोड,  
बिजै, मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
का उपयोग करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्पन्न होने में भी बाधाएं —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के अर्जन के लिए व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

( दस्तावेज सं० 1229/84, तारीख 13-11-1984),

सम्पत्ति है, जिसकी सं० आर०एस० 186-18, जो डेरबैल  
विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख 21-5-1985

मोहर :

प्रकरण बाई.डी.एन.एक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 मई 1985

निर्देश, सं० 45746/84-85—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बसवनगुडि बेंगलूर-4 है, तथा जो पटालम्मा  
टेंपल स्ट्रीट, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 17-12-1984 बसवनगुडि

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उचित वर्णन में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिगों  
के, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री वी०एम० कृष्ण राज,  
नं० 39, पटालम्मा टेंपल स्ट्रीट,  
बसवनगुडि, बेंगलूर-4।

(अन्तरक)

(2) डी०वी० रागवैया शेट्टि,  
2. डी०आर० राधामणि,  
नं० 66/3(6),  
अपस्टेस, जैन टेंपल रोड,  
वी०वी० पुरम, बेंगलूर-4।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके दस्तावेज सम्पत्ति के वर्णन के निम्न-  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन में सम्पन्न में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्तुष्टि

(दस्तावेज सं० 3770/84, तारीख 17-12-1985),  
सम्पत्ति है, जिसकी सं० 39, 39/1 और 39/2 (भाग),  
जो पटालम्मा टेंपल स्ट्रीट, बसवनगुडि, बेंगलूर-4, में स्थित  
है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 16-5-1985  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 45897/84-85—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107/67 है, तथा जो 5 ब्लॉक, जयानगर,  
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
1er पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1984  
जयानगर।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अनुपात प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता बाह्य था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित आक्षेपों, बयानों :—

(1) श्री सुब्बा राव चवान,  
नं० 1671/79, बि०एस०के० 1 स्टेज,  
11 ब्लॉक, 5 फ़ास, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० नारायण रेड्डि,  
ए-13 (अस्टेर्स), 31 फ़ास,  
7 ब्लॉक, जयानगर,  
बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4174/84, तारीख 5-12-1984),  
सम्पत्ति है जिसका सं० 2107/67, जो 5 ब्लॉक, जयानगर,  
बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 30-4-85  
मोहर :

इसका बाई टी. एम्. एम्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 25 मई 1985

निर्देश सं० 45835/84-85—अतः मुझे आर०  
आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 21 है, तथा जो अन्तर्गत विलेज में  
बंगलूर में स्थित है (और इसे उक्त अधिनियम में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1984,  
बंगलूर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरीनी  
(अन्तरीनियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को  
हाथिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे. सी. आर्पण एंडर्सन,  
संगेश, रा. आर्पण एंडर्सन, उपाधि दाकील,  
बालमहल, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री ० रामाक्षणा देविदार,  
सि. पि. ए. ए. हॉलडिंग,  
श्री पी. एम्. ए. देविदार,  
मुकनिबान, ब्रिटिश रोड,  
फलनीर, बंगलूर।

(अन्तर्गती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिए  
गए हैं।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1435/84, तारीख 15-12-1984),  
सम्पत्ति है जिसकी सं० 21, जो अन्तर्गत विलेज, कुदुम्बि  
गार्डन रोड, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

तारीख : 25-5-1985

बोहर :

प्रमुख भाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 3 मई 1985

(1) श्री एम.एम. शंकर,  
6 'टि' ब्लॉक, जयानगर,  
बेंगलूर-41।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेच राजाराजेश्वरि,  
नं० 154, 27 फ़ास, 4 ब्लाक,  
जयानगर, बेंगलूर-11।

(अन्तर्गति)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 45713/84-85 --प्रम: मुझे, आर० भारद्वाज,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 425 है, तथा जो 18 मैन रोड, 4  
'टि' ब्लॉक में जयानगर, बेंगलूर स्थित है (और इस से  
उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता०  
29-12-1984। जयानगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वाम्पांशिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, दिखाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जन के लिए

19-166GI/85

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूफी

दस्तावेज सं० 3878/84, तारीख 29-12-1984),  
सम्पत्ति है, जिसका सं० 425, जो 18 मैन रोड, 4 'टि'  
ब्लॉक, जयानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-5-1985

मोहर :

इसमें आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मई 1985

निर्देश सं० 45537/84-85—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिमना सं० 23 है, तथा जो 18 फ़रवरी, प्लानेस  
अर्धर आरवडी, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख  
21-12-1984, गांधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० नारायण शेहि  
नं० 7, परमहंसा रोड,  
यादवगिरि, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री वि० गुरुणमूर्ति और कुछ लोग,  
नं० 12, आनंदलताप्पा भट लेन,  
नारायणशेट्टि पेट, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्धार् 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2948/84, तारीख 21-12-1984),  
सम्पत्ति है, जिमना सं० 23, जो 18 फ़रवरी, प्लानेस  
अर्धर आरवडी, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-5-1985

मोहर :



प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एत.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० 45493/84-85---अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 516/इ है, तथा जो मागाडि रोड बाई  
रोड एक्स्टेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
5-12-1984 श्रीरामपुरम।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जिनके नाम—

(1) डाक्टर, बी०के० रामाण्ण,  
नं० 66, मारगोसा रोड,  
मल्लेखारम वेस्ट, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) पि० सूर्याप्रकाश,  
नं० 96/इ, 16 मैन,  
विजयानगर, बेंगलूर-40।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिदा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अन्तर्गत

दस्तावेज सं० 2901/84, तारीख 5-12-1984),  
खाली जगह है जिसका सं० 516/इ, जो मागाडि रोड  
काई रोड एक्स्टेंशन, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-5-1985

मोहर

इस्य भाग टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० 45772/84-85-अतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० आर०एस०नं० 469/201, टी०एस०नं०  
308/2 सी 1, है, तथा को कोडिबलबैल विलेज, मंगलूर में  
स्थित है (और इससे से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 31-12-1984, मंगलूर  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तुल्य पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित अनुसार है उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कानून नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कटु बन के अन्तरक के  
वर्गीकरण से कोई कटौती या कटौती करने के  
लिए नहीं किया जा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, बर्खास्त है—

(1) डाक्टर (मिसर्स) प्रतिभा कारन्त,  
रीडर, इन्सस्टिट्यूट आफ स्पेशि और  
हियरिंग, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० प्रसन्ना, हेगडे,  
2. श्रीमती चन्नालेखा हेगडे,  
बंदूर, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्धक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के साथ  
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त सूचना और पत्रों का, मैं, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, जारी करना जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1516/84, तारीख 31-12-1984),  
सम्पत्ति है जिसका सं० आर०एस० 469/201, टी०एस०  
नं० 308/2 सि० 1, को कोडिबलबैल विलेज, मंगलूर, में  
स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, मंगलूर

तारीख : 30-4-1985  
महूर :

हस्त्य भाई, डी. एन. एच. 5

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर

आयकर, सहायक आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 43577/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है, तथा को रेस्ट हास रोड, बंगलूर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 1-12-1984, शिवाजिनगर।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वाचित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट—

(1) मिसर्स आलिव हिथकाक,  
नं० 20 और 20/1, रेस्ट हास रोड,  
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री सिराजुद्दीन,  
नं० 14, इब्राहिम साहीब स्ट्रीट,  
बंगलूर-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2596/84, तारीख 1-12-1984),  
सम्पत्ति है जिसका सं० 20, को रेस्ट हास रोड, बंगलूर, में  
स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं० 45883/84-85—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 748 है, तथा को II स्टेज, वेस्ट आफ  
कार्ड रोड, बंगलूर में स्थित है (और इस में उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
19-12-1984, श्रीरामपुरम।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को चिन्ह भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती टि० जानकि बाई,  
नं० 748, II स्टेज, वेस्ट  
आफ कार्ड रोड,  
महालक्ष्मीपुरा पोस्ट,  
बंगलूर-86।

(2) श्री के० बाबु  
नं० 205, फाट  
बंगलूर-53।

(अन्तरितों)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4555/84, तारीख 19-12-1984),  
सम्पत्ति है, जिसका सं० 748, को II स्टेज, वेस्ट आफ  
कार्ड रोड, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27-4-1985  
मोहर :

प्रकृष एच.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 45302/84-85—अत० सूत्रे, आर०  
भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसमें सं० 376 है, तथा जो एच०ए०एल० II  
स्टेज, बंगलूर में स्थित है (और इस में उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-1984,  
शिवाजीनगर।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, जैसे उपावद्ध प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० हर्षिव खान,  
नं० 88, आरमस्ट्रॉन्ग रोड,  
बंगलूर-5।

(अन्तरक)

(2) मिसर्स ग्रेस जीवोतमा,  
केर/आफ वी०सी० कोसफ, अड्डोकेट,  
126/2, ब्रिगेड रोड, बंगलूर-25।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वादोप-  
—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2678/84, तारीख 12-1984),  
सम्पत्ति है जिसका सं० 376, जो एच०ए०एल० II स्टेज  
एक्सटेंशन, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 30-4-1985

माहूर ३

**रूप माहू.टी.एन.ए.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रेंज, बंगलूर**

**बंगलूर दिनांक 25 मई 1985**

**निर्देश सं० 45837/84-85—अतः मुझे, आर०**

**भारद्वाज,**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य**

**1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 1344/ ए३ए, टी०एस०नं० 334/ए३ए  
है, तथा जो कासबा बजार विलेज, मंगलूर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 19-12-1984। मंगलूर।**

**को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—**

**(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करी करने या इससे बचने में स्विभा  
के लिए; और/या**

**(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
स्विभा के लिए;**

**अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—**

**(1) श्रीमती फातिमा नै,  
जयराम विलडिंग,  
अलके फ्रास,  
कुवेलि, मंगलूर।**

**(अन्तरक)**

**(2) टी०, शौल, हमीद,  
2. टी० मोहदीन कुन्हि, 3. टी० अब्बास, बेकाल  
तैयाल होस,  
पल्लिकेरे, कसरगोड, डिस्ट्रिक्ट,  
केरला स्टेट।**

**(अन्तरिती)**

**को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निरूपित  
कार्यवाहियां करता हूँ।**

**उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :-**

**(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;**

**(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा  
बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।**

**स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।**

**अनुसूची**

**(दस्तावेज सं० 1466/84, तारीख 19-12-1984),  
संपत्ति है, जिसका सं० 1344/ए३ए, टी०एस०नं० 334/ए३  
ए, जो कसना बजार विलेज, मंगलूर, में स्थित है।**

**आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर**

**तारीख : 25-5-1985**

**मोहर :**

प्ररूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 20 मई 1985

निर्देश सं० 4524/84-85—अनः मुद्दे, आर०

भारतवाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 958/35 है, तथा जो 11 ब्लॉक, स्टेज, वनशंकरि एक्स्पेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 11/84, बमबनगुडि।

को पुनर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्रयितन में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—156GI/85

(1) श्रीमती नागरत्नम्मा,  
नं० 81, II क्राम, ब्लॉक,  
दि०आर० नगर, बंगलूर-28।

(अन्तरक)

(2) श्री पी०एन० श्रीहरि, और  
2. श्री पी०एन० अशोक कुमार, नं० 84,  
50 फीट रोड,  
हनुमन्तानगर, बंगलूर-19।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3266/84, तारीख 11/84), खाली जगह है जिसका सं० 958/35, जो II ब्लॉक, 1 स्टेज, वनशंकरि एक्स्पेंशन, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारतवाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-5-1985

मोहर

प्रकृप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं० 46198/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, तथा जो 1 स्टेज, के०पी० अग्रहारा  
होमाहल्लि एक्मटेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 17-12-1984, श्रीरामपुरम।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पि० सुब्रामुलु,  
नं० 36, बुद्धा बिहार रोड,  
फेज़र टॉन, बंगलूर-5।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजया शिरा,  
नं० 81, VII मैन रोड,  
III फ़ास, आर०पी०मि० लेफ़्टी,  
बंगलूर-40।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 3026/84, तारीख 17-12-1984),  
सम्पत्ति है जिसका सं० 4, जो 1 स्टेज, के०पी० अग्रहारा,  
होमाहल्लि एक्मटेंशन, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27-4-1985

मोहर :



प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र प्रकाशन

कार्यालय सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 15 अप्रैल 1985

(1) मेसर्स किरलोसकर ग्राहल एनजिन्स लि०,  
पुणे, बाई सेक्रेटरी :—  
श्री पी०आर० नवारे ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स; वायू-दूत,  
22/1, एम० जी० रोड,  
बंगलूर-1 ।

(अन्तरिती)

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० 45690/84-85—अनः मुझे, आर० भारद्वाज नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सठ० 15-16 है, तथा जो एम०जी० रोड बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/84, शिवाजीनगर का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे अन्तर्गत प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब बाधा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों के उक्त अन्तरक विहित में वास्तविक रूप से कार्यवाही नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव का बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कृत होने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे घटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2872/84, तारीख 12/84), सम्पत्ति है, जिसका सं० 15-16, जो एम०जी० रोड, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

अनः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 15-4-1985  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46199/84-85—यतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18/9 है तथा जो 1 मेन, मारेनाहल्लि बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक 27 दिसम्बर 1984)।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिः—

1 श्री डामिबल प्रभाकर,  
आई श्री जी० पी० दोरराज,  
नं० 14, राजभवन रोड,  
बंगलूर ।

(अन्तरक)

2 श्रीमती उषा ए० शट्टि,  
नं० 72/1, शांति मिलबा,  
बिन्नि लेआऊट, विजयानगर,  
बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3097/84 ता० 27-12-1984)

संपत्ति है जिसकी सं० 18/9, जो 1 मेन, मारेनाहल्लि, बंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 27-4-1985  
मोहर :

इस्य भाई टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45717/84-85—यतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 292/ए/54 है तथा जो 34 क्रॉस, III ब्लॉक  
जवानगर, बंगलौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय  
जवानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
कारणों का कारण है कि अध्याप्योक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुए किसी आय की राशि, उक्त  
अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सूचना के अधीन सूचना  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाव में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित :-

- (1) 1. श्री पद्मानाभा बामुदेवा प्रभु,  
2. श्रीमती सुमति पद्मानाभा प्रभु,  
नं० 15/16, विनिता, 21/3,  
तिलक रोड, बादला, बम्बई-31

(अन्तरक)

- (2) 1. मेसर्स के० एस० लक्ष्मीकान्ता,  
2. श्री के० एम० केदारनाथ,  
नं० 35/1, 1 मैन, गांधीनगर,  
बंगलौर-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योक्ति:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3606/84 ता० 10-12-84)

संपत्ति है जिसकी सं० 292/ए/54, जो 34 क्रॉस, IV  
ब्लॉक, जवानगर, बंगलौर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 17-4-1985

सोडर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45786/84-85—यतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 57 है तथा जो पडुकोडि विलेज, मंगलूर  
तालुक में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 29 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल को  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, रिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स बालांन्जा इंडस्ट्रीज,  
कामबला श्रास रोड, मंगलूर  
प्रोपराइटर श्री बी० प्रभाकर भट्ट (अन्तरक)

(2) मेसर्स रामाकृष्ण एंटरप्राइसेस,  
'श्री दुर्गाकृपा', टेपल स्क्वेर, कार स्ट्रीट,  
मंगलूर पाठनस श्री जी० जनारधना  
कामत और कुछ लोग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप 2-क-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1471/84 ता० 20-10-84)

संपत्ति है जिसकी सं० 57, जो पडुकोडि विलेज, मंगलूर  
तालुक में स्थित है।

आर० भारद्वाज,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 28-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44790/84-85—यतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० आर० एस० 469/2 सी 1, टी० एस० नं०  
308/2 सी 1, है तथा जो कोडियलबैल विलेज, काम्बला वाडें,  
मंगलूर में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री हस्ताधिकारी के कार्यालय  
मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 22 अक्टूबर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
वायित्व के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) डाक्टर (मिसस) प्रतिभा काशंत,  
रीडर, इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच और  
हियरिंग, मैसूर  
ब० श्री के० सर्वोत्तमा शेट्टि, अडवोकेट,  
मंगलूर । (अन्तरक)(2) मेसर्स नारा एम० हेगड़े,  
कोडियलबैल, मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1133/84 ता० 22-10-84)

सम्पत्ति है जिसकी सं० आर० एस० 469/2 सी 1,  
टी० एस० नं० 308/2 सी 1, जो कोडियलबैल विलेज, काम्बला  
वाडें, मंगलूर में स्थित है।आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 28-5-1985

माहूर :

**व्यापक धारा 1, 1961-1962**

व्यापक अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44334/84-85-यतः मम,

आर० भारद्वाज,

व्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० 29/10 है तथा जो अंबलापाडि विलेज,  
उडुपि तालुक में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय उडुपि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 10 अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापक अधिनियम के उचित बाजार  
मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल का  
सम्बन्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से लिये नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उक्त रूप से सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
के, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता जा रहा था जियाने से  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्रीमती वी० अम्बुवकार,  
येनागुड्डे विलेज,  
काष्ठपाडि।

(अन्तरक)

(2) श्री अंतोणि लारेंस पेरेरा,  
महागिरि, उडुपि-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :-**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**प्रमाण**

(दस्तावेज सं० 1005/84 ता० 10-10-84)  
सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 29/10, जो अंबलापाडि  
विलेज, उडुपि तालुक में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 28-5-1985

मोहुर :

प्ररूप. आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44462/84-85—यतः मझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
पूर्व के पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि सहायक सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो विजय वाडें, कोडियलमैल  
ए-विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरती अधिकारी के  
कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अवसूबर 1984।

क. प्रत्येक सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य के काम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ते-  
दिक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में तभी कर या उससे सूचना में सविधा के लिए,  
रहित/दा।

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—16531/35

(1) श्री विलिप्रम वी० एल० पिटो,  
न्यू रोड, विजय, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री जार्ज फर्नांडीज,  
ब० एजेंट : फ्रेड्रिक—डी० एस० ए०,  
कुर्ला वेस्ट, बम्बई—70।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सहायक सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए गए होंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1243/84 ता० 10/84)

सम्पत्ति है जिसका सं० 2, तथा जो विजय वाडें,  
कोडियलमैल ए-विलेज, मंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 28-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 20 मई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44828/84-85—यतः सुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
व्यवस्था है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 257 है तथा जो जयानगर, मैसूर में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
26 अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डाक्टर एम० आर० रंगनाथम,  
नं० 257, जयानगर,  
मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० देवदत्त सदानंदा,  
जूनियर इंजीनियर, टी० एस० डिवाजन,  
के० ई० आर० एस०, के० आर० सागर,  
मैसूर डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3641/84 ता० 26-10-84)

संपत्ति है जिसकी सं० 257, जो जयानगर, मैसूर में  
स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 20-5-1985

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/10-84/

470—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०-टी०एम०-14-ए, है तथा जो प्लॉट  
नं० 28, दीप सिनेमा, शापिंग कम्प्लेक्स, अशोक विहार, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन,  
दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
क्रियान्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके दायित्व में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाबत या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाभा चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० राजसुधा टावर्स (प्रा०) लि०,  
52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० मेहता,  
बी/1, सिंगल स्टोरी, रमेश नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आर०-टी०एम०-14-ए, (बेसमेंट) प्लॉट नं०-28,  
दीप सिनेमा, शापिंग कम्प्लेक्स, अशोक विहार, दिल्ली, तादादी-  
24 वर्ग फिट,

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 22-5-1985

माहुर :

प्रत्यक्ष आर्द्र टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आर्द्र० ए० सी०/एड्यू०/2/37 ई० ई०/10-84/

471—प्रतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख की अधीन सूचना प्राधिकारियों को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 10-ए, है तथा जो प्लॉट नं० 7-8-9, रनजीत नगर, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्तीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्ली (अन्तर्लीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से होने वाली बाव धी बावध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण से कमी करने या उक्त बावध में अधिभा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्ली व्यापक प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में सूचना के लिए :-

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० नेहरू प्लेस होटलस लि०,  
ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, अंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० प्रीतम सिंह,  
सुपुल स्वर्गीय श्री एस० मंगल सिंह,  
निवासी-93, राजा गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तर्ली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं०-10-ए, "सम्राट भवन" प्लॉट नं० ए-7-8-9,  
रनजीत नगर, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली, तावादी 164 वर्ग  
फिट,

के० वासुदेवन,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/10-84/

472—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है तथा जो लोकल शापिंग  
सेन्टर, आराम बाग, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961, के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) फोटो प्रोपर्टीज एंड इन्डस्ट्रीज लि०,  
102-103, राजा हाउस, 30-31, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा श्रीवास्तवा और  
श्री अरुण कुमार श्रीवास्तवा,  
निवासी ई-29, बाली नगर,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा  
गया है।

अनुसूची

ताबादी-284 वर्ग फिट, प्लॉट नं०-3, लोकल शापिंग  
सेन्टर, आराम बाग, दिल्ली।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 22-5-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/10-84/

.473—प्रतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है तथा जो लोकल शापिंग  
सेन्टर, आराम बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) अनोट प्रापरटीज और इन्डस्ट्रीज लि०,  
102-103, राजा हाउस,  
30-31, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० पन्नासा गर्दमेंट (प्रा०) लि०,  
शाही होस्पिटल बिल्डिंग,  
अंगपुरा एक्सटेंसन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो में  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 304, तादावी 345 वर्ग फिट, तीसरी मंजिल,  
प्लॉट नं० 3, लोकल शापिंग सेन्टर, आराम बाग, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

(1) श्री मनोहर लाल पी० ओ० शंकर दास मनोहर लाल,  
गांधी कलाथ मार्केट,  
चांदनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सुरजीत सिंह चढा  
2. श्री नरेन्द्र सिंह चढा,  
3. श्री गुरदीप सिंह चढा,  
4. श्री गुरजीत सिंह चढा,  
निवासी-435, सिविल लाइन्स,  
दिल्ली ।

(अन्तरिदी)

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवरू०/2/37 ई० ई०/10-84/

474—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-90-ए है तथा जो बीती नगर, नई दिल्ली,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन  
दिनांक अक्टूबर 1984 ।

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी अ.व. या किसी प.न. या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डी० नं० एफ-90-ए, बीती नगर, नई दिल्ली, तादादी  
200 वर्ग गज,

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एफ.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/37 ई० ई०/10-84/  
475—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 303 है तथा जो 3, लोकल शापिंग सेन्टर,  
आराम बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961, के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
प्रतिफल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या जिसे जाना जानिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूचन  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) भनोट प्रोपर्टीज एंड इन्व्स्टीज लि०,  
102-103, राजा हाऊस,  
30-31, नेहरू लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० पन्नासा गर्वमेंट्स (प्रा०) लि०,  
शाही हास्पिटल बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेंसन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
व्यक्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष अथवा अन्तर्द्वारा के पास  
जिसे उक्त संपत्ति का अधिकार हो सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 303, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं०-3, लोकल  
शापिंग सेन्टर, आराम बाग, नई दिल्ली, साबादी 284 वर्ग फिट,

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/37 ई० ई०/10-84/

476—अतः मझे, श्री के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 301 है तथा जो 3, लोकल शापिंग सेन्टर, आराम बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, दिनांक अश्वतुषर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के विषय ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वास्तव्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
22-166GI/85

(1) भनोट प्रोपर्टीज एंड इन्डस्ट्रीज लि०,  
102-103, राजा हाऊस,  
30-31, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मी० पन्गासा गर्वमेंट्स (प्रा०) लि०,  
सोही होस्पिटल बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्स्पर्टेसन,  
नई दिल्ली-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 301, तीसरी मंजिल प्लॉट नं० 3, लोकल शापिंग सेन्टर, आराम बाग, नई दिल्ली, तादादी-203 वर्ग फिट,

के० वामुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/10-84/  
477—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 302 है तथा को 3, लोकल शापिंग सेन्टर,  
आराम बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961, के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भनोट प्रोपर्टीज एंड इन्डस्ट्रीज लि०,  
102-103, राजा हाऊस,  
30-31, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० पन्गासा गर्वमेंटस (प्रा०) लि०,  
सोही होस्पिटल बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्सटेंसन,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं० 3, लोकल  
शापिंग सेन्टर, आराम बाग, नई दिल्ली, तादादी, 308 वर्ग  
फिट ।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :



प्रकरण नम्बर टी. एन. एन. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देशन सं० आई० ए० सी० एम्पू०/2/37 ई० ई०/10-84/  
478—अन: मुझे, श्री के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है तथा जो लोकल शापिंग  
सेन्टर, आराम बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961, के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से ऐसे इष्टमान प्रतिफल का  
यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में  
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) भनोट प्रोपर्टीज एंड इन्डस्ट्रीज लि०,  
102-103, राजा हाऊस,  
30-31, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० मीतल एंड मीनीरल कार्पोरेशन लि०,  
3, जी-एफ, ग्रीसकिन बिल्डिंग, 12, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
है, तभी बर्त होगा जो उस अन्वय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस तादावी-203, वर्ग फिट, दूसरी मंजिल, प्लॉट नं०-3  
लोकल शापिंग सेन्टर आराम बाग, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/10-84/  
480--अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं०-8 है तथा जो ए-1/3, ताईवाला  
वाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावह  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी  
को कार्यालय, अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गुण्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
का, किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
पराजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० आर० सी० सुद एंड कम्पनी (प्रा०) लि०,  
ईराज सिनेमा बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्स्प्रेसवे,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय अराड़ा सुपुत्र श्री ओम प्रकाश और  
श्रीमती ओम रानी धर्मपत्नी श्री ओम प्रकाश,  
निवासी ए-124, गुजरातवाला टाऊन भाग-1,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखीकरण के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिमा गया है।

अनुसूची

स्पेस नं०-8, ग्राउंड फ्लोर, प्लान नं० ए-1/3, ताईवाला  
भाग, आजादपुर, दिल्ली तादादी 365 वर्ग फिट,

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 22-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/37 ई० ई०/10-84/  
481---अनं मुझे, श्री० के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35/11, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई  
दिल्ली, में स्थित है (और इनमें उपरोक्त अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयती परिवारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961,  
के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
हास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकी  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० डी० ग्राहुजा,  
निवासी-24/40, वेस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशल्या देवी,  
निवासी-36/4, वेस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्रो० न०-35/11, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तादादी  
600 वर्ग फिट।

के० व.मुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 22-5-1985

संकेतः

प्रमुख आई. टी. एन. एच. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहाय्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/2/37 ई० ई०/10-84/  
482—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
आधार है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26/18 है तथा जो नजफगढ़ रोड, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसके उपरान्त अनुसूची में दृष्टि  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961,  
के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
फालन का कारण है कि सम्भाव्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) नेशनल कैमिफ्ल इन्डस्ट्रीज लि०,  
26, नजफगढ़ रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) विजय पोलिमरम (प्रा०) लि०,  
6/22, ईस्ट पंजाबी बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रा० नं०-26/18, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी  
339.59 वर्ग गज।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहाय्य आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

माहिर अ

प्रकाशक: टी. एन. एन.-----

- (1) नेशनल कैमिकल इन्डस्ट्रीज लि०,  
26, नरफगढ़ रोड,  
नई दिल्ली।

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/10-84/  
483—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
सूचके पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26/1 है तथा जो नरफगढ़ रोड, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उगावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन  
दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी भाव या किसी भव या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) विजय पोलीमर (प्रा०) लि०,  
6/22, ईस्ट पंजाबी बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रा० सं०-26/1. नरफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी  
756.28 वर्ग गज।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985  
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2, 37 ई० ई०/10-84  
484—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग न०-4586, है तथा जो सोप  
नं० जी-3, भाई परमानन्द कालोनी, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बाविल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० ज्वैलर्स ग्रोम प्रकाश,  
निवासी-1/425, मोरी गेट,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. मुरेन्द्र पाल सिंह, सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री हरबंस सिंह,  
निवासी-332, डा० मुकजी नगर,  
दिल्ली, और  
2. श्री नरेन्द्र अलमादि,  
सुपुत्र श्री के० एल० अलमादी,  
निवासी-373, भाई परमानन्द कालोनी,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

संपूर्ण

सोप नं० जी-3, बिल्डिंग नं०-4586, भाई परमानन्द  
कालोनी, दिल्ली,

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

माहुर :

प्रकाशक: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/2/37 ई० ई०/10-84,

485—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें संशोधन पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का आदेश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-19, है तथा जो बसई दारापुर, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक या दो या अधिक निम्नलिखित उद्देश्यों के उक्त अन्तरक निहित के आवासीय रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) सम्पत्ति के लिए किसी नाम की वास्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में कभी करने या उससे कमने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य जाँतियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना चाहिए या, जिसमें से सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
23—166GI/85

(1) जैना प्रापरटीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सरी हाऊस,  
प्रो० सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ता तलवार,  
निवासी क्वार्टर नं० 240,  
सेक्टर नं०-1, आर० के० पुरम,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने के पश्चात् अधिनियम के प्रयोग के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सूचना के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या अन्तर्गत की अवधि में सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को दे किती व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिग्रहण के लिए निहित में किए जा सकेंगे।

सूचनाकर्ता—मुझे सूचना जारी करने की सूचना को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-21, जैना शापिंग कम्प्लेक्स, बसई दारापुर, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली, तादादी 60 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

कोडर ४

प्रकृप भाई. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/10-84,  
486-अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गफ-127 है तथा जो बसई दारापुर, नजफगढ़  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961,  
के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्तान  
प्रतिफल की लिखित वस्तुस्थिति की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दख्तान प्रतिफल से, ऐसे दख्तान प्रतिफल से का पता चलता है  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती)  
के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कमित नहीं  
लिखा गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी प्राय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/वा

(ख) ऐसे किसी जान या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के  
लिए; और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
यह, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जैना प्रापरटीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सरी हाऊस, सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या चोपड़ा,  
धर्मपत्नी श्री पी० एल० चोपड़ा,  
निवासी ई-29, मानसरोवर गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
क्षुब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युत्साहारी के  
पात्र निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की उदाहरण, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एफ-127, जैना शापिंग कॉम्प्लेक्स, बसई  
दारापुर नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादावी 165 वर्ग फिट,

के० वासुदेवन,  
तक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :



इसका जारी टी. एच. एड. एड.

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नियुक्त सचिव

कार्यालय, सहायक भाषाकरण आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/10-84/

487-अतः मुझे श्री के० वासुदेवन,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन तत्काल प्राधिकारी को यह विषय सूचना देने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 104, है तथा जो बसई दारापुर, नजफगढ़  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961,  
के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सभापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से कुछ किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन सूचना देने के संवत्सक के  
आयुक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए की/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आशियानों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी जाना जा रहा था, किपाने में सुविधा  
के लिए।

यह जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों को प्रयोग :-

(1) जैना प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सरी हाऊस,  
सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश असाणी एंड श्रीमती शीतल असाणी,  
निवासी 7/3, वेस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में विरोध या सकार।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों की पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, बसई दारापुर, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली,  
तावादी 200 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन,  
संक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 22-5-1985

मोहर:

प्रकाश भाई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

आदेश अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

488—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-64, है तथा जो बसई बारापुर, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के वास्तविक से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा थी ली; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुरोध अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूयिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जैना प्रापर्टीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति उमिला नन्दा  
धर्मपति श्री बी० आर० नन्दा,  
निवासी—बी-3-बी/65-सी, जनकपुरी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ग्राह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ग्राह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं०-जी०-64, जैना प्रापिंग कम्पलेक्स, बसई बारापुर,  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी-60 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

आदेश

प्रथम भाई टी. एन. एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मिक, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई, 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

489—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िमकी सं० जी-23, है तथा जो बसई दारापुर, नजफगढ़  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961,  
के अधीन, तारीख, अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अनुमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यन्त्रपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके अनुमान प्रतिफल से, ऐसे अनुमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी भाव को व्यक्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित से कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या जो कि उक्त अन्तरण से अन्तरण से अन्तरण  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) जैना प्रापरटीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सरी हाउस, सामने मुपर, बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(1) श्रीमति गीता गुप्ता,  
धर्मपति श्री गोरी शंकर गुप्ता,  
निवासी-2450, छोटा रंगमहल  
तिलक बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना द्वारा करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रा० नं०-जी-23, जैना शांति कम्प्लेक्स, बसई दारापुर,  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी-60 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985  
आह्वार

प्रकाश, बाई, टी. एन. एल. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एयू०/2/37-जीईई/10-84

490—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-3 है तथा जो करमपुरा, नई दिल्ली, में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
नाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कइ देने के अन्तरक के  
बाबत में कभी कहने या उक्त वचन में ध्विधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मैसर्स उप्पल विल्डर्स,  
ए-6 रिंग रोड,  
एन०डी०एस०ई०, भाग-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति दर्शन कुमारी  
धर्मपति श्री राम लुभाया अग्रवाल,  
निवासी-ई-196, ग्रेटर कैलाश-2  
नई दिल्ली-4

(2) श्री कुलदीप कुमार सोनी,  
निवासी-13/19, पंजाबीबाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

1ली मंजिल, सी-3, करमपुरा, नई दिल्ली, तावादी-  
3456 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985  
मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/  
491--अतः सुसे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पदमाला 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना अधिकांश को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०टी०एम०-118 है तथा जो दीप सिनेमा,  
अशोक बिहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम

1961 के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास  
कारण का कारण है कि वधापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त सूचना प्रतिकूल से ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
जाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भी भाव की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत जो  
संपत्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :-

(1) मै० राजसुधा टावर्स (प्रो०) लि०,  
निवासी-एन-52, कनाट प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कुलदीप कौर,  
निवासी-बी-जे-101, ईस्ट शालीमार बाग,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधिन के लिए  
कार्यवाही करा रहा हूँ।

उक्त संपत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के संचरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या वत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के संचरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृत्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधारी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

समाप्त

आर०टी०एम०-118, आउटड फ्लोर, दीप सिनेमा, शॉपिंग  
कम्प्लेक्स, अशोक बिहार, दिल्ली-33, ताश्वादी-50 वर्ग फिट।

के० वामुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/  
4 92—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26/16 है तथा जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्टूबर,  
1984;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साधन से कमी करने या उसके अन्तर्ग में सुरक्षा  
की जाए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिगों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
की जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) नेशनल केमिकल इन्डस्ट्रीज लि०,  
26, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सौध कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०,  
26/15, नजफगढ़ रोड;  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्री० नं० 26/15, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादावी-161. 18  
वर्ग गज।

के० वासुदेवन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

अर्थशास्त्र सहायक सहायक सहायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/  
493—अतः मुझे के० वामुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०बी०-4 दिलखुश इन्डस्ट्रीज है तथा जो इस्टेट जी० टी० रोड, करनाल, आजादपुर, दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाकृत प्रतुपुवी में पूर्णत्व से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्धान, तारीख, अक्टूबर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृह्य है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संपत्ति के संपादन के उचित बाजार मूल्य उससे दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का संयुक्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन सम्पत्ति के वास्तवों, बर्णित है—

24—166GI/85

(1) कुमार आशा बीमानी श्री  
श्रीमति रविन्द्र कुमारी  
सी०/ओ० मै० अविशम नेहरो सन, कुतुब रोड,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति नीरु डोडी  
धर्मपति श्री गजेन्द्र डोडी,  
निवासी-डी-1, अशोक विहार-2,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके उक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यालय में करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्पत्ति का कार्य भी वास्तविक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरवर्षी वास्तवों का सूचना की तारीख से 30-दिन की अवधि, या भी अवधि यात्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त वास्तवों में से किसी अधिक द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा कृषि किसी अन्य व्यापक द्वारा, उपाकृत, या वास्तविक में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं बर्णित हैं जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

सी० नं०-सी०बी०-4, दिलखुश इन्डस्ट्रीज; इस्टेट जी० टी० करनाल रोड, आजादपुर, दिल्ली, तादादी-870 वर्ग फिट।

के० वामुदेवन  
सक्षम अधिकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर विभाग

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84

494—अन: मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्रविष्टि की गई है कि निम्नलिखित कारणों  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-30, है तथा-जो 2, ओल्ड रोड सामने  
शहजादा बाग, दिल्ली में स्थित है (और इस से उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और ऐसे पर विचार  
करने का कारण है कि बनावृत्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
वर्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्ष) और अन्तरिक्ष  
(अन्तरिक्ष) के बीच ऐसे अन्तरिक्ष के लिए एक बाधा बना प्रवि-  
ष्टि निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरिक्ष विधि से प्राप्त-  
विधि एक से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अन्तरिक्ष से हुए किसी भी बाध की बाधा उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर लगे के बाधा के अधिनियम के  
करीब रखने का उद्देश्य करने के सूचना के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) ईलाइड कंस्ट्रक्शन्स कम्पनी,  
जी-5/93, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ष)

(2) म० सेंट्रल इण्डिया,  
83, न्यू इन्डस्ट्रीज कम्प्लेक्स  
वजीरपुर, दिल्ली।

(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकों के  
बाध विधि में किए जा सकते हैं।

अन्वयिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं०-जी-30, प्लॉट नं०-2, ओल्ड रोड रोड,  
सामने शहजादा बाग दिल्ली, तादादी 295 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन  
सहायक अधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985  
सहित :



प्रकाशक: डी. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/  
495—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उक्त अधिनियम को संशोधित किया गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्रकाशक को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो ब्लॉक नं० 4, 9, राजनारायण  
रोड, सिविल लाइन्स दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दायित्व प्रतिफल से ऐसे दायित्व प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
जिसमें उक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
को बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, किन्तु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री शिव भार्गवा  
सी०/ओ० मै० दरबार इण्डिया,  
1, वीर नगर, जैन कालोनी,  
दिल्ली-7

(अन्तरक)

(2) मै० प्रसीद्ध फाइनेन्स लि०,  
4/9, आसफ अली रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डुप्लेक्स प्लॉट नं०-4, ब्लॉक नं० 4, अन्डर पावर हाउसिंग  
रेजिडेंट्स कॉम्प्लेक्स, 9, राजनारायण रोड, सिविल लाइन्स,  
दिल्ली, तापदावी-3404 वर्ग फीट।

के० वासुदेवन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985  
मोहर :

धनः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
की, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/  
496—अनः मुझे, के० वामुदेवन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 207-ए, बी०एम०सी०ए०, है तथा जो हाउस नं०  
23/23-ए, अंसारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में,  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर,  
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कम करने का उद्देश्य रखने में द्विधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नवीश चन्द मित्तल  
मुपुत्र श्री कश्मीरी लाल मित्तल,  
निवासी-ई-154, कमला नगर  
दिल्ली-7

(अन्तरक)

(2) श्रीमति आशा गप्ता,  
धर्मशक्ति श्री रवि के० गप्ता,  
निवासी-100, उदय पार्क,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दब्बान के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-207-ए, बी०एम०सी०ए०, हाउस, 23/23-बी,  
अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली, तादादी-70 वर्ग फिट।

के० वामुदेवन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

संख्या 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

संख्या 1985

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

497—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं०-104 है तथा जो ए-40-41, डा० मरुजी नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपरोक्त जनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता द्वारा के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं पाया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा सकता है; और/या

सूचना के अधीन;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती उमा कालरा,  
एम०ई०जी०, 2 और सेंटर,  
बंगलौर-560042

(अन्तरक)

(2) श्रीमति नीलम अग्रवाल  
धर्मपति श्री विनय कुमार अग्रवाल और  
योगी राज अग्रवाल  
मुपुत्र श्री जानकी दास अग्रवाल,  
निवासी-7/18, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त सम्पत्ति में से किसी भी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ जहाँ होगा या उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-104, प्लॉट नं० ए-40-41, डा० मरुजी नगर, दिल्ली, तादादी-454 वर्ग फीट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिवनी, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985  
माहुर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/  
498—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आई-15 है तथा जो ए/2, नजफगढ़ रोड,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूढिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूढिधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शिवलो, प्राधरटीज,  
एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार नन्दा और  
श्रीमती शशी नन्दा,  
निवासी-173, राजा गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या रजिस्ट्रार व्यक्ति पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के पश्चात् की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाहस्ताक्षरी के पास  
किए गए किसी भी क्रिये को,

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रौ० नं०-आई-15, ऊपर ग्राउन्ड फ्लोर, ए/2, नजफगढ़,  
रोड, नई दिल्ली, तादादी-232 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

मोहर :

प्रकरण साह्य : टी. पुनः पुनः

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

बिना विचार के

कार्यालय, सहायक आवक र माधुक्त (निर्वाहण)

अर्जन रेंज-2, गई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

499—अतः मझे, के० वासुदेवन,

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके अन्तर्गत 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), का भाग  
289-ब के अधीन प्रथम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्वतंत्र समिति, जिसका उचित आदेश अल्प  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० 11 है तथा जो जैन शापिंग सेन्टर  
रंजीत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा बद्ध अनसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अर्जन रे-2 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को दृष्टिगत संपन्नित से प्रतीयन होकर प्रत्यक्ष में वार के स्वयमान प्रतिफल के लिए सम्पन्नित की गई है और अतः यह विश्व-प्रत्यक्ष का कारण है कि यथापूर्ववत् सम्पन्नित का उचित वापार प्रत्यक्ष, उससे अवयमान प्रतिफल में ऐसे अवयमान प्रत्यक्ष का प्रत्यक्ष प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीकों) हैं बीच ऐसे अन्तरक के लिए दया पाया गया प्रतिफल निम्नीकृत अवयव है उस अन्तरक प्रत्यक्ष में वास्तविक रूप से अन्तरक की दृष्टि नवा गई—

(क) अन्तराल में हुए किसी काम की वापस वसूल कर-  
नियम से कमीन कर देने से कन्सल्ट के सविनय ने  
कमीन करने या उलट वसूल ने सुविधा से निम्न;  
मार्ग/प्र

(क) दंतो किसी जमाने का स्थानीय धर्म या अन्य धार्मिक  
को, सिद्ध भारतीय शास्त्रों के प्रतिपक्ष, 1922  
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम या धर्म कद  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अधिनियम द्वारा प्रकट नहीं किया गया हो  
या किसी अन्य अधिनियम या स्थिति के अधिनियम के  
अन्तर्गत;

सतः क०, तत्काल प्रतिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, सौ. प्रमन कविनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1)  
की तालीन, निम्नलिखित स्थितियों, धारा 269-ग

(1) टी०एम० अपार्टमेंट्स (प्रा० लि०,) एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रामप्यारे चौरसिया  
सुपुत्र श्री सुखदेव चौरसिया,  
मनोहर राम चौरसिया  
सुपुत्र श्री बैजनाथ चौरसिया,  
निवासी-याना ग्रन्धर ए-30  
विशाल इन्क्लेव नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

तो यह हुजूम जारी करके पृथ्वी सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहीर्था करता हूँ।

जन्तु हस्तारि के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप,—

(क) एक सूचना को संचरण में प्रकाशन की तारीख से 40 दिन की मर्यादा या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की मर्यादा, जो भी मर्यादा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर बुद्धिमत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति को;

(ख) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितग्राह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के बाध किया नो किए जा सकेंगे ।

**समाधान:-** इसमें प्रयुक्त पाठ्यों और वर्षों का, जो उस विधिविषय के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

का

प्रौ० नं०-जी-11 जैना शापिंग सेन्टर, रंजीत नगर, नई-  
दिल्ली, तादादी-27 वर्ग फिट ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985  
मोहर :

अध्याय 269-ग की धारा 43

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/10-84/500—

अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन उक्त अधिकारी को यह दिशानिर्देश करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० जे० टी०-410 है तथा जो राजेन्द्रा टावर, वजीरपुर, कर्मशिवन कम्पलेक्स, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपरोक्त गन्तव्यों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री उता प्रमाणिका के कार्यालय, अर्जुन रोड, नई दिल्ली आयकर अधिनियम 1961 के अन्तर्गत जारी अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब प्राप्ति तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निर्धारित हो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिताने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन—

(1) श्री राजेन्द्रा टावर (प) लि०, 32-5, एनए प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्रा चेम्बेवल ट्रस्ट (प) प्लाट नगर एगार्टमेंट्स, 6, तिरुमल मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्मवाह्यता शुरू करता हूँ—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि में उक्त सम्पत्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी को ले लिखा जाना होगा—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुबन्धी

स्पेस नं० आर० जे० टी०-410, राजेन्द्रा टावर, वजीरपुर, कर्मशिवन कम्पलेक्स, दिल्ली, ताजादी—8 6.75 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन

अक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 22-5-1985

मोहर

संघीय न्यायिक सेवा अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/10-84/

501—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4, रैकट कोर्ट रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली में स्थित है (यहाँ इसके हितवन्त अनुमूर्ति से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान त्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान त्रिफल से, दिए दृश्यमान त्रिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच के अन्तरक के लिए तय पाया गया त्रिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत लिखित में दस्तावेज़िक रूप में दर्ज किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी क्षय या अन्य सम्पत्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1907 (1907 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

25—166GI/85

(1) श्री० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/10-84/501-अतः मुझे, के० वासुदेवन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीमती देवकी सुन्दर वासुदेवन त्रिपति श्री देवका सुन्दर वासुदेवन, निवास—62/बी, गली मेजर, एपार्टमेंट नं०-1, केके परेड, वास्को।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ़ॉर्म नं० 18, (रजिस्ट्रार एपार्टमेंट नं० 4, रैकट कोर्ट रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली, तारीख-11/45) पर किया।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
भारत सरकार, आयकर (सिस्टम)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली।

दिनांक 22-5-1985  
मोहर

प्रारूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/10-84/502--

अतः मुझे, के० वासुदेवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० जी०-7 है तथा जो बार्डी बारापुर, नजफगढ़ रोड,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुपूर्वी में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम्से दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) जैता प्राधरतीज (प्रि०) लि०, एडीनाथ सरी  
हाऊस, सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) श्री अतवन्त सिंह एण्ड श्री गुरदीप सिंह, निवासी-  
2246/1, शादीपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना या तारीख 20 दिनों के भीतर, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रि० नं० जी०-7, जैता प्राधिन सम्पलेकर, बार्डी बारापुर,  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी-101, वर्ग फिट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 22-5-1985

मोहर



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/37-ईई/10884/503--

अतः मुझे, श्री के० बाबुदेवन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० 102 है तथा जो ए-40-41, कम्यूनिटी सेंटर, डा० मुन्जी नगर, विमानवे मार्ग, दिल्ली में स्थित है (जो इससे उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिनियम, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख प्रवृत्त, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल के ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्धनार्थ कन्सिडरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्फटाई लीडिंग डी० ए० सी० आर्किट, श्रीरा आर्किट, जनजाली आर्किट, निवासी-98, हंस खास अपार्टमेंट (ए ५० एफ० एल०) नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) स्वाति होम फार अन्वयसेन्स एण्ड रिहैबिलिटेशन चैरिटेबल ट्रस्ट, वी/15, विराट भवन, डी-1, डा० मुन्जी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, फ्लैट नं० ए-40-41, कम्यूनिटी सेंटर, डा० मुन्जी नगर, विमानवे मार्ग, दिल्ली, तादादी-561 वर्ग फिट।

के० बाबुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक: 22-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/10-84/  
504—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भ० 103 है तथा जो ए०-40-41, डा० मुकर्जी  
नगर, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता-  
अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान  
प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरित (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
अनुदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करीबत  
अभी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था; जिन्हें में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) लेफ्टि० कर्नल श्री एच० एन० सिंह, 98, होज  
ब्रास एपार्टमेंट्स (एन० एक-एस०), नई दिल्ली  
(अन्तरक)
- (2) स्वाति होम फार कन्वल्ससेंस एण्ड रिहैबिलिटेशन  
चैरिटेबल ट्रस्ट, बी/15, विराट भवन, डी-1,  
डा० मुकर्जी नगर, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, प्लॉट नं० ए-40-41, कम्युनिटी सेंटर डा०,  
मुकर्जी नगर, किंग्सवे मार्ग, दिल्ली, तादादी-561 वर्ग फिट

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 22-5-1985

मोह०

सूचना सं. 10/6762, गली नं 3

(1) श्रीमती गुरमीत कौर, 10/6762, गली नं 3  
देव नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/10-84/  
505—अतः मुझे, के० बाबुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ए के अधीन सूचना जारी की गई जिसमें यह बताया गया है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 106 है तथा जो ए-37-38-39, डा०  
मुकजी नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावृद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधि-  
कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 84  
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत के गये हैं और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतररती  
(अंतररतियों) के अन्तर्गत अन्तरण के तहत लगे गये गये।  
कल निम्नलिखित अवश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तररती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तर्गत  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही कराता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :- इस सूचना के अन्तर्गत उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 106, प्लॉट नं० ए-37-38-39, कम्युनिटी  
सेक्टर डा० मुकजी नगर, जिसमें नार्थ, दिल्ली, तादादी-  
411 वर्ग फिट।

के० बाबुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/506—

अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयुक्तों को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 105, है तथा जो ए-37-38-39, डा०  
मुकजी नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारों अधिकारी  
के कार्यालय अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित है  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उचित करने से सूचना  
के लिए, कोई/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तविक  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुरजीत कौर, निवासी 10/6762, देव  
नगर, गली नं० नं० 3, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) चैतन्या होम फार कनवेलसंस एण्ड रिहैबिलिटे-  
शन चैरिटेबल ट्रस्ट, वी/15, विराट भवन,  
डी-1, डा० मुकजी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारत सरकार के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादवादा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाधक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताभारी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं जगहों को उस अध्याय में दिया  
गया है।

संख्या

फ्लैट नं० 105, प्लॉट नं० ए/37, 38, 39, कम्युनिटी  
सेंटर डा० मुकजी नगर, दिल्ली, सादादी 460 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 22-5-1985

मोहर:

प्रत्यक्ष बाई. टी. एच. एच. :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/2/37 ईई/10-84/507—

अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० जे० टी 417, गुप्ता कालोनी, है तथा  
जो प्लॉट नं० 18, वजीरपुर, कम्युनिटी सेंटर, दिल्ली में  
स्थित है (और इनसे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2  
नई दिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख  
अक्टूबर-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तव-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात का बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
व्ययिता में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए नहीं है।

(ख) ऐसी किसी बात का किसी बत या अन्य मापदंडों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए या विधान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैं राज सुभा टावर (प्रा०) लि०, एन०-52,  
कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार, निवासी-54, गुप्ता कालोनी,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूची

आर० जे० टी-417, दुसरी मंजिल, प्लॉट नं० 18  
वजीर पुर, कम्युनिटी सेंटर, दिल्ली, तादादी-50.50 वर्ग  
फिट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री अमानत सिंह सी० आ० श्री राजी नंद, निवासी 10/6762, देव नगर गली नं० 3, नई दिल्ली।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

508 -अतः मुझे श्री के० बामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 101 है तथा जो ए/37-38-39, डा० मुर्ली नगर, दिल्ली में स्थित है (अर्थात् अपने जवाबदारी अनुबंधों में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री तथा अधिपति के कार्यालय अर्जन रोज-2 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी काने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. रजिस्ट्री होगा फार कन्वल्सिंस एन्ड रिजर्वीटेशन चैरिटेबल ट्रस्ट की/15, विराट भवन, डी-1 डा० मुकजी नगर दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 101, प्लॉट नं० ए/37-38/39, कम्यूनिटी सेंटर डा० मुकजी नगर किंग जे नार्थ दिल्ली तादादी 418 वर्ग फिट

के० बामुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2 नई दिल्ली

दिनांक: 22-6-1985

मोहर :

प्रकट बाई.टी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

509—अतः मुझे के० धामुदेवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-43, है तथा जो बसई दारापुर नजफगढ़  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुभूति  
से पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

रेंज 2 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उक्त अन्तरण के सूचना  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26—166GI/85

1. जैना प्रापर्टीज (प्रा०) लि०, एबीनाथ सरी हाउस  
के सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह और श्री इकबाल सिंह निवासी 1/  
4, मोती नगर दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी 43 जैना शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बसई दारापुर, नजफ-  
गढ़ रोड, नई दिल्ली, ताबादी 45 वर्ग फीट

के० धामुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

दिनांक 22-5-1985

मोहुर

प्रारूप आई.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

510—अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी०-34 है तथा जो बसई दारापुर, नजफगढ़ रोड नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाकृत अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व से कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जैता प्रापस्टीज (प्रो०) लि०, एबीनाथ सर्री हाउस, सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ओ० पी० जेठली और श्री राजीव जेठली, निवासी एफ-13 नारायन बिहार नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं जी० 34 जैता प्रापिंग कॉम्प्लेक्स, बसई दारापुर नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली तादादी 60 वर्ग फीट

के० वासुदेवन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

माहुर :



प्रमुख भाई: टी. एम. एल. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक सचिव

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/37/ईई/10-84/

511—अतः मुझे श्री० के० वासुदेवन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी०-28, तथा जो बघई धारापुर, नजफगढ़  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिवारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1961  
के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए राजस्वीकृत बिलेस के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-  
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जैना प्रापर्टीज (प्रा०) लि०, एडीनाथ सरी हास,  
सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बी० पी० मिथानी निवासी 15/एन ए पंजाबी  
बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी०-28, जैना शापिंग कॉम्पलक्स बसई  
धारापुर, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, सादादी 60 वर्ग फीट।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

दिनांक: 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/37ईई/10-84/512

अतः मझे वे० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-44 है तथा जो बसई दारापुर मजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) जैना प्रापटी (प्रा०) लि०,  
एडिनाथ सरी हाउस सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अंतरक)

(2) श्री प्रो० एस० राजपाल,  
निवास डब्लू-जड 1, बसई दारापुर,  
इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बसई

प्रो० नं० जी-44, जैना शांति कम्पलेक्स, बसई दारापुर  
मजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली, तादावी 45 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

शुद्ध बाई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ इयू/2/37ईई/10-84/513

यतः मुझे के० बासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-11 है तथा जो बसई बारापुर, नजफगढ़  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
ग्रांर पूर्ण रु. से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तिबों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, ज्ञान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की अनुसरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) जैना प्रापर्टीज (प्रा०) लि०,  
एबीनाथ सरी हुकस, सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरि राम गुप्ता,  
2937/218, सरी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के द्यमान में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भू  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

पञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-11, जैना शॉपिंग कम्प्लेक्स, बसई बारापुर,  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, ताबादी 101 बर्यफीट।

के० बासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्रमुख कार्य, टी. एम्. एस.

राजपत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/514

यतः मुझे के० वासुदेवन

राजपत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 2 है तथा जो प्लॉट नं०  
2/34, गार्डन गेट रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उत्पन्न अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण ठ है कि किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने में अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; बीड/वा

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या या किया जाना चाहिए या, किमान में  
सुविधा के लिए;

उक्त अन्तरण, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
है, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री कुलवन्त सिंह,  
सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० बीला सिंह,  
निवासी-महेन्द्रगढ़ रोड, अम्बिकापुर ।

से (अन्तरक)

(2) श्री रामबिलास गोयल,  
सुपुत्र श्री काशी राम गोयल,  
निवासी-डी-27, कीर्ती नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों को  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अन्तरक की नाव  
लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जैसे उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2/34, ब्लाक नं० 2, कीर्ती नगर, नई दिल्ली,  
तादादी-200 वर्गफीट ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985  
मोहर :

प्रकाश आर्. टी. एन. ए. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आर्.टी.ए.सी०/ए.क्यू०/2/37ईई/10-84/515

अतः मझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 2 है तथा जो 2/35 कीर्ती  
नगर नई दिल्ली में स्थित है, (और इसमें उपायुक्त अनसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसको दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उ. 1 अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राजेन्द्र सिंह,  
सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस बीला सिंह,  
निवासी—महेन्द्रगढ़ रोड, अम्बिकापुर ।  
(अन्तरक)

से (2) श्री रामबिलास गोयल,  
सुपुत्र श्री काशी राम गोयल,  
निवासी—बी-21, कीर्ती नगर,  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० प्लाट नं० 2/35, ब्लाक नं० 2, कीर्ती नगर, नई  
दिल्ली, तादादी

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर



प्रकाश माई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

517—अतः मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-58 है तथा जो बसई बारापुर, नजफगढ़-  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्णरूप में वर्णित है), राजस्वीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
कार्यकाय से किसी कर दे रा. हमसे बचने में सहायता  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, प्रत्येक भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित बराबर एकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

27—166GI/85

(1) जैना प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०,  
पंडीनाथ मी हाउस, सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० एस० वर्मा और  
श्री डी० सी० त्यागी  
निवासी—बी-3/431, पश्चिम बिहार,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्री० नं० जी-58, जैना प्रापिण कम्प्लेक्स बसई बारापुर,  
नजफगढ़ रोड नई दिल्ली, तादादी 45 वर्ग फीट।

के० वामुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985  
मोहर :

प्रथम भाग. टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०/2/37ईई/10-84/

518—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनको सं० जी-65 है तथा जो बसई दारापुर, नजफगढ़-  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावर्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति  
में कमी करने या उसके बचने में क्षति के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुबन्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में क्षति  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
के, यहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) जैना प्रापर्टीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार,  
फनाट मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती करतार कौर  
धर्मपती सज्जन लाल,  
निवासी—ई-ए-118/2, टैगोर गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रिती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रा० नं० जी-65, जैना प्रापिंग कम्प्लेक्स, बसई दारापुर,  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली तादानी-60 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

सांहर :



प्रकृष काह. टी. एन. एन. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मई, 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०एफ०-2/37ईई/10/84-519,

—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-108 है तथा जो बसई दारापुर, नजफगढ़-  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
अधीन अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित जटिलताओं से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
अर्ज/मा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
के जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) जैना प्रापर्टीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सणी हाउस, सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलशन पाहवा,  
निवासी—बी-16, बीती नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

श्री० नं० एफ-108, जूना शापिंग कम्प्लेक्स, बसई दारा-  
पुर, नजफगढ़, नई दिल्ली, तादादी-110 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

मोहर 3

प्रकरण नम्बर टी. एन. एच. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/2/37ईई/10-84/520

अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी परम्परात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-109 है तथा जो बसई दारापुर, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय, आयकर अधिनियम 1961 की धारा के अधीन तारीख अक्टूबर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य अपने दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मालक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जैना प्रापर्टीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला पाहवा,  
धर्मपत्नी श्री बी० डी० पाहवा,  
निवासी-बी-16, कीर्ती नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकार्य :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गये हैं।

अनसूची

प्र० नं० एफ-109 जैना प्रापिंग कम्पलेक्स, बसई दारापुर  
नजफगढ़ रोड़ नई दिल्ली, तादादी 110 वर्गफीट।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर

प्रकृष बाई टी. एन. इव. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

उक्त अधिनियम के अन्तर्गत

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई. ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/521

अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ.-112 है तथा जो बसई दारापुर नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरित होना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जैना प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सरी हाउस, सामने, सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार,  
सुपुत्र श्री कृष्ण कुमार,  
निवासी सी-18, राजोरी गार्डन,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत

प्रो० सं० एफ.-112, जैना शापिंग कम्प्लेक्स, बसई दारापुर,  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादात्री 110 वर्गफीट ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/2/37/ईई/10-84/527

अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-24 है तथा जो नजफगढ़ रोड, बसई  
दारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाह्व अनुसूची  
; और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जैना प्रापर्टीज (प्रा०) लि०,  
एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन लाल अबोट,  
सुपुत्र श्री उजागर मन एन्ड  
श्रीमती सतीश प्रभा,  
धर्मपत्नी श्री दर्शनलाल अबोट  
निवासी डब्ल्यू-जेंड-65बी-4  
रतन पार्क, सामने कीर्ती नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरांगी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
बन्धु व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रा० नं० जी-24, जैना प्रापिंग कम्प्लेक्स, बसई दारापुर  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी 45 वर्गफीट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

- (1) जैना प्रापर्टीज (प्रा) लि.,  
एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक/2/37ईई/10-84/523-

अन: मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-26 है तथा जो बसई दारापुर, नजफगढ़  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961  
के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थरमान प्रतिफल से, ऐसे स्थरमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (2) श्री मुभाष चन्द्र सेठी,  
निवासी-सी-417, विकासपुरी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-26, जैना शापिंग कम्प्लेक्स, बसई दारापुर  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादावी 45 वर्ग फीट।

के० वामुदेवन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 22-5-1985  
मोहर

प्रकाश बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

524—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी०-25 है तथा जो नजफगढ़ रोड, बसई दारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अक्टूबर-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में क्षति के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में क्षति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जैना प्रापटीज (प्रा०) लि०  
एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार  
कनाट सर्कस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री यशपाल,  
निवासी 59-सी०,  
पांडव नगर, डी० डी० ए० फ्लैट्स  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यक्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी०-25, जैना शापिंग कम्प्लेक्स, बसई दारापुर  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी-45 वर्ग फीट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

मोहर :

प्रथम भाग, श्री एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10/84-  
525—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 7 है तथा जो प्लॉट नं० ए-1/3,  
नाईवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख,  
अक्टूबर-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से  
आय से कमी करने या उससे बचने में सज्ज  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सज्ज के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमलेश बहल धर्मपत्नी,  
श्री बी० एम० बहल,  
निवासी सी० 7/200,  
सफदरजंग विकास एरिया,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार भल्ला सुपुत्र  
श्री आर० पी० भल्ला  
और राम प्रकाश भल्ला  
निवासी 10-ए०/34,  
णक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विश्व  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एक-एक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 7, प्लॉट नं० ए-1/3, नाईवाला बाग, आजादपुर  
दिल्ली, तादादी 150 वर्ग फीट।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

मोहर :

प्रकरण बाई.टी.एन.एस.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई, दिल्ली दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/  
526-अतः मुझे श्री के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन मध्यम प्राधिकारी का यह विवेचन करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 5 है तथा जो ए-7-8-9 रनजीत नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन अक्टूबर 1984

का पूर्वांश संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से गये दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधितः से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत में कमी करने या उक्त अधिनियम में सुधार के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, अधिनियम में सुधार के लिए।

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूची 4, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० नेहरू प्लेस होटलम लि०, इंग्लैंड सिनेमा बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अरूपा कपूर सुपुत्र श्री एम० पी० कपूर, श्रीर कुमारी अन्तु कपूर (मैत्र) सू/की श्री एम० पी० कपूर, निवासी ए-124, विशालपुर्वलोक, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाषण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्विस्तक्षरी के पास प्रेषित या किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**संपूर्ण**

स्पेस नं० 5 इन्टरमीडिएट प्लोर "मस्राट-भवन प्लाट नं० ए-7-8-9 रनजीत नगर कम्प्यूनिटी सेंटर नई दिल्ली तावादी-362 वगं फीट।

के० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :



प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्ष०/2/37ईई/10-84/  
529—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वस्य करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एल-82, है तथा जो क्रीती नगर, नई दिल्ली,  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक अक्टूबर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परन्तु  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से वांछित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वांछ, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुवीर सिंह सुपुत्र श्री एस० सन्त सिंह, निवासी  
जे० जे 11/44, राजीरी गार्डन गार्मेन नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कानन बाला आहुजा धर्मपति श्री यशपाल  
आहुजा, निवासी 14 बी/7, देश बन्धु गुप्ता रोड, करोल बाग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनसूची

प्रो० नं० एल 82, क्रीती नगर, नई दिल्ली ताबादी, 200 वर्ग  
गज ।

के० वासुदेवन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-84/

530—अतः मुझे, श्री के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं०-1 है तथा जो ए-7-8-9, रनजीत नगर  
कम्यूनिटी सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० तेहरू प्लेस होटल्स लि०, इरोज सिनेमा बिल्डिंग,  
जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री संजीव कपूर सुपुत्र श्री ओ० पी० कपूर, निवासी 38,  
नार्थ एवेन्यू रोड पंजाबी बाग नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में उपाय होती हो; के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्त अधिनियम की धारा  
जिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनसूची

स्पेस नं० 1, इन्टरमीडिएट फ्लोर, "सम्राट भवन" प्लाट  
नं० ए-7-8-9, रनजीत नगर, कम्यूनिटी सेंटर, नई दिल्ली, तादादी  
404 वर्ग फीट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 22-5-85

ओहोर ■

प्रकृष्ट भाई. टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/37 ईई/  
10-84/531—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वान करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-126 है तथा जो न्यू सक्जी मण्डी,  
आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (अर्ज इसमें उल्लेखित अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक निम्नलिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय को वास्तविक आय-  
निर्वाह के अधीन कर देने के अंतरक के माध्यम से  
कभी करने या करने के बचने में सुविधा के बिना;  
और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसार अंतरक द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण  
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधाई :—

(1) श्री रामजी दाग  
श्री मालिक राम गुप्ता और अन्य,  
निवासी हाउस नं० 21,  
भारत नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरानदास,  
श्री राम कुमार,  
श्री रमेश नागर,  
निवासी बी-2/26,  
अर्जुन विहार, भाग-2,  
दिल्ली (श्री मनोहर लाल,  
श्री मोहन लाल)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रकृत कब्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० सी-126, न्यू सक्जी मण्डी, आजादपुर,  
दिल्ली, तादादी-63 अर्ग फीट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/10-  
84/532—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० एफ-130 है तथा जो जैना प्रापिग  
कम्पलेक्स, बसई दारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयत  
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अक्तूबर, 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जैना प्रापरीटीज (प्रा०) लिमिटेड  
एडोनाथ मरी हाऊस,  
भामने सुपर बाजार,  
कनाट सर्कस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० बी० एन० आर० इंजिनियर  
(प्रा०) लिमिटेड,  
डब्ल्यू० जेड० एम० आई० एफ०.  
बसई दारापुर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एफ-130, जैना प्रापिग कम्पलेक्स, बसई दारापुर,  
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी 110 वर्ग फीट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/10-

84/533-अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/20 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिगारी के कार्यालय, अर्जन  
रेंज-2, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
अक्टूबर, 1984

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सन्दर्भ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री पी० एल० दुआ  
(पी० एल० दुआ एण्ड एम्पनी),  
1/35, सदर बाजार  
दिल्ली कैंट ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल खन्ना,  
एच० यू० एफ०,  
निवासी सी-24,  
ग्रेटर कैलाश भाग-1,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 2/20, डब्ल्यू० एच० एस० कीर्ति नगर,  
नई दिल्ली, तादादी 400.50 वर्ग गज ।

के० वासुदेवन  
सश्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 22-5-1985

सांठर 4

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एन्यू०-2/37ईई/10-84/

533-ए—अतः मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26/5ए है तथा जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तन पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. नेशनल क्रेमिकल, इन्डस्ट्रीज, लि०,  
26, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अरुण परवाल, धर्म परवी आचार्य अरुण देव,  
निवासी 1. डा० लेन, गोल माफ्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति में बचन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नुबों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26/5ए, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी 29.95  
वर्ग गज।

के० वामुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 22-5-1985

मोहर :

प्रमुख भाई टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

माहुर सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-3/37ईई/10-84/2-85/

\* 803—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए 101/1, बजीरपुर है, तथा जो इन्डस्ट्रियल  
एरिया, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्कर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आई० ए० सी० रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मध्यापूर्विक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में प्रकट नहीं किया गया है—

(क) अंतरक से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
कार्यवाही में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिनका भागीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
इस अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—  
29—166GI/85

1. श्री विष्णु भागवा  
878, केदार विलिडिंग, सब्जी मंडी,  
दिल्ली- 1

(अन्तरक)

2. (1) श्री राकेश कुमार,  
(2) आशा रानी  
(3) शान्ति देवी  
(4) राम कृष्ण  
(5) मधु देवी  
(6) विद्यावन्ती  
निवासी 833, चांदनी महल, दरिया गंज,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्-  
सदारी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ए, 101/1, बजीरपुर, इन्डस्ट्रियल, एरिया, दिल्ली,  
आंशिक निर्मित क्षेत्र, 670 वर्ग फुट ।

के० वासुदेवन

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 10-6-1985

माहुर

**भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी./एक्यू-3/एस०आर०-2/10-84/

अतः मुझे के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० सी-बी/10 है, तथा जो हरी नगर, कलक टावर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण को माह है और यहाँ यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी भाग का बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण के अधीन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यहाँ :—

1. श्री चानन सिंह सुपुत्र श्री मिल्खा सिंह,  
निवासी ए-2, जी० टी० रोड, प्रादर्श नगर,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी धर्म पत्नी श्री खैराती राम चावला और श्रीमती सुनीता चावला, धर्म पत्नी श्रीमुधीर चावला, निवासी जे-7/80, राकोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति का

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेद्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जो उक्त सूचना में निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहायक

प्लॉट नं० सी-बी/10, तादादी, 280 वर्ग गज, हरी नगर, कलक, टावर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-6-1985

सोहर



प्रमुख बाई. टी. एन. एच. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयसिध, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-3/एस०आर-2/10/84/

2482—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-6/64 है, तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि क्या पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का वस्तु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न रूप पाया गया प्रति-  
नियमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी बट्टा का अन्य वास्तिकी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोपनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शक्ति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुदर्शन कौर धर्म पत्नी, श्री शेर सिंह निवासी डिप्टी जनरल मैनेजर, आरडीनान्स फैक्टरी, बसुवाल (महाराष्ट्र), प्रेजेंट, ए/ई/59, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश गोलेन, सुपुत्र श्री हरनाम दास गोसेन, निवासी ई-12, टैगोर गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में निम्न-बहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोद्घातकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० जे-6/64, तादादी 160 वर्ग फिट, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राफ ग्राम तारापुर, दिल्ली, स्टेट, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 5-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. बी. एन. एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-3/एस०आर०-2/10-84/  
2483—अतः मुझे, के० बासुदेवन,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एल-10 है, तथा जो रामलाल ब्लाक, गंगा राम बाटिका, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथित :—

1. श्री रमेशचन्द्र नायर सुपुत्र श्री हंस राज नायर, निवासी आर०एल-10, गंगा राम बाटिका, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरीश चन्दर गोबा और अशोक कुमार, गोबा, सुपुत्र श्री वासदेव गोबा, निवासी डब्ल्यू-जैड-54, सन्त नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस सं० आर० एल०-10, तादादी 200 वर्ग गज, राम लाल ब्लाक, गंगाराम बाटिका नई दिल्ली।

के० बासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरी)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 5-6-1985

मोहर :

प्रकृष्ट भाग टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-3/एस-आर-2/10-84/

2484—अतः मुझे, बासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-66 है, तथा जो ग्राम पोसागोंपुर, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरमजन सिंह और हरपरल सिंह सेठी सुपुत्र श्री मनोहर सिंह सेठी, निवासी 12-ए, ब्लाक-1, विजय नगर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र पाल भाटिया, सुपुत्र श्री शिव राम दास भाटिया, निवासी 909, लक्ष्मी बाई नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-कथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बन्धन में दिया गया है।

अनुसूची

फिरोज़ प्लाट नं० ए-66, तादादी 216-2/3, वर्ग गज, रेक्टेंगल नं० 6, कीला नं० 22/1, पोसागापुर, गांव के क्षेत्र में स्थित शंकर गार्डन एपार्टमेंट, कालोनी, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली।

के० बासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 5-6-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-3/एस.आर.2/10-84

2485--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/94 है, तथा जो तिहाड़-1 नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चानन देवी, धर्म पत्नी श्री सुशी राम,  
निवासी 15/94, तिहाड़-1, सुभाष नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री वृजराज सुपुत्र श्री राम लाल,  
निवासी 10/18, तिहाड़-1, सुभाष नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किष्ट प्रा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सरकार द्वारा, बनी हुई प्रो० नं० 15/94, ताबादी 100  
वर्ग गज, तिहाड़-1, सुभाष नगर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. =

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निवेश सं० आई०ए० सी०/एक्यू-3/एस०आर-2/10-84/

2486—अतः मुझे, के० वासुदेवन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 70 है, तथा जो ब्लॉक 'जे-7' राजोरी गार्डन,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
रहित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित के  
आवधिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब को वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व  
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येक अर्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाता था कि या छिपाते हैं सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खेमबन्द, भट्टा,  
निवासी जे-7, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. एम० मोहन और श्रीमती बलदेव कौर,  
निवासी 1/5, सुभाष जंगम दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तरक

प्लॉट नं० 70, ब्लॉक जे-7, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-6-1985

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अफ़ेन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-3/एस०आर०-2/10-84/  
2487—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोरा कातुनी नं० 9, खसरा नं० 4/14  
(3-8), 4/17(4-16), 4/24 (4-8), ग्राम मामरपुर,  
है, तथा जो दिल्ली स्टेट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) लेफ्टि० कर्नल जयभगवान कोचक,  
सुपुत्र श्री फतेह चन्द कोचक,  
श्रीमती मनोरमा कुमारी कोचक,  
पत्नी श्री जयभगवान कोचक,  
निवासी भगवान बिल्डिंग, सोनीपत।

(2) श्रीमती मिथलेस कुमारी पत्नी  
श्री हरी प्रकाश कोचक,  
निवासी मोती नगर, डिस्ट्रीक्ट, मेरठ,  
करन्टली निवास, 110 हरी मार्ग,  
सिविल लाइन, जयपुर

(अन्तरक)

2. श्री कांशी राम गुप्ता, द्वारा, के० आर० गुप्ता, सुपुत्र  
श्री राम रतन, निवासी सी-51, अशोक बिहार-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तावादी 12 बीघे, 12 बिघे, कमपराईज, काटा कातुनी  
नं०-49, खसरा नं० 4/14 (3-8), 4/17 (4-16), और  
4/24 (4-8), ग्राम मामरपुर, दिल्ली स्टेट।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अफ़ेन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 5-6-1985

माहुर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अकॉन्ट रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-3/एस०आर-2/10-84/

2488—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13बीघे 12 बिघे, खसरा नं० 3/11, 3/20  
3/21 है, तथा जो ग्राम सामरपुर, दिल्ली स्टेट में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अक्टूबर, 1984

को पञ्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में लगे दृश्यमान प्रतिफल के  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, मिश्रितलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन लिखित अधिसूचना, अधिसूचना :—  
50-16601/85

1. (1) लेफ्टि० कर्नल जयभगवान कोचक,  
सुपुत्र श्री फतेह चन्द कोचक,  
श्रीमती मनोरमा कुमारी कोचक,  
पत्नी श्री जयभगवान कोचक,  
निवासी भगवान बिल्डिंग सोनीपत।

(2) श्रीमती मिथलेश कुमारी  
पत्नी श्री प्रकाश कोचक,  
निवासी मोतीनगर, डिस्ट्रिक्ट भेरठ,  
4 करन्टली निवास-110, हरी मार्ग, मिथिल लाईन  
जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीना गुप्ता, पत्नी श्री अशोक कुमार गुप्ता,  
निवासी जी-51, अशोक बिहार-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्थी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किमें जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तर्गत

तादाती 13 बिघे, 12 बिघे, खसरा नं० 3/11, 3/20,  
3/21, ग्राम सामरपुर, दिल्ली स्टेट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अकॉन्ट रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-6-1985

मोहर

प्रकृष बाह्य टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एफ०-3/एस०आर०-2/10-84/

2489—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० 12 बीघे, 14 बिघे, खसरा नं० 4/15 4/16, 4/25, 4/26, है, जो ग्राम मामरपुर, दिल्ली स्टेट, में स्थित है (और अपने उत्तराधिकारियों में प्रौर जा पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए, और/वा

(ख) एस किसी आदमी किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) लेफ्टि० कर्नल, जयभगवान, कोचक  
सुपुत्र श्री फतेह चन्द कोचक  
श्रीमती मनोरमा कुमारी कोचक,  
पत्नी श्री जयभगवान कोचक,  
निवासी भगवान ब्रिडिंग सोनीपत।

(2) श्रीमती मिथलेश कुमारी पत्नी  
श्री हरी राकेश कोचक,  
निवासी मोतीनगर, डिस्ट्रिक्ट मेरठ, कान्ही  
निवात 110 हरमार्ग विविन लाइस जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल गुप्ता, सुपुत्र श्री के० आर० गुप्ता,  
निवासी सी-51, अशोक बिहार-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी या अन्य लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

तादादी, 12 बीघे, 14 बिघे खसरा नं० 4/15, 4/16,  
4/25, 4/26, ग्राम मामरपुर, दिल्ली स्टेट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-5-1985

माहर :



प्रारूप भाई टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-3/एस०आर०-2/10-84  
2490—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 बीघे, 12 बिघे, खसरा नं० 4/14,  
4/17, 4/24, है, जो ग्राम मामरपुर, दिल्ली स्टेट में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अक्टूबर, 1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का  
अन्तर्गत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरता (अन्तरताया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नोक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) नेफिट० कर्तन, श्री जयभगवान कोचक,  
सुपुत्र श्री फनेह चन्द कोचक,  
श्रीमती नारायण कुमारी कोचक, पत्नी  
श्री जयभगवान कोचक,  
निवासी भगवान बिल्डिंग, सोनीनत।

(2) श्रीमती मिथलेश कुमारी  
पत्नी श्री हरी प्रकाश कोचक,  
निवासी मोती नगर, डिस्ट्रीक्ट मेरठ  
करन्टनी निवास, 110, हरी मार्ग, सिविल लाइन,  
जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश गुप्ता, सुपुत्र श्री काशीराम,  
निवासी सो-51, अशोक बिहार -1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

तदादी 12 बीघे, 12 बिघे, खसरा नं० 4/14, 4/17,  
4/24, ग्राम मामरपुर, दिल्ली स्टेट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1985  
मोहर :

प्रूप. भाई. टी. एन. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 जून, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० 3/एस०आर०-3/10-84/

894-3तः मुझे, के० वासुदेवन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन प्रत्येक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जन रेंज सं० 31/5, है तथा जो ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसका उपाबद्ध अनुपूर्व में अर्जन रेंज पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्व विभाग अधिपति के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्व विभाग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को प्रोत्साहित करने के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के लिए कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंधन प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरगती (अन्तरगतियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में आस्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कम कर देना या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन

1. श्री वास्ता, अरोड़ा

(2) श्री मदन लाल, अरोड़ा

निवासी 6/12, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कोमल मलिक,

(2) श्री कुल भूषन मलिक,

निवासी 31/5, ओल्ड राजेन्द्र नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रोत्साहित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रोत्साहित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवेदन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सुकी

सरकार द्वारा, बने हुए क्वाटर, नं० 31/5  
ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, तारिख, 85.9 वर्ग गज।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1985

गोठर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निदेश नं० आई.ए.पी. 3/एन.आर. 3/10-84/  
898--11: मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच-48 है, जो ग्रीन पार्क, एक्सटेन्शन, नई  
दिल्ली में स्थित है (आर इसमें उल्लेख अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
कारण का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
में को धत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाणिज्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री राजन अग्रवाल सुपुत्र श्री एस० एम० अग्रवाल  
निवासी: हाउस, नं० 8, ग्रीन पार्क, एक्सटेन्शन,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० मन मोहन सिंह, एस० सुमोहि सिंह, आर०  
एस० मोहनन्दर पाल सिंह, सुपुत्र श्री एस० इन्दर सिंह,  
निवासी: 14/5, यू.एफ. सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्या करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पद्यों और पद्यों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनसूची

प्रो० नं० एच-48, तादादी, 200 वर्ग गज, ग्रीन पार्क,  
एक्सटेन्शन, नई दिल्ली ।

के० वासुदेवन

सहयक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज 3, नई दिल्ली 110002

दिनांक : 5-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० आई. एं. सी. /एफ्यू. 3/एस०आर० 3/10-84/

900—जतः मु. के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री. जिरका सं० 27/30 है, तथा जो बरेल बाग, नई दिल्ली  
में स्थित है (जो बरेल उपायुक्तार्क्ष में श्री. जे. एं. सी. से  
वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिनियम के अधिनियम, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम  
दिनांक अक्टूबर, 1984

का प्रयोजन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीया) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति का वास्तविक रूप से  
कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और, और

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन अन्य जातिबो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मनोःमा देवी धर्म पत्नी श्री कृष्ण कुमार,  
निवासी एम 86, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरवः)

2. श्रीमती वसन्त कौर धर्म पत्नी, श्री बंसी प्रदेव सिंह,  
निवासी सी 1/13, लक्ष्मी बालेज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हाउस, नं० 77/36, बैरिंग नं० एम० सी० डी० नं० 11261  
वाई नं० 16, डब्ल्यू. ई० एं०— करोल बाग, नई दिल्ली ताबदी  
199.83 वर्ग गज, बनावट प्लॉट नं० 36, खसरा नं०  
4876/2598 ।

के० वासुदेवन

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1985

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी /एक्यू-3/एस०आर०-3/10-84

901-- (1) मुद्रा, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, तथा जो 'रोन बाग', नई दिल्ली में स्थित है (रोन इ.। उपायुक्त अनुपुत्रों में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की धारा 1 के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने का उद्देश्य अन्तर्गत में सूचना के लिए, बाहर/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1 एस० रमेश सिंह चव्वाला सुपुत्र श्री एस० प्रताप सिंह चव्वाला, निवास प्लॉट नं० 4, बी० दी० गुप्ता मॉडि, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्रीमती राजरानी धर्म पानी श्री एम प्रमोद निवास 1/48, नरारि, बालोनी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मयधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 2(1)-घ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपुत्रों

प्लॉट नं० 4, देव बन्धु गुप्ता मॉडि, करोल बाग, नई दिल्ली  
तादार्द 971 वर्ग फीट, चार्ज 2/3, ग्राउन्ड फ्लोर, सेफ  
1/3 भाग ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्ज रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 जून, 1985

निर्देश सं० अ ई०ए०सी०एफ्यू०/3/एस०आर०3/10-84/

904—अतः रुके, के० व सुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं गली नं० 36 है, तथा जो खसरा नं० 981, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (जो इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भी जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रास्ट्रीय अधिदारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से ऐसे हयमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री राम सरन दास, सुपुत्र श्री भगवान सिंह,  
निवासी डी-20, नारायण विहार, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. (1) गुरमीत सिंह, सुपुत्र श्री जसवंत सिंह और  
(2) रजेंद्र सिंह सुपुत्र श्री जसवंत सिंह,  
निवासी ए-121, गुजरान वाला टाउन, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर इन के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

प्रो० नं० 1692, गली नं० 36, ब्लाक 'ए' खसरा नं० 981, ताड़दो, 111, वर्ग गज, नाई वाला करोल बाग, नई दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वहाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्ता है :—

के० वामुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1985  
मोहर :

प्रकृष आर्.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नं०-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निदेश सं० आर्डी.एन.सी० एक्ज०/3/एस०जा०-3/10-84/  
906—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जहाँ सं० सरकार द्वारा बतया हुआ है, तथा जो क्वार्टर  
नं० 34/6, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (पीर  
इसको उल्लेख अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्गीकृत है) राजस्त्री-  
कर्ता राजेश्वरी के द्वारा नई दिल्ली में राजस्त्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के तहत अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
वक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम ---

31-166GI/85

1. श्रीमती नाना धवन, धर्म प्रता, श्री एस० धवन,  
निवासा-जार्-777, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. (1) रवि किरन मलिक,  
(2) श्रीमती रमिज मलिक,  
निवासा 34/6, ओल्ड राजेन्द्र नगर, दिल्ली।  
(अन्तरको)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना का तामां स 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सरकार द्वारा बना हुआ ऑफिस नं० क्वार्टर, नं० 34/6,  
ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली तादादी 86.7 वर्ग गज।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन नं०-3, नई दिल्ली

दिनांक: 5-6-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन्. एल्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्बन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-3/एस०आर०-3/10-84/  
908—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निजी पं० सी-56 है, तथा जो एन०डी एन० ई०, भाग-2,  
नई दिल्ली में स्थित है (प्रौ० डनो) उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्वका में वर्णित है) रजिस्ट्री/निरीक्षण के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और पक्षों में विषय  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एम्मे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निष्काश में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
वास्तविक में कमी करने या उससे कम में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः आ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिः—

1. श्री राजकुमार, रीतेश देव सिंह, सुपुत्र स्व० श्री राजाशिव  
रतन देव सिंह, निवासी 4, ओल्ड सर्वे रोड, देहात,  
झारख, अंतरकत डस्ट्री जज श्री राव कुमार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा गांधी धर्म पत्नी, एल०के० गांधी,  
निवासी सी-56, एन० डी० एस० ई० भाग-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नं० सी-56 प्राउन्ड फ्लोर, एन० डी०एस० ई० भाग-2,  
नई दिल्ली, तादावी 212 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिगारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्बन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-6-1984

मोहर :



प्रकृष बाह्य. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एफ०यू०-3/एस०आर०-3/10-84/

909 (579)---आ: सुझे, के० व.सुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसका सं०डी०-33 है तथा जो एन०डी०एम्०ई० भाग-2  
नई दिल्ली में स्थित है (प्रो. ई. उपायुक्त प्रमुख में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अथवा अतिरिक्त के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधिनियम अन्तर्गत, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त का है और मूल यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर्गती  
(अन्तर्गति) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कायम नही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आम या किसी धन या अन्य वास्तविक  
का, किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधीन, या  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. आनन्द सोहन, सद और आनन्द सोहन सोहन,  
निवासी डी-25, एन० डी० ए० ई०, भाग-2,  
नई दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

2. श्रीमती दयाकीर, सुदेव सिंह, अनुमान कोर,  
अनन्त सिंह, नन्द, डी० ए० नन्द, और  
आनन्द सोहन नन्द, निवासी, डी-43,  
एन० डी० ए० ई० भाग-2, नई दिल्ली ।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
या किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

आनन्द सोहन 2-1/2 स्टोरीयड, हाउस नं० डी-33,  
एन० डी० ए० ई०, भाग 2, नई दिल्ली, त.द.द. 1000 वर्ग  
गज ।

के० व.सुदेवन

सक्षम अधि. रा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-6-1985

माहुर :

प्रमुख बाई, टी. एन. एन. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/3/ए० आ०-2/10-  
84/1401-अतः मुझे, के० वासुदेव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

आ० जि की सं० 1260/1 ए० और न्यू नं० 1/6525 है तथा जो  
23, शाहीन, दिल्ली में स्थित है (आ० जि के आदेश अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है, निम्नलिखित अधिनियम के अधीन  
नई दिल्ली में निम्नलिखित अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन जारी अधिनियम, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके व्यवसाय प्रतिफल से, एस व्यवसाय प्रतिफल का पन्ना  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल विनिर्दिष्ट उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विहित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी मात्र की मात्र, उक्त  
अधिनियम के अधीन यह धन के अन्तरण के अधिनियम  
में कमी करने या उक्त वर्णन में सूचना के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी मात्र या किसी धन या अन्य आधिकारों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमाणनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना था, विधान में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती कुसुम लता वर्मा,  
निवासी-0/6525, आजाद गली,  
ईस्ट रोहतक नगर,  
शाहदरा, दिल्ली-32

(अनुराग)

(2) श्रीमती लता मेहरा  
श्रीमती सुपमा मेहरा,  
और श्रीमती प्रीती मेहरा,  
निवासी-152, गली, बीकानेर,  
चाण्डी बाजार, दिल्ली

(अनुराग)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए  
आवश्यकता शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(7) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितधारक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बनी हुई प्री० नं० 1260/1 ए० और न्यू नं० 1/6525,  
प्लॉट नं० 23, शाहीन-203, वर्ग गज. आजाद गली, ईस्ट  
रोहतक नगर शाहदरा दिल्ली।

के० वासुदेव  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-6-85

मोहर :

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1985

दिनांक सं० आई० ए० सी/एयू०/2/ए० आ०-1/10-  
84/689—प्रतः मुझे, के० बागुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी का यह विवक्षा करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है तथा जो बिल्डिंग नं०-6378-बी,  
भाग-1, अन्सारी रोड, दत्तागंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उत्पन्न अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), परिसूचीकृत नि-  
वासी के कार्यालय दिल्ली में परिसूचीकृत अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षा करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एक  
द्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरती (अन्तरतिथी) के  
बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(ड) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती आरमिणि देवी  
धर्मपत्नी श्री एम० सी० अन्सल,  
(2) श्री अमाक कुमार बंसल  
(3) श्री अमि कुमार बंसल  
भुपुत्र श्री एम० सी० बंसल,  
दिनांकी-7/28, अन्सारी रोड,  
दत्तागंज, नई दिल्ली।

(अन्तरण)

- (2) श्री वृण मोहन जैन  
भुपुत्र श्री जगदीश राही जैन,  
दिनांकी-सी-34, धिवं, चिहान,  
फेज-1, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
अवधारित किया है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्समर्थी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितगर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संकीर्णकः—इनमें प्रकृत बच्चों और पत्नी का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 202, बिल्डिंग नं० 6378/4-बी, भाग-1,  
अन्सारी रोड, दत्तागंज, नई दिल्ली, ताराकी-847 वर्ग फिट,  
खारा नं० 58।

के० बागुदेवन

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

विशेष सं० आई० ए० सी०/ए०/ए०/2/ए०/आर०-1/10-85/690—अतः मुझे, के० धारुदेवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9662 (ग्राउंड फ्लॉर) आई नं० 12, मोहल्ला इस्लाम गंज, बिग्डाईन्ड लाइब्रेरी रोड में स्थित है (जो इसी उपाययुक्त अधिनियम में पूर्ण रूप से वर्णित है) की मालिकता अतिरिक्त के गमतीय दिल्ली में अतीत रजिस्ट्रार ऑफ़िस, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उद्योग द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का वन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में बाधा के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अमर राय  
विजातीयका नं० 9662, इस्लाम गंज,  
लाइब्रेरी रोड, दिल्ली।

(अन्तरिणी)

(2) श्री लक्ष्मी लाल और  
श्री सुरेश कुमार आहूजा,  
निवासा 10070, गला जमीर वाली  
नवाबगंज, दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाही करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदित

प्रो० नं० 9662 (ग्राउंड फ्लॉर) आई नं० 12, मोहल्ला  
इस्लाम गंज, बिग्डाईन्ड लाइब्रेरी रोड, दिल्ली-6, तादावी-117  
वर्ग फिट।

के० धारुदेवन  
सहाय प्राधिकारी

सहाय प्राधिकार प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-85

मोहल्ला :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

विदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/ए० आ-1/10-  
84/691--अतः मुझे वे० बाबुदेन

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
शुद्धिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

आ. वि. की सं० 29/127, हैदराबाद वेस्ट पटेल नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (अर्थात् से उपाययुक्त 10 मी. में पूर्ण रूप से निर्मित  
है), निम्नलिखित प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक पर  
हायिस्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
का, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 (1) श्रीमती लीला इंदी  
धर्मपत्नी श्री सुनील लाल,  
(2) श्रीमती चन्द्रा देवी,  
धर्मपत्नी श्री नरेन्द्र पांडे,  
दिनांकी 29/127, वेस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।  
अन्तरक अर्थात् श्री राम लाल  
सुपुत श्री छाबी लाल।

(अन्तरक)

- 2 श्री गुरु सिंह पांडे,  
ब्राना प्रोपर्टी हरनाम सिंह,  
दिनांकी 29/127, वेस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुबन्धी

प्रो० नं० 29/127, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली तामादी  
200 वर्ग गज।

वे० बाबुदेन  
सहाय प्राधिकारी  
सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-85  
मोहर:

प्रमाण नम्बर: सी. एन. २४/२४-२४-२४

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

मानव संसाधन

आयुक्त, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश नं० आई. ए. सी./एन/2/एन० आर०-1/10-  
84/693 आर० सुले, के० दासुदेव,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें एक  
अनुच्छेद पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना अधिनियम की, वह निम्नलिखित करने का  
कारण है कि भाषाकर अधिनियम, जिसका अधिनियम भाषाकर सूचना  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और नि. के. सी. डी-24, है तथा जो मानव संसाधन गाँव,  
ग्राम बसई पारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (जो कि से उक्त सूचना  
अनुसूची में वर्णित है), और निम्नलिखित अधिनियम  
के अधिनियम, दिल्ली, में मानव संसाधन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधिनियम की धारा 2, अर्जुन, 1984

का पञ्चम अधिनियम के अधिनियम भाषाकर सूचना से कम के उद्देश्य  
परिणाम के लिए अधिनियम की धारा है और सूचना वह निम्नलिखित  
अनुच्छेद पर्याप्त है कि अधिनियम अधिनियम का अधिनियम भाषाकर  
अनुच्छेद, उक्त अधिनियम अधिनियम से ऐसे अधिनियम अधिनियम का अधिनियम  
अधिनियम से अधिक है और अधिनियम (अधिनियम) और अधिनियम  
(अधिनियम) के अधिनियम अधिनियम के लिए सूचना पाया गया  
अधिनियम, निम्नलिखित अधिनियम से उक्त अधिनियम अधिनियम  
के अधिनियम अधिनियम से अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

(क) अधिनियम से सूचना कि किसी धन या अन्य व्यक्ति  
अधिनियम के अधिनियम अधिनियम के अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम से अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

(ख) सूचना कि किसी धन या किसी धन या अन्य व्यक्ति  
को अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

(1) श्रीमती सुश्री रायला  
धर्मपत्नी श्री रायला रायला,  
निवासी एफ० सी०-1००, टैंगर गाँव,  
नई दिल्ली।

(अधिनियम)

(2) श्री एच० कुमार रायला  
सुश्री श्री आर० रायला,  
निवासी ए० 7/37,  
राजगरी गाँव, नई दिल्ली।

(अधिनियम)

का वह सूचना जारी करने के अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

(क) इस सूचना के अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
45 दिन की अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
सूचना की अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

(ख) इस सूचना के अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
45 दिन के अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम

अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम  
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

अधिनियम

अन्तर्गत आने वाले...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

(1) श्री नैत राम अग्रवाल  
सुपुत्र श्री केदार नाथ,  
निवासी-बी-10, राणा प्रताप बाग,  
दिल्ली

(अन्तरिक्ष)

(2) श्री रमेश कुमार  
सुपुत्र श्री मंगल दास,  
निवासी 7294, प्रेम नगर  
दिल्ली।

(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/-  
10-84/695--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 167-डी, है तथा जो कमला नगर, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का  
सम्बन्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्ष) और अन्तरिक्षी  
(अन्तरिक्षी) के बीच ऐसे अन्तरिक्ष के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिक्ष लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरिक्ष से हुई किसी बात की शायद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कठु होने के अन्तरिक्ष के  
वास्तविक से कभी करने या उक्त करने के अधिनियम  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

अनुसूची

1/4 भाग, हाउस नं०-167, ब्लाक-डी, कमला नगर,  
दिल्ली, तादादी-190.8 वर्ग गज

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 30-5-85

मोहर :

**प्रमाण पत्र :-** श्री. एन. एस. ...

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अन्वये सूचना

**Abstract** **Background:** The purpose of this study was to determine the prevalence of self-reported depression and anxiety among a sample of young adults in the United States. **Methods:** Data were obtained from the 2004 National Longitudinal Study of Adolescent Health, a nationally representative sample of adolescents and young adults. **Results:** The prevalence of self-reported depression was 10.3% and self-reported anxiety was 12.1%. **Conclusions:** The prevalence of self-reported depression and anxiety among young adults in the United States is high. **Keywords:** Depression, Anxiety, Prevalence, Young Adults.

कार्यालय, सहायक आयकर वायस्त (निराधन)

अर्जन रेंज-2, अग्रवाल हाउस, 4/14-ए० ग्रामफ अली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/२/एम० आर०-१/१०-  
८४/७००—अतः मझे के० बामुदेवन

नागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिकतम मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या 4852/24 है तथा जो दरिया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-वर्ग अधिदायी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बड़ा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब प्राया गया प्रतिफल, विधनितिवित्त व्यवस्था, में उक्त व्यवस्था निहित हैं वास्तविक रूप से फलित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को वास्तव, उक्त अभिनिर्वाह को अभिन कर देने से अन्तरण से सर्वोत्तम से कमी करने या उन्हें अपने से प्रतिष्ठा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बिद्या बती धर्मशक्ती स्वर्गीय श्री गोपाल नाथ,  
निवासी 4858-ए, हरबंजन मिह स्ट्रीट,  
दरिया अंज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० रिजिस्ट्रार फार्मिनेन कापेरिशन (प्रा०) लि०,  
द्वारा डाइरेक्टर श्री एस० एल० मलूजा,  
निवासी-बी-6, आसफ अली रोड,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## અનુસૂચી

प्रो० नं० 4852/24, दरियागज, नई दिल्ली, तादादी  
327.21 वर्ग फिट

क० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर, आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-85  
मोहर :



**प्रत्यक्ष भाषा टी. एन. एम.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अग्रवाल हाउस, 4 14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/2/एस० आर०-1/10-  
84/701—अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 2661 है तथा जो मोहल्ला पंजाबीयन  
मन्जी मन्डी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयती अधिवारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आदि/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्री देवी चन्द्र बासोत  
सुपुत्र स्वर्गीय श्री गोंडा राम,  
निवासी-2661, मोहल्ला पंजाबीयन,  
मन्जी मन्डी, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामेश जैन  
धर्मपत्नी श्री रामचन्द्रतार जैन,  
निवासी-1532, काठोदिया भवन,  
मन्जी मन्डी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रौ० नं० 2661, मोहल्ला पंजाबीयन, मन्जी मन्डी,  
दिल्ली, तादादी 63, वर्ग गज

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002।

तारीख : 30-5-1985  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अग्रताल हाउस, 4 14-ए० आसफअली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर० 1/-

10-84/702—अतः मुझे, के० वामुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकोषधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सी० नं० डब्ल्यू-जैड० 19, है तथा जो 19,  
खसरा नं०-2518/1862/33, बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर-  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरही (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सारदुल सिंह

सुपुत्र एम० विशन सिंह  
निवासी जे-3/०, राजौरी गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दरजीत कौर

धर्मपत्नी सुरेन्द्र सिंह,  
निवासी डब्ल्यू जैड-28, सी, मुकजी पार्क,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाई करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई माक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एम० सां०, नं० डब्ल्यू० जैड०-19, प्लॉट नं० 19,  
खसरा नं० 2518/1861/53, अशोका कालोनी, राजा गार्डन,  
बसई दारापुर, दिल्ली, तादादी-272 वर्ग गज।

के० वामुदेवन)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-1985

मोहर :

प्रमाण आइ.डी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, आसफ अली रोड,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1985

निर्देश सं० आइ० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/10-  
84/703—अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 26/32 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई  
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली,  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अक्टूबर-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान  
प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बन्सारी लाल  
सुपुत्र श्री देवी दयाल,  
निवासी 26/32, ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली में

(अन्तरक)

(2) मै० रिशी मोहन बिल्डर्स (प्रा०) लि०,  
द्वारा डायरेक्टर श्री हरनामजित सिंह  
सुपुत्र श्री पाल सिंह  
निवासी ए-94, विशाल इन्क्लेव,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 26/32, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तादादी-  
200 वर्ग गज ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002 ।

तारीख : 30-5-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयलघ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, ग्रामफ अली रोड,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/ए० आर०-1/10-  
84/705—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करण का कारण  
है कि स्थान पर स्थित निम्नलिखित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-3 और जी-4, प्रो० नं० 4348-बी/1 है  
तथा जो प्लॉट नं० 4-सी, "अग्रवाल भवन" दरिया गंज, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्री अर्थात् अधिगरी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन  
तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करण का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तविक  
अधिनिधन के अधीन कर देने के अंतरक वास्तव  
के कभी करों या उक्त करने के विभा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, विभा में दायित्व  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इन्दोप कुमारी अग्रवाल  
धर्माली श्री बी० एस० अग्रवाल,  
निवासी-116, स्टेट बैंक कालोनी,  
नजदीक राणा प्रताप बाग,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती खुशीर सुलताना  
धर्माली श्री जिया-उर-रहमान,  
निवासी 4348/4-सी, अन्सारी रोड,  
दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उपरि की बर्तन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्थ के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकारी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अभाव में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० जी-3 और जी-4, प्रो० नं० 4348/बी-1,  
प्लॉट नं० 4-सी, "अग्रवाल भवन" मोहन स्ट्रीट, दरिया गंज,  
तादादी 858 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-1985

अक्षर :

प्रमुख भाग की एक-एक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, आसफ अली रोड,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/10-

84/706—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/126 है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। मैं अपने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से उसके दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के तत्त्वानुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

इस नोट, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेद प्रकाश,  
निवासी 3/126, रमेश नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा सबरवाल,  
निवासी 3/126, रमेश नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करने के लिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधापत्रः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पत्ति के अर्जन के अधीन पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूमाक्षरों के  
पास लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतसि

क्वाटर नं० 3/126, रमेश नगर, नई दिल्ली, तादादी।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-1985

माहिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, आसफ अली रोड,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/  
10-84/708—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 45/ए-8, है तथा जो दी माल, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से इसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० एन्टीयरस एन्ड फाइनान्सियरस (प्रा०) लि०,  
द्वारा विशेष अधिकारिक प्रतिनिधित्व  
श्री बी० के० पावे,  
10 हाथी रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० नारायण कोल्ड स्टोर एन्ड ईलाड इन्डस्ट्रीज  
(प्रा०) लि०,  
द्वारा डायरेक्टर श्री हरपाल सिंह,  
28-सी, लारेंस रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 45/ए-8, दि माल, दिल्ली, नादादी-313 वर्ग  
गज।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-1985  
मोहर

प्रकाश बाई. टी. एम्. एस्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाष्य प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/2/एस० आर०-1/10-  
84/710—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-45 है तथा जो कीर्तिनगर, ग्राम बसई  
दारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रास्तिक भय से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
व्यवस्था में कमी करने या उससे बचने में बाधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
अवरोध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, के त्तु :—

—166GI/85

(1) श्री सुरेन्द्र सिंह खुराना  
सुपुत्र श्री अर्जुन सिंह खुराना,  
निवासी जी-23, कीर्तिनगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह  
सुपुत्र श्री मन्मथन सिंह,  
निवासी आर-37, राजौरी गार्डन,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बतु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्रो० सं० ए-45, कीर्तिनगर, ग्राम बसई दारापुर, नई दिल्ली,  
तादादी-490. 5/6, वर्ग गज ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर० 1/  
10-84/711—अतः सूक्ष्मे के० वासुदेवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-45, है तथा जो कीर्ती नगर, ग्राम बसई  
दारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावय अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर-84

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्मान प्रतिफल से ऐसे सम्मान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में  
कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
की/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुन्दर सिंह खुराना  
सुपुत्र श्री अर्जुन सिंह खुराना,  
निवासी-जी-23, कीर्ती नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह  
सुपुत्र श्री मन्मथन सिंह,  
निवासी-सी-11/114-सी,  
लारेंस रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में निर्दिष्ट  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० ए-45, कीर्ती नगर, ग्राम बसई दारापुर, नई  
दिल्ली, तादाधी-490.5/6 वर्ग गज।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-85  
मोहर :



प्रकाश बाई, टी. एच. एच. एच.

न्यायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक न्यायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०-2/एस० आर०-1/10-  
84/713—अतः मुझे, के० वामुदेवन

न्यायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या 5/40, ए० एन्ड बी०, है तथा जो बीती नगर,  
इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
अन्तर, निम्नलिखित अवस्था से उक्त संपत्ति के  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री धीनंदर सिंह सूरी,

किरण नन्दा, गुरमित मालक,

श्रीमती अर्जुन कौर सूरी,

सुपुत्र, जी/ओ धर्मपत्नी स्वर्गीय एस० करतार सिंह

सूरी, निवासी-डी-3, लाजपत नगर-3,

नई दिल्ली, 1

(2) देशपाल और कमलेश अरोड़ा सुपुत्र और जी/

ओ० स्वर्गीय श्री शान चन्द,

ए-9-ए, फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री स्वर्न सिंह सुपुत्र श्री गोपाल सिंह,

99, हरी नगर, नई दिल्ली,

और जोगिन्दर सिंह सुपुत्र श्री गुरवास राम,

निवासी-बी-ई-231, हरी नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सबब में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किष्ट जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 5/40, ए और बी, बीती नगर, नई दिल्ली,  
इन्डस्ट्रीयल एरिया, ताबाबी-200 वर्ग फिट

के० वामुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक न्यायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-85

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/10०

84/715-ए—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जमकी सं० 9662, बार्ड-12, है तथा जो मोहल्ला इस्लाम  
गंज, विहाईन्ड लाइब्रेरी रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुगूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कार्यलय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरनाथ,  
निवासी-9662, इस्लाम गंज,  
लाइब्रेरी रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कैन्हेया लाल,  
श्री पन्ना लाल ब्राह्मण,  
निवासी 10070, गली जमीरवाली,  
नवाबगंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुमोदित

प्रो० नं० 9662 (एफ० एफ० एन्ड एस-एफ) बार्ड नं०-  
12, मोहल्ला इस्लाम गंज, दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-85  
मोहर

**प्रमुख नोट टी. एन. एच. १९८५**  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा**  
**269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर-1/10

84/719—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22/6 है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्योग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालिब से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम किशन डिगरा  
 धर्मपत्नी श्री गोनडा राम,  
 निवासी-22/5, रमेश नगर,  
 नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजेन्द्र सेठी  
 धर्मपत्नी श्री एम० पी० सेठी,  
 निवासी-के-135, कीर्ती नगर,  
 नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्वाटर नं० 22/6, रमेश नगर, नई दिल्ली

के० वासुदेवन  
 सक्षम अधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-85

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एच.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एच्यू०/2/एस० आर-1/10-  
84/721—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 10062ए, एफ० एफ० और एस० एफ है तथा  
जो मोहल्ला इस्लाम गंज, लाइब्रेरी रोड, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर  
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमर नाथ

9662, इस्लाम गंज,  
लाइब्रेरी रोड, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल और श्री पद्मा लाल,

निवासी-10070, गली जमीरवाली,  
नवाबगंज, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 10062ए, (एफ० एफ० और एस० एफ०)  
मोहल्ला इस्लाम गंज, लाइब्रेरी रोड, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू/2/एस० आर०-1/10-

84/722—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम-1 है तथा जो सत्यावती नगर, ग्राम-  
सघौरा, कलां, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अक्टूबर-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्राप्तफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया  
गया प्राप्तफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित न  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सोहन लाल

सुपुत्र स्व० जमुना प्रसाद,  
निवासी-जे-134, अशोक विहार-फेज-1,  
दिल्ली-52

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्याम लता

धर्मपत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार गोयल,  
निवासी-122, मेन बाजार,  
नरेला, दिल्ली-40

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को किन्तु  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को  
पक्ष निहित में किया जा सकें।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एम-1, सत्यावती नगर, ग्राम-सघौरा कलां, दिल्ली, खसरा  
नं० 86, 88, 89, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99,  
100, 101, 102, 103, 104, 105, 106 और 107, तावादी-  
150 वर्ग गज,

के० वासुदेवन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-2

तारीख 30-5-85  
माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एड्यू०/2/एस० आर०-1/10-  
84/723--अतः मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 31/9 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचति :-

(1) श्री अशोक कुमार  
सुपुत्र श्री हरीवंश लाल कुमार,  
निवासी-नं०-के०-30ए, हौज खास इन्कवेव,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक आनन्द  
सुपुत्र स्व० दीना नाथ आनन्द,  
और श्रीमती प्रेम आनन्द  
धर्मपत्नी श्री दीपक आनन्द,  
निवासी 15/23, ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, आ भी  
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस नं०-31/9, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली तादाक्षी-  
200 बगं गज

के० वामुदेवन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-85  
मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एम. . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग के अधीन

## आगत करकाय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

10-84/726—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 153, है तथा जो राजा गार्डन, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का भन्दा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निहित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वास्तविक उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन करने के अन्तरक के अभाव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्यादेशों अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया; या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

34—166GI/85

1. श्री सखजीत दुगल, निवासी—एस० सी०-69, मोतिया बाग, ओल्ड मण्डी, दिल्ली।

(2) श्रीमती बृज बाला दुगल, निवासी—121, चर्च लेन, हैन्डस वर्क थ्रु, बूरीयूधम, (दु० के०) (अन्तरक)

2. श्री दयेन्द्र कुमार सहजो, डा० (श्रीमती) आदर्श सताजो, 154, राजा गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोहस्तकारी के बाब लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 153, राजा गार्डन, नजफगढ़, रोड, नई दिल्ली

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

तारीख : 30-5-1985

मोहर

प्रकट आई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/  
10-84/727—अतः, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13, ब्लॉक नं० ए, है तथा  
जो 45, द-माल, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल में, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में  
शास्त्विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कम होने के अन्तरक के  
वापस में कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
जो, जै उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

1. श्रीमती उपदेश कौर धर्मपत्नी श्री दया सिंह,  
निवासी—13-ए०, द-माल, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वरिन्दर कौर ओबराय धर्मपत्नी श्री इन्दर  
सिंह ओबराय, निवासी—4, अन्डर हिल लैन,  
सिविल लाईन्स, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 13ए०, ब्लॉक 'ए'-द—माल, दिल्ली तादासी-  
358 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-1985

मोहर:



प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

10-84/729-अतः, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० पी० एल० नं० 1400 (ओल्ड) है तथा जो 2816, गली नलवाली, पीपल महादेव, दिल्ली में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुमृच्छी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती कुसुम गुप्ता धर्मपत्नी श्री नरेन्द्र कुमार, फार सेल नेचुरल गार्डियन, मास्टर प्रदीन, कुमारी मोनिका, कुमारी दीपिका, 2831, गली धासी राम बाजार, सिरकीवालान, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. दि श्री रूप माधुरी इन्वेस्टमेंट कम्पनी (प्रा०) लि०, द्वारा डायरेक्टर श्री प्रहलाद दास अश्रवाल सुपुत्र श्री दऊ दयाल अश्रवाल, निवासी-70, दारिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री० नं० एम० पी० एल० नं० 1400 (ओल्ड) और 2816 (प्रजेन्ट) गली नलवाली, पीपल महादेव, दिल्ली, ताबादी-249 वर्ग गज।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-1985

पाहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-1/

10-84/730—अतः, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26/75, है तथा जो त्री नगर, ग्राम-ओकरी मुबारकाबाद, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ममलेश कुमारी धर्मपत्नी स्व० श्री अमर नाथ अग्रवाल, डी०/ओ० श्री ज्ञान चन्द, निवासी मकान नं० 3623, चावडी बाजार, दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्री आनन्द कुमार जैन सुपुत्र स्व० श्री ईश्वरी प्रसाद, निवासी—2675/199, त्री नगर, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 2675/199, प्लॉट नं० 31, त्री नगर,  
ग्राम ओकरी मुबारकाबाद, दिल्ली, तादादी—153 वर्ग गज।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-1985

गोहड

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985.

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/  
10-84/731—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35-डी, रोड नं० 77 है तथा जो क्लास, 'ए', पंजाबी बाग, बसई, बारापुर दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-रती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोक्तार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात्—

1. श्री पी० एन० धई, सुपुत्र श्री मालिक चन्द धई, निवासी—77/35-डी०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कमलेश गुप्ता धर्मपत्नी श्री शिव नागरायन गुप्ता, (2) श्रीमती प्रदीप गुप्ता धर्मपत्नी श्री जयानारायन गुप्ता और श्रीमती मधु गुप्ता धर्मपत्नी श्री नारायण गुप्ता, निवासी—4662-4663, गली मोहर सिंह जाट, पहाड़ी धीरज, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्तर्गत बाधक समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्ट-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

प्रो० नं० 35-डी, रोड नं० 77, क्लास 'ए', पंजाबी बाग, बसई बारापुर, दिल्ली, तादावी—911.11 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-1985

मोहर :

प्रकाश बाहे.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/  
10-84/732—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2 है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त व्यवसाय  
विषय में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
व्यवसाय से कही करने या उक्त करने में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रकाश नहीं किया  
गया या का किया गया चाहिए या, जिनमें से  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, कथित :—

1. श्रीमती सुन्दर लता, निवासी—बी-2, (डी०  
एस०), रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवेश चन्दर खन्ना, निवासी—35/1, ओल्ड  
राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही कराता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख—45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युक्ताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

श्री० नं० बी-2, (डबल स्टोरी) रमेश नगर, नई दिल्ली।  
दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-1985

मोहर:

प्रकाशक: श्री. एन. एच. ए. ए. ए. ए.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एच०/2/एस० आर०-1/  
10-84/733—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5, है तथा जो 32, अलीपुर  
रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण कर गढ़ा है और प्रभु यह निश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, विमललिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित  
में वास्तविक रूप से अधिगत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने का उद्देश्य अपने से सविधा के लिए  
कर/न

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था. छिपाव में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कन्वर कृष्ण धवन, निवासी—32, अलीपुर,  
रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एस० रेनाला जात्रवाला, बी-4, सुनराईस,  
शापिंग सेंटर, अहमदाबाद-380054।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबत अधिकतम होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में भिन्न जा सकेंगे।

स्वीकारण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आ आ उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में अर्थ परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5, 32, अलीपुर रोड, दिल्ली, तादावी—  
128 वर्ग मीटर।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 30-5-1985

माहूर :

प्रमाण संख्या टी. एन. १५५

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12582/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 46, जो, 4थी मंजिल, वर्धमान कुटीर इमारत, "बी" विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृहीत और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कथी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मेसर्स वर्धमान प्रिन्टर्स।

(अन्तरक)

2. श्री के० जे० लाहेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी माफोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पञ्जीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

फ्लैट नं० 46, जो, 4थी मंजिल, वर्धमान कुटीर इमारत, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/12582/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12584/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 64, जो, 6वीं मंजिल, वर्धमान  
कुटीर इमारत, ए-विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-  
67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतर्गक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
35—166GI/85

1. मेसर्स वर्धमान विल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० पी० दामानी और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अन्तरकों के पाठ  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 64, जो 6वीं मंजिल, वर्धमान कुटीर  
इमारत, ए-विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12584/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अध्यक्ष, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12583/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके पत्राचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना का उचित बाजार मूल्य का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 57, जो, 5वीं मंजिल, वर्धमान  
कुटीर इमारत, बी-विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प०),  
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सूचना  
के अन्तरक और/या

(ख) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सूचना  
के अन्तरक और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन सूचना लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री के० जे० मेहता।

(अन्तरित)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 57, जो 5वीं मंजिल, वर्धमान कुटीर  
इमारत, बी-विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12583/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :



रूप आई.टी.एन.एस.

1. मेसर्स हिन्दुस्तान स्टील कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के. एस. ग्राहजा और अन्य।

(अन्तरिती)

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12865/84-85—प्रतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, बॉबी शापिंग सेंटर, प्रिमायसेस को-आप० सोसायटी लि०, एम० जी० रोड, डहाणूकर वाडी, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्हु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-मार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधिनियम में विद्यमान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में उक्त आक्षेपों:

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो, बॉबी शापिंग सेंटर, प्रिमायसेस को-आप० सोसायटी लि०, एम० जी० रोड, डहाणूकर वाडी, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12865/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12735/84-85---अतः मुझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 604, जो 6वीं मंजिल  
दशान इमारत, सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड,  
एस० बी० पी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास कर  
का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
मासविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स मंक बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रैक्टर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० पी० तेली और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 604, जो 6वीं मंजिल, ज्ञान दशन इमारत,  
सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस० बी०  
पी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12735/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर:

प्रमाण भाई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आउत सरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12995/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
श्रीर जिवकी सं० फ्लैट नं० 4, जो उदय अपार्टमेंट, कमला  
नेहरू क्राउ रोड, नं० 2, कांदिवली (प०), बम्बई-67  
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप  
से वर्णित है), श्रीर जिसका कराखनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्त  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
बाउ/धा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के  
लिए;

1. श्रीमती प्रभावती संघवी।

(अन्तरक)

2. श्री वी० वी० ठक्कर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मभाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, "उदय अपार्टमेंट" कमला नेहरू  
क्राउ रोड नं० 2, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12995/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12734/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, जो, 6वीं मंजिल, ज्ञान  
दर्शन इमारत, सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड,  
एस० बी० पी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स मंजू बिल्डर्स अण्ड कान्स्ट्रक्टर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० के० टना और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनसूची

फ्लैट नं० 601, जो, 6वीं मंजिल, ज्ञान दर्शन इमारत,  
सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस० बी०  
पी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12734/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निवेश सं० आई-4/37-ईई/12974/84-85—अतः मझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 48, जो, 4थी मंजिल, जी० के०  
नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प०),  
बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उदावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कराखामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1-10-1984

को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पड़ा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स जी० के० डबलमैंट कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री एन० वी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ग कि  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 48 जो 4थी मंजिल, जी० के० नगर  
इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37 ईई/12974/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37 ईई/12919/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 203 जो 2री मंजिल पारस  
दर्शन शंकर लेन महावीर नगर के पास कांदिवली (प०)  
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आय-  
कर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
गणितीय रूप से कांथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अतूल बिल्डर्स एण्ड असोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती किरन प्रवीण गांधी और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 203, जो, 2री मंजिल पारस दर्शन शंकर  
लेन महावीर नगर के पास कांदिवली (प०) बम्बई-67  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37 ईई/12919/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

माहिर

प्रकृत आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/13013/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें' के पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, जो, सी-2 ब्लॉक, एम० जी० रोड़, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके मध्यमान प्रतिफल से, ऐसे मध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पास नया प्रतिफल विम्बितकृत सक्षम के उक्त सम्पत्ति अधिनियम के बाजारिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सक्ति के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तविक के विरुद्ध भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. दि दाउदी बोहरा वेलफेयर ट्रस्ट ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एफ० सादीकोट और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाही करने का है ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से में किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 205, जो, सी-2 ब्लॉक, एम० जी० रोड़, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/13013/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) में बंधी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 31-5-1985

मोहर :

अन्तर्गत, ए. ए. ए. ए.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

1. अनुन विलडर्म एण्ड एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० आर० देसाई।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12920/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राम जिसकी सं० ब्लॉक नं० 303, जो, 3री मंजिल  
पारस दर्शन, शंकर लेन, महावीर नगर के पास, कांदिवली  
(प०), बम्बई-67 में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), आर जिसका कगनभामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1-10-1984

को प्रबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापारिक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का उचित  
प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हम पाया कि  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की  
भावित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रविष्ट  
के लिए और/वा

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिसे आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में प्रविष्ट  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतला रहा हूँ—

को यह सूचना जारी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 303, जो, 3री मंजिल, पारस दर्शन, शंकर  
लेन, महावीर नगर के पास, कांदिवली (प०), बम्बई-67  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12920/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :



प्रमाण आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/13254/84-85—अनः मुमै,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 403, जो, 4थी मंजिल, पारस दर्शन, शंकर लेन, महावीर नगर के पाम, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कथानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एतद् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि या जाना जा रहा था, अज्ञान के विषय के लिए;

1. सं० अनुसूचित बिल्डिंग एण्ड एसोसिएट्स

(अन्तरक)

2. डा० एम० एस० ज्ञातेचा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोःस्थापना के नाम लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के अन्तर्गत है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

ब्लाक नं० 403, जो 4थी मंजिल, पारस दर्शन, शंकर लेन, महावीर नगर के पाम, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/13254/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अनः अनः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 31-5-1985

मोहुर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. अनुगत विज्ञापनसे एण्ड आसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एम० जनानी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12817/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक/प्लॉट सं० 301, जो, 3री मंजिल,  
पारस दर्शन, शंकर लेन, महावीर नगर के पास, कांदिवली  
(प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अद्यतन  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टे प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) कारण यह है कि किसी भी व्यक्ति के दृश्यमान  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक की आवश्यकता  
में किसी करण या उसके अन्तरण में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
को, ई. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर  
अवधि बाव में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवांछ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा चुके हैं।

व्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ब्लाक/प्लॉट सं० 301, जो, 3री मंजिल, पारस दर्शन,  
शंकर लेन, महावीर नगर के पास, कांदिवली (प०), बम्बई-  
67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12817/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

सहूर

प्रकाशक : डा. एन. एम्. एम्.

1. मैसर्स एस० आर० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. कुमारी मेरी मार्टीस अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई०-4/37-ई०ई०/13035/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त अन्तरक मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 621, जो 6टी मंजिल, साई हेवेन,  
गामदेवी रोड, पोईसर, कांदिवली (प०), बम्बई-67  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका वारारामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, री० 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद...

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास  
गया है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो इस अधिनियम में  
दिए गए हैं।

अनुसूचा

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
प्रमाणों में सुनिश्चित करने के लिए उक्त अन्तरक के  
प्रमाणों में सुनिश्चित करने के लिए उक्त अन्तरक के

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) के अधीन आयकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमाणों में सुनिश्चित करने के लिए उक्त अन्तरक के  
प्रमाणों में सुनिश्चित करने के लिए उक्त अन्तरक के  
प्रमाणों में सुनिश्चित करने के लिए उक्त अन्तरक के

प्लॉट नं० 621, जो 6टी मंजिल, साई हेवेन, गामदेवी  
रोड, पोईसर, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-4/37-ई०ई०/13035/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिए

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्रमाण आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० आई०-4/37-ई०ई०/12772/84-85—अतः मुझे

ए. प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी वसूली 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5-ए०, जो 1ली मंजिल, "ए" विंग, कृष्ण कृपा, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67

में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बिना ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. देव चंद सुंदरी दावडा और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री पी० ए० संधवी और अन्य ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो शीर्ष अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5-ए०, जो 1ली मंजिल, "ए" विंग, कृष्ण कृपा, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि इस सं० आई०-4/37-ई०ई०/12772/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 3 1-5-1985

बोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. अनुल बिल्डर्स एण्ड आर्किटेक्ट्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० बी० सेजपाल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

सं० आई०-4/37-ईई/13462/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 202, जो, 2री मंजिल, पारस  
दर्शन, शंकर लेन, महावीर नगर के पास, काँदिवली (प०),  
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपान्वृत अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किराया धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

ब्लाक नं० 202, जो 2री मंजिल, पारस दर्शन, शंकर  
लेन, महावीर नगर के पास, काँदिवली (प०), बम्बई-67  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37-ईई/13462/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई०-4/37-ई०ई०/12607/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, "सी विंग, आउंड,  
फ्लोर, कृष्ण कृपा इमारत, शंकर लेन, कांदिवली (प)  
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और वही यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से ऐसे इष्टमान प्रतिफल के  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
से लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित आशंकित, अर्थात् :—

1. श्री आर० जे० परमार और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री जे० एन० परमार ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के निम्न  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि से तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किया जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जो सी०-विंग, आउंड फ्लोर, कृष्णकृपा  
इमारत, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित  
है ।

अनुसूची में जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37-ई०ई०/  
12607/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा  
दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 31-5-1985

मोहर :

प्रकाशित की गई है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई०-4/37-ई०ई०/12757/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 44, जो 4थी मंजिल, राजरतन  
पैलेस को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कांदिवली  
(प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीजिए नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्टि—

37—166GI/85

1. श्रीमती एन० पी० भाटिया ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० आर० मोटवानी और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 344, 4थी मंजिल, राजरतन पैलेस  
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड कांदिवली (प०),  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची में जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37-ई०ई०/  
12757/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहुर

**व्यापक बाजार मूल्य सूची**

**व्यापक बाजार मूल्य सूची, 1961 (1961 का 43) की  
प्राप्त 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई०-4/37-ई०ई०/12916/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लेट नं० 50, जो 4थी मंजिल, शिवम  
भारत, एस० वि० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प),  
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपबाध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्टर्ड है  
तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंत-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक और  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

2. श्री परसोतमदास जी० पारेख  
और  
श्रीमती एस० पी० पारेख ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए  
कार्यवाहियां कराए गए हैं।

**उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों की  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

प्लेट नं० 50, जो 4थी मंजिल, शिवम भारत, एस०  
वि० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37-ई०ई०/12916/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

दिनांक 31-5-1985

माहूर :



प्रथम भाग टी-एन-एच-1/1985-86

1. श्रीमती किरमबेन एच० शहा और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री एच० एम० बाबरीया ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रारम्भ प्रत्यक्ष

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/3070/184-85—अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, जो शिबलोक, बालिका  
विद्यालय रोड, कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है (और  
इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा अधिनियम 1961 की धारा 269  
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतर्गत (अंतरकों) और अंतर्गती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कहे जाने वाले अंतरण के  
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
है या किवा जाना जा रहा था, विपणन में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों को  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 205, जो शिबलोक, बालिका विद्यालय रोड  
कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-4/37-ईई/13070/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर

प्रश्न आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12909/84-85—अतः सुने,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 7 जो, ग्राउंड फ्लोर शंकर लेन वि० पी० रोड़ कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर के गहरे हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स यशोधन डेव्हलोपमेंट कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जे० पी० पिलानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कइके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7 जो ग्राउंड फ्लोर, शंकर लेन वि० पी० रोड़ कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/12909/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर

प्रकाशक: टी. एन. एन.

1. मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० पी० मनियार और अन्य।

(अन्तरिती)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-4, बम्बई

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

बम्बई, दिनांक 31 जून 1985

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वादोप-:

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12581/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 39, जो, 3री मंजिल, वर्धमान  
कुटीर इमारत, "बी" विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प),  
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
1 अक्टूबर 1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश्व  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

फ्लेट नं० 39, जो, 3री मंजिल, वर्धमान कुटीर इमारत,  
"बी" विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित  
है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/12581/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

दिनांक: 31-5-1985

मोहर

सहायक आयुक्त, ए. ए. ए. ए.

1. श्री अब्दुल लतिफ आदम और अन्य ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हिना डेह्लोपमेंट्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13067/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो सी० टी० एस० नं० 428(अंश), 428/1 से 20, जंक्शन ऑफ एस० वी० रोड और खजूरीया टैंक रोड, कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में प्रास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में प्रवृत्ति के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

जमीन का हिस्सा, जो सी० टी० एस० नं० 428 (अंश), 428/1 से 20, जंक्शन ऑफ एस० वी० रोड और खजूरीया टैंक रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13067/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्रारूप आर्द्. टी. एन. एस.-----

1. मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० एच० दनाल और अन्य।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
प्रा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12579/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाध,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रा  
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 59 जो 5वीं मंजिल वर्धमान  
कुटीर इमारत, "बी" विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-  
67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की प्रा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अक्टूबर,  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की वर्धमान  
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास  
करने का कारण है कि संपादकों के सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्धमान प्रतिफल से, ऐसे वर्धमान प्रतिफल का  
प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त सम्पत्ति लिखित से  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) सम्पत्ति से हुई किसी बाय की बायक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से  
कभी कल्पने या उपाय से बचने से सुविधा को लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
सुविधा के लिए;

यह: कथ, उक्त अधिनियम की प्रा 269-य के अनुसार  
है, कि, उक्त अधिनियम की प्रा 269-य की उपप्रा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बायके :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की बाय या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की बाय, जो भी  
बाय बाय में उपाय होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-  
कृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा संपादितकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:- इसने प्रयुक्त वर्धमान और प्रा की, को उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्धमान होगा, जो उक्त अध्याय में विभा-  
जित है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 59, जो, 5वीं मंजिल, वर्धमान कुटीर इमारत,  
"बी" विंग शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/12579/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर :-

**प्रथम भाग: टी. एच. एल.**

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाधक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12585/84-85—अतः सुते,

ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 89, जो, 6वीं मंजिल, वर्धमान  
कुटीर इमारत, बी-विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67  
में स्थित है (और इससे उपावर प्रमुख सूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269क, छ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) की बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित अनुबन्ध से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप में अधिगत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वाचित्त में कोई छुट्टी या छूट वचने में सूचना  
क निम्न: धार/या

(ख) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री आर० पी० भाटीया और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन में लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि काब में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 89, जो, 6वीं मंजिल, वर्धमान कुटीर इमारत,  
"बी" विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में  
स्थित है।

अनुसूचि जैसाकि अ० सं० अई-4/37-ईई/12585/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर

प्ररूप जारी टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नं०-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12580/84-85—अतः सुके,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 56, जो, 5वीं मंजिल, वर्धमान  
बुटीर इमारत, "बी" विंग शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
क्रेडिट (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम में अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

1. मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एम० शहा।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 56, जो, 5वीं मंजिल, वर्धमान बुटीर इमारत  
"बी" विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा की सं० सं० आई-4/37-ईई/12580/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नं०-4, बम्बई

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
ने, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हूँ—

38—166 GI/85

दिनांक : 31-5-1985

माहुर :

एक्यू बाई.डी.एन.एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई/12972/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 59, जो, 5वीं मंजिल, जी० के०  
नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर  
1984

तो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अन्तर्गत अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जी० के० डेव्होपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री सुगत वज्रलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 59, जो, 5वीं मंजिल, जी० के० नगर, इमारत  
नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-4/37ईई/12972/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर:



प्रकृष माह. टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स जी० के० डेव्लपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री ए० बी० शहा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12973/84-85—अतः सूके  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 49, जो, 4थी मंजिल, जी० के०  
नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67,  
में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्तूबर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हायत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
का जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करवा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लेट नं० 49, जो, 4थी मंजिल, जी० के० नगर इमारत  
नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी सं० अई-4/37-ईई/12973/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 31-5-1985  
मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एन. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12989/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 43, जो, 4थी मंजिल, "बी" टॉवर, श्रीजी दर्शन इमारत, सी० टी० एस० नं० 100, एस० बी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम-1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख, 1 अक्टूबर 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, को सूचित :-

1. श्री वामदेव पुरषोत्तम।

(अन्तरक)

2. श्री बी० के० दोशी और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अधिक अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 43, जो, 4थी मंजिल, "बी" टॉवर, श्रीजी इमारत, सी० टी० एस० नं० 100, एस० बी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० अई-4/37-ईई/12989/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

**प्रत्यक्ष बाजार, सी. एन. ए.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**आगत सूचना**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13033/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 13, जी, 1 ली मंजिल निलकंठ  
इमारत एम० बी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-67  
में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
आवृत्ति

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मांस्त्रियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, रिप्लेसमेंट में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मे, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री एस. सी. राजपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और तर्कों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 2(1)-ख में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

प्लेट नं० 13, जी, 1 ली मंजिल, निलकंठ इमारत,  
एम० बी० रोड फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा की सं० अई-4/37-ईई/13033/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

माहुर

प्रकाश जाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन

भाषा संस्करण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4, 37-ईई, 12990, 84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 52, जो, श्रीजी पलेस, प्लाट  
बेअरींग सी० टी० एस० नं० 99, द्विलेज कांदिवली, एस० बी०  
रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) (जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब प्राप्ति प्राप्त  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
है कि यह नहीं किया गया है।

(क) कि किसी भी व्यक्ति या व्यक्ति के द्वारा उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के अस्तित्व में  
करी करने या उक्त करने में प्रविष्टा के लिए,  
और/या

(ख) इसी किसी जाव या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवर्तनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या अस्तित्व में आया है, किपाने में प्रविष्टा  
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अधिनियमों—

1. मेसर्स दात्तानी डेवेलपमेंट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिना कुमारी ए० भाटीया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नबोहस्ताक्षर:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 52, जो, 5वीं मंजिल, श्रीजी पलेस, प्लाट  
बेअरींग सी० टी० एस० नं० 99, द्विलेज कांदिवली, एस० बी०  
रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4, 37-ईई, 12990, 84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर:

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

1. गैसर्स जी० के० डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एच० एम० शाहा और श्री एम० वि० शाहा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई, 12967/84-85--अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 25, जो, 2री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उप बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से होने वाली आय की जागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रविष्टा के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) में उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जनसंख्या में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोऽध्याक्षकों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

फ्लेट नं० 25, जो, 2री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-4/37ईई, 12967/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहुर #

प्रमुख आर्.टी.एन.एस. अधिनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी

भारत सरकार

सूचना प्रकाशक आयोग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12896/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 26, जो, सुन्दरम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, एस० वी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त आय के दायित्व को कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाजार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रावधान अन्तरिती द्वारा उक्त आय या धन या अन्य अस्तियों को किया गया उचित बाजार मूल्य से अधिक के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अधिनियम में उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स विलीज कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जया गोरी चुर्याकॉत आचार्य और श्री एस० वी० आचार्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने परीक्षा परीक्षा के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

सबसे अधिकतम के अर्जन के अर्जन में काटें और अर्जन

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक हो, में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—दसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लेट नं० 26, जो, सुन्दरम इमारत, एस० वी० रोड फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-4/37-ईई/12896/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक अधीक्षक आयोग (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 30-5-1985

महूर :

1. मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

प्रथम बार. टी. एन. एस. - - - - -

2. श्रीमती के. वी. गेट।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12635/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 37, जो, 3री मंजिल, शिवम  
इमारत एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प) बम्बई  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ब्यापारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठहारा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

39—166 GL/85

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 37, जो 3री मंजिल, शिवम इमारत, एस०  
वी० रोड, फतेहबाग कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12635/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

गोहड

महेश बाई. टी. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

उपगत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13040/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
एक संशोधन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, को, 2री मंजिल, "बी विंग,  
श्रीनिवास अपार्टमेंट्स, एस० बी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-  
67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961,  
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 1 अक्टूबर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त प्रतिफल में, अपने दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरिती) की धारा 2 के अन्तरण के लिए लगे पाया गया  
प्रतिफल, विमर्शित सदस्य से उक्त अन्तरण निश्चित से  
वस्तुनिष्ठ रूप से निर्धारित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
नहीं किया जायेगा

(ख) किसी किसी व्यक्ति या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
के, धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नाथ जी० इन्वेस्टमेंट्स।

(अन्तरक)

2. श्री एन० जी० ठक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्ष्योक्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, को, 2री मंजिल, "बी विंग", श्रीनिवास  
अपार्टमेंट, 308, एस० बी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67  
में स्थित है।

अनुसूची कैसाकी क्रम सं० अई-4/37ईई/13040/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985  
मोहर



प्रकरण आई.टी.एन.एस.

1. श्री नाथ जी० इवेस्टमेंट्स।

(अन्तरक)

2. श्री चंद्रकांत के० ढोलकिया।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12892/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि ब्यापकोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, को 2री मंजिल, "ए" बिल्डिंग, श्रीनिवास  
अपार्टमेंट्स, 308, एम० बी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-  
67 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर  
1984,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ब्यापकोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से ऐसे अद्यतन प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब तब तक प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक  
रूप से अधिक नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाव में कमी करने या उसके स्थान में सुविधा  
के लिए; और/वा(ख) होती किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया गया बाह्य भा, कियाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।सहकारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्धारा में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, को, 2री मंजिल, "ए" बिल्डिंग, श्रीनिवास  
अपार्टमेंट्स; 308, एम० बी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67  
में स्थित है।अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-4/37-ईई/12892/84-  
85 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12649/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० सी-14, जो, 2री मंजिल, बोनान्सा  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (प),  
बम्बई-101 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कार्यवाही में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या यह किया जाना चाहिए था छिपाने से  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

2. मैसर्स संकार इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के विषय  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी वादोप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी अन्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

यूनिट नं० सी-14, जो, 2री मंजिल, बोनान्सा इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई 101  
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-4/37-ईई/12649/84-  
85 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

सूचना आदेश, 1961 (1961 का 43)

1. श्री कपिल शारंग अग्रवाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-क (1) की अधीन सूचना

2. मीसर्स मंगलेशहरी प्राइवेट्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन को 15वें  
कार्यवाहीपूर्ण करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचन :-

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० 3-4/37-ईई/12650/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में अन्तर्गत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सहाय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के संचरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० औद्योगिक गाला नं० सी-1, जो 1ली मंजिल  
बोनोन्सा इंडस्ट्रीयल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व)  
बम्बई-101 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रा-  
धिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सममान  
प्रतिफल के लिए कम्प्लीटी की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथार्थपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समान प्रतिफल है, ऐसे समान प्रतिफल का  
कम प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिकी (अन्तरिकियों) को भी एडे कम्प्लेक्स के लिए एक  
वस्तु एक प्रतिफल निष्पत्तिज अनुसूची से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

अन्वयिकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) बन्दरबंद से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन का रहे के अन्तरक के  
अधिकार में कमी करने या उद्धृत करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

औद्योगिक गाला नं० सी-1, जो 1ली मंजिल, बोनोन्सा  
इंडस्ट्रीयल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व),  
बम्बई-101 में स्थित है।

(ख) एडे किसी बात या किसी धन या अन्य मास्तिबो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबोध-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा की सं० अई-4/37-ईई/12650/84-  
85 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

सूचना: कम, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अन्वयिकरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
के अधीन, निष्पत्तिज व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक: 31-5-1985

गोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री के० एच० भम्भानी।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री मुनील चौन्डे और श्रीमती कुसुम बी० चौन्डे।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाईयाँ करता हूँ।

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० अई-4/37ईई/12679/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, दहिसर अवधुत को-  
ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, इमारत ए-1,  
प्लॉट बेअरींग एस० सं० 16, 61 और 62 (अंश), दहिसर  
(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई  
स्थित समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
1 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के सम्बन्ध  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
इसके सम्बन्ध प्रतीफल से, ऐसे सम्बन्ध प्रतीफल का समुचित  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में स्वीकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत करने के अन्तरक के  
कार्यक्रम में कमी करने या उससे अर्जन में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अवधानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो किसी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रत्यक्ष

दुकान नं० 3, जो दहिसर अवधुत को-ग्राप० हाउसिंग  
सोसाइटी लि० इमारत ए-1, प्लॉट बेअरींग एस० सं० 16,  
61 और 62 (अंश), दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37ईई/12679/84-  
85 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

राज्य शाही. दो. एच. एच. ....

(1) मैक्स श्री गुरु आर्यन कन्वेंशन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन रूप

(2) दुर्गालाल शर्मा ।

(अन्तरिती)

राज्य राजपत्र

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवाएं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निवेश सं० आई-4/37ईई/12612/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बिना इसके  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जियकी सं० फ्लैट नं० 5-बी, जो, 5वीं मंजिल, अक्षय अपार्ट-  
मेंट्स, यशवंत तावडे मार्ग, दहिमर (प), बम्बई-68 में स्थित  
है (श्रीर हमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित  
है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि संपादक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त के व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पक्ष  
होना से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त  
नहीं अस्तित्व रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दौरान से कभी बावत का उचित अन्तरण से अन्तरण  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त कथनों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, नहीं बर्ण होता, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5-बी, जो, 5वीं मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स यशवंत  
तावडे मार्ग, दहिमर (प), बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं०आई-4/37-ईई/12612/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

आह्वार 3

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मनसुखलाल भानजी पजारा और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स श्रीनाथ इस्टेट एजेंट्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12703/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अग्रीकल्चरल जमीन बेअरिंग सर्वे नं० 111, एच० नं० 20 और सिटी सर्वे नं० 2874 और 2875 1 से 3, विलेज दहिसर, तालुका बोरिवाली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अग्रीकल्चरल जमीन बेअरिंग सर्वे नं० 111, एच० नं० 20 और सिटी सर्वे नं० 2874 और 2875 1 से 3, विलेज दहिसर, तालुका बोरिवाली, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12703/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

माहुर :

श्रुत बाई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री गुरु आशिष कन्सल्टेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रवी घरत।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12768/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-6, जो, 6वीं मंजिल, इमारत अक्षय  
अपार्टमेंट, विलेज दहिमर, तालुका बोरिवली, सर्वे नं० 209,  
एच० नं० 2 (अंश), दहिमर (प), बम्बई में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके व्यवहार प्रतिफल से ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

40—166 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-6, जो, 6वीं मंजिल इमारत अक्षय अपार्टमेंट, विलेज दहिमर, तालुका बोरिवली, सर्वे नं० 209, एच० नं० 2 (अंश), दहिमर (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसका सं० अई-4/37-ईई/12768/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई/12879/84-85--अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लैट नं० 307, जो, 3री मंजिल, वैशाली अपार्ट-  
मेंट, यशवंत तावडे रोड, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),  
श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
यन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यक्रम में किसी कारण या उद्देश्य करने के अधिनियम  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिका  
में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
आवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स वैभव डेवलपमेंट कार्पोरेशन

(अन्तरक)

(2) दामोदर एन० भट और अन्य

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुखी

फ्लैट नं० 307, जो, 3री मंजिल, वैशाली अपार्टमेंट, यशवंत  
तावडे रोड, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37ईई/12879/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :



प्ररूप शाह, टी. एन. एस.

(1) विजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सत्य नारायण मिश्र मानकामे।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13008/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 13, जो 3री मंजिल, काशिधाम इमारत, सी० टी० एम० नं० 980, वाय० आर० नावरे रोड, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पक्ष में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो 3री मंजिल, काशिधाम इमारत, सी० टी० एम० नं० 980, वाय० आर० नावरे रोड, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13008/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम० जनार्दन भट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री गान्धुदीन जीवनभाई केशवानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरक

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12636/84-85—प्रतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैट नं० 6 जो 2री मंजिल दहिसर बरखा को-आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एस० बी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसके बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो-कभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो 2री मंजिल, दहिसर बरखा को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि०, एस० बी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12636/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

(1) श्री विष्णु के० म्हात्रे ।  
और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) किरीट जे० भट्ट  
और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आर्ह-4/37-ईई/12845/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 309, जो, एच० नं० 4, एस० नं० 296, एच० नं० 8, विनेज दहिसर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रुस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शास्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित हूँ—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० नं० 309, एच० नं० 4, एस० नं० 296, एच० नं० 8, विनेज दहिसर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आर्ह-4/37-ईई/12845/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयुक्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985.

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/13042/84-85--अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, "दहिमर गौरव" इमारत, हरीशंकर जोशी रोड, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाबूभाई प्रेमजी वाघेला।

(अन्तरक)

(2) श्री नरणी मोहन परमार।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1, जो "दहिमर गौरव" इमारत, हरीशंकर जोशी रोड, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/13042/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर ।

प्रत्येक भाग (1) टी. एन. ए.-----

(1) मैमर्स चारीओट बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री डी० पी० पनानडीकर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12922/84-85--अतः सुखे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो श्री योगेश्वरी अपार्टमेंट्स, सी० टी० एम० नं० 133, और 133/1, मंडपेण्डर, बोरिवली, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक व हई किसी भाग की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उच्च करने में सुविधा के लिए; यदि/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबुल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्क

फ्लैट नं० 103, जो, श्री योगेश्वरी अपार्टमेंट्स, सी० टी० एम० नं० 133, और 133/1, मंडपेण्डर, बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/12922/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

गोहर 3

प्रकरण आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12928/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 108, जो, 1ली मंजिल,  
इमारत नं० "बी", हरेष्वर अपार्टमेंट्स, एकसार रोड, बोरि-  
वली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीहों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पावा पया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मसर्स प्रिती इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप विष्णु बानावलीकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 108, जो, 1ली मंजिल, इमारत 'बी',  
हरेष्वर अपार्टमेंट्स, एकसार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-  
92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/12928/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर

प्रकाश बाई. टी. एन. एच. नं० १२९००/८४-८५

(1) डी० एन० इन्टरप्राइज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ई० नारीकुशी।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :-

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12900/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 44, जो, ए-विंग, ड्रीमलैन्ड,  
120, लिंक रोड, सी० टी० एस्० नं० 1838, विलेज  
एक्सर, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है  
(और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
जारी/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के  
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

41-166 GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के  
पात्र निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 44, जो ए-विंग, ड्रीमलैन्ड, 120, लिंक  
रोड, सी० टी० एस्० 1838, विलेज एक्सर, बोरिवली  
(पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/12900/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

(1) मैसर्स प्रीति इंटरप्राइसेज।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति ए० आर० परेरा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गृहमन्त्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12927/84-अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अन्तरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, हरेश्वर  
अपार्टमेंट, इमारत "ए", एक्कार रोड, बोरिवली (प)  
बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल, हरेश्वर अपार्टमेंट,  
इमारत ए, एक्कार रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12927/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

गृहमन्त्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर



बम्बई नॉटि.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स भारतीय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शिख-शक्ति बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12815/83-84---अन्त. मुने,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, बी, व्हिलेज एक्सर,  
माउंट पोईसर, सर्वे नं० 163 एच नं० 1, सर्वे नं० 26,  
एच०नं० 2ए, बोरिवली, बम्बई में स्थित है। (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथार्थपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में सिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवांछ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो, व्हिलेज एक्सर, माउंट पोईसर,  
सर्वे नं० 163, एच०नं० 1, एम०नं० 26, एच०नं० 2ए,  
बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० अई-4/37-ईई/12815/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मुकेश बाबूलाल शहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) परेश पोपटलाल शहा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

भारत सरकार

(वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति  
है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12561/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 13, जो, 1 ली मंजिल, दास्तानी  
अपार्टमेंट्स, एल०टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92  
में स्थित है (और इससे उधाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 13, जो, 1 ली मंजिल, दास्तानी अपार्टमेंट्स,  
एल०टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-4/37-ईई/12561/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

सोहर

व्यक्त भावः टी. एन. सु. —

(1) श्री रावजीभाई गोविंदभाई पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री शांतीलाल धानजीभाई चौहान और अन्य।  
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12746/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० बी-7, राजकमल, कार्टर रोड  
नं० 3, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269 (घ) के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) की अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित  
में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिए  
गये हैं।

अनुसूची

प्लेट नं० बी-7, राजकमल, कार्टर रोड नं० 3,  
बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-4/37-ईई/12746/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स परमेश्वर लम्बु बिन्दुस प्राद्वेष्ट लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) बाधेला चंपागौरी कांतीलाल।

(अन्तररिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/12872/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० दुकान नं० 6, जो ग्राउंड फ्लोअर  
इमारत नं० ए-13, "रत्न नगर", बोरिवली (पूर्व), बम्बई  
में स्थित है (और इसमें उपाय अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिनका परारतमा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के अधिनियम में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-  
1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, बचत :-

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, जो, ग्राउंड फ्लोअर, इमारत नं० ए-13,  
"रत्न नगर", बोरिवली (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची के अंतर्गत सं० अई-4/37ईई/12872/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर

प्रकाश आर्. टी. एन. एल.-----

(1) मेसर्स निपा कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कंकूबेन सोहनराज जैन।

(अन्तरिती)

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहस्रिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12858/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि सहायक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जमकी सं० प्लेट नं० 601, जो, 6वीं मंजिल, विंग-बी,  
परेण, अपार्टमेंट, एस०वि०पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-  
92 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जमका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सहायक प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-10-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पेड़ प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्राप्ति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही कराई गई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों या में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सके।

ध्यानपूर्वक :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) बम्बई से हुए किसी आय को बाधक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरक  
में कमी करने या उसमें वर्जन में सविधा के लिए  
और/या

(ख) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य भास्तिग  
को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
की लिए;

प्लेट नं० 601, जो, 6वीं मंजिल, विंग-बी, परेण  
अपार्टमेंट, एस०वि०पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92  
में स्थित है।

अनुसूची जैनाकि क्र०सं० अई-4/37-ईई/12858/84-85  
और जो सहायक प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12648/84-85—प्रतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-9, जो, कैलाश अपार्टमेंट,  
इमारत नं० 2, सर्वे नं० 146, एच०नं० 2 और सर्वे नं०  
3, एच०नं० 3, सी०टी०एस० नं० 54, एस०वि० रोड,  
बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी  
(अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक  
रूप से कविव नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तर्गता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छेपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हिरालक्ष्मी कांतीलाल मेहता और अन्य।  
(अन्तरक)

(2) श्री विमल वनराज मरेया और अन्य।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव्य--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशद  
रखा है।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए-9, जो, कैलाश अपार्टमेंट, इमारत नं० 2,  
सर्वे नं० 146, एच०नं० 2 और सर्वे नं० 3, एच०नं० 3,  
सी०टी०एस०नं० 53, एस०वि० रोड, बोरिवली (प०),  
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-4/37-ईई/12648/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

बोर्डर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) परम आनंद विल्डर्स प्रायव्हेट लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) डा० हिमांशुहंसमुख देसाई और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12902/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 23, जो, ग्राउंड फ्लोअर,  
इमारत ए-7, "रत्न नगर", बोरिवली (पूर्व), बम्बई में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
42—166 GI/85

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

फ्लेट नं० 23, जो, ग्राउंड फ्लोअर, इमारत ए-7,  
"रत्न नगर", बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० आई-4/37-ईई/12902/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजमेर रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

संख्या :

अध्याय 20 के अन्तर्गत

(1) श्री जयन्तीलाल रामजीभाई साल्ला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ओमप्रकाश रघुवीरशरण जैन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12833/84-85—अतः सुते,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके अन्तर्गत 'आयकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्टॉल नं० 16, जो, ग्राउंड फ्लोअर, (रिअर साईड), गोयल शापिंग आर्कड, प्लांट बेअरींग सी० टी०एस० नं० 2780, एस०वि० रोड, रेल्वे स्टेशन के सामने, बोरिवली(प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्धारित अवधि से बहुत अन्तरण जिससे वे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के लिए किसी भी वर्ष की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम में कमी करने या इससे बचने में सुविधा दी जाए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य जास्तिवां को, किन्तु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें अन्तरिती की जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अन्तर्गत के व्यवसाय में कोई भी कार्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या मुझे बंधन बांध में समाप्त होती है, के अन्तर्गत उक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

स्टॉल नं० 16, जो, ग्राउंड फ्लोअर, (रिअर साईड), गोयल शापिंग आर्कड, प्लांट बेअरींग सी०टी०एस० नं० 2780, एस०वि० रोड, रेल्वे स्टेशन के सामने, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-4/37-ईई/12833/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :



प्रमुख आई. टी. एम. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12555/84-85—प्रतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 4,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, जमुना दर्शन, नाटक-वाला लेन, ग्राफ स्वामी विवेकानंद रोड, बोरिवली (पश्चिमी), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण प्रतिशत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अनुदान से हुई किसी बात की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहेए या, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) जे०एम०सी० एण्ड  
मेघानी विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) किर्ती सी० शहा और अनीता एच० छेडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि प्राय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरों के पाल निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जो, जमुना दर्शन, नाटकवाला लेन, ग्राफ स्वामी विवेकानंद रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० आई-4/37-ईई/12555/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

सहिर :

अर्थ-डी. एन. एड.

(1) मेसर्स परम भानंद बिल्डर्स,  
प्रायवट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रतन एस० डिग्गा।

(अन्तरिती)

## आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/13060/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, ग्राउंड फलोअर, रतन नगर, इमारत नं० ए-13, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव को बावेंत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के संचालन में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिये था, छिपाने के उद्देश्य के लिए;

1. अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बावेंत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 1, जो, ग्राउंड फलोअर, इमारत नं० ए-13, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-4/37-ईई/13060/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्रमाण आइ. टी. एन. एस. ...

(1) श्री सुरेश बापालाल शहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती निशा रजनीकांत शक्वेरी और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12702/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० 64, जो, 6 वीं मंजिल, पंच रत्न, एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बम्बई प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पूर्वोक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाता बाधिए या, ज्ञान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाधोद्घातकरी के बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लट नं० 64, जो, 6 वीं मंजिल, पंच रत्न, एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-4/37-ईई/12702/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

माहुर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12988/84-85—प्रतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० 9-बी, जो, बी-इमारत, 2री मंजिल  
शिवसागर अपार्टमेंट, रामबाग, एस०बि० रोड, बोरिवली (प०)  
बम्बई-92 में स्थित है (और इसके उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), प्रो० शिवा कृष्णरामा आयुक्त अधिनियम  
1961 की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य को इसका  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई अतिरिक्त आय की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के  
बायल में कमी करने या उक्त कमी के अभाव  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
का, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कालिदास मधुभाई परमार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भागिरथी सुनीलाल मेहता और अन्य।

(अन्तरित)

(2) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या अन्य व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधीन बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी  
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावेस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लट नं० 9-बी, जो, बी-इमारत, 2री मंजिल, शिव-  
सागर, अपार्टमेंट, राम बाग, एस०बि० रोड, बोरिवली (प०),  
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-4/37-ईई/12988/84-85  
जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

माहुर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12712/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जो सर्वे नं० 161,  
एच० नं० 1(अंश) और सिटी सर्वे नं० 1308, 1308/1  
और 2, क्लूजेज एक्सर, तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

- (1) 1. रोन्गोन फेलिन्टो टेल्लीउ 2. कटाव ग्लंडमिरेर  
रोन्गोन टेल्लीउ और  
3. श्रीमती थिरीना बरेट्टो ।

(अन्तरक)

- (2) बासिलियस बिबिल्ला ।

(अन्तरिती)

- (3) 1. श्रीमती नासालिन रेगो और  
2. श्रीमती रेनेडिया अल्बारीउ ।

(यह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा सर्वे नं० 161, एच० नं० 1(अंश)  
और सिटी सर्वे नं० 1308 1308/1 और 2 क्लूजेज  
एक्सर, तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० आई-4/37-ईई/12712/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985  
मोहर

प्रमुख भाषा: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/12781/84-85-अतः सुते,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 18, जो 3री मंजिल, इमारत  
ए-17, सर्वे नं० 222, एच० नं० 1 से 5, रत्न नगर,  
प्रेमजी नगर और दोलत नगर के पास, बारिखली (पूर्व)  
बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
भूते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच  
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अप्रत्यक्ष से हुई किसी भाव को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
जो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेक्स भावना कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ताबेन रतिकलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिव-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहिस्ताधरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 18, जो 3री मंजिल, इमारत नं० ए-17,  
सर्वे नं० 222, एच० नं० 1 से 5, रत्न नगर,  
प्रेमजी नगर के पास, बारिखली (पूर्व) बम्बई-66 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37-ईई/12781/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) रिचर्ड मार्टीन तामारेथ ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) हरोल्ड ग्रेगरी डिमोआ ।

(अन्तिमि)

(3) --- वह व्यक्ति, जिनके अधिमोग में सम्पत्ति है ।

(4) विल्डर नारी मथार्ड ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/13086/84-85---तः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिरकी सं० प्लेट नं० ए-13 जो 3री मंजिल रोमरीओ अपार्टमेंट्स एक्सर बोविली (प०) बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 बख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से (जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति श्रियात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, लिखित में सविधा के लिए

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्

43—166 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० ए-13, जो 3री मंजिल, सोमरीओ अपार्टमेंट्स एक्सर, बोविली (प०) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/13086/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर

प्रारूप बाई टी एन एस.-----

(1) मेजर्स भावना कन्स्ट्रक्शंस कंपनी।

(अन्तरिक्ष)

(2) श्रीमती वर्षा जे० शहा।

(अन्तर्जाल)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

दिनांक सं० आई-4/37-ईई/12779/84-85—अतः सुधे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि यथापञ्चम सम्पत्ति निम्नलिखित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है।

श्रीर जिनकी सं० फ्लैट नं० 12, जो 2री मंजिल, इमारत  
ए-17, सर्वे नं० 222, एच० नं० 1 से 5, रत्न नगर,  
प्रेमजी नगर श्रीर होल नगर के पास, बोडवली (पूर्व),  
बम्बई-66 में स्थित है (श्रीर इससे लगभग अनुाची में  
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यालय  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन  
इसमें स्थित रहस्य प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिये बाजार मूल्य से कम की दरमान  
प्रतिफल के लिए अनुमति दी गई है और यदि यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापञ्चम सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त दरमान प्रतिफल से कम है उक्त प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरही  
(अन्तरनियमों) के बीच लगे अन्तरण के लिए यह पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से इन्हें किसी बाण की लाइन उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लिये जो  
कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए,  
बैर/य

(ख) लगे किसी बाण का किसी धन का चला आम्निता  
को निम्नलिखित आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ सम्पत्ति द्वारा एकत्र नहीं किया गया  
या न किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
है, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थित है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० ए-17,  
सर्वे नं० 222, एच० नं० 1 से 5, रत्न नगर, प्रेमजी  
नगर श्रीर होल नगर के पास, बोडवली (पूर्व), बम्बई-66  
में स्थित है।

अनुसूची जा कि सं० आई-4/37-ईई/12779/84-85  
श्रीर जो सूचना प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :



प्रकरण भाई.डी.एन.एस.-----

(1) मे.स. परम आनंद बिल्डर्स प्राइवेट लि.।

(अन्तरक)

(2) वागेला पुरुषोत्तम भाग दास।

(अन्तर्लिपि)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

विदेश सं० ८ई-4/31-ईई/-2871/84-85—उतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्हा सं० फ्लैट नं० 35, जो, 3री मंजिल, हमारत  
8-9-10, रत्तन नगर, बोखिली (पूर्व), बम्बई-66 में  
स्थित है (श्रीर इ.ज. उ.अ.अ. अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप  
से वर्णित है), श्रीर जिल्हा कराचोमा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

का पूंवाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रातफल के लिए अन्तरक का यह है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूंवाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातफल के पक्ष  
प्रातशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरक  
(अंतरक) के बीच एस अंतरक के लिए तय पाया गया प्रातफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक लिखित में वास्तविक  
रूप से कायम नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वन के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए, अर/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाय दन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूंवाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 35, जो, 3री मंजिल, हमारत 8-9-10  
रत्तन नगर, बोखिली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जै.कि.क्र० सं० ८ई-4/31-ईई/-12871/84-85  
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई का दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्ट्री किया गया है

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

रूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12873/84-85—अतः मझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अथ जिसकी सं० फ्लेट नं० 60, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 8-9-10, रत्न नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (अथ इसका उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अद्यतनाय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-अ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरांतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिन्नित में आवश्यक रूप से धारित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

तब, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) परम आनंद विल्डर्स,  
प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) री०जी० अगरवाल और जी०एम० अगरवाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 60, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 8-9-10, रत्न नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैतकी क्र०सं० आई-4/37-ईई/12873/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) टी.पी. गोविंदन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी मिरा मोहलाल दाबडा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12773/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर जिकी सं० सी/20, जो, "जीवन आश्रयाना", जीवन  
बिमा नगर, बोविली (पश्चिमी), बम्बई-103 में स्थित  
है (आर इसके उदाहरण अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित  
है), आर जिकी का तात्पर्य आयकर अधिनियम 1931  
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
भुक्त यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायवाह्या करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सी/20, जो, "जीवन आश्रयाना", जीवन बिमा नगर,  
बोविली (पश्चिमी), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैकी क्र०सं० आई-4/37-ईई/12773/84-85  
आर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

माहुर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्री जी० आर० भायडू ।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर०एल० बजाज और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

विदेश सं० अई-4/37-ईई/12959/84-85—अतः सूचे,

ए० प्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसका पश्चात उक्त अधिनियम कसु गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंर जिसका सं० प्लेट नं० 15 जो इमारत नं० सी-6, जीवन बिमा नगर, बोखिली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (आर इन्से उभावद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), आर जिसका कोटेशन आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रोतफल के लिए अन्तरण का गइ है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रोतफल से, एस दृश्यमान प्रोतफल का पन्ध्र प्रोतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरिता) के बाध एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रोतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधत्व से काम करने या इससे लाभ में बाधता के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण के, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 15, जो, इमारत नं० सी-6 जीवन बिमा नगर, बोखिली (प०), बम्बई-103 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-4/37-ईई/12959/84-85 और जो अक्षर प्राविजारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्र०

सक्षम प्राविजारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :]

प्रमुख बाईं टी एन एल -----

(1) श्री प्रमुख भारतीय राजपत्र अर्जुन अर्जुन

(प्रकाश)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मंगुलदेवी कपिलानी का अर्जुन अर्जुन  
(प्रकाशित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बाबई

बाबई, तिथि 31 मई 1985

दिदेश सं० आई-4/37-ईई/12600/8-ब85—अतः सुते,

द० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि गणपत मण्डल जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जुन रेंज सं० फ्लेट नं० 7, जो, 3री मंजिल, प्रथम  
अपार्टमेंट, विधी नगर बांगनी, एन.ए.पी. रेंज, बांगनी  
(एन.ए.पी. 03 में स्थित है (अर्जुन रेंज से लाबद्ध  
अनुसूची में अर्जुन रेंज का संस्थापित है) और निम्न  
अनुसूची में अर्जुन रेंज का संस्थापित है 1961 की धारा 269-घ  
का अर्थ है कि बाबई स्थित मध्यम प्राधिकारी के बाजार  
में रजिस्टर्ड है तारीख 1-10-1984।

क्योंकि प्रत्येक मण्डल के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि गणपत मण्डल का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
काम्योक्त रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायनाडिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या अन्तर्गत अधिनियम के  
सूचना की तारीख में 45 दिन की अवधि या अन्तर्गत  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त अधिनियम में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सारी

फ्लेट नं० 7, जो, 3री मंजिल, प्रथम अपार्टमेंट,  
विधी नगर बांगनी, एन.ए.पी. रेंज बांगनी (एन.ए.पी.),  
बाबई-03 में स्थित है।

अनुसूची का विवरण सं० आई-4/37-ईई/12600/8-ब85  
और जो मध्यम प्राधिकारी बाबई द्वारा तिथि 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बाबई

तारीख: 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) श्रीमति एम० इन्द्राणी।

(धर्मपति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री बी.डी० अंबेकर।

(धर्मपति)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(3) धर्मपति।

(यह व्यक्ति, जिसके

अधिनियम में उल्लिखित है)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

रजिस्ट्रार रेंज-4, बम्बई

बम्बई दि० 31 मई 1985

दि० 4/31-ईई/3016/84-85 -आय० सू०,

ए० प्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन उक्त अधिनियम के अधीन सूचना के कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और कि इसमें पेट नं० 38, जो, 2री रजिस्ट्रार, इमानत नं० ए/6-3, सेक्टर 4, हाफिंग सोडरी दि०, जिला बिना, जिला बिना (ए०), बम्बई-103 में स्थित है (और इसे उपर्युक्त इमानत में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और कि उक्त अधिनियम धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना के कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुरण से हुई किसी आय की गणना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निटों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेट नं० 38, जो, 2री रजिस्ट्रार, इमानत नं० ए/6-3, सेक्टर 4, हाफिंग सोडरी दि०, जिला बिना, जिला बिना (ए०), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची के अंतर्गत क्र० सं० ईई/3016/84-85 और जो उक्त अधिनियम धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना के कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

ए० प्रसाद

रजिस्ट्रार प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

रजिस्ट्रार रेंज-4, बम्बई

तारीख 31 मई 1985

महेश

इसका आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) मैसर्स आचना इन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्री नवीन बी० मेहता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12674/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11, जो, 2री मंजिल, इमारत ए-17, सर्वे नं० 222, एच० नं० 1 से 5, रत्न नगर, प्रेमजी नगर और दोलत नगर के पास, बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार धन, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —  
44—166GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के किन्हीं कार्यावाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावेस्ताधारी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 11, जो, 2री मंजिल, इमारत ए-17, सर्वे नं० 222, एच० नं० 1 से 5, रत्न नगर प्रेमजी नगर और दोलत नगर के पास, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-4/37-ईई/12674/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

आवेदक

**प्रश्न नं० 21. एन० एच०-----**

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भायकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12742/84-85-आ: मुझे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्रेषित करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो 3री मंजिल, आकांक्षा, 472, एस०वि०पी० रोड, सी०टी०एस० नं० 1405, एकपार व्हिलेज, भगवती हॉस्पिटल के सामने, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (और इसमें उपासक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन, बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(1) मेसर्स बीनान्का बिल्डर्स,  
प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ललोता बेन छगनभाई पटेल और अन्य।  
(अन्तरिती)

(3) विधेता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**व्याख्याकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं, विन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किन्हीं जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

फ्लैट नं० 303, जो 3री मंजिल, आकांक्षा, 472 एस०वि०पी० रोड, सी०टी०एस० नं० 1405, एकपार व्हिलेज, भगवती हॉस्पिटल के सामने, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-4/37-ईई/12742/84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद,

सूक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

होदर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री और श्रीमती आर० गोविंदास्वामी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मंजीत कोर और श्रीमती हरजीत कौर ।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12979/84-85—अतः मुझे,  
ए०. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 204, जो, 2 री मंजिल, इमारत डी/24, योगी गंगा को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एन्सार रोड, योगी नगर, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (जो इनमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह, विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 204, जो, 2 री मंजिल, इमारत डी/24, योगी गंगा को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एन्सार रोड, योगी नगर, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-4/37-ईई/12979/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए०. प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स विजय नगर कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार मनहरलाल मेहता।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12614/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1605, जो इमारत नं० 57/58, योगी नगर, एकसार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1605, जो इमारत नं० 57/58, योगी नगर, एकसार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जसाकि क्र०सं० आई-4/37-ईई/12614/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

अध्यक्ष, डॉ. एन. एल. एम्.-----

(1) मेसर्स पारीख ग्रंथ कम्पनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हेमंतकुमार भिखालाल व्यास और श्री जी. एल. चावडा।

(अन्तरिती)

### आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12609/84-85—प्रतः मुझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें संशोधन पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो, स्टार ट्रेड सेंटर, सोडावाला लेन, बोरिवली (प०), एस० वि० पटेल रोड, बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वर्तमान प्रतिकूल से, ऐसे वर्तमान प्रतिकूल का अत्यधिक प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से अभिन्न नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बच या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तर्गति उद्देश्य से नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 8, जो, स्टार ट्रेड सेंटर, सोडावाला लेन एस० वि० पटेल रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-4/37-ईई/12609/84-85 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

अध्यक्ष, टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स बी०आर० इंटरप्रायजेस।

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब  
(1) के अधीन सूचना

(2) पंटीक वि० सोमनस।

(प्रन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12830/84-85—प्रतः मुझे,  
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लेट नं० 13, जो, 4थी मंजिल, सिल्वे-  
निया इमारत, एस०नं० 110(अंश), सी०टी०एस०नं०  
1128, व्हिलेज एक्सर, आय०सी० कॉलोनी, बोरिवली (प०),  
बम्बई-103 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-10-1984।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि सहायक आयुक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---(क) अन्तरण में है कि किसी आय की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
आयकर में किसी कर के या उससे अलग में सूचना  
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए वा, जिन्हें न सूचना  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः ---को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा। जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 13, जो, 4 थी मंजिल, सिल्वेनिया इमारत,  
एस०नं० 110(अंश), सी०टी०एस०नं० 1128, व्हिलेज  
एक्सर, आय०सी० कॉलोनी, बोरिवली (प०), बम्बई-103  
में स्थित है।अनुसूची जैसा की सं० अई-4/37-ईई/12830/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एच.-----

(1) मैसर्स परमग्रन्थ बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री एच० आर० गुप्ता और  
श्री राकेश गुप्ता।

(अन्तरिती)

**टीका**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-37 ई०ई०/12669/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 59 तथा जो चौथी मंजिल 8-9-10 इमारत, रतन नगर, बोरीवली (पूर्व), बम्बई 66 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 268 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपायुक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निहित है वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरक से हुई किसी भी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के विषय में कभी करने या उसके दायरे में शामिल के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, जिसके अन्तर्गत

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 59 को चौथी मंजिल 8-9-10, इमारत रतन नगर, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/12669/84-85 और को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-85

कोडर 5

इसका आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निदेश सं० आई०/4/37 ईई०/12747/84-85—

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्लॉट नं० 8, जो हिल अबोड को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, पोईन्टर, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावस्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सका और जिकरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। —

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी कर देने या उसके देने से मुक्ति के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी भुज या अन्य आयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि जिसका वास्तविक आय, जिसमें से अन्तरण के लिए

कत. नं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतति :—

(1) श्रीमती मधु ए० बजाज ।

(अन्तरक)

(2) डा० अमर सिंह और  
श्री अनन्त सिंह चौधरी ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

बन्धुषी

प्लॉट नं० 8 को हिल अबोड को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, पोईन्टर, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/12747/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985  
मोहर

प्रस्पष्ट. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्कन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/13062/80-85-अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० सी-103, जो देवेन्द्र अपार्टमेंट, रोकाड़िया लेन, एस० वी० पी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब भरा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा मिले और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा मिले।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

45—166GT/85

(1) मै० अजिज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आनन्दीबेन राम शंकर उपाध्याय और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त आस्तियों में से किसी आस्तियों का;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगर्ह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ उचित रूप से शुरू करने।

सावधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहाँ के अर्थ में जहाँ उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अन्तर्गत

फ्लैट नं० सी-103, जो देवेन्द्र अपार्टमेंट, रोकाड़िया लेन, एस० वी० पी० रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/13061/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्कन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई०-4/37 ईई०/13056/84-85—प्रतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 67 जो पहली मंजिल, 8-9-10 रत्न नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्जित :-

- (1) मैसर्स परम आनन्द विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती शांतिबेन ए० संघवी और  
श्री दीपक ए० संघवी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 67 जो पहली मंजिल, 8-9-10, रत्न नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम० सं० आई०-4/37 ईई०/13056/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती वन्दना शरद महीदा

(अन्तरक)

(2) श्री नामदेव आर पाटकर,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई०-4/37 ईई०/12869/84-85—अतः

मुझे ए० प्रसाद,

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट नं० 770, कस्तूर पार्क, फायनल प्लॉट नं० 62 एस० टी० पी० एस० 111, बोरीवली बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, में बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-84

यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनके अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, ग्राउन्ड, फ्लोर, मधुसूदन टेरेस सब प्लॉट नं० 10 और 12, फायनल प्लॉट नं० 62 एस० टी० पी० एस० 111 अकतूर पार्क बोरीवली बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम० सं० आई०-4/37ईई०/12869/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

अर्थ: भा. टी. एन. एन. -----

(1) गाडीदार बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री पीटर डिकुन्हा और श्रीमती कुमारी बी डिकुन्हा  
(अन्तर्गति)

भाषा सरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/13015/84-85-अतः मुझे, ए प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 जो 1ली मंजिल साई  
निकेतन, सडोवा कालोनी मंडपेश्वर रोड बोरिवली (प)  
बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाध्वर अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
जोड़ित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताभारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101 जो 1ली मंजिल साई निकेतन  
कलोनी मंडपेश्वर रोड बोरिवली (प) बम्बई में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/13015/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 31-5-1985  
मोहर :

प्रारम्भ आइ. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स विजय नगर कार्पोरेशन ।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती भरत रमेश अहले ।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/12976/84-85—अतः सुभे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 1704 जो इमारत नं०  
57/58 योगी नगर एक्सर रोड बोखिली (प०) बम्बई-92  
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है) और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 59  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1704 जो इमारत नं० 57/58 योगी नगर  
एक्सर रोड बोखिली (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/12976/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/12670/84-85—अतः मुझे  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० प्लेट नं० 10 जो 1ली मंजिल बी-4  
इमारत रस्तम नगर बोरिवली (प०) बम्बई-66 में स्थित है (श्रीर  
इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर  
जिसका कार्यालया आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
अ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स परम आनन्द बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरलाल बी० छात्रीया और

श्री हिरा ए० छात्रीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोब्रस्ताधरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 10 जो 1ली मंजिल बी-4 इमारत रस्तम नगर  
बोरिवली (प०) बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/12670/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

इसका भाई. टी. एच. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) रघुवंशी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) प्रवीणचन्द्र भिखाभाई देसाई।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/12683/84-85—अतः मुझे  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लेट नं० 201 जो 2री मंजिल रघुवंशी  
अपार्टमेंट सी० ई० एस० नं० 1097 एस० नं०  
152 चन्दावरकर रोड बोरिवली (प०) बम्बई-92  
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का  
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपबोध से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण के लिए किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था जिससे यह सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)  
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 201 जो 2री मंजिल रघुवंशी अपार्टमेंट  
सी० ई० एस० नं० 1097 एस० नं० 152,  
चन्दावरकर रोड बोरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम० सं० अई-4/37ईई/12683/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर:

रजिस्ट्रार, टी.एच.एड., -----

(1) रघुवंशी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सोनाली नरेंद्र पंडया।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को वित्त कार्यवाहियों शुरू करता है।

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई/12685/84-85—अतः मुझे,  
० साद

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकीप :-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पर्यवेक्षित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 101 जो 1ली मंजिल, रघुवंशी अपार्टमेंट मरत-सी सी० टी० एम० नं० 1097 एस० नं० 152 चंदावर रोड बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (आर डब्ल्यू. गवड अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका प्रयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर, जो करी करने या उनसे बचने में सहायता के लिए;

फ्लेट नं० 101, जो 1ली मंजिल, रघुवंशी अपार्टमेंट, इमारत सी० टी० एम० नं० 1097, एस० नं० 152, चंदावर रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/12685 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित :-

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.डी.एन.एस.-----

(1) रघुवंशी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मुकुंश चित्तरंजन पंड्या ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12684/84-85—अन: मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 102, जो 1ली मंजिल, रघुवंशी अपार्टमेंट "सी" सी० टी० एस० नं० 1097 एस० नं० 152 चंदावरकर रोड बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगरतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीकरणों) को बीच में ले कर अन्तरक के लिए तब बाजार मूल्य का अन्तर, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत अन्तरक में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 102, जो 1ली मंजिल, रघुवंशी अपार्टमेंट "सी" सी० टी० एस० नं० 1097 एस० नं० 152 चंदावरकर रोड बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम० सं० अई-4/37-ईई/12684/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

यह सूचना उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत की गई है और उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

46-166GI/85

दिनांक : 31-5-1985

हस्ताक्षर :

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) रघुवंशी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मणिबेन मिखाभाई देमोई ।

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12682/84-85—अतः सुमे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
‘मके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सञ्चय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 202, 2 गी मंजिल, सी-इमारत  
रघुवंशी अपार्टमेंट, सं० टी० एम० नं० 1097, एम० नं०  
152, चंदावरकर रोड, बोरिवली (प); बम्बई-92 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) और जिसका कराधाना आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और उसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
निम्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 202, जो 2 गी मंजिल, सी-इमारत रघुवंशी  
अपार्टमेंट, सी०टी० एम० नं० 1097, एम० नं० 152 चंदावरकर  
रोड बोरिवली (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12682/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :



विशेष बार्ड.टी.एन.ए.ए.-----

(1) के० टी० कन्सट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कला एम० बाब्रेकर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

यह सूचना जारी करके प्रयुक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12572/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयुक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना जारी करके प्रयुक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो मेघना अपार्टमेंट्स, गणेश  
मंदिर के पीछे, वजिरा नाका, बोरिवली (प), बम्बई-92  
में स्थित है (और इसे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका तारानामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारानामा 1-1 1984

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत कर दंड है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यहाँ प्रयुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पत्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरांतर्गत) के बीच एक अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित दृश्यमान उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

अनुसूची

(क) अन्तरक १६ ईई/१२५७२/८४-८५ के अधीन सूचना  
जारी करके प्रयुक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

फ्लैट नं० 16, जो मेघना अपार्टमेंट, गणेश मंदिर के  
पीछे, वजिरा नाका, बोरिवली (प), बम्बई -92 में स्थित  
है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/12573/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
है निम्नलिखित :-

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 31-5-1985  
मोहर :

प्रमाण जारी, टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/12753/84/85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, जो, 2री मंजिल, विंग-बी, परेश अपार्टमेंट, एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-अ, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) की बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावजू, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के अधीन आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत सूचना प्राप्त हो चुकी हो या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स निपा कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० पी० पटेल और श्री बी० पी पटेल ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् प्राप्त हो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 201, जो, 2री मंजिल, विंग-बी, परेश अपार्टमेंट, एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/12713/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

बोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) के० टी० कन्सट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० एस० कोठारे।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12645/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन एकत्रित प्रत्येक कर के लिए सूचना का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 21, जो मेघालय बजिरा नाका,  
बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इसे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख  
1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लाभ, अर्थात्

(ख) इसी प्रकार आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अन्तर्गत (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों के  
अर्जन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण,  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 21, जो मेघालय बजिरा नाका, बोरिवली (प),  
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12645/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर

प्रश्न क्र. सी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12828/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का  
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 203, जो 2री मंजिल, सी-इमारत,  
गगनगिरि नगर, एकवार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-  
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
प्ति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित  
में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गया था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) गगनगिरि डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकृष्ण गनुहाले और  
श्रीमती पुष्पा आर० गनुहाले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही कराया गया है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के संचारण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बड़ा हो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के संचारण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हस्तगत  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रत्येक शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 200-क में परिभाषित  
है, प्रकाशित किया जावे उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 203, जो 2री मंजिल, सी-इमारत, गगनगिरि  
नगर, एकवार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/12828/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्रमुख आर्क 27. एन. एस . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई/12952/84-85 —अन: मुझे  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 104, जो 1 ली मंजिल, बी-विंग प्लेट नं० 23, 24 और 25 सिटी सर्वे नं० 13/14, 13/13 और 13/12, देसाई एण्ड शेठ नगर, ऑफ एस० वि० रोड, पोईसर डिपो के पास, बोरिवली, (प०) बम्बई में स्थित है (आरडब्ल्यू डाटाबेस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका सारस्वामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1 अक्टूबर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से उत्पन्न होने वाले आय से अधिक आय का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का प्रत्यक्ष अस्तित्व को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) मेसर्स श्रीहंत इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्तीलाल पी० त्रिवेदी और अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों के अर्वाध, या भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्वाधकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों में से जो 'या' के उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 104, जो, 1 ली मंजिल, बी-विंग, निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं० 23, 24, और 25, सिटी सर्वे नं० 13/14, 13/13, और 13/12, देसाई एण्ड शेठ नगर, ऑफ एस० वि० रोड, पोईसर डिपो के पास, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37ईई/12952/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रारूप भाई. टी. एम. एस.-----

(1) श्रीमति श्रीमती भरत बर्मन

(अन्तरक)

(2) श्रीमति भारती जगदीश गहा ।

(अन्तर्गति)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निवेश सं० अई-4/37ईई/12924/84-85— अतः सूचे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 18/डी-304, जो, 3 गी मंजिल, प्रेम अपार्टमेंट्स, साईबाबा नगर, आफ एस० वि० रोड, सर्वे नं० 108(अंश) 109 (अंश) और 113 (अंश), विलेज कांदिवली, बोरविली (प), बम्बई-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984, को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नतीजतन विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तर्गति) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित अस्तित्व रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अन्तरक में, यै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी शक्यता—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों या सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादनी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18/डी-304, जो, 3 गी मंजिल, प्रेम अपार्टमेंट्स, साईबाबा नगर, आफ एस० वि० रोड, सर्वे नं० 108(अंश), 109 (अंश) और 113 (अंश), विलेज कांदिवली, बोरविली, (प), बम्बई-2 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/12924/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एम. एड. ---

(1) बिस्मील्लाह कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० माथी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आवासिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/13053/84-85—अतः मुझे,  
श्री ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3006, जो, डूल अपार्टमेंट्स, सर्वे  
नं० 94, विलेज पोईसर, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269  
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री, है तारीख 11-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का समूह  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नीसहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद जो  
किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के बीच या व्यक्ति के बीच  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

47-166GI/85

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ज़बोहस्ताक्षरी के  
बाद लिखित में किए जा सकेंगे ।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 3006, जो, डूल अपार्टमेंट्स, सर्वे नं० 94,  
विलेज पोईसर, बोरिवली (प), बम्बई-2 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/13053  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

श्री ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर

प्रश्न नम्बर टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्त करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ई ई/12908/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601 है, जो 6वीं मंजिल,  
विशाल-2 इमारत, चिकनेवाला लेन ऑफ एस० वि० रोड,  
बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा क ख 269 के अधीन,  
बम्बई में स्थित है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1 अक्टूबर, 1984

क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयाप्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनः—

1. मैसर्स गौतम विलडर्स (इण्डिया)  
(अन्तरक)
2. श्रीमती विलासबेन नवनीतलाल और श्री जयेश नवनीत  
लाल पारीख  
(अन्तरिती)
3. (अन्तरिकों)  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1. फ्लैट नं० 601, जो, 6वीं मंजिल, विशाल-2, इमारत,  
चिकनेवाला लेन, आफ एस० वि० रोड, बोरिवली (प०)  
बम्बई 92 स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/12908/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :



प्रकृत जाह.टी.एन.एस-4-85

1. मैसर्स प्रगति कार्पोरेशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स अतुल सरमिक

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/12897/84-85—अतः,

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
पुनः पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो ग्राउंड फ्लोअर, निलधरा  
अपार्टमेंट, देवीदास रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायज  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायजमान प्रतिफल से, ऐसे दायजमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निरीक्षण में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करने का हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वास्तव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

दुकान नं० 8, जो ग्राउंड फ्लोअर, निलधरा अपार्टमेंट, देवीदास  
रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/12897/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

बम्बई नॉटिफिकेशन एन. एन. १९८५

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 42) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

अनुसूची

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० ई-4/37ईई/12991/84-85— अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० "लिलम" इमारत के साथ जमीन बेअरिंग,  
सी०टी०एस० नं० 285, राजेन्द्र नगर रोड, दत्तपाडा, बोरिवली  
(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उक्त वचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिनमें से सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पी० एम० कोठारी।

(अन्तरक)

(2) लिलम प्रिमायसेज को० ऑप० सोसाइटी लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भायकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

"लिलम" इमारत के साथ जमीन बेअरिंग सी०टी०एस० नं०  
285, राजेन्द्र नगर रोड, दत्तपाडा, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/12991/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्रकृष जाई- टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/13095-अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो, 2री मंजिल, प्रभू निवास, एस० नं० 20, प्लॉट नं० 20, एक्सार विहलेज, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, त्रिभुजलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकों के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स हिमांशू इन्टरप्रायजेस

(अन्तरिती)

(2) श्री बाबू भाई एल० पटेल, और श्रीमति लीलावती बी० पटेल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वापसीवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22अ जो, 2री मंजिल, प्रभू निवास, एस० नं० 20, प्लॉट नं० 20, एक्सार विहलेज, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/13095/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख 31-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

(1) मेसर्स निपा कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मधेश एम० अंबानी और  
श्रीमति हंसा एम० अम्बानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/12754/84-85-- अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो 1 ली मंजिल, विंग-बी,  
परेश अपार्टमेंट, एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (प) बम्बई-92  
में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
तत्कालिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय या बचत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
इसमें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध,  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, जो 1 ली मंजिल, विंग-बी, परेश अपार्ट-  
मेंट, एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/12754/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-5-1985  
मोहर :

प्रकृष आर्द्र टी. एन. एड.-----

1. मैसर्स सैयद एण्ड आंस।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

2. श्री रमेश कुमार एन० सागर।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12847/84-85—अतः,

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी फ्लैट नं० 4 है, तथा जो, लक्ष्मी अपार्टमेंट, पहली मंजिल, राजदा नगर, सिम्फोली रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघर्षित का उचित बाजार मूल्य उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को प्राप्त लिखित में प्रेषण का, अर्कोमें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, लक्ष्मी अपार्टमेंट, पहली मंजिल, राजदा नगर, सिम्फोली रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/12847/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर ०

प्रथम भाग, डी. एच. एच.-----

(1) ओनाका बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्नालम, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं. अई-4/37ईई/12587/84-85—अतः

मुझे ए० प्रसाव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो 'आकांक्षा' एस वि०  
पी० रोड, भगवती हॉस्पिटल के सामने, बोरिवली (प), बम्बई-  
103 में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 26क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बम्बई निश्चित न  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सूचना  
के बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या जो किताबों में अंकित नहीं है, विवरण में सूचना  
के बिना;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(2) श्री चन्द्रकान्त छगनलाल और धाकालिया और अन्य।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 203, जो, "आकांक्षा" एस० वि० पी० रोड,  
भगवती हॉस्पिटल के सामने, बोरिवली (प), बम्बई-103  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/12587/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर

सकल जाह' .टी.एन.एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/12883/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3 (603), जो 6वीं मंजिल, "आकांक्षा",  
एम्० वि० पी० रोड, भगवती हॉस्पिटल के सामने, बोरिवली  
(प), बम्बई-103 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लगभग  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचार  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे लगभग प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में इच्छा  
से किए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियां  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रणाल्यार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किन्तु इसका आश्रय का, रिपान में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

48—166GI/85

(1) बोडान्मा विन्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री जैलेश जगदीश पाध और अन्य।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, (603) जो, 6वीं मंजिल, "आकांक्षा", सं०  
वि० पी० रोड, भगवती हॉस्पिटल के सामने, बोरिवली (प),  
बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि प्रम सं० आई-4/37-ईई/12883/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

गोहर

प्रकट नाम. टी. एन. एच.-----

(1) श्री एस० विठ्ठल चौधरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विजय एस० नार्सिक वेरकटर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निवेदन सं० अई-4/37ईई/12647/84-85—अन सुजे,

एम० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी/26, जो साईकृपा को० ऑप०  
हाउसिंग सोमभाटी लि०, राम मंदिर रोड, बोरिवली (प),  
बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच जो अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उक्त है उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कांभत नहीं किया गया है :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सफाईकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वारदात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापस करने के करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, विधान में सुविधा  
के लिए;

फ्लैट नं० सी/26, जो, साईकृपा को० ऑप० हाउसिंग  
सोमभाटी लि०, राम मंदिर रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37ईई/12647/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

उक्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :-

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :



प्रथम आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स विजय नगर कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एल० आर० सुश्रामणियम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/12617/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 202, जो इमारत नं० 56/58, योगी नगर, एकसार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उदात्त प्रामाण्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसके करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, छ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 202, जो इमारत नं० 56/58, योगी नगर, एकसार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/12617/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985  
मोहर :

प्रकट भाई. टी. एच. एच.-----

(1) मैसर्स राजदीप इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती निर्मलाबेन भुपतराव्हारा।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/12589/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 49 जो, एच० नं० 8 (अंश), जय  
जलाराम अपार्टमेंट्स विलेज हिमर, वामनराव सावंत रोड,  
दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वर्तमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
सांख्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
के लिए; और/या

(ख) एंसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को चिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :—नामों पर उक्त सख्तों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 49, एच० नं० 8 (अंश), सी० टी० एस० नं०  
1103, जय जलाराम अपार्टमेंट्स, विलेज दहिसर, वामनराव सावंत  
रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/12589/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स राजदीप इंटरप्राइसेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भास्करराय भाईदाम वोहरा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/12510/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 49, एच० नं० 8, (अंश), जय जलाराम  
अपार्टमेंट्स, सी० टी० एस० नं० 1103, विलेज दहिमर वामणराव  
सावंत रोड़, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे  
पूर्व उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी राशि की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अस्तित्व में बची राशि या अन्तर्गत बचत से अधिक  
के लिए और/या

(ख) अन्तरण से हुई किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से  
संनिध के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क  
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अन्तर्गत

प्लॉट नं० 49, एच० नं० 48 (अंश), सी० टी० एस० नं०  
1103, विलेज दहिमर जय जलाराम अपार्टमेंट्स वामणराव  
रोड़ सावंत, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/12510/84-85  
और को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा नांक 1-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

माहूर :

प्रकाश कार्य. टी. ए. ए. —

(1) मेसर्स राजदीप इंटरप्रायसेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जगू देवजी पिपले।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/13052/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 49, एच० नं० 8, (अंश), जय जलाराम अपार्टमेंट्स, सी० टी० एस० नं० 1103, विलेज दहिसर, वामण राव सावंत रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावेस्ताक्षरी के रास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 49, एच० नं० 8, (अंश), जय जलाराम अपार्टमेंट्स, सी० टी० एस० नं० 1103 विलेज दहिसर, वामण-राव सावंत रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/13052/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर

अरूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/13051/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 49, जो, एच० नं० 8 (अंश),  
सी० टी० एस० नं० 1103, विल्हेज दहिमर, वामनराव सावंत  
रोड, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है तारीख 1-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्षा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्स राजदीप इंटरप्रायजेस

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एन० पाण्डेय और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी कार्रवाई :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 49, जो एच० नं० 8 (अंश), सी० टी० एस० नं०  
1103, विल्हेज दहिमर, वामनराव सावंत रोड, दहिमर  
(पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13051/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर ■

प्ररूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/13050/84-85—अतः सुधे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 49, जो, एच० नं० 8 (अंश),  
विल्हेज दहिसर, वामणराव सावंत रोड, दहिसर (पूर्व),  
बम्बई-68 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिम्मा करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 169क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के सम्बन्ध में  
सोचने में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए;

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैग्स राजदीप इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन रघुनाथ रेवणकर और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 49, एच० नं० 8 (अंश), विल्हेज दहिसर,  
वामणराव, सावंत रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13050/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5 -1985

माहिर :

प्रकरण आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12769/84-85—अन: मुने,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
अधिनियम के परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिक्री सं० फ्लैट नं० 703, जो, 7 वीं मंजिल, श्रीराम  
अपार्टमेंट्स, एम० वि० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-92  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट के वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुए किसी बाय की बाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रसंगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा कितना जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की व्यवस्था  
के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
49—166GI/85

(1) श्रीमती देव कन्या दिलीप गोनालिया।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद विरजी शहा

(अन्तरिती)

यह यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या दत्तमन्वी व्यक्ति को यह  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताफरी के पार  
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसके प्रत्यक्ष बचनों और/या, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 703, जो, 7वीं मंजिल, श्रीराम अपार्ट-  
मेंट्स, एम० वि० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-92 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/12769/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (भिरक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

कोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/13059/84-85—अन: मुं०,

ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जियकी सं० प्लैट नं० 66 है, जो 1ली मंजिल, इमारत  
नं० 8-9-10, रत्न नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
यणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिनी (अन्तरिनी)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
रहस्य के उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं  
दिखा गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य अन्तरण  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के  
लिए; और/या

नोट: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
ध, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स परम आनन्द विल्डर्स प्राइवेट (लि०)।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांताबेन ए० संघवी, और सी० ए०  
संघवी, टी० ए० संघवी।  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 66, जो 1ली मंजिल, इमारत 8-9-10,  
रत्न नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13059/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती रजनी ए० गांधी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० जी० म्हात्रे

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/13106/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अन्तरण है कि यथापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जो, हिरजी भवन को-  
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सी० टी० एम० नं० 305,  
305(1 से 5), एम० नं० 89, प्लॉट नं० 429 और  
430, बोर्ला व्हिजेज, एम० बी० रोड, कांदिवली (प),  
बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
आयत्व में कमी करने या उससे वृद्धि में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12, जो हिरजी भवन को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, सी० टी० एम० नं० 305, 305 (1 से 5),  
एम० नं० 89, प्लॉट नं० 429 और 430, बोर्ला व्हिजेज  
एम० बी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13106/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

प्रकृ. बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री आर० पी० कपाड़िया और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० डी० जैन और अन्य।

(अन्तर्गति)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-जी/71/84-85—अतः मुझे, ए०

प्रसाध

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 796, 796 (1) से  
796(10), व्हिलेज बोरिवली, एस० वि० रोड, बोरिवली,  
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
7-10-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दालित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
की, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति से, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमाण

अनुसूची जैसाकि विलेख सं० एस०-2323/78 और जो  
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर:

प्ररूप वाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/13044/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, कदम-  
गिरी अपार्टमेंट, व्हिलेज वाधवन, एस० नं० 7 (अंश),  
12-ए/1 (अंश), 5 और 6 (अंश) चक्रवर्ती अशोक  
रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे  
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त गिरीत में वास्तविक रूप से  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर सूचना :-

(1) गुडविल बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एम० वानखेडकर और श्री के० एम०  
वानखेडकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि का तत्कालीन व्यक्ति को पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्ग 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, कदमगिरी अपार्ट-  
मेंट, व्हिलेज वाधवन, एस० नं० 7 (अंश), 12-ए/1 (अंश)  
5 और 6 (अंश), चक्रवर्ती अशोक रोड, कांदिवली (पूर्व)  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/13044/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/4338/84-85—अतः मुझे,  
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राफिस नं० 425 है जो, 4थी मंजिल,  
व्यापार भवन, 49, पी० डी० रोड, बम्बई-9 में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिम्मा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय, में रजिस्ट्री है। बम्बई, दिनांक 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स टोडी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स हायवे कार्गो कार्पोरेशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राफिस नं० 425, जो, 4थी मंजिल, व्यापार भवन,  
49, पी० डी० रोड, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/4208/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

दिनांक : 3-6-1985

मोहर

## सकल बाई.टी.एन.एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/4212/84-85—अतः मुझे,  
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
‘सकल बाई.टी.एन.एन.’ कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० आय-1, जो, “एवरेस्ट”, 156  
ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिस पर करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 15-10-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
अतिरिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप में किया नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या दिया जाना चाहिए था, सिमाने में  
मुक्ति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हेमन्त कुमार चावला।

(अन्तरक)

(2) श्री के० विजयन सन आफ लेट पी० के० नायर  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रामाण्यकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० आय-1, जो “एवरेस्ट”, 156, ताडदेव रोड,  
बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/4114/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर :

प्रकृत अधि. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्स जे. एस. गार्मेट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स ओसवाल इंटरप्राइज।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/4472/84-85—अतः सुने,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 107, जो, 1ली मंजिल, "ए"  
इमारत, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० बी० मार्ग, बम्बई-  
13 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा और अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
30-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल  
से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

यूनिट नं० 107, जो, 1ली मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, "ए" इमारत, सेनापति बापट मार्ग, बम्बई-13 में  
स्थित है।

अनुसूची जैम कि क्र० सं० अई-1/26 ईई/4332/54-85  
और जो प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एच.एच.

(1) मैसर्स ए० आर० एजेंसीज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स कोटसीड मशीनरी कार्पोरेशन।

(अन्तरती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई-1, 37-ईई, 4230, 84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 303 है जो, विकास इमारत,  
3री मंजिल, 11, बैंक स्ट्रीट, बम्बई-23 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
इन्द्रज प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

50-166GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कमरा नं० 303, जो, विकास इमारत, 3री मंजिल  
11, बैंक स्ट्रीट, बम्बई-23 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1, 37-ईई, 4132/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निदेश सं० ई-1/37-ईई/3342/ 84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी, "मैजैस्टिक मेशन," 380/388,  
सैंडहर्स्ट रोड और 213-सी, खेतवाडी मेन रोड, बम्बई-4  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984  
को परोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
मूल्य के लिए अन्तरित की गई है और मालिक यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गोपालदास भगवानदास, रसिकलाल हरीलाल,  
और भुवनेश्वरी माधवदास। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स कानूनगो इस्टेट डेव्हलपर्स प्राइवेट लि०।  
(अन्तरिणी)
- (3) (1) गोविन्दराम शोभराज, (2) रघुनाथ एस०  
मयेकर, (3) सरदार दलीप सिंग बंसल  
सिंग, (4) श्रीमती उर्मिला एच० संघली  
(5) मैसर्स एच० रामाराज, (6) मैसर्स

वि० एम० एम० मोटर्स (7) मैसर्स  
सी० रामन एण्ड कंपनी, (8) म्युनि-  
सिपल कमिशनर फार ग्रेटर बॉम्बे  
(9) मैसर्स मार्क एण्ड कम्पनी, (10)  
मफतलाल एच० बोयेरा, (11) श्रीमती  
लिलीबेन वाई० देसाई, (12) रतीलाल  
मोकमदास शर्मा, (13) श्रीमती कांता  
बेन बाबूलाल, (14) श्रीमती जसवन्ती जी०  
दोशी, (15) पारस टी० कानूनगो,  
(16) रमणलाल छगन लाल, (17)  
शांतीलाल अमेरचन्द, (18) धरमदास जग-  
मोहनदास, (19) हिराबाई द्वारका दास  
(20) मोहनलाल जे० शहा, (21)  
राजमल मोतीलाल, (22) इंजीनियर  
ब्रदर्स, (23) चपकलाल आर० पंचाल,  
(24) जगमोहनदास शावलदास, (25)  
रमेश कुमार रसनलाल, (26) सन्यासी  
दवाखाना, (26) सन्यासी दवाखाना,  
(28) भरत एम० मेहता, और (29)  
धरमजीत सिंह एस० विरदी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाजोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवादी  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताकारी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बलों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

प्रापटी, "मैजैस्टिक मेशन", 380/388, सैंडहर्स्ट रोड,  
और 213-सी०, खेतवाडी मेन रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/3115/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :


























बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**भाइय, सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निदेशन)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

सम्बर्द्ध, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अर्द्ध-१, ३७-ईई, ४४८१, ८४-८५—अतः सुझे,

पी० एन० दुबे,

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
कुछों के पक्ष में 'उत्तम अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्वाभर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 505 जो, 5वीं मंजिल, "एफ" विंग, बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दौद मार्ग, सिवरी (ए) बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-10-84

जब पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि बाजारपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का अंश प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त भन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कभीत नहीं किया गया है—

(क) बल्लभन से हुए किसी बात की वापस, उससे सम्बन्धित ही कभी-काल होने भी सम्भव है कि विलम्ब में कभी लाने या उतारने करने में इतिहास भी मिलता हो।

(ब) ऐसी किसी ज़ाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, किन्तु भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ववकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या प्रयोजनार्थ गन्तव्तिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए कि, डिपार्च में सुविधा के लिए 3]

जहाँ बस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब से अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 1) को  
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री गोर्धनदास शिवचंद्राय गरोडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अफमल खान और श्री मोहम्मद जुनाइद सन आफ श्री हाजी मोहम्मद आई० खान।

(अन्तरिणी)

(3) श्री लक्ष्मीदास जी० नेगांधी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) श्री लक्ष्मीदास जी० वेंगांधी ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए काबजबाहियां करता हूँ।

उक्त समिति के जर्नल के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ज़बोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

**समाप्तिकरण :—** इसमें प्रयुक्त जम्मा और पैसे का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं बर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

1999

फ्लैट नं० 505, जो, 5वीं मंजिल, "एफ" बिंग, विना बीना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिखरी (प), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/4339/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मालेकुलर ॥

प्रत्यक्ष बाध' टी. एन. एच. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/4486/84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, 3री मंजिल, प्लॉट नं० 3, कैलाश कृपा को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-84

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए अन्तरण विधिवत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह से, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के अन्तिम में कमी करने या उसके अन्तिम में वृद्धि के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, डिपॉजिट में वृद्धि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की प्रवृत्ति के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री मंगललाल बि० शहा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मी मशीन वर्क्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तिम के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तिम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों और सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, प्लॉट नं० 3, कैलाश कृपा को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/4351/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-30-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई।

दिनांक: 3-6-1985

नोट

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/4439/84-85—अतः मुझे,  
पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 69, जो, "सुनीता इमारत"  
और कार पार्किंग स्पेस, 98, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित  
है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन अन्य वास्तवों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमाणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) नन्दलाल आर० सचदेव और दीपा एन० सचदेव  
(अन्तरक)

(2) श्री रोहितकुमार सी० शेट और नितिनकुमार  
सी० शेट।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 69, जो, "सुनीता इमारत" और कार पार्किंग  
स्पेस, 98, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/4588/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
30-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

**संक्षेप भाषा टी. एन. एच. —————**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/4484/84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 601, जो 6वीं मंजिल, "एफ" विंग, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दसगुना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दसगुना प्रतिफल से, ऐसे दसगुना प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बम्बई के इस किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित् में कमी करने या उक्त सूचना में सुविधा के लिए; और/क

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है:—

(1) श्री गोर्धनदास शिवचन्द राय गरोडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री (डा०) अस्लाम सुलेमान सामर।

(अन्तरिती)

(3) श्री वल्लभदास एम० ठक्कर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री वल्लभदास एम० ठक्कर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लेट नं. 601, जो, 6वीं मंजिल, "एफ" विंग, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प) बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/4349/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहुर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4398/84-85—प्रतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या गाला नं० 101, को, 1ली मंजिल, टोडी, इण्डस्ट्रियल इस्टेट इमारत, एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

1. श्रीमती झैबुनिस्सा बाबू भाई, मलकानी, और  
अबुनकर अलीमोहम्मद मलकानी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आयशाबी शेख फरीद,  
2. श्री अब्दुल गफूर शेख फरीद,  
3. अब्दुल रशीद शेख फरीद,  
4. अब्दुल आर० शेख रमाक, और  
5. श्रीमती झैबुनिस्सा गफूर शेख।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग के सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 101, को, 1ली मंजिल, टोडी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, इमारत, (डिलाई) एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11 में स्थित

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/4262/84-85 और को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

अहुर :

प्रूप. आई. टी. एन. एय. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4192/84-85:—अत मुझे, पी०

एन० दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 13-बी, जो, ठाकर इण्डस्ट्रियल  
प्रिमायसेस को-अप० सोसाइटी, लि०, एन० एम०  
जोशी, मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है (और इसमें  
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाविल में कहीं करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था। अन्तरण के  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मूलचन्द कुंवर जी शहा,  
और श्रीमती तरला लक्ष्मी चन्द शहा।

(अन्तरक)

2. पैरामाउण्ट प्रूड वर्क्स इण्डिया।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 13-बी, जो, ठाकर इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस  
को-अप० सोसायटी लि०, एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अनुसूची सं० आई-1/37ईई/4094/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4377/84-85:—अतः मुझे,  
 पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी फ्लैट नं० 340, जो, शिवाजी नगर,  
 को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि०, एन० एम० जोशी  
 मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
 करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क  
 ख के अधीन, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
 है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
 और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त  
 सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
 (अन्तरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के  
 लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-  
 रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

51-166GI/85

1. श्री विश्वम्भर त्रिलोक्य जोगश।

(अन्तरक)

2. 1. श्रीमती चम्पावती कुन्दनमल अम्बावत, और  
 2. श्री कुन्दनमल विरजन्द अम्बावत।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
 में सम्पत्ति है)

4. -----

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में  
 अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
 सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके कि उक्त अधिनियम के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है।

धनमूची

फ्लैट नं० 340, जो, शिवाजी नगर, को-आप हाउसिंग,  
 सोसाइटी लि०, एम० एन० जोशी मार्ग, बम्बई-13 में स्थित  
 है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/4242/84-85  
 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84  
 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-1, बम्

तारीख : 3-6-1985

मोहूर ॥

**प्रथम भाग, भा. एन. एन. एन.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)**

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० आई-1/37 ईई/4482/84-85:—प्रत मुझे,  
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 506, जो, 5 वीं मंजिल, "एफ" विंग, विना विना अपार्टमेंट्स, आचार्य बोर्दे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-13 तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोर्धन दास शिवचन्द राय गरोडिया।  
(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद अफसल खान और  
श्री मोहम्मद जनेव सनआफ  
श्री हाजी मोहम्मद आया खान।

(अन्तरिणी)

3. श्री विजय गोर्धन दास भाटिया।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्री विजय गोर्धन दास भाटिया।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कि वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्तियों के वर्जन के बिना कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त वर्णित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उसके अन्तर्गामी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि के अन्तर्गामी व्यक्तियों में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 506, जो, 5 वीं मंजिल, 'ए' विंग, विना विना अपार्टमेंट्स, आचार्य अपार्टमेंट्स, आचार्य बोर्दे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/340/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर



**प्रकरण भाग-डी.एच.एच.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4483/84-85-प्रतः मुझे,  
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 604, जो, 6 वीं मंजिल, "एफ" विंग, विनाप विना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका काररनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) बम्बई में हुई किसी आय की दृष्टि. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री गोर्धन दास शिवचन्द राय गरोडिया।  
(अन्तरक)
2. श्री गुलाम हुसैन बाबूमियां ताम्बोली।  
(अन्तरिती)
3. श्री बलवन्त हरीलाल।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. श्री बलवन्त हरीलाल।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लेट नं० 604, जो, 6वीं मंजिल, "एफ" विंग, विनाप विना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई 15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/4341/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/3474/84-85:—अतः मुझे,

पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ब्लॉक नं० बी-5, जो, 2 री मंजिल,  
इमारत समाधान, तिलक ट्रिज के पास, सेनापति वापट मार्ग,  
(टी० पी० रोड), दादर (प०), बम्बई-23 में  
स्थित है (और इसका उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगरतामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, एक दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरण (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के कारण होने के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(अ) अतः उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य को बाँटने, उक्त  
अधिनियम के अधिनियम और इन के अन्तरक के  
कारणों से उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य को  
कम करने के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित आस्तियों को बाँटने

1. श्री अशोक पांडुरंग परब।

(अन्तरक)

2. श्री मधुकर, सखाराम बांदीवडेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० बी-4, जो, 2 री मंजिल, समाधान इमारत,  
तिलक ट्रिज के पास, सेनापति वापट मार्ग, (टी० पी० रोड)  
7 दादर (प०), बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/3925/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
26-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री सत्य प्रकाश आनन्द ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4489/84-85:—अतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 69, जो, आउण्ड फ्लोर,  
ताडदेव नगर, कंडिण्ड मार्केट को-ग्राम सोसाइटी लि०,  
ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका परारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री प्रकाश एच० मुरतानी (एच० यू एफ०) और  
श्रीमती सपना पी० मुरतानी (एच० यू एफ०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 69, जो, आउण्ड फ्लोर, ताडदेव एयर  
कंडिण्ड मार्केट, को-ग्राम सोसाइटी लि०, ताडदेव रोड,  
बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची में कि सं० आई-1/37ईई/4353/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-  
84 को रजिस्ट्री किया गया है।

पी० एन० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रकाश बाई टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

माउल अडकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1985

सं० अई-1/37ईई/4317/84-85:— अतः मुझे, पी०

एन० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 504, को, शिवशैला को आंप  
हाउसिंग सोसाइटी लि०, गिता सिनेमा कम्पाउण्ड, वरली  
नाका, बम्बई-18 है तथा को बम्बई-18 में स्थित है (और  
इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);  
तथा जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269 कख अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
10-10-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उस के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए प्रयुक्त किया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण त है किसी जान की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक है वास्तव में  
कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए;  
बाद/बा

(ख) ऐसी किसी जान या किसी वन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० एम० राधोर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्दरकीत नागी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)।

4. -----

(वह व्यक्ति, जिसके धारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
साक्ष्य लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 504, को, शिवशैला को-आंप हाउसिंग  
सोसाइटी लि०, गिता सिनेमा कम्पाउण्ड, वरली नाका, बम्बई  
18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/419/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
10-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

माउल

रूप. आई. टी. ए. ए. ए. = ■ ■ ■ ■

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

सं० अई-1/37ईई/4468/84-85:—अतः मुझे; पी०

एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 11, को, 7वीं मंजिल, ताडदेव एअर कंडिशनड मार्फेट, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में है तथा जो बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपाड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 30-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मातृलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में निहित नहीं किया गया है :—

को अंतरण के लिए किसी नाम की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के रजिस्ट्रार को जारी करने या सबसे रचने में सुविधा के लिए जारी/वा

(ग) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, निर्मातृ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रकाश नहीं किया जा सकता कि या जाना चाहिए कि, छिपाने में सुविधा के बिना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भूपेन्द्र वि० मेहता।

(अन्तरक)

2. गणेश चन्द्र सूरजराज मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 11, को 7 वीं मंजिल, ताडदेव एअर कंडिशनड मार्फेट, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/4328/84-85 और को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

अक्षर 2

अध्याय 1, टी. एन. ए. 1, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

सं० अई-1/37ईई/4487/84-85:—अतः मुझे, पी०  
एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी छया प्लेट नं० 23, को, 11 वीं मंजिल,  
'ए' विंग, केतन अपार्टमेंट कटराक रोड, बडाला, बम्बई-  
31 है तथा जो बम्बई-31 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में मविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था कि

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मारुती नारायण शाटकल।

(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम छोटालाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उत्सर्जन की अवधि से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 23, को, 11 वीं मंजिल, "ए विंग, केतन  
अपार्टमेंट, कटराक रोड, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/4352/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
30-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 3-8-1985

साहू 3

प्ररूप आई टी. एन. एस.

1. मैसर्स सुमेर आसोमिएट्स।

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती अन्सीबाई हस्तीमल और  
श्री ललित कुमार हस्तीमल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई,

बम्बई; दिनांक 3 जून, 1985

3. विल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4239/84-85—अतः मुझे,  
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक है—

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 304, जो, 3 री मंजिल,  
इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन, शेठ मोतीशा रोड,  
माझगांव, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
15-10-1984

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कीमत नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यवाहों को कमी करने या उससे संबंध में क्षतिपूर्ति  
के लिए; बाँट/बा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में क्षतिपूर्ति  
के लिए;

फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 1,  
"सुमेर टावर्स", लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/4140/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
15-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1984

मोहर :

प्रारूप बाह्य. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

सं० आई-1/37ईई/4347/84-85:—अन: मुझे, पी०  
एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इच्छा  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1403, जो, 14 वीं मंजिल,  
इमारत नं० 1, सुमेर टावर, लव लेन, ग्रेड मोतीशा रोड,  
माझगांव, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे  
उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रमाणित से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरली  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री सुमेर आसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. श्री अमृतलाल पुद्दराज कर्वेडया।

(अन्तरितियों)

3. बिल्डर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आशय

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दी गई  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1403, जो, 14 वीं मंजिल, इमारत नं० 1,  
सुमेर टावर, लव लेन, ग्रेड मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/426/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :



प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स निर्मल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/4364/84-85:—अतः मुझे, पी०  
एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
आयकर अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 601, जो, 6 वीं मंजिल,  
विना किल्लेदार सविस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पार्स स्ट्रीट, आफ  
क्लार्क रोड, भाखलता, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित  
है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1894

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
गन्ने का कारण है

यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री अरविन्द कुमार पी० जोशी,  
आनन्द लाल शंकर जी जोशी,  
महेश्वर कुमार एम० श्यास,  
और भंवर लाल एल० जोशी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 501, जो 6वीं मंजिल, विना किल्लेदार  
सविस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पार्स स्ट्रीट, आफ क्लार्क रोड,  
भाखलता, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/4284/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एन. = = = =

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

सं० आई-1/37ईई/4386/84-85:—अतः मुझे, पी० एन०

दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 12, टून शॉपिंग सेंटर,  
225-227, लल्लूभाई अमीचन्द, कम्पाउण्ड, ताजदेव रोड,  
बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (और इससे  
उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची में सूचीबद्ध किया गया है, या  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मल्का कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स विडियो क्लीनिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में लिखा जा सकेगा।

व्यष्टीकरण:—इसमें परामर्श कर्तव्य और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, को ध्यान में रखा जा रहा है।

अनुसूची

दुकान नं० 12, जो, टून शॉपिंग सेंटर, 225-27,  
लल्लूभाई अमीचन्द, कम्पाउण्ड, ताजदेव, रोड, बम्बई-7 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/4252/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

माहूर :

प्रकरण भाई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

सं० अई-1/37ईई/4393/84-85:—अतः मुझे, पी०  
एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 318 ए, जो, 3री मंजिल  
शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज, मिल,  
कम्पाउण्ड, सिताराम जामन मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में  
स्थित है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वागत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का क्रय के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वगत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पुनर्गत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी क्रय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कथित से कमो करने या उससे बचने के उद्देश्य  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी क्रय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवर्धनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, क्रयाने में उद्देश्य  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शहा एण्ड बहार एसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. अमर्देक्स इन्व्हेस्टमेंट्स प्राइवेट लि।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी कार्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 418 ए, जो 3 री मंजिल, शहा एण्ड बहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सिताराम  
जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37ईई/14258/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० ए० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

गोहर :

[illegible]

1. शहा एण्ड बहार आसोसिएट्स ।

(अन्तरङ्ग)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. मैक्स वलर : न्यूक्लियन (इण्डिया) ।

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक: 3 जून 1985

को यह सूचना जारी करके पत्राक्षत सम्पत्ति को अवन के निम्न कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4427/84-85-अत मुझे,  
पी० एन० दवे,

(क) ४३. सूचना ४ राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जहाँ की शक्ति को जो तत्त्वबोध व्यक्तियों पर सुचना के माध्यम से 30 दिन में अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर प्रेषित व्यक्तियों में प्रसारित किया जायेगा।

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 410, जो, 4 श्री मंत्रालय, ए-1, गंगा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पृथ० जे० मार्ग, लांघर परेग, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इसी उपाय अन्तर्गुहों में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वर्णन तथा आगार अतिरिक्त, 1961 की धारा 269 के अन्तर्गुह बम्बई सिविल एजन्स प्रविष्टियों के अन्तर्गुह में वर्णित है, तारीख 30-10-1984

(ख) उप-पुत्रों के राजवर के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रेयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिये जा सकेंगे।

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

[illegible]

अनुसूची

(क) अन्तरण हो रहा किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनिबन्ध को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

यूनिट नं० 410, जो, 4 श्री संजिव, ए-1, शहा एण्ड  
बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-10 जे० मार्ग, लायार परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या जायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वये अन्तर्गताय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, कियाने में प्रविष्ट कर लेना।

अनुसूची में न. क्र. सं. आई-1/31/ईई/4579/84-85  
और जो पत्रक प्राविशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० द्रुवे, -

सक्षम प्राधिकाारी

सहायक आय और आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः—

तारीख : 3.5.1985

माहिर ३

## प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4428/84-85—अतः मुझे, पी०

एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 411, जो, 4थी मंजिल,  
ए-1, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में है तथा जो बम्बई-13 में स्थित  
है (और इसमें अनावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका प्रकाशन आता है अधिनियम 1961  
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. शहा एण्ड बहार एसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. बहार इन्फ्रस्ट्रक्चर (इण्डिया)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 411, जो, 4 थी मंजिल, ए-1 शहा एण्ड  
बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/4580/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 3-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

निवेश सं० आई-1/37ईई/4467/84-85--अतः मुझे, पी०

एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 32-बी, 3री मंजिल, अल्मास  
अपार्टमेंट्स, साने गुरुजी, मार्ग, बम्बई-11 है तथा जो बम्बई-11 में  
स्थित है (और इससे उपाध्वस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पत्र  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक नया नया  
विवरण, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण विवरण  
में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी नए या पुराने, उक्त  
अधिनियम के अधीन अन्तरण के अन्तरण के  
सहित से कभी कभी या उक्त अन्तरण से विधि  
के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी नए या किसी नए या अन्य भारतीयों  
को, जिन्हें भारतीय नए-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिये था. विधान में  
विधि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अन्तरण:—

1. श्री हुसेनी भाई युसुफअली मुन्शी और  
श्रीमती गे.फु. हुसेनी भाई मुन्शी।

(अन्तरक)

2. श्री भज्जाउद्दीन युसुफअली मुन्शी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरको

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)।

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अन्तरण के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी नोटिस:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उक्त सम्पत्ति व्यक्तिगत पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 32-बी, जो, 3री मंजिल, अल्मास अपार्टमेंट,  
साने गुरुजी, मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/4237/84-85 और  
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84  
को रजिस्ट्री दिखा गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 3-6-1985

मोहता 2

## प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4324/84-85-अतः मुझे, पी०

एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 145, जो, 1ली मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एन-2, रतन मिल्स बम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में सूचीबद्ध लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

53-166GI/85

1. शहा एण्ड नहार आसोसिएट्स

(अन्तरक)

2. मैन्स विजय इन्स्ट्रुमेंट्स एण्ड इन्स्ट्रुमेंट्स अप्लीएन्सेज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 145, जो, 1ली मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एन-2, रतन मिल्स बम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/4202/84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० ए० दुवे,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 3-6-1985

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच.

1. शाह एण्ड नाहार एसोसियेट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (i) के अधीन सूचना

2. मैसर्स प्रमोद इंजीनियर्स कम्पनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

आयोजन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4325/84-85—अतः मुझे, पी०

एम० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 146, जो, 1ली मंजिल, शाह एण्ड नाहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए०-2, लोअर परेल, बम्बई-13 एस० जे० मार्ग है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दूक प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित है वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्थात्/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ तथा किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (i) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि में किसी व्यक्ति को दायित्व नहीं होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 146, जो, 1ली मंजिल, शाह एण्ड नाहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, लोअर परेल, एस० जे० मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/4203/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एम० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1984

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4335/84-85:—अतः मुझे,

पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या औद्योगिक यूनिट नं० 342, जो, 3री  
मंजिल, ग्राह एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज  
मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल बम्बई-13 है तथा जो  
बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगरनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
वर्तमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब बाधा नवा प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी भाव या फैलाव या अन्य बाधित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या किया जाता चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री लक्ष्मी चन्द आमन्द जी शाह,  
2. श्री मुकेश जगजीवन उपाध्याय, और  
3. श्रीमती अरुणा महेन्द्र शाह।  
(अन्तरक)

- (2) मैसर्स गोएंका एण्ड गोएंका।

(अन्तरिती)

आ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 342, जो, 3री मंजिल, ग्राह  
एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/4205/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

साक्षर सहायक

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4174/84-85:—अतः मुझे,  
पी० एम० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3, जो 1ली मंजिल, इमारत  
नं० 2, पी० एम० बी०, अपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड,  
वरली नाका, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पक्का  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
ए वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

जिसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1. पी० एम० बी० इन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री केशो राम छेड़ा और मास्टर मुनेश छेड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादापेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

फ्लैट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 2, पी०  
एम० बी० अपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, वरली नाका,  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/3903/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एम० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हूँ—

तारीख : 3-6-1985

साक्षर :

प्ररूप आई. ट. एन. एन. - - -

(1) माता सन्त ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) नवकेतन इन्वेस्टमेंट्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/135/84-85:—अतः मुझे,  
पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 23, जो, 3री मंजिल,  
राजगिर चेंबर्स, 12/14, गृहीद भगतसिंह रोड, बम्बई में  
स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका उपावद्ध आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-घ, ख के अधीन बम्बई स्थित सञ्जम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
या कर्मा करने या उम्मा प्रचन में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्ध व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोधकारों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

अतः उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 23, जो, 3री मंजिल, राजगिर  
चेंबर्स, 12/14, गृहीद भगतसिंह रोड, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० आई-1/37ईई/3887/  
84-85 और जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुवे

सञ्जम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4191/84-85:—अतः, मुझे, पी०

एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 241 जो 2री मंजिल,  
शाह एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड  
सीताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है  
तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ए के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गढ़े हैं और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल के  
यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निर्माणांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी धन का बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अन्तरण करने या उससे बचने के उद्देश्य  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्माणांकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शाह एण्ड नहार एसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. श्री राम चन्द नरसिंह दास रघुवंशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधपं.---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 241, जो, 2री मंजिल, शाह एण्ड नहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सीताराम  
जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/4093/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
10-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/4223/84-85—अतः,

मुझे, पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 209, जो दूसरी  
मंजिल, ओम चेंबर्स ओम कार्नेर, बम्बई-36 है तथा जो  
बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए हम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
छद्मद्वारा से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बेस्ट कास्ट बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सन्य फास्टेनर्स प्रायवेट लि० ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 209 जो दूसरी मंजिल, ओम चेंबर्स  
ओम कार्नेर बम्बई-36 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/4125/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :—3-6-1985

मोहर :

(1) श्रीमती मरीअम डी० मालगी ।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स जय हनुमान इंडस्ट्रिज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्हावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गाला नं० 42-बी, जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-प्रोपरेटिव सोसायटी लि०, गवालिया चाल लेन, हनुमान गल्ली, फर्ग्युसन रोड, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1/37-ईई/ 4138/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुवे

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/4237/84-85--अतः,

मुझे, पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गनी नं० 42-बी, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-प्रोपरेटिव सोसायटी लि०, गोवालिया चाल लेन, हनुमान गल्ली फर्ग्युसन रोड, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बम्बई पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधिका के लिए; और/या

(ख) जहाँ किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या बम्बई अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ध्यान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

## प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/4120/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० बुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 508 है, जो 5वीं मंजिल, महावीर अपार्टमेंट्स, न्यू, शिवम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लॉट नं० 292 (अंश), वि० एन० पी० मार्ग, सायन चूनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (और इसमें उपासद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम्मेद दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित परिस्थितियों में अर्जन

54-166GI/85

(1) शाना जे० वर्मा ।

(अन्तरक)

(2) मनोज डी० मेहता और कल्पना एम० मेहता ।  
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 508 जो 5वीं मंजिल, महावीर अपार्टमेंट्स न्यू, शिवम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लॉट नं० 292 (फार्ट), वि० एन० पी० सायन मार्ग, चूनाभट्टी बम्बई-22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/3876/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

**रक्षक आई.टी.एन.एस.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/4431/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 2107ए है जो पंचरत्न, दि पंचरत्न को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, ऑपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसके करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 30-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायद ही कभी करने या उससे बचने में सक्षमता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमती नलीनी एम० दोशी और श्री महेंद्रकुमार सी० दोशी,

(अन्तरक)

(2) मैमर्स गलेक्सी सेम्स ।

(अन्तरिती)

(2) अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि कम से कम हो जाए, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त सूची और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

प्लेट नं० 2107-ए, को पंचरत्न, दि पंचरत्न को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, ऑपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/4583/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स पी० आई० वी० फुटवेअर ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ग्लेमर गार्मेंट्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/4435/84-85—अतः,

मुझे, पी० एन० दुबे, ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला (यूनिट) नं० 319, जो तीसरी  
मंजिल, 316 एन० एम० जोशी, मार्ग बम्बई-11 है  
तथा जो बम्बई-11 में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक  
30-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्घरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(यूनिट) माला नं० 319 जो, तीसरी मंजिल, 316  
एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि अ० सं० आई-1/37-ईई/ 4585/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
30 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख, 3-6-1985

माहुर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स महेश्वरी एण्ड महेश्वरी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सी० मित्तल ।

(अन्तर्स्ती)

(3) बिल्डर ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सञ्चालन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/4396/84-85-- अतः,

मुझे, पी० एन० दुबे,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 306, जो तीसरी मंजिल  
शाह नाहर (वरली) लाइट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० ई०  
मोजेस रोड, वरली बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना आधुनिक अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 20 अक्टूबर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तर्स्ती  
(अन्तर्स्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी भाव की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
को कभी करने या उक्त करने में बाधना न किया  
जाए/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्स्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, किमान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दायित्व को कभी  
करना चाहिए।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के दायित्व में से भी कभी नहीं करेगा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 306, जो तीसरी मंजिल, शाह नाहर  
(वरली) लाइट इंडस्ट्रियल इस्टेट डा० ई० मोजेस रोड, वरली,  
बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1/37-ईई/4261/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
20 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/ 4403/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 108 है, जो 1 वीं मंजिल, कालिनदास उद्योग भवन सोसायटी लि०, वरली बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुधा बी० तिवारी।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स हरीश म्यूजिकल इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

यूनिट नं० 108 जो पहली मंजिल, कालिनदास उद्योग भवन सोसायटी लि०, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-1/37-ईई/ 4276 34-35 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

इसका आर्क 21 एन एन

(1) कुमारी अस्मा सालेहमार्ह रंगवाला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजेन्द्र खडेलवाल ।

(अन्तरिती)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० अई-1/37-4167/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सूचना प्रतीक्ष्यकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस कमरा नं० 507 है,  
जो "आदमजी इमार", 413 नरसी नाथा स्ट्रीट बम्बई-9  
में स्थित है (और इसमें उपाय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
आयत्व में कमी करने या उसमें वजन में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, अन्तरण में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य व्यक्त द्वारा उक्त अधिनियम की धारा  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

बम्बई

आफिस प्रिमायसेस कमरा नं० 507 जो "आदमजी  
इमारत", 413 नरसी नाथा स्ट्रीट बम्बई-9 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1/37-ईई/3911/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
10-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

जोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/3422/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 206 है, जो 'हिमालया' वरली  
सी फेस, रोड, बम्बई-18 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
22-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक-पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वये  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) निशाल एम० माहीमण्य और  
और डा० (श्रीमती) जयती एम० माहीमण्य।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदादेवी अगरवाल और  
श्री मुकुल महावीरप्रसाद अगरवाल।  
(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 206, जो "हिमालया", वरली सी फेस  
रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/3912/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
22-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एच.-----

(1) श्री वसंत अंबालाल पटेल  
नवितचंद्र अंबालाल पटेल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) अतुल कुमार जयतीलाल शाह ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन -1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/4368/84-85—अतः  
मुझे, पी० एन० दुबे,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० यूनिट नं० 410, है तथा जो 4थी मंजिल,  
पंचरत्न इमारत, आंधेरा हाउस, बम्बई-4  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
नारीख 15-10-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-  
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंवा  
जाना जा रहा था, रिपान में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—यूनिट नं० 410, जो चौथी मंजिल, पंचरत्न इमारत  
आंधेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है ।अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1/37-ईई/4236/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
15-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।पी० एन० दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन नं० 1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

नोट :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/4342/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 227 है तथा जो दूसरी मंजिल, पंचरत्न इमारत, अप्रैल हाउस बम्बई-4, में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका तैयारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य में कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल में ऐसे हयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीयित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिद्धित है आस्तिक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) तबो किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री गोवर एच० निशारोया (एच० यू० एफ), (अन्तरक)

(2) मैसर्स एवरेस्ट डायमंड (प्राइवेट) लिमिटेड। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 227, जो दूसरी मंजिल, पंचरत्न इमारत, अप्रैल हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/4211/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहुर

अतः अथ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीयित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिद्धित है

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:--** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यूनिट नं० 108-ए, जो पहली मंजिल, धनराज इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि०, सीता राम जाधव मार्ग, लोअर परेल वम्बई-13 में स्थित है :

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1/37-ईई/3867/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

अर्जन रेंज-1, बम्बई

माहिर :



प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/ 4389 /84-85—अतः  
मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 446 जो, पंचरत्न, 4थी  
मंजिल, आपेरा हाउस, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में  
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 20 अक्टूबर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण का यह है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नखिनचंद्र मणिलाल मेहता ।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती अरूणा नखिनचंद्र मेहता ।  
(अन्तरिती)
- (3) मैसर्स ओरा जैन ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधीनोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवांछ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
गया है ।

अनुसूची

युनिट नं० 446 जो, पंच रत्न चौथी मंजिल, आपेरा  
हाउस, बम्बई-4 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-1/37-ईई/4254/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20  
अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 3-6-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एच.-----

(1) जॉन फ्लेमिंग एण्ड कंपनी लिमिटेड  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

(2) श्रीमती रूपाब नक्षरत जरीवाला ।  
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/ 4496/84-85---अतः

मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 52, जो 5 वीं मंजिल डाकघाट  
रोड सी० एम नं० 8/138, माझगांव डिविजन, बम्बई  
है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है ।  
दिनांक 30 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक प्र--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 52 जो 5वीं मंजिल, डाकघाट रोड सी०  
एम० नं० 8/138, माझगांव डिविजन, बम्बई में स्थित  
है ।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/ 4365/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
30 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 3-6-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) जॉन फ्लेमिंग एण्ड कंपनी लिमिटेड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना:

(2) श्री अकबरअली हकीमुद्दीन बादशाहा और श्रीमती नफीसा अकबरअली बादशाहा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/4497/84-85-अतः

मुझे, पी० एन० हुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका परभाव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 61, जो 6वीं मंजिल, हमारत डाकघाट रोड में, सी० एन० नं० 8/138, मासगांव डिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 30 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के अधिनियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, 27/7/84

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

फ्लैट नं० 61 जो, 6वीं मंजिल, हमारत डाकघाट रोड में, सी० एन० नं० 8/138, मासगांव डिविजन, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/ 4366/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० हुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (क) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/ 4111/84-85—अतः

मुझे पी० एन० बुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 218 ए, जो दूसरी मंजिल  
शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग,  
लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है  
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 5 अक्टूबर 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-  
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शाहा एण्ड नहार ऐसोसिएट्स

(अन्तरक)

(2) एम० बाघवानी इंटरनेशनल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

युनिट नं० 218 ए, जो दूसरी मंजिल, शाहा एण्ड  
नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग लोअर परेल  
बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/ 3868/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
5 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 1। बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) शहा एण्ड नहार आसीस एट्स ।

(अन्तरका)

(2) श्री रमेश एच० गेड़ी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/ 4430/84-85 —अतः

मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्यमान करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संयुक्त नं० 168 जो पहली संजिम, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, सिताराम जाधव मार्ग, लोहर परेल बम्बई-13 है तथा जो बम्बई -13 में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुपूर्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करास्तामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 30 अक्टूबर 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उक्त अन्तरक में मोटापा के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त उपावृत्त सम्पत्ति में हितवत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सका है ।

स्पष्टीकरण :- इसमें उपावृत्त अन्तरक और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

युनिट नं० 168, जो पहली संजिम, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2 सिताराम जाधव मार्ग, लोहर परेल बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैनाकी क्र. सं० आई-1/37-ईई/4582/84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर 1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/4429/84-85—अतः

मुख्य, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 216, जो दूसरी मंजिल  
गुहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2 धनराज मिल  
कंपाउंड, एस० जे० मार्ग, लोहर परेल बम्बई-13 है तथा  
जो बम्बई -13 में स्थित है (और इसने उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक  
30 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदश में  
कमी करने या सबसे कम से सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) गुहा एण्ड नहार आसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) अन्फा इंजिनियर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्रुत-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 216, जो दूसरी मंजिल, गुहा एण्ड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2 धनराज मिल कंपाउंड, एस० जे०  
मार्ग, लोहर परेल बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई-1/37 ईई/4581/  
84 -85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
30 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर

## प्रत्यक्ष बार्ड टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/ 4227/84-85 —अतः  
मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 105 जो पड़शी मंजिल, बिना  
किल्लेदार इंडस्ट्रियल इस्टेट पार्स स्ट्रीट आफ क्लार्क रोड,  
भायखला (१०), बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और  
इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1981 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
इसके यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-  
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

जो सम्पत्ति में कोई किसी आश का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
आयिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
है :—

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अनकर अधिनियम, 1987 (1987 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

56-166GI/85

(1) मैसर्स निर्मल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामर मुलतान काजी ।

अर्प अमीना अमीन ।

(अन्तरिती)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवत्त है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 105 जो पड़शी मंजिल, बिना किल्लेदार  
सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, पार्स स्ट्रीट आफ क्लार्क रोड,  
भायखला (१०), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जिसका सं० आई-1/37-ईई/ 4129/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
15 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुवे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस.

(1) मैसर्स निमल इंटरप्र्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रकसाना इक्बाल सैयद ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4226/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 104 जो पहली मंजिल, बिना किल्लेदार सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, पाइम स्ट्रीट आफ क्लार्क रोड, भायखला (प), बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या प्रत्येक जातिस्थिति को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, व्यक्तियों

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 104 जो पहली मंजिल, बिना किल्लेदार सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, पाइम स्ट्रीट आफ क्लार्क रोड, भायखला (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/4128/84-85 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर



प्ररूप आई. टी. एन. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई-1, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4129/84-85--अतः

मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 425ए है तथा जो चौथी मंजिल, शाह एण्ड नहार एसोसिएट्स ए-1, सीताराम जाधव मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है (श्रीगडमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय को शाय, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य वास्तिका को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाशित अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मं० शाह एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मं० मुद्रा इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्भी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्धन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 425-ए, जो चौथी मंजिल, शाह एण्ड नहार एसोसिएट्स ए-1, सीताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/3880/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

सकल भाई, टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4189/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 221 है, जो दूसरी मंजिल, शाह एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10-10-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उक्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में अविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शाह एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नाकोडा ट्रेडिंग कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 221, जो दूसरी मंजिल, शाह एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/4091/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84 को

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर

भूकर बाई, टी. एन. एन.

(1) मं० सुमेर एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजेन्द्र कुमार मिलापचन्दजी और श्री अशोक कुमार मिलापचन्द जी।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्मिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई०-1/37 ईई०/4420/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 504 है तथा जो पांचवीं मं,

हमारत नं० 1, सुमेर टावर लेव लेन, ग्रेट मोतीशा रोड,

मन्नगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची

में और पूर्ण रूप से वर्णित है), तारीख 20-10-84

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब धावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबन्ध से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाई करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बंध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाधक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के कथित में कभी करने या उचित करने से सूचना के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या छिपी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

फ्लैट नं० 504 है तथा जो पांचवीं मंजिल, हमारत नं० 1, सुमेर टावर, लेव लेन, ग्रेट मोतीशा रोड, मन्नगांव बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र. सं. अई०-1/37-ईई०/4289/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 3-6-1985

माहुर

प्रमुख आई.टी.एच. इत.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई०-1/37 ईई०/4293/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 210 है तथा जो दूसरी मंजिल,  
शाह एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 17-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिप्ति (अंतरिप्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधित में  
प्राथमिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक की कार्यवाही  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिप्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाई में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) मै० शाह एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अरुणा शिवाजी भोंसले और  
श्रीमती शिल्पा विनायक भोंसले।  
श्री जयवन्त बाजीराव भोंसले,  
श्री प्रदीप बाजीराव भोंसले।

(अन्तरिप्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 210 है तथा जो दूसरी मंजिल, शाह एण्ड  
नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई०-1/37-ईई०/3789/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

सद्रास, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० आई०-1/37ई०/4113/84-85—अतः,  
मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्रविष्टि नं० 219 बी है तथा जो दूसरी मंजिल, शाह  
एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट ए-1, एस. जे. मार्ग, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची और और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन ब्रम्ह  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख  
5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
ह्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरात्पों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) मै० शाह एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मै० एच० मान सिंह एण्ड ब्रदर्स

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 219 बी है तथा जो दूसरी मंजिल, शाह  
एण्ड नहार इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई०-1/37ई०/3870/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

उप: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मै०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

मुख्य बाई. टी. एन. एन.

(1) श्री एल. डी. आहुजा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम बी. गंगवानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई०-1/37 ईई०/4225/84-85—अतः,  
मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 211 है तथा जो पहली में  
इमारत नं० 2, सिध सेवा समिति को-ऑपरेटिव हाउसिंग  
सोसाइटी लि०, सिध सेवा समिति नगर फलन्क रोड, सायन कोली-  
वाडा, बम्बई-37 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), तारीख 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीया) के बीच  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया  
गया है :-

(क) इस सूचना के एखपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक है कि किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बावत  
में कभी करने या करने वाले में सूचना के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची में अन्तर्गत हुआ प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

फ्लैट नं० 211 जो पहली मंजिल, इमारत नं० 2,  
सिध सेवा समिति को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०,  
सिध सेवा समिति नगर, फलन्क रोड, सायन कोलीवाडा,  
बम्बई-37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई०/4127/84 85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

(1) मै० अलमा लेबोरेटरीज ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गिरीराज इन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) गिरीराज इन्टरप्राइसेज ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(4) गिरीराज इन्टरप्राइसेज ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० अई०-1/37 ईई/4236/84-85—अतः,  
मुझे, पी० एन० दुवे

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

और जिसकी सं० यूनिट नं० 314 है तथा जो तीसरी मंजिल  
बुस्सा उद्योग भवन, टी० जे० रोड, सिवरी, बम्बई-15 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-10-84  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
हाथिख में कमी करने या इसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

यूनिट नं० 314 है जो तीसरी मंजिल, बुस्सा उद्योग  
भवन, टी० जे० रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37 ईई/4137/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रकाश बाबू, टी. एम. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/4390/84-85—अतः

मुझे, पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्विस नं० यूनिट नं० 210 है तथा जो दूसरी मंजिल, नारायण उद्योग भवन, डा० आंबेडकर रोड, लाल बाग, बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
मोहर

(1) श्री श्रीचन्द्र टी० जसवानी आफ जसवानी  
एसोसिएट्स। (अन्तरक)

(2) श्री हेमन्त काशीनाथ कोलवणकर और  
श्री गिरीश काशीनाथ कोलवणकर।

(अन्तरिती)

(3) मै० पटेल हाउसिंग फाइनेंस एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स  
(प्राइवेट) लिमिटेड।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्विस यूनिट नं० 210 है तथा जो दूसरी मंजिल, नारायण उद्योग भवन, डा० वी० आंबेडकर रोड, लाल बाग, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-37/ईई०/4255/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4203/84-85—अतः मुझे,  
पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक माला (यूनिट)  
नं० 204, जो रिंगल इंडस्ट्रीयल, इस्टेट, 2 री मंजिल, ए०  
डी० मार्ग, भिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे  
उपान्वृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
कारनामा आश्रय अधिनियम 1961 की धारा 269 कख  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अर्थोपार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार,  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. ह० आलोक एण्ड कम्पनी, (एक ट्रस्ट)  
(अन्तरक)
2. सी० बी० कामा एण्ड कम्पनी।  
(अन्तरिती)
3. अन्तरितियों।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक माला, (यूनिट), नं० 204, जो रिंगल  
इंडस्ट्रीयल, इस्टेट, 2 री मंजिल, ए० डी० मार्ग, भिवरी (प०),  
बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/4106/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 10-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 3-6-1985  
मोहर

रूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

आर्थिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई,

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निवेदन सं० आई-1/37ईई/4498/84-85---प्रतः सुखे,

पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी सं० यूनिट नं० 31, जो 4 थी मंजिल, मिलन इंडस्ट्रीयल, इस्टेट, पॉटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और विषय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई विभाग द्वारा प्राप्ति के आधिकार में रजिस्ट्री है दिनांक 30-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन को आय के अंतरण के बावजूद में कोई संपत्ति या संपत्ति अंतरण में संपत्ति के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के समीपार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संपत्ति के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार अधिनियम, 1961, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भरला दिनेश जीधराज गोगारी।

(अन्तरक)

2. मैडम श्रीतांजवी इलैन्टानिकस।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतरण के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास (अर्थात् :—) प्राप्त हो सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 31, जो 4 थी मंजिल, मिलन इंडस्ट्रीयल, इस्टेट, पॉटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/4367/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 30-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

नं० 18

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यपालक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश नं० आई-1/37ईई/4122/84-85-आगत मुझे,  
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी सं० अमरा नं० 19, जो 12 वीं मंजूर, इमारत नं० 3,  
नवजीवन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड  
लेमिस्टन रोड, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पुनः स्थापित है) और निम्नी नगर-  
नामा आगत अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आयुक्त में प्रेषित है दिनांक  
15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी भन या अन्य भास्तिनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शंकर विष्णु चन्द, धानधानी ।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार जैन और पवनकुमार कांशिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

अमरा नं० 19, जो 12 वीं मंजूर, इमारत नं० 3,  
नवजीवन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड  
लेमिस्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची के अतिरिक्त सं० आई-1/37ईई/4122/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 15-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रोज-1, बम्बई

दिनांक 3-6-1985

मोहर

## प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4348/84-85-अंतर्गत मुझे,  
पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो 2 री मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन, शेठ, मोतीशा रोड, मासगांव, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-10-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है।—

(क) अन्तरण सं० हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सुमेर एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

2. श्री ओटारमल भानुचन्द्र कोठारी और  
कांचनबेन ओटारमल कोठारी ।

(अन्तरिती)

3. बिल्डर ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो 2 री मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स" लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, मासगांव, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-1/37ईई/4217/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर

प्रमुख आर्क्ष: डी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

साहाय्य करकाय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4334/84-85---प्रतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० 341, जो 3 री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कंपाउण्ड लोअर पारेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका अंगार नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री महेंद्र चंदाशाल गढ़ा,
- (2) श्रीमती प्रतिभा मुकुण्ड उपाध्याय, और
- (3) श्रीमती दमयन्ती, लक्ष्मीचन्द गढ़ा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गो-गो इंटरनेशनल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 341, जो 3 री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कंपाउण्ड, लोअर पारेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/4204/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 10-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 3-6-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37 ईई/4295/84-85- अतः मुझे,  
पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक गाला सं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोअर,  
मिलन (औद्योगिक) प्रिमाथसेग को-आप० सोसायटी लि०,  
टी० जे० रोड, राटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है (और इसे  
उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 17-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वार्षिक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर अशोक टेकमदार देवर्षी ।

(प्रतिपक्ष)

2. मेजर गोबिंद सरिनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक गाला सं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, मिलन  
(औद्योगिक) प्रिमाथसेग को-आप० सोसायटी लि० टी० जे०  
रोड, राटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/3790/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 17-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4401/84-85 अतः मुझे,

पी० एन० हुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्को सं० आफि। प्रिमायसेम अमरा नं० 215, जो 2 रीं  
मंजिल, अमरा दीप चेंबरस, 273-77 नरणी नया स्ट्रीट,  
भात बाजार, बम्बई-9 में स्थित है (और इसके उपाय अतुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिन्को अतुसूची  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 25-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
वायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

58—166GI/85

1. श्री डी० एच० अंबास्विया, और  
श्रीमती जेड० डी० अम्बरिया,।

(अन्तरक)

2. श्री एच० बी० गावा और एन० के० गावा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफि। प्रिमायसेम अमरा नं० 215, जो 2 रीं मंजिल,  
अमरा दीप चेंबरस, 273-77 नरणी नया स्ट्रीट, भात बाजार,  
बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैना सं० क्र० सं० आई-1/37ईई/4274/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 3-6-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4282/84-85—अनः मुझे  
पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० यूनिट नं० 401, जो 4 थी मंजिल, सर्विस  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, नवयुग इंडस्ट्रियल इस्टेट, ठोकरसी जीवराज  
रोड, स्वान मिल के सामने, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका कारिरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री दिनांक 15-10-1984.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नवयुग बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. तारादेवी आर० गुप्ता, ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

बम्बई

सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, यूनिट नं० 401, जो 4थी  
मंजिल नवयुग इंडस्ट्रियल इस्टेट, ठोकरसी जीवराज रोड,  
स्वान मिल के सामने सिवरी (प०) बम्बई-15 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/4179/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 15-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :



प्रकरण आर्. टी. एन. एच. 1/37ईई/4423/84-85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० आर्. टी. एन. एच. 1/37ईई/4423/84-85—अतः मुझे

पी० एन० दुबे  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 906, जो 9 वीं मंजिल, इमारत,  
नं० 1, सुमेर टावर्स, लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, माझगांव,  
बम्बई में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 20-10-1984  
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
उपयुक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्-  
विक्त रूप से अधिस्त नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावजूद उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
कार्यरूप में कमी करने या उसके बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिण बा, छिपाव में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्त।—

1. मैसर्स सुमेर एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्री अमृतलाल कपूरचन्द जी बोरोना और  
श्रीमती रतनबेन अमृतलाल बोरोना।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—आय में उक्त अन्तरक और पदा का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 906, जो 9 वीं मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर  
टावर्स लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई-10 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आर्. टी. एन. एच. 1/37ईई/4292/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 20-10-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/4238/84-85 --अतः मुझे  
पी० एन० दुबे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, जो 1 ली मंजिल, इमारत  
नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन (शेठ मोतीशा रोड)  
माझगांव, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स सुमेर एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

2. श्री रमेशकुमार चुनीलाल जैन और  
श्रीमती कमलाबाई रमेशकुमार जैन,

(अन्तरिती)

3. बिस्डर्स ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाष में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, जो 1 ली मंजिल इमारत नं० 1, "सुमेर  
टावर्स", लव लेन (शेठ मोतीशा रोड), माझगांव, बम्बई में  
स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि फ. सं. आई-1/37ईई/4139/84-  
85 और को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर :

अनुसूची टी. एन. एस.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) नहार कन्स्ट्रक्शन (इंडिया)।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4420/84-85--अतः  
भूमे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट नं. 409, जो 4थी मंजिल, ए-1  
शहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रियल एस्टेट, एस. जे. मार्ग, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-10-84  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 409, जो 4थी मंजिल, ए-1 शहा एण्ड नहार  
इन्डस्ट्रियल एस्टेट, एस. जे. मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37-ईई/4578/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) में अपीन सूचना**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) में अपीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4422/84-85—अतः मुझे, पी. एन. दूबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 604, जो 6वीं मंजिल, हमारत नं. 1, सुमर टावर, लव लेन, शेट मोतीशारोड, मासगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपायवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-10-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि अभाष्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दखमान प्रतिफल से ऐसे दखमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की राबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाह्यत्व से कमी करने या उक्त धर्म के सुविधा के लिए की/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धर्म का बन्ध वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाया चाहिए या छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नीकृत व्यक्तियों द्वारा—

(1) मेसर्स सुमर एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुणकुमार कदमलजी शहा और श्री भरतकुमार कदमलजी शहा।

(अन्तरिती)

(3) बिल्लर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभागे में संपत्ति है)

के वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविकता—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं. 604, जो, 6वीं मंजिल, हमारत नं. 1, सुमर टावर, लव लेन शेट मोतीशारोड, मासगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37-ईई/4422/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
माहेश्वर

बम्बई, टी. एन. एड. १२२८/८४-८५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4419/84-85.—अतः

मझे, पी. एन. दत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
संशोधन पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1202, जो 12वीं मंजिल, इमारत  
नं. 1, सुमंग टावर, लव लेन, शेट मोतीशा रोड, मांभगांव,  
बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269 क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बहापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स सुमेर एसोसीएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार मंगिलाल जैन।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के  
पत्र लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1202, जो, 12वीं मंजिल, इमारत नं. 1, सुमेर  
टावर, लव लेन, शेट मोतीशा रोड, मांभगांव, बम्बई-10 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37ईई/4288/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को  
रजिस्ट्री किया गया है।

पी. एन. दत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख 3-6-1985  
मोहर :

प्रकट भाई टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं: 1/37-ईई/4353/84-85—अतः

मुझे, पी. एन. दब,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सद्यः प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 26, जो 4थी मंजिल, शिव महल,  
प्लॉट नं. 206, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है। तारीख 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमामान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और अभी यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी  
(अंतरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय किया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
हामिल में कमी करने या उन्हें बचने में सूचना  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राधाबेन अकारलाल महेश्वरी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती निर्मला मणिलाल शहा,

2. श्री रजनीकांत मणिलाल शहा और

3. श्री गिरिश मणिलाल शहा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना प्रारंभ करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्भनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक मात्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांहुताक्षरी के  
पाठ निश्चित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—सूचने प्रयुक्त पत्रों और पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 26, जो, 4थी मंजिल, शिव महल, प्लॉट नं.  
206, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-1/37ईई/4222/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दब  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर

रूप में. टी. ५२, एच. —————

(1) श्री लक्ष्मीचंद भागजी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वेस्ट कास्ट विल्डर्स प्रायवेट लि.।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अध्याय के बचन को इस  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त अध्याय के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त अध्याय के अध्याय में हिस्सा  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

गिद ई. सं. अई-1/37 ईई/4222/84-85—अतः

मूझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट नं. 209, जो, 2री मंजिल, ओम  
चेंबर्स, ओम कार्नर, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में शीर्ष पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है तारीख 15-10-84

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

यूनिट नं. 209, जो, 2 री मंजिल, ओम चेंबर्स, ओम  
कार्नर, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37ईई/4124/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस.-----

(1) राजा बिल्डर्स एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स प्रेस्ट इम्पेक्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4473/84-85--अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी फ्लैट नं. 301, जो 3री मंजिल, "अंजली"  
अपाटमेंट्स, फ्रेन्च ब्रीज, आपरा हाउस बम्बई में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 30-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इच्छमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल से, ऐसे इच्छमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है,

## अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी बाध की बावजूद उक्त  
अधिनियम के अधीन काम करने के अन्तरक के  
आयत्त में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य शास्त्रिक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

फ्लैट नं. 301, जो, 3री मंजिल, "अंजली" अपार्ट-  
मेंट्स, फ्रेन्च ब्रीज, आपरा हाउस बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/4333/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

दिनांक : 3-6-1985  
माहुर :



प्रधान बाई. डी. एन. द्वारा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4379/84-85—अतः  
मुझे, पी. एन. दबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आफिस प्रिमायसेस नं. 210, पंचरत्न इमारत,  
मामा परमानन्द मार्ग, आपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका काररनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क  
ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है। तारीख 20-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) मेसर्स ओबोय केमिकल्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सी. अमरतलाल अण्ड कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध से कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं. 210, जो इमारत पंचरत्न, मामा  
परमानन्द मार्ग, आपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/4246/84-  
85 और और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रजि-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
माहुर :

॥

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4271/84-85—अतः

मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. औद्योगिक यूनिट नं. 319, जो, 3री मंजिल,  
"वसन उद्योग भवन", आफ सेनापती बापट मार्ग, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 15-10-  
84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) को  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्रीयल एड्स।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गना एक्सपोर्टर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं. 319, जो 3री मंजिल, "वसन  
उद्योग भवन", आफ सेनापती बापट मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-  
13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई/37-ईई/4173/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री कासम मोहमद ठाकूर और श्री सुसार मोहमद ठाकूर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री अमृ प्रेमजी लासानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/3307/84-85--

अतः सूची, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका मूल्यांकन मात्र 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 10, जो 3री मंजिल, सेन्ट्रल कोर्ट, मोटलीबाई स्ट्रिट, आग्रीपाडा, बम्बई-11 है तथा जो बम्बई-11 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी को कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-84 को पुनर्निर्धारित करने के उक्त अधिनियम में काम के दायित्व प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त उक्त संपत्ति के लिए, इस उक्त संपत्ति के लिए, उक्त संपत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्त संपत्ति के लिए अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बावत में काम के लिए, उक्त संपत्ति के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 10, जो 3री मंजिल, सेन्ट्रल कोर्ट, मोटलीबाई स्ट्रिट, आग्रीपाडा, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची प्रसाकी क्र. सं. आई-1/37-ईई/3917/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

नारायण सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4382/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. वूडे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.  
फ्लेट नं. 21, जो 1ली मंजिल, सिंधु इमारत, सत्यनारायण  
को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 205, सायन  
(पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की दायरता के  
व्यतिरिक्त में कमी करने या उक्त करने में बाधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाधा  
में लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश रामचंद छाबूया।

(अन्तरक)

2. श्री वंगानी माधवदास करमचंद और  
श्री वंगानी हरेश करमचंद।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 21, जो सिंधु इमारत, 1ली मंजिल, सत्यनारायण  
को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 205, सायन  
(पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची अंशकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4249/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. वूडे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रकृष्ट आर्. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4159/84-85--

अतः मुझे, पी. एन. बूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बूकान नं. 1, जो विंग-ई, 293, बेलासिस  
रोड, कैलाश, एस. टी. डपो के सामने, बोम्बे सेन्ट्रल,  
बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

1. मेसर्स आर. के. असोसिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्णकांत वामणराव जोशी।

(अन्तरिती)

3. बिलडर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से पूर्व किसी आय की बाव में उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
परिभाष में कमी करने या उससे बढ़ने में विधि  
को पैनर; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

बूकान नं. 1, जो विंग-ई, कैलाश इमारत, 293, बेला-  
सिस रोड, एस. टी. डपो के सामने, बोम्बे सेन्ट्रल,  
बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/3906/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. बूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रकृ. भा. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4329/84-85—

अतः श्री. पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आफिस प्रिमायसेस नं. 41/सी, मिटल  
टावर्स, 210, चर्चगेट रेक्लमेशन, नरीमन प्वाइन्ट, बम्बई-21  
है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269क के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-  
1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपाबद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एमो किसी आय या किसी धन या अन्य आगंतुकी  
अथ, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, अधिनियम में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अ. मं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स के. ठाकोरलाल ओण्ड कंपनी।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सुभद्रा कॉर्पोरेशन।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
30 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं. 41-सी, जो मिटल टावर्स, 210,  
चर्चगेट रेक्लमेशन, नरीमन प्वाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4198/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4323/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. बूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. "धरमपाल महल" हाउस, सम्राट् सिव लेन,  
वि. पी. रोड, सी. एस. नं. 537, गिरगांव डिविजन,  
बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में ग्रास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

60-166GI/85

1. श्रीमती सिताबाई चनय्यामदास और  
श्री अशोक चनय्यामदास। (अन्तरक)
2. श्री अमरतलाल सुरचंद शहा। (अन्तरिती)
3. भाइत और अन्तरिती।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

"धरमपाल महल" हाउस, सम्राट् सिव स्ट्रीट, वल्लभदास पटेल  
रोड, सी. एस. नं. 537, गिरगांव डिविजन, बम्बई में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/4196/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. बूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

एक अर्ध ई. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

कारण भरकाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4408/84-85—

अतः सूत्र, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट नं. 344, जो 3री मंजिल, केवल  
इन्डस्ट्रियल इस्टेट, इमारत नं. बी, फर्ग्युसन रोड, लोअर परले,  
बम्बई-12 है तथा जो बम्बई-12 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या प्रकट किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रकाश मनूभाई पटेल और  
श्रीमती रेखा पी. पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण जनादन कारंकर और  
श्रीमती सविता एन. कारंकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 344, जो 3री मंजिल, केवल इन्डस्ट्रियल इस्टेट,  
इमारत नं. बी, फर्ग्युसन रोड, लोअर परले, बम्बई-12 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसाकी सं. अई-1/37-ईई/4279/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :



## प्रकाशनाधिकार, टी. एन. एन. एन.

1. श्रीमती मंजुला वि. जोवनपूता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स कविता क्रीएन्स ।

(अन्तरिती)

## आयकर अधिनियम

आयकर, सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1,

बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4229/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. औद्योगिक यूनिट नं. 327, जो अध्यात्म  
इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, सन मिल कम्पाउन्ड, लोअर परले, बम्बई-  
13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंजा  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(अ) कर्तव्य से हुए किसी काम को समाप्त करने  
की आवश्यकता के बर्चन कर देने के अन्तरक के  
वापस करने में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किना जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, बम्बई 8—

(क) इस सूचना के उद्यम में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में संचालित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उद्यम में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभाहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं. 327, जो अध्यात्म इन्डस्ट्रीयल इस्टेट,  
सन मिल कम्पाउन्ड, लोअर परले, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/4131/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. एन.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
उर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4231/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. युनिट नं. 416-ए, जो 4थी मंजिल, पंच-  
रत्न, मामा परमानंद मार्ग, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में  
स्थित है (और इससे उपानुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1984  
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिपाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
मास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. मेसर्स विलीप जेम्स।

(अन्तरक)

2. मेसर्स हिराकू इंडिया प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. अन्तरको।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितीयों।

(व व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए कर/का

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

यूनिट नं. 416-ए, जो 4थी मंजिल, पंचरत्न, मामा  
परमानंद मार्ग, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं. आई-1/37-ईई/4133/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
उर्जन रोज, बम्बई

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
के, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1,  
बम्बई

बम्बई दिनांक, 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4224/84-85—अतः

मुझे, पी. एन. बूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2107, जो 21वीं मंजिल, पंच  
रत्न, रावसी सिनेमा के पास, आपरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 15-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती रिली महेंद्रकुमार दोशी और  
श्री महेंद्रकुमार सी. दोशी ।

(अन्तरक)

(2) श्री चंदनलाल सोहनलाल वाहद और  
श्री जैनेन्द्र चड्ढा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2107, जो, 21वीं मंजिल, पंच रत्न, रावसी  
सिनेमा के पास, आपरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-1/37-ईई/4126/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी.एन. बूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स सुगंध विल्डर्स ।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नरनेन्द्रकुमार उमदेमल जैन और  
श्रीमती शशिकला कमलकुमार जैन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1,  
बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति है—

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4248/84-85—अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे,  
भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.  
फ्लैट नं. 301, जो 3री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट  
नं. 58, स्किम नं. 60, एस. एस. बाध मार्ग, नायगाम  
बम्बई-14 सुगंध प्लेस इमारत, में स्थित है (और इससे उपा-  
दध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है तारीख 15-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिगों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं. 301, जो, 3री मंजिल, इमारत, निर्माणाधीन  
इमारत, सुगंध प्लेस, प्लॉट नं. 58, स्किम नं. 60, एस. एस.  
बाध मार्ग, नायगाम, बम्बई-14 में स्थित है ।

अनुसूची असाकि क. सं. आई-1/37-ईई/4145/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 3-6-1985

मोहर

प्रकट बाई. टी. एन. एच.-----

(1) मंसर्स सुगंध विल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजकुमार एच. सधदेवे, और  
श्रीमती निर्मला आर. सधदेवे ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4249/84-85--अतः

मुझे, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी गं. नं. 201, जो, 2री मंजिल, सुगंधप्लस  
इमारत, निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं. 58, स्कम नं. 60,  
एस. एस. वाधे मार्ग, नायगाम, बम्बई-14 में स्थित है (और इससे  
उपादूध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है तारीख 15-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि भले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त  
बाधा गया प्रतिफल, निम्नीलखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हायिल्ल में कमी करने या उससे बचने में कबिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में कबिधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीलखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 201, जो 2री मंजिल, सुगंध प्लस इमारत,  
निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं. 58, स्कम नं. 60, एस. एस.  
वाधे मार्ग, नायगाम, बम्बई-14 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/4155/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

प्रकरण भाई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
उर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1984

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4130/84-85—उत्तः  
मूझे, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आफिस प्रिमायसेस बेयरिंग नं. 401-डी, जो  
4थी मंजिल, इमारत "पूनम चेम्बर्स", डा. अनी बेसेन्ट रोड,  
बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269 क, रु के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपोले का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सन्दर्भ गिनणन से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, 'नम्नीलिखित अवश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में गान्धीयिक रूप से कथित नहीं किया गया है' :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
हाथ में कमी करने या उससे बचने में बुद्धि  
का प्रयोग और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बुद्धि  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. विक्रान्त शाम चौधरी प्रायवेट ट्रस्ट, और  
2. रणजीत शाम चौधरी प्राइवेट ट्रस्ट।  
(अन्तरक)
- (2) 1. मनोज कांतीलाल धूपेलिया, एच. यू. एफ.,  
2. भव्य मनोज धूपेलिया (मायनर), वाय इत्या  
कर्ता मनोज कांतीलाल धूपेलिया।  
3. महिन मनोज धूपेलिया (मायनर),  
4. अमरीश मनोज धूपेलिया (मायनर) धूफादर  
एण्ड नेचुरल गार्जियन मनोज कांतीलाल  
धूपेलिया।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस बेयरिंग नं. 401-डी, जो 4थी मंजिल,  
इमारत "पूनम चेम्बर्स", डा. अनी बेसेन्ट रोड, वरली, बम्बई-  
18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-1/37-ईई/3881/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
उर्जन रंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4402/84-85--अत,  
मुझे, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसको सं. आफीस प्रिमायसेंस नं. 501, दलामल चेम्बर्स,  
प्रिमायसेंस को-आप. सोसाइटी लि., 17, न्यू मरीन लाइन्स,  
बम्बई-20 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-10-  
84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच के अन्तर के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) संस्करण 8 है किसी बाव की बाव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल  
से किसी कर या कर के वर्धन से सुविधा के लिए;  
और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजन के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या जिसका नामांकन नहीं था, निम्नलिखित में  
लिखा गया है :

- (1) श्री फाल्गुन नवीन शेट ।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती रोसा निरन्जन शहा ।  
(अन्तरिती)
- (3) 1. श्रीमती सुशीलाबेन जे. शहा और  
2. श्री फाल्गुन एन. शेट ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीमती सुशीलाबेन जे. शहा ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में वर्धन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफीस प्रिमायसेंस नं. 501, दलामल चेम्बर्स, प्रिमायसेंस  
को-आप. सोसाइटी लि., 17, न्यू मरीन लाइन्स, बम्बई-20  
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-1/37-ईई/4275/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
61-166GI/85

दिनांक : 3-6-1985  
मोहंर

**प्रत्यक्ष आयकर अधिनियम, 1961**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

**सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)**

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4330/84-85—अतः,  
मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आफिस प्रिमायसेस नं. 308, जो 3री मंजिल,  
जाली भवन नं. 1, 10, न्यू मरीन लाइन्स, बम्बई-20 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-84

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्बन्ध  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और माली गलतियाँ  
करने का कारण है कि पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्बन्ध प्रतिफल से, ऐसे सम्बन्ध प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे सम्बन्ध के लिए अब नाम गवा प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तमिक  
रूप से अधिस्त नहीं किया गया है :—

(1) श्री ताराचंद सोहनलाल जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्री कांतीलाल नोपचंद तंजावत और  
श्रीमती इंदिरा शांतीलाल जैन ।

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरिणीयों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिशेष में सम्पत्ति है)

यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करा है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविकता—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा ।

समाप्तिः—इसने प्रत्यक्ष सम्बन्ध और रक्के का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बावजूद वे करों करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; बाध/का

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी भन या अन्य बाधिका  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों के अधीन द्वारा प्रत्यक्ष नहीं किया  
गया या वा किया जाता था, जिन्होंने  
सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

आफिस प्रिमायसेस नं. 308, जो 3री मंजिल, जाली भवन  
नं. 1, 10 न्यू मरीन लाइन्स, बम्बई-20 में स्थित है ।  
अनुसूची जमाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4199/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985  
साहर



प्रकृष बाई. टी. एन. एल. -----

(1) डा. विरेंद्र कुमार साहू ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) मंसर्स प्रिन्टेड ट्रूथ एण्ड टूल्स प्राइवेट लिमिटेड।  
(अन्तरिती)

प्राप्त करवाए

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यवाही--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

एक) ऐसी किसी आय या निष्पत्ति या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं--

आफीस नं. 5, जो 5वीं मंजिल, और ओपन कार पार्किंग  
स्पेस नं. 42, अकाडिया, प्लॉट नं. 195, नरीमन पॉइन्ट,  
बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/4259/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4256/84-85—अतः

मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. आफिस नं. 116, जो, 11वीं मंजिल, मिस्ल टावर, बी-विंग, नरोमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्मान प्रतिफल से ऐसे सम्मान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश दलपतलाल पारीख और मिता प्रकाश पारीख।

(अन्तरक)

(2) वेस्टपाइन्ट इम्पेक्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाकोब :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं. 116, जो, 11वीं मंजिल, मिस्ल टावर, बी-विंग, नरोमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/4161/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रवर्ग. आई. टी. एन. एव. 1985

(1) श्री सहेश मोहन छात्रा और  
वेरीन्दर कुमार छात्रा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जगदीश राम थापर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
आवश्यकताओं को पूरा किया गया है ।

उक्त वर्णन के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4392/84-85.—अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. फलैट नं. 45, जो, 4 थी मंजिल, "सब-  
फलावर" अपार्टमेंट्स, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है  
और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 20-10-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और वनों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, नहीं बर्ध होना, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राज्यत्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;फलैट नं. 45, जो 4थी मंजिल, "सब-फलावर"  
अपार्टमेंट्स, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है ।अनुसूची जैसा कि सं. अई-1/37-ईई/4257/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बईअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—तारीख : 3-6-1985  
माह : 3



प्रश्न जाई, टी. एन. एन.

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयसिध, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
उर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4319/84-85—अतः  
मुझे, पी. एन. दाबे,  
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
संशोधन के द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है  
और जिम्मेदारी सं. आफिस प्रिमायसेंस सं. 10, जो, 2 री मंजिल,  
नवरत्न इमारत, पी. डी. मेनो रोड, बम्बई-9 में स्थित है  
(और इसमें अपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा वायकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन दम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 10-10-84  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वैस्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय का संचय, उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत करने के अन्तरक से  
वायकर में कमी करने या उसके प्रदान में अधिभार  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिसे सरकारी वायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वायकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमाणपत्रों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी उक्त आस्तियों, छिपाने में अधिभार  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. गनसुखलाल हरजीवन,  
2. हर्षद मनसुखलाल,  
3. प्रियकांत मंगेशकुमार,  
4. मुकेश मनसुखलाल,  
5. गौतम मूलजीभाई,  
6. शांताबेन हिमंतलाल,  
7. नानालाल हरजीवन,  
8. हितेश नानालाल, और  
9. प्रियूष नानालाल।

(अन्तरक)

- (2) 1. नानालाल हरजीवन,  
2. हितेश नानालाल और  
3. प्रियूष नानालाल।

((अन्तरिती))

- (3) मेसर्स हिमंतलाल हरजीवन एण्ड कंपनी।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
अवधारित कर, है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अनुसूची 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो अब अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफीस प्रिमायसेंस सं. 10, जो 2 री मंजिल, नवरत्न  
इमारत, पी. डी. मेनो रोड, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची नं. अई-1/37ईई/4195/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84  
को रजिस्ट्री किया गया है।

पी. एन. दाबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
उर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37ईई/2792/84-85. — अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 23, जो 2री मंजिल, "बी" ब्लॉक,  
"मेहरेष्ठ भिन" इमारत, 109-ए, वृद्धाउस रोड, कुलाबा,  
बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसके दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित्त से बाध-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के कालित  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए  
अर्ज/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाया जाहिए या छिपाने में  
सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती वनश्री फातू कोंकरे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी मधुसूदन मोरे।

(अन्तरिती)

(4) श्री मधुसूदन  
बी. मोरे।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अवरोधित किया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उत्तरावधायी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाह  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 23, जो 2री मंजिल, "बी" ब्लॉक, "मेहरेष्ठ  
भिन" इमारत, 109-ए, वृद्धाउस रोड, कुलाबा, बम्बई-5  
में स्थित है।

अनुसूची जिसकि क्र. सं. आई-1/37ईई/3916/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्राण्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4262/84-85—अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (हैकते इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269ए-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आफिस प्रिमायसेस नं. 3, जो 9वीं मंजिल,  
इमारत "अंटलाटा", 209 बी. बी. आर., नरीमन पाइन्ट,  
बम्बई-21 तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है।

तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उनके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरीती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा द्या प्रति-  
पक्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की बाबत  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
और प्रमोचनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना मांशित था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसूची  
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :—  
62—166GI/85

- (1) मेसर्स अब्दुल मलिक तंजावी एण्ड आसोसिएट्स।  
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स इलाहट बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।  
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति की वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी मांगे—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
बाध निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं. 5 जो 9वीं मंजिल, इमारत "अंट-  
लाटा", 209, बी. बी. आर., नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21  
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-1/37-ईई/3191/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4169/84-85. — अतः मुझे, पी. एन. दुबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. दूकान नं. 3, जो इमारत नं. 20-ए, ग्राउंड फ्लोर, वि सेवा समिति को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., सेवा समिति नगर, कोलवाडा, बम्बई-37 है तथा जो बम्बई-37 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वि सेवा समिति को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि.।

(अन्तरक)

(2) डा. मोहन एच. बुरनानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूकान नं. 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 20-ए, वि सेवा समिति को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., सेवा समिति नगर, कोलवाडा, बम्बई-37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37ईई/3898/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :



प्राकृतिक आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अर्ज-1/37ईई/4115/84-85.— अतः मुझे, पी. एन. दुबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 71, जो 7वीं मंजिल, और ओपन कार पार्किंग स्पेस, सूरज इमारत, भाटिया हास्पिटल के सामने, ताडदेव, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जिसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत् द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत है, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री शिरीष माणकलाल गांधी,  
2. श्री. सतीश माणकलाल गांधी,  
3. श्रीमती पुष्पावली माणकलाल गांधी और  
4. श्रीमती प्रेमा शिरीष गांधी।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री फूलचंद चिमणलाल,  
2. श्रीमती रमीला फूलचंद, और  
3. श्री राजेन कुमार फूलचंद।

- (3) अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 71, जो, 7वीं मंजिल, और ओपन कार पार्किंग स्पेस सूरज इमारत, भाटिया हास्पिटल के सामने, ताडदेव, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची असांख्य क्र. सं. अर्ज-37ईई-1/3872184-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स वर्धमान इंटर्प्राइज।

(अन्तरक)

(2) श्री लाल शंकर अमरीतलाल भट्ट और

(अन्तरिस्ती)

श्री मोहन लाल, श्री अमरीत लाल भट्ट।

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4188/84-85.--- अतः  
 मुझे, पी. एन. दूबे,  
 सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.  
 दुकान नं. 102, जो, 1ली मंजिल, वर्धमान चेम्बर्स, 72,  
 कल्याण स्ट्रीट, मसजिद बंदर (प्लॉट नं. 1, 127-सी एल्फिन्स्टन  
 इस्टेट आफ टी. पी. एस.), बम्बई-9 है  
 तथा जो बम्बई-9 में स्थित है।  
 और जिसका अन्तरालमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
 269 के ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
 में रजिस्ट्री है  
 तारीख 10-10-1984  
 का प्रयोजन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
 निक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
 बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए  
 गए हैं।

अनुसूची

दुकान नं. 102, जो 1ली मंजिल, वर्धमान चेम्बर्स, 72,  
 कल्याण स्ट्रीट, मसजिद बंदर, (प्लॉट नं. 1, 127-सी, एल्फि-  
 न्स्टन इस्टेट आफ टी. पी. एस.), बम्बई-9 में स्थित है।  
 अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-1/37ईई/4090/84-85  
 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84 को  
 रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,  
बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4116/84-85—अतः

मूसे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फलट नं. 23/डी, जो, "ममता", 2री  
मंजिल प्लॉट नं. 926, टी. पी. एस. 4, न्यू प्रभादेवी रोड,  
बम्बई में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
वास्त से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
का जहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को बयान दे—

(1) श्री समीर किशोर कोटीचा और  
कुमारी लीना प्रमोदकुमार शहा ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोदकुमार शर्मा और  
श्रीमती कसूम शर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फलट नं. 23/डी, जो "ममता", 2री  
मंजिल प्लॉट नं. 926, टी. पी. एस. 4, न्यू प्रभादेवी रोड,  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. आई-1/37-ईई/3873/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
माहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

(1) शहा एण्ड नहार असोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स इस्को पैकेजिंग इन्डस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4112/84-85—अतः

मूझे, पी. एन. दवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके एनक्वॉट 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. यूनिट नं. 155, जो 1ली मंजिल, शहा एण्ड  
नहार इन्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस. जे. मार्ग, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269-क ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके द्यमान प्रतिफल में, एस द्यमान प्रतिफल का पक्का  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण निश्चित में  
आवश्यक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
के अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
के अन्तर्गत 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप 1—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 155, जो 1 ली मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इन्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस. जे. मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-  
13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-1/37-ईई/3869/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दवे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रत्येक आई.टी.एन.एन. - २ -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1,  
बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4228/84-85—अतः  
श्री. पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कमरा नं. 2, जो 2री मंजिल, शकारीया इमा-  
रत कमर्शियल प्रिमायसेस को-आप. सोसाइटी लि., कार्नर आफ  
7, शरीफ देवजी स्ट्रीट, और यूसूफ मेहरअली रोड, बम्बई-3  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमंश  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दशमंश प्रतिफल से ऐसे दशमंश प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाशिर्वाज में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आब की किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अन्तर्ग-  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रियंका जसवंतलाल मंहता ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री देवेन्द्र शांतीलाल शहा ।

2. श्री अनील शांतीलाल शहा और

3. श्री हेमंत शांतीलाल शहा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

(4) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करने के लिए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

## अनुसूची

कमरा नं. 2, जो, 2 री मंजिल, शकारीया इमा-  
रत कमर्शियल प्रिमायसेस को-आप. सोसाइटी लि., कार्नर आफ  
7, शरीफ देवजी स्ट्रीट, और यूसूफ मेहरअली रोड, बम्बई-3  
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. सं. आई-1/37-ईई/4130/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

अन्वेषण आदेश की प्रतः प्रेषित

(1) सेसर्स सुगंध विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंदन परेश छेडा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4376/84-85—अतः

मुझे. पी. एन. दत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फलट नं. 101, जो, 1 ली मंजिल, निर्मानाधीन इमारत प्लॉट नं. 58, स्क्रीम नं. 60, एस. एस. वाघ मार्ग, नायगाम, बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उपो-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क रु के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 20-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य कम से कम दृश्यमान प्रतिफल से, उससे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के लिए उक्त अधिनियम में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक से कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलट नं. 101, जो, 1 ली मंजिल निर्मानाधीन इमारत प्लॉट नं. 58, स्क्रीम नं. 60, एस. एस. वाघ मार्ग, नायगाम, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र. सं. आई-1/37-ईई/4241/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
माहिर :

प्रमुख आई. टी. एन. एन.

1. इंकनिंक असोसिएट्स।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. वेंकटेश्वर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,

बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4140-ए/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारों को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. गाला नं. 328, जो 3री मंजिल, कालियन-  
दास उद्योग-भवन, प्लॉट नं. 1082, सेन्चुरी बाजार के पास  
वरली, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (यह इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी बचत या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अर्थात्-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, रिफाई में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

63-166GI/85

अनुसूची

गाला नं. 328, जो 3री मंजिल, कालियनदास उद्योग  
भवन, प्लॉट नं. 1082, सेन्चुरी बाजार के पास, वरली,  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/3882/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,

बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4164/84-85--

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 4 फ्लेट्स, प्रिय दर्शिनी महिला को-आप.  
हाउसिंग सोसाइटी लि., में भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-  
14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच बड़े अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) दृश्यमान से कुछ किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कटू होने के अन्तरक के कथित  
में कमी करने या उसके बचने में दृष्टि के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य भास्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, दृष्टि के लिए  
दृष्टि के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) मेसर्स शिव इन्टरप्रायजेस और  
(2) मेसर्स स्टिलको इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

2. (1) डा. जयंत बालाजी आठवले,  
(2) डा. कृष्ण आठवले,  
(3) डा. ज. बी. आठवले  
(एच. यू. एफ.) और  
(4) मेसर्स साम्मोहन उपचार केंद्र।

(अन्तरिणी)

4. प्रिय दर्शिनी महिला को-आपरेटिव हाउसिंग  
सोसाइटी लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अभोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के दृश्यमान में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

4 फ्लेट्स प्रिय दर्शिनी महिला को-आप. हाउसिंग सोसाइटी  
लि. में, जो भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/3909/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एड. 1/37-ईई/3163/84-85---

1. श्री धिरजलाल रतिलाल ग्वालिया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/3163/84-85---

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 702, जो विजय चेम्बर्स प्रिमायसेस को-आप. सोसाइटी, त्रिभुवन रोड, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यह प्रतिपाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के श्रयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या कि या किना जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) श्री प्रफुल्लकुमार पोपटलाल शहा,
- (2) श्रीमती दमयंतीबेन प्रफुल्लकुमार शहा;
- (3) श्रीमती कमलाबेन पोपटलाल शहा,
- (4) श्रीमती गोटाबेन चंवलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 702, जो विजय चेम्बर्स प्रिमायसेस को-आप. सोसाइटी, त्रिभुवन रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/3843/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,

बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहुर

प्रारूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4215/84-85--

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 9, जो 3री मंजिल, पिस हवेंन,  
प्लॉट नं. 117, सायन (पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय-बाका नया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवर्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. (1) श्रीमती रोस परंरा,  
(2) श्रीमती पेसी परंरा और  
(3) श्रीमती रेक्सी परंरा।

(अन्तरक)

2. मंसर्स फ़्लिय सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
मिलित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 9, जो 3री मंजिल, पिस हवेंन, प्लॉट नं. 117,  
सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जमा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/4117/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
सोहर :

## प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश नं. अई-1/37-ईई/4173/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ, जो भवानी  
शंकर रोड, दादर, सी. एस. नं. 1/1421, बम्बई में स्थित है,  
है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में आने वाले संपत्ति है),  
और जिसका जमागत आर्जन अधिनियम, 1961 की धारा  
269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-10-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है

और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
वृद्धि से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रजाजनक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित प्रकार का, अधोत्तः—

1. (1) श्री ग़ुलाम नबी शेख और  
(2) श्रीमती अमिता जी. एन. शेख।  
(अन्तरक)
- (2) (1) श्री यूसुफ एच. मोमोनियात,  
(2) श्रीमती खातिशा वाय. मोमोनियात और  
(3) श्री नरिम्म वाय. मोमोनियात।  
(अन्तरिती)
3. (1) श्री के. आर. झारापकर और  
श्री वसंत झारापकर,  
(2) श्री आर. जी. सालीग्रामे,  
(3) श्री सी. वाय. कोडर,  
(4) श्री ए. एस. गुप्ते,  
(5) श्री वसंत के. झारापकर,  
(6) श्री एम. ए. खानोलकर,  
(7) श्री कव. वाय. शिरहट्टी,  
(8) श्री बाबूलाल रंगा धोबी,  
(9) मेमर्स गजानंद लाईम डिपॉ और  
(10) श्री ब्यालान एम. भावसार।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ, जो भवानी शंकर रोड,  
दादर, सी. एस. नं. 1/1421, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/3902/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रजि-1,

बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

**इसका नाम डी. एन. एच.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**

**धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4152/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विषय  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आफिस नं. 5, जो 3री मंजिल, एम्बेसी  
सेन्टर प्रिमायसेस को-ऑपरेटिव्ह सोसाइटी लि., नरीमन पॉइन्ट,  
बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 10-10-1984

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसकी ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तःक (अन्तरकों) और अन्त-  
रितो (अन्तरितियों) का बोध ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी बात की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शशिकांत डी. भोमावत।

(अन्तरक)

2. मेसेर्स गणपति होल्डींग अण्ड ट्रेडिंग (प्रायवेट) लि.।  
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन में निम्न  
कार्यवाहियां करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस नं. 5, जो 3री मंजिल, एम्बेसी सेन्टर प्रिमायसेस  
को-ऑपरेटिव्ह सोसाइटी लि., नरीमन पॉइन्ट, बम्बई-21 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं., अई-1/37-ईई/3913/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर

सहयक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

(1) मंसर्स बाली इन्टरप्रायसेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अब्दुल लतिफ मोहम्मद नार्सिक।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ई-ई/4114/84-85---अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे,सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य आकार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. फ्लैट नं. 305, जो, पर्ल हार्बर, तुलसीवाड़ी,  
महगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ह के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्मग्राम  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके धर्मग्राम प्रतिफल से परे सक्षम प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित  
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वापस में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किली धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—को यह सूचना जाती करती पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
मिलित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 305, जो पर्ल हार्बर, तुलसीवाड़ी, महगांव,  
बम्बई-10 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-1/37-ई-ई/3871/84  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

सहयक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख 3-3-6-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37ई-ई/4351/84-85---अतः  
मुझे, पी. एन. दत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 31, जो, माउंट यूनिट, को-ऑप.  
फ्लैट नं. 31, माउंट यूनिट, को-ऑप.

हाउसिंग सोसा. लि. 62ए, पेडर रोड, बम्बई-400 026 में  
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1984

को पेश की गई सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति

- (1) 1. श्री अजय गूलाबचंद बदीयानी, और  
2. श्री शैलेश गूलाबचंद बदीयानी।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती सुधा ब्रिहारीलाल मंधाना  
2. श्रीमती निर्मला नारायणदास मंधाना,  
3. श्रीमती प्रेमा पुरुषोत्तमदास मंधाना,  
4. श्रीमती सोनीबाई छगनलाल मंधाना,  
5. श्रीमती जीवनाबाई नंदलाल मंधाना, और  
6. भागिरथीबाई बाबूलाल मंधाना।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 31, जो माउंट यूनिट को-ऑप. हाउसिंग सोसा-  
इटी लि. 62ए, पेडर रोड बम्बई, -26 में स्थित है।

अनुसूची जमाक क्र. सं. आई-1/37ई-ई/4220/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एच.-----

(1) श्रीमती लिला हेमन महतानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अनील वि. पंडित ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37ईई/4178/84-85— अतः  
महोदय, पी. एन. दल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. फ्लैट नं. जी-5, जो, मलबार अपार्टमेंट्स  
को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., बरोडा पैसेज के पास, बम्बई-  
36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधान  
के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधान  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
56—166 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के विश्व  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नम्बर जी-5 जो, मलबार अपार्टमेंट्स को-ऑप  
हाउसिंग सोसाइटी लि., बरोडा पैसेज के पास, बम्बई-  
36 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-1/37-ईई/4085/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी. एन. दल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रारूप आई टी. एन एच.-----

(1) श्री अजीत कारिनाथ रानडे।

(अन्तरक)

(2) श्री अनील रामचंद्र देसाई।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37ईई/1385/84-85---अतः  
शुद्ध, पी. एन. दबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में प्लॉट नं. 167/डी, जो, ब्लॉक नं. 8/बी,  
पूनावाडी दादर को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. डॉ. अम्बेडकर  
रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उपाबन्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
20-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और यदि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे उधने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रयत्न नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में है, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिख  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 167/डी, जो, ब्लॉक नं. 8/बी,  
पूनावाडी दादर को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., डॉ. अम्बेड-  
कर रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-1/37ईई/4251/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84-  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :



प्रकाशक: टी. एन. एच.

(1) श्री मंधाराम जी कीपलानी कन्स्ट्रिक्ट्यूटड अटर्नी आफ श्री हिरो एम्. कीपलानी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आंगिंदर सिंह ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 3 जून 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4344/84-85—अतः

मूसे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 20, जो भंडस कोर्ट, 1ला पास्ता लैन, कूलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-10-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरण विहित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछनीयता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी भी बात का बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

अनुसूची

फ्लैट नं. 20, जो भंडस कोर्ट 1ला पास्ता लैन, कूलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-1/37-ईई/4212/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) इसी किसी बात या किसी वचन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, जिसमें से सुविधा के लिए;

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/360/84-85—अतः  
मूसे, पी. एन. एच.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेक करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 17, जो, 3री मंजिल, इमारत नं.  
2 नव बर्यामहल को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 80, नैपि-  
यने सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
26-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवेक  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का  
वस्तु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस  
बाब गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
निश्चित में वास्तविक रूप से जीवित नहीं किया गया है—

(क) व्यवधान से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में  
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी भू या अन्य वास्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भू कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए था जिनमें से सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) श्री शांतीलाल मोहनलाल शहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सूरबाला उर्फ स्थिता नलिन बलमाला।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्रवाईयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्ताभरी के बाब  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 17, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 2, नव  
बर्यामहल को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 80, नैपियन सी  
रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-1/37-ईई/3926/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. एच.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर

प्रकाशक: टी. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4380/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. वृद्धे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अवसर है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. गोंडाउन नं. 2, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, बडगावी  
आझाद चौक को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. इमारत, वि.  
वि. चंदन स्ट्रीट, बम्बई-3 है तथा जो बम्बई-3 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984  
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
ह्रास में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ संसिद्धि द्वारा प्रकाश नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स यूनायटेड कार्पोरेशन।  
(अन्तरक)
2. मेसर्स साधना ट्रान्सपोर्ट कम्पनी।  
(अन्तरिती)
3. अन्तरितीयों।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

गोंडाउन नं. 2, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, बडगावी आझाद चौक  
को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. इमारत, वि. वि. चंदन  
स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/4247/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. वृद्धे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. रसेस विद्युत लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री सत्यविजय ट्रांसपोर्ट कम्पनी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. डई-1/37-ईई/4307/84-85--

आ: मूझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. यूनिट नं. 2, जो 1ली मंजिल, विद्युत हमारत, एफ. पी. नं. 12, नरसी नाथा स्ट्रीट, मांडवी, टी. पी. एस. 1, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में छविभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 2, जो 1ली मंजिल, विद्युत हमारत, एफ. पी. नं. 12, नरसी नाथा स्ट्रीट, मांडवी, टी. पी. एस. नं. 1, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. डई-1/37-ईई/4186/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रमुख भाई. टी. एन. एम. -----

(1) श्री युसूफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री छिबलदास बाबाभाई पटेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4287/84-85.— अतः  
मूझे, पी. एन. दुबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिमका उच्चिन्त बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

फ्लैट नं. 2 और 2ए, जो 16वीं मंजिल, टावर इमारत,  
पटेल अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता, बरली, बम्बई-18  
है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-  
लय में रजिस्ट्री है  
तारीख 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाधा गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी बाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 1 अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2 और 2ए, जो, 16वीं मंजिल, टावर इमारत,  
पटेल अपार्टमेंट्स, और पटेल और गुप्ता, बरली, बम्बई-18  
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37ईई/4178/84-85  
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
पंक्षर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4289/84-85.—अतः

मूझे, पी. एन. दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.  
फ्लैट नं. 2ए, जो, 21 वीं मंजिल, टावर इमारत पटेल  
अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. शेर रोड  
बम्बई-18 है

तथा जो बम्बई-18 में स्थित है

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-  
लय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरस की गई है और  
मूझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री युसूफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री बाधानी कानजीभाई शामजीभाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2ए, जो, 21 वीं मंजिल, टावर इमारत, पटेल  
अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. शेर रोड,  
बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं. अई-1/37ईई/4175/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रमाण अधिनियम, 1961

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई  
बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4466/84-85-अतः

मुझे, पी. एन. दत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'लक्ष्य अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विद्वत् करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका मालिकाना हक मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. आफिस प्रिमाइसेस सं. 229, जो 2री मंजिल, पंचरत्न, क्वीन्स रोड, रांक्नी सिनेमा के पास, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है

(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ब के अधीन बम्बई स्थित सहायक प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-84

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सचेत यह विस्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य संपत्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना संदिग्ध था, जिससे अंतरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित संपत्तियों, अर्जन

65—166 GI/85

(1) मंगर्स को. हिरालाल एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री ए. आर. सेगू अल्लाउद्दीन और ए. मोहम्मद इब्राहिम।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(यह सूचना, जिसके अधिभागों में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में संक्षेप होगी, के भीतर पूर्वोक्त संपत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त अर्द्धों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमाइसेस सं. 229, जो 2री मंजिल, पंचरत्न, क्वीन्स रोड, रांक्नी सिनेमा के पास, बम्बई-4 में स्थित है। अनुसूची जैविक क. सं. अई-1/37ईई/4326/84-85 और जो सहायक प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दत्त  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

(1) मंसर्स सुजीत जेम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मंसर्स रमेशचंद्र चंदूलाल एण्ड ब्रांस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अर्ड-1/37-ईई/4195/84-85.--- अतः मुझे, पी. एन. दबे आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. आफिस प्रिमायसेंस नं. 806, जो 8वीं मंजिल, पारखे मार्केट, 3, केनेडी ब्रीज, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 10-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आशङ्कित था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

आफिस प्रिमायसेंस नं. 806, जो, 8वीं मंजिल, पारखे मार्केट, 39, केनेडी ब्रीज बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अर्ड-1/37-ईई/4097/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

माहुर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4284/84-85. — अतः मुझे, पी. एन. दूबे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

प्लेट नं. 4, जो, 3री मंजिल, इमारत 7वीं, पटेल अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क रु के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

तारीख 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से इस दृश्यमान प्रतिफल के समूह प्रतिफल से अधिक है और बंदरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 [1922 का 11] या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, किया जाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री. यूसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा चंद्रशेन भवेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 4, जो, 3री मंजिल, इमारत 7वीं, पटेल अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जेसाकि कः सं. अई-1/37ईई/4181/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4355/84-85.— अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

फ्लैट नं. 203, जो, इमारत "वाल्सेस अपार्टमेंट्स 2",  
जंक्शन आफ तुकाराम मार्ग स्लेटर रोड, ग्रांट रोड, बम्बई है  
तथा जो बम्बई में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई में सक्षम प्राधिकारी के कार्या-  
लय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 15-10-84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण का एक और उक्त यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथार्थपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरणीय  
(अन्तरणीय) के बीच होने अन्तरण के लिए उक्त उक्त  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी कमी से, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण का  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में प्रविष्ट  
की सं. अई-1/37-ईई/4355/84-85

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरणीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या प्रकट  
जाना चाहिए था, स्थान में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सेसर्स वालसेस प्रापर्टी डेवेलोपमेंट।

(अन्तरक)

(2) श्री वीरेंद्र विजयभाई हरीमक्ती।

(अन्तरिती)

और यह सम्पत्ति धारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
प्रयुक्त है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
पुनरावृत्ति की सम्पत्ति में 30 दिनों की अवधि, जो भी  
प्रतिवाद में समायोज्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के मूल्य में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
समक्ष अन्तरण में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 203, जो, इमारत "वाल्सेस अपार्टमेंट्स 2",  
जंक्शन आफ तुकाराम जीवाजी मार्ग और स्लेटर रोड, ग्रांट रोड,  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची संसाधन क्र. सं. अई-1/37-ईई/4224/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

नाहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4273/84-85.--- अतः  
मुझे, पी. एन. दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचल दावा नं.  
100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

जमीन का हिस्सा, गोंडाउन के साथ, ज. बंदरगाह न्यू नं.  
16666, न्यू सर्वे सं. 2बी/9464, सी. डिवीजन क्लावा,  
3री पास्ता लेन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है  
तथा जो बम्बई में रजिस्ट्री है

(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका पंजीकरण अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी को कार्या-  
लय बम्बई में रजिस्ट्री है  
तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के संबंध में उक्त दावा नं. के अन्तर्गत  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और उक्त दावा विश्वास  
करने का कारण है कि उक्त दावा नं. के अन्तर्गत उक्त  
भूख, उसका इसका प्रतिफल सं. एवं उक्त दावा नं. के अन्तर्गत  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-  
रिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
है कि उक्त दावा नं. के अन्तर्गत उक्त दावा नं. के अन्तर्गत  
आवृत्ति रूप से अंतरक नही किया गया है।

(क) अंतरण स हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधिनियम के अन्तर्गत उक्त दावा नं. के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना अपेक्षा था अथवा अंतरक के  
अन्तर्गत उक्त दावा नं. के अन्तर्गत

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अधिनियम :---

(1) श्री हरदेव विभद्र भंसाली।

(अन्तरक)

(2) 1. डा. अब्दुल सौफ सुलेमान सुमर,  
2. गुप्ता इमरल्ड साइन्स  
प्राइवेट लि., गुप्ता डेट हलॉपमोट  
प्राइवेट लि. और एम. गुप्ता (पार्टनर ऑफ  
एस. गुप्ता एण्ड कंपनी।

3. श्रीमती विमला बी. बेरी  
और श्रीमती रत्ती गद्योक,  
4. तारा अलमल गंगानी,  
5. डा. मेहेर मिनोचर देसाई,

(अन्तरक)

6. श्रीमती सुंदरी प्रियमदास जगतीयानी और  
जगतीयानी प्रियमदास जगतीयानी  
7. प्रियमदास जगतीयानी भंसाली  
और जगतीयानी प्रियमदास जगतीयानी भंसाली,  
8. श्रीमती भवेरवेन पेलवी रुहा,  
9. वसुदेव चेलाराम, एच.यू.एफ.  
और चेलाराम विरूमल, एच.यू.एफ.  
श्रीमती रुक्मिणी एस. जगतीयानी,  
10. श्रीमती सुजरा एच. मन्सूरी,  
श्री ए. मन्सूरी और  
श्री रोशन एच. मन्सूरी,  
11. एस. आय. भंसाली,  
श्रीमती डी. एम. भंसाली  
12. श्रीमती क्यू. अलीम अख्तर  
और अलीम अख्तर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति का अर्जन के निम्न  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, गोंडाउन के साथ, ज. बंदरगाह न्यू नं.  
16666, न्यू सर्वे सं. 2बी/9464, सी. डिवीजन क्लावा,  
3री पास्ता लेन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क. सं. अई-1/37ईई/4174/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दुबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मांहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37ईई/4206/84-85.--- अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके दृष्टात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.  
प्लॉट नं. 10, जो, 1ली मंजिल, "चंद्रविला", प्लॉट नं.  
218, आर. ए. किडवाई रोड, वडाला, बम्बई-31 है

तथा जो बम्बई-31 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-  
लय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 10-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपाबद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरको) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फुलचंद पुंजाभाई गहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कञ्जिनाबा पुंखराज बाम्ब।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) को-आपरटिव्ह सोसाइटी।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 10, जो, 1ली मंजिल, "चंद्रविला" प्लॉट नं.  
218, आर. ए. किडवाई रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि सं. आई-1/37ईई/4108/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4216/84-85.— अतः मुझे, पी. एन. दवे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

दुकान ग्राउंड फ्लोअर पर, जो प्लॉट नं. 117, आफ सायन-माटुंगा (पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान त्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान त्रिफल से, और दृश्यमान त्रिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच के अन्तर के लिए उक्त पाया गया त्रिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आय के अन्तरण को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साक्ष्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) 1. श्रीमती रोभ परेरा,  
2. पेसी परेरा और  
3. रेक्सी परेरा।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स शिव सागर।

(अन्तरिती)

- (3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान ग्राउंड फ्लोअर पर, जो, प्लॉट नं. 117, जिस हवेने, रूपम सिनेमा के सामने, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-1/37ईई/4118/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दवे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
माहुर :-

प्रत्येक आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4232/84-85.— अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन उक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका लीज बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.  
प्लॉट नं. 2ए, जो सुपारीबाग इस्टेट, परले, बम्बई-12  
है तथा जो बम्बई-12 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-  
लय बम्बई में रजिस्ट्री है  
तारीख 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति में रजिस्टर बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
छद्मदश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
गई किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दृष्टिकोण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) आर. भाग्यश्री।

(अन्तरक)

(2) 1. भांताभाद एवेरदयाल अमरवाल, 2. चेतन  
रमेशदयाल अमरवाल, और 3. सुभाष रमेशदर-  
दयाल अमरवाल।

(अन्तरिणी)

(3) भादूत।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या गण्यमान्यी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने छे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 2ए, जो सुपारीबाग इस्टेट परले, बम्बई-12  
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/4134/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आवण 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन मूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4349/84-85—अतः  
मझे, पी. एन. दूवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

फ्लैट नं. 7, जो, 2 मरी मंजिल, शिला अपार्टमेंट, महालक्ष्मी  
टेम्पल रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या कि या जाना चाहिए था, विधान में  
सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
66—166 GI/85

1. श्री वेदप्रकाश ताराचंद रोचवानी और  
श्रीमती मिना वेदप्रकाश रोचवानी ।

(अन्तरक)

2. 1. रामप्रकाश श्री किशन धवन,  
2. श्री ओमप्रकाश श्री किशन धवन,  
3. श्री विपन श्री किशन धवन,  
4. श्री अनील श्री किशन धवन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर एवम्कि  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होता जो वह अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 7, जो, 2री मंजिल, शिला अपार्टमेंट, महा-  
लक्ष्मी टेम्पल रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जमाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4218/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी. एन. दूवे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख . 3-6-1985

सोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4359/84-85.---अतः

मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 3-वी आर, जो 22वी मंजिल, माउंट ब्लांक अपार्टमेंट, दादी शेट हिल, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विषय में कमी करने या उससे घटाने में बाधना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाधना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. माउंट ब्लांक प्रापटीज एण्ड इन्व्स्टीज प्राइवेट लि.।  
(अन्तरक)

2. श्री वाल्टर एन. ए. तन्हारथ और श्रीमती. मावीस तन्हारथ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 3-वी आर, जो, 22 वी मंजिल, माउंट ब्लांक अपार्टमेंट, दादी शेट हिल, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र. सं. आई-1/37-ईई/4230/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख 3-6-1985  
साँहर



प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4211/84-85. --अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 51 जो, 5वीं मंजिल विनस अपार्ट-  
मेंट्स, अल्तामाउंट रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 15-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधिनियम  
में, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. मनसूखानी मोहन जगतराय और श्रीमती रत्निली मोहन  
मनसूखानी ।

(अन्तरक)

2. 1. मिहोर मधुकर चिनाई और  
2. श्रीमती लोपा मिहोर चिनाई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 51, जो 5वीं मंजिल, विनस अपार्टमेंट्स,  
अल्तामाउंट रोड, बम्बई 26 में स्थित है ।

अनुसूची जमाकी क्र. सं. अई-1/37ईई/4113/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री यूसूफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अंजली माणिक ।

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4185/84-85.---

अतः सूचो, पी. एन. दत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

फ्लैट नं. 3, जो 9वीं मंजिल इमारत नं. टावर, पटेल अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इसकी उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा के अन्तर्गत बम्बई स्थित सश्रम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 3, जो 9वीं मंजिल, इमारत नं. टावर, पटेल अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4088/84-85 और जो सश्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 10-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दत्त

सश्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

संहरा :

रक्षण आइ.टी.एन.एस-----

(1) श्री वि. के. जैन और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) कमलधारा हाउसिंग डेवेलोपमेंट फायनान्स कंपनी  
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, बम्बई

तम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4370/84-85.---

अतः मू. पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

आफीस सं. 1518, जो, 15वीं मंजिल, मेकर चेम्बर-5 परी-  
मन पाइंट, बम्बई-29 है तथा जो बम्बई-29 में स्थित है  
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मू. यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
निक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के बिना  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन को रोकने के लिए भी आक्षेप :---

(क) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में बिना वा सक्षम।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, किन्तु में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मू., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

आफीस सं. 1518, जो, 15वीं मंजिल, मेकर चेम्बर-5  
परीमन पाइंट, बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-1/37-ईई/4238/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रजि-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रास्ताविक आर्.टी.एन.एस. ....

(1) रूप नारायण चंदूलाल काबरा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) सुहासिनी सुरेश सालूखे ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4202/84-85.---

जो. 697 पी. एन. दूबं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

फ्लैट नं. 697, जो इमारत नं. 34, आदर्श श्रमिक को-ऑप. हासिंग सोसाइटी, आदर्श नगर, प्रभादेवी बम्बई-25 है तथा में रजिस्ट्री है । तारीख 10-10-1984

(अर्थात् पूर्ण उपवृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है । तारीख 10-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक आयुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्क प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आम की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वास्तविकों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 697 जो, इमारत नं. 34, आदर्श श्रमिक को-ऑप. हासिंग सोसाइटी, आदर्श नगर, प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/4105/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी. एन. दूबं

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज-1, बम्बई

तारीख : 14-6-1985  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. . . . .

(1) श्रीमती ह.राबेन बिपिनचंद्र पारख ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

(2) श्री तनाहरभाई मनसुखलाल अयेरी ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं. 802, जो 8 वीं मंजिल, आटो कामर्स प्रिगायसेस को-ऑप. सोसायटी लि., 602, आटो कामर्स हाउस, ज्योती स्टुडियो के सामने, केनेडी ब्रीज के पास, नाना चौक बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र. सं. आई-1/37ईई/3844/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दुर्गे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्राक्का आर्डर, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आर्डर-1/37-ईई/4412/84-85 अतः सूचे, पी. एन. दूबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी में गाला (स्ट्रक्चर), जमीन के साथ कम्भारवाडा, कस्तूरचंद मिल्ल कम्पाउंड, बेअरिंग सी. एस. नं. 1390 और 1/1392, कोअर परेल डिविजन, सेनापती बापट मार्ग, एफ. पी. नं. 488, 489 और 488ए (अंश) दादर (प) बम्बई-28 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 20-10-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तावित की गई है और सूचे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अधिकतम नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरक में हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उक्त बचने में सूचना के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों के, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राधान्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या क्रमानुसार में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, सूचे उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन है :—

(1) मेसर्स असुर विल्डर्स एण्ड डेवेलोपमेंट्स प्राइवेट लि.

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बलसाग हायजिन प्राइवेट लि.

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में सूचे भी बावजूद

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला (स्ट्रक्चर) जमीन के साथ, जो, कम्भारवाडा, कस्तूरचंद मिल्ल कम्पाउंड, बेअरिंग सी. एस. नं. 1390 और 1/1392 आफ कोअर परेल डिविजन सेनापती बापट मार्ग एफ. पी. नं. 488, 489 और 488ए (अंश), दादर (प), बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आर्डर-1/37-ईई/4282/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4391/84-85--अतः  
मुझे, पी. एन. दबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. इ-20, जो, 5वीं मंजिल, विनस  
हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 48-इ, वरली हिल इस्टेट,  
वरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-84  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम है। व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरज) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विहित के  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक से कमी करने या उससे कमने में सक्षम  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया गया वास्तविक धन, विधान से संपत्ति  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--  
67-166 GI/85

(1) श्रीमती निलू मोतीलाल गुरुमहानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री हुसैनी युसुफअली मुन्शी और  
श्रीमती मेहफूजा हुसैनी मुन्शी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो 30  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किए-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधिस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. इ-20, जो, 5 वीं मंजिल, विनस हाउसिंग  
सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 48-इ, वरली हिल इस्टेट, वरली,  
बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-1/37-ईई/4256/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4318/84-85—अस: मुम्बे,  
पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आफिस प्रिमायसेस नं. 9, जो 2री मंजिल,  
नवरत्न इमारत, पी. डी. मेनो रोड, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-  
9 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269 क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुम्बे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सविधा के लिए;

इत. अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

सर्वश्री

- (1) 1. मनसुखलाल हरजीवन,  
2. हर्षद मनसुखलाल,  
3. प्रिकांत मनसुखलाल,  
4. मुकेश मनसुखलाल,  
5. गौतम मूलजीभाई,  
6. शांताबेन हिमलाल,  
7. नानालाल हरजीवन,  
8. हितेश नानालाल, और  
9. पियुष नानालाल

(अन्तरक)

- (2) 1. नानालाल हरजीवन,  
2. हितेश नानालाल, और  
3. पियुष नानालाल ।

(अन्तरिती)

- (3) मेसर्स संधवी बुदर्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं. 9, जो, 2री मंजिल, नवरत्न इमारत  
पी. डी. मेनो रोड, बम्बई-9 में स्थित है ।  
अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-1/37-ईई/4194/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
माहुर :



प्राकृत आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4358/84-85—अतः

मूके, पी, एन. दवे,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आफिस नं. 113, जो, 13वीं मंजिल, मित्तल  
टावर, 'बी' विंग, प्लॉट नं. 210, ब्लॉक 3, बकवें रिक्लेमेशन  
नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपा-  
वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती शशि रूपचंद महतानी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स चतुर्वेदी एसके एण्ड फैलोस, पार्टनर्स :

1. श्री श्रीकांत चतुर्वेदी और
2. श्री दीनानाथ चतुर्वेदी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

आफिस नं. 113, जो 13वीं मंजिल, मित्तल टावर  
'बी' विंग, प्लॉट नं. 210, ब्लॉक 3, बकवें रिक्लेमेशन, नरी-  
मन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है ।

पी. एन. दवे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

माहूर :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निरिक्षण सं. अई-1/37ईई/4395/84-85--- यतः मूझे,  
पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी में प्रापटी इमारत के साथ, जो, चंद्र महल और  
स्टूवर, प्लॉट नं. 157, नायगाम इस्टेट, बी.एम.सी. स्कौम  
नं. 60 (अंश) न्यू एस. नं. 2057 और सी. एस. नं. 785,  
दादर नायगाम डिविजन और एक (साउथ), बम्बई में स्थित है  
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-84  
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरांतरिती) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) 1. अब्दुल कादर हाजी सिद्दीक  
2. अब्दुल्ला हाजी सिद्दीक,  
3. अब्दुल रभाक हाजी अहमद,  
4. भुवदाबाई हाजी अहमद अब्दुल्ला हाजी सिद्दीक  
(अन्तरक)

- (2) नितीन भवानजी देढीया ।

(अन्तरिती)

- (3) भाडूत ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

- (4) अंतरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सका ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रापटी इमारत के साथ, जो, चंद्र महल और  
स्टूवर, प्लॉट नं. 157, नायगाम इस्टेट ऑफ बी. एम. सी.  
स्कौम, नं. 60 (अंश) न्यू एस. नं. 2055 और सी. एस. नं.  
785, दादर नायगाम डिविजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37ईई/4260/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-137-ईई/4283/84-85--यतः मूझे, पी. एन. दूबे, सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्रकाशित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और प्लेट सं. एलेट सं. 2, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 7वीं, फ्लैट अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क से अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-10-84

का पूर्वाह्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्याले प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं. हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व या कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री यूसुफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती सबीहा सलिम कपाडिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उसके भीतर की अवधि पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित कुछ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट सं. 2, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 7वीं, फ्लैट अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची में कि क्र. नं. अई-1/37ईई/4180/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को रजिस्ट्री किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

(2) भारतीबेन मनसुखभाईसुखरवाला।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37ईई/4285/84-85—अतः मुझे पी. एन. दूबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2ए, जो 17वीं मंजिल, टावर इमारत, पटेल अपार्टमेंट्स और पटेल गृप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 15-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) बन्तरण से हुई किसी धाय की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी क्रय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

फ्लैट नं. 2ए, जो 17वीं मंजिल, टावर इमारत, पटेल अपार्टमेंट्स और पटेल और गृप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र. सं. आई-1/37ईई/4182/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को रोजस्टड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री युसूफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जीवनराजभाई भिमजीभाई पटेल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4286/84-85—यतः मुझे,  
पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, जो, 17वीं मंजिल, टावर  
हमारत, पटेल अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी.  
खेर रोड, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गन्तव्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्त में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

फ्लैट नं. 2, जो, 17वीं मंजिल, टावर हमारत, पटेल  
अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड,  
बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37ईई/4183/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1985  
माहुर :

प्राक्प आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मुसूफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कांशी गोविंद पंजाबी ।

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अर्-1/37-ईई/4290/84-85.---अतः मुझे, पी. एन. दवे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लेट नं. 3, जे. 5वीं मंजिल, हमारत 7-वीं फ्लेट अपार्टमेंट्स और फ्लैट और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है और जिसका सार्वजनिक अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-10-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लेट नं. 3, जे 5 वी मंजिल, हमारत 7 वी, पटेल अपार्ट-मेंट्स और फ्लैट और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अर्-1/37-ईई/3787/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दवे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

अर्थ: श्री. एन. एम्.-----

(1) श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) मास्टर मनिष गोविंद पंजाबी।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिभाषित के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के विषय में आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, 1922 में उक्त अधिनियम प्रकाशित नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

फ्लैट नं. 4, जो 5वीं मंजिल, इमारत 7-वीं, पटेल अपार्टमेंट्स और पटेल और गुप्ता, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37ईई/3988/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के अंतर्गत उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिनियम, 1922 में उक्त अधिनियम प्रकाशित नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

68-166GI/85

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

पी. एन. दवे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज-1, बम्बई

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4121/84-85.—अतः मुझे, पी. एन. दूबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 701, जो जमुना सागर इमारत, कुलाबा बस डिपो के पास, शहीद भगत सिंह रोड, कुलाबा, बम्बई-5 है तथा जो बम्बई-5 में स्थित है।

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा क ह के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाका बचा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तर अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुरुषोत्तम  
सी. बृधरानी और  
श्रीमती रुक्मणी  
सी. बृधरानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निलस सी. प्रकाश और  
श्री चन्द्रा के. प्रकाश।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों  
(वह व्यक्ति जिससे अधिभाग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि सब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपाहृतवादी के एक लिखित में किए या कथित।

सम्बन्धित :—इसमें प्रवक्त इसमें और वहां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 701, जो जमुना सागर इमारत, कुलाबा बस डिपो के पास, शहीद भगत सिंह रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/3877/84- और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84 को रजिस्ट्रि किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख 3-6-1985  
मांहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मोहन दस्तावेज नाडकणी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/4166/84-85.—अतः

मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.

फ्लैट नं. 4/124, जो ग्राउंड फ्लोअर, दि वरली अम्बेडकर नगर

को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., अम्बेडकर नगर, वरली,

बम्बई-18 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269

क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में

रजिस्ट्री है तारीख 10-10-84

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का

निम्न प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-

नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में

कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों

को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या

अधिनियम, 1957 (1957 का 27)

के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया

गया था या किया जाता जा रहा था, छिपाने में

सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं. 4/124, जो, ग्राउंड फ्लोअर, दि वरली अम्बेडकर नगर को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., अम्बेडकर नगर, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ. सं. आई-1/37-ईई/3910/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1., बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/3331/84-85.— अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.

यूनिट नं. 307, जो, 3री मंजिल, 8, नायगाम फ़ास रोड, वडाला बम्बई-31.

तथा जो बम्बई-31 में स्थित है

(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19-7-84

का प्वाबल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) वही किसी वाय या किसी वन या अन्य जातिस्थ के, बिन्दु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किमा जाना चाहिए या, किमान में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

(1) श्री मायाराम वि. बूलचंदानी ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रिन्ट पाल्स ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों के इस सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्वाकस्वी के पास लिखित में किए जा सकते हैं ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 307 जो, 3री मंजिल, 8, नायगाम फ़ास रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/ड-112/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1., बम्बई

तारीख 3-6-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) भानूप्रसाद शहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1., बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/3161/84-85.— अतः  
मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.

फ्लैट सं. 9/डी, जो, मलबार अपार्टमेंट को-ऑप. हाउसिंग  
सोसाइटी लि., मलबार अपार्टमेंट्स, सी. एस. नं. 442,  
नैपियन सी रोड, एल. जे. मार्ग, शिमला हाउस के सामने बरोडा  
पैलेस, बम्बई-36.

तथा जो बम्बई-36 में स्थित है

(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 19-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिक्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) हेमंतकुमार नारायण भोटीका और  
तुषार नारायण भोटीका

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्याप्तता पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 9/डी, जो, मलबार अपार्टमेंट को-ऑप. हाउसिंग  
सोसाइटी (मलबार अपार्टमेंट्स), सी.एस. नं. 442, नैपियन  
सी रोड एल. जे. मार्ग, शिमला हाउस के सामने, बरोडा  
पैलेस, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/3842/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1., बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्राप्ति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निवेदन सं. आई-1/37-ईई/4187/84-85.--- अतः  
मुझे, पी. एन. बूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.  
प्रापटी, इन्द्र निवास, 44, फॉर्जेट स्ट्रीट, न्यू सर्वे नं. 1/7066  
और सी. एस. नं. 10/644, मलबार और खंबाला हिल डिवि-  
जन, बम्बई-7.

तथा जो बम्बई में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
269 ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 10-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बंशी बास जी. बंटे ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर. एम. के. जुमानी,  
2. रफीया एम. आय. जुमानी, और  
3. उमर एम. के. जुमानी।

(अन्तरिती)

(3) 1. सी. ज. पारीख  
2. एन. जे. विरजी,  
3. निनु डी. कपाडिया  
4. वि. टी. होनावर,  
5. शामजी बिरजी,  
6. शरमल सुखराज,  
7. के. जे. शेट्टी, और  
8. अकामोडेशन कंट्रोलर, सबीभाडूत ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)  
(4) श्री पी. वि. एस. बिडोज प्राइवेट लिमिटेड।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किई जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

प्रापटी, "इन्द्र निवास", 44, फॉर्जेट, न्यू एस. नं. 1/  
7066 और सी. सर्वे नं. 10/644, मलबार हिल खंबाला हिल  
डिवाजन, बम्बई-7 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-1/37-ईई/4089/84-85,  
और जो प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी. एन. बूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रजि-1, बम्बई

तारीख 3-6-1985  
मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एम.

(1) विजय शंकर नाइकणी।

(अन्तरक)

(2) आसॉसिएटेड पालीमर्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) श्रादीर-सोवील डंकन लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/3397/84-85.— अतः

मझे, पी. एन. दत्त,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.

फ्लैट नं. 20, जो, 3री मंजिल, 'भावेश्वर' इमारत, वरली भावेश्वर को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. 148-बी, डा. अनी बेभोट रोड, वरली, बम्बई-18 है

तथा जो बम्बई-18 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 19-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थवस्तु सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण के लिए किसी नाम की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वास्तव में कपी करने या उसके करने में सहायता के लिए; और/या

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अर्थवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया था कि या, विषय में सहायक के लिए।

उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की, अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समभी व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाद्रस्ताधरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 20, जो, 3री मंजिल, इमारत 'भावेश्वर', वरली भावेश्वर को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 148-बी, डा. अनी बेभोट रोड, वरली बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जमाक फ. सं. अई-1/37ईई/3918/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख 3-6-1985  
मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रंज बंबई

बम्बई दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37ईई/4151/84-85.—अतः

मझे, पी. एन. दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 11 जो, 2री मंजिल, चंदर निवास, अवर लेडी ऑफ डालर्स को-ओप. हाउसिंग सोसाइटी लि. आन्टाप हिल रोड, वडाला (पूर्व), बम्बई-37

तथा जो बम्बई-37 में स्थित है

और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठग पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सहाय के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपावे में स्वीया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अन्तर्गण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती श्रीलेखा दलपत्तराम जोशी।

(अन्तरक)

(2) श्री मुराब अहमद हाजी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. सी-9 3री मंजिल, डॉलर्स कावुनी अवर लेडी ऑफ डालर्स को-ओप. हाउसिंग सोसाइटी लि., आन्टाप हिल रोड, वडाला (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है।

अनुसूची अर्थात् क्र. सं. अई-1/37ईई/3923/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख 3-6-1985

मोहर :

प्रमाण आर्. ई. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4485/84-85—अतः

मुझे, पी. एन. वुंबे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर इधरेल जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 11 जो, 2री मंजिल, चंदर निवास,  
प्लॉट नं. 186, सायन (पूर्व), बम्बई-22 है

तथा जो बम्बई-22 में स्थित है

(और इसमें उपादध अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित है)

और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 कस के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है।

तारीख 30-10-84

अने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का  
बहुल प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके अन्तर् में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः आध. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

69—166GI/85

(1) श्रीमती सरोज आर. जगसीयानी।

(अन्तरक)

(2) श्री नंद जी. डिंगरानी और श्रीमती शारदा एन.  
डिंगरानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 11, जो, 2री मंजिल, चंदर निवास, प्लॉट नं.  
186, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र. सं. अई-1/37ईई/4350/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. वुंबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख 3-6-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4134/84-85--

अतः मुझे, पी. एन. दत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आफिस यूनिट नं. 9, जो, एम्बेसी सेंटर, 9वीं  
मंजिल, नरीमन पॉइन्ट, बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरक; और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
में दिया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विनोद शर्मा।

(अन्तरक)

2. श्री अनील कुमार भाभारीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस यूनिट नं. 9, जो, 9वीं मंजिल, एम्बेसी सेंटर,  
नरीमन पॉइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-1/37-ईई/3886/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :



रूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स इलेक्ट्रीकल मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सराबीज इन्टरनेशनल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अवधि, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4332/84-85---

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में औद्योगिक यूनिट नं. 209, जो, दूसरी  
मंजिल, वासन उद्योग भवन, आफ सेनापती बापट मार्ग, लोअर  
परले, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है तारीख 10-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब को कारण, उक्त  
अधिनियम के अधीन कड़े होने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कभी करने या उससे बचने के सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या कितनी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नगोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त कवों और पवों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, यही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं. 209, गे, 2री मंजिल, वासन  
उद्योग भवन, आफ सेनापती बापट मार्ग, लोअर परले, बम्बई-  
13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4201/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभागे में संपत्ति है)

सम्बद्ध

को वह प्रथम चारी करके पञ्चम सम्पत्ति को वर्धन को जिस कार्यवाहियों करता है ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्हु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निर्गमलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्त्यिक रूप से कायम नहीं किया गया है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित हो किए जा सकेंगे।

**संक्षेपः—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) जनरल के द्वारा किसी भाषा की राय, उसका प्रतिनिधत्व के माध्यम कर देने के अन्तर्गत के अधिकार में कमी करने का सबसे पहले में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तर्हि स्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में सूविधा के लिए;

अब इस उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, यी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, वर्ष 1954—

**Abstract**

ब्लॉक नं. 501, जो., नैन कृपा प्रिमायसेस को-ऑप. सोसा-  
इटी लि., 118/122, काशी सैयद स्ट्रीट, मांडवी, बम्बई-  
3 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अहं०/37-हं०/4287/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. खन्ने  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एन.

1. श्री यूसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री अरविंद कुमार छबिलदास भवेरी।

(अन्तरिती)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाषाकर अधिनियम

सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रजि-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4288/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 2 और 2ए, जो, 15वीं मंजिल, टावर इमारत, पटेल अपार्टमेंट और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में शामिल होने की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 2 और 2ए, जो, 15वीं मंजिल, टावर इमारत, पटेल अपार्टमेंट और पटेल और गुप्ता टावर, बी. जी. खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4177/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रजि-1,

बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :]

**प्रमुख भाई एन. एन. एन.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रज-1,  
बम्बई**

**बम्बई, दिनांक 3 जून 1985**

**निर्देश सं. अई-1/37ईई/4196/84-85—**

अतः मुझे, पी. एन. बूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
'सक' पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 26, जो, ब्लॉक नं. 9, 2री मंजिल,  
दि श्याम निवास को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 51,  
भूलाभाई वेसाई रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधिपदागत मर्यादा को अतिरिक्त बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
फिर भी प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा बचा  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित है  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित में कमी करने या उक्त करने में बाधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री चेतन धरमराय शिवदासानी और
- (2) श्री प्रेम धरमराय शिवदासानी।

(अन्तरक)

- (2) श्री प्रेम धरमराय शिवदासानी,
- (2) श्रीमती शैला मयूर कोठारी,
- (3) श्री जोरमल जोईताराम कोठारी और
- (4) श्रीमती पूष्पाबेन जोरमल कोठारी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके एकत्रित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाध के समान होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तगत  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाध  
निहित में किए जा सकेंगे।

**समाप्तिकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं. 26, जो, ब्लॉक नं. 9, 2री मंजिल, दि श्याम  
निवास को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 51, भूलाभाई  
वेसाई रोड बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. अई-1/37ईई/4098/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. बूबे  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

अवकाश, टी. एच. एच. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाषा सरकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4383/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में, जमीन बेअरींग प्लॉट नं. 228, दावर माटंगा  
इस्टेट, न्यू सर्वे नं. 902 (अंश) और सी. एस. नं. 194/10,  
माटंगा डिविजन, नूतन विला, सर भालचंद्र रोड, माटंगा,  
बम्बई-19 है तथा जो बम्बई-19 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण के द्वारा किसी आय की वसुली, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
साथत्व में कमी करने या उससे बचने में गतिमान  
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
किया जाना चाहिए या छिपाने में गतिमान के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के नामों पर—

1. श्रीमती रजबाई रामजी बोरा और  
श्री रामजी लाधाभाई बोरा।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीचंद दांजजी दहा और  
श्रीमती जया लक्ष्मीचंद दहा।

(अन्तरिती)

3. भाइयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जानकारी—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितस्वध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन बेअरींग प्लॉट नं. 228, दावर माटंगा इस्टेट, न्यू  
सर्वे नं. 902 (अंश) और सी. एस. नं. 194/10, माटंगा  
डिविजन, "नूतन विला" इमारत सर भालचंद्र रोड, माटंगा  
बम्बई-19 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37ईई/4250/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1,

बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

## प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4378/84-85---

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. फ्लेट नं. 14, जो, आगस्ट क्रांति प्रिमायसेस  
को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., आगस्ट क्रांति मार्ग, गोवा-  
लिया टैंक, बम्बई-36 है तथा जो बम्बई-36 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार-  
त्य में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि गयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री हिंदुलाल पी. शर्मा और अन्य]]

(अन्तरक)

2. डा. किशोर चन्द्र पी. शर्मा और  
श्रीमती निला के. शर्मा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक और परीवार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में पीड़ितवद्द  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संकीर्णकरण:--इसमें प्रयुक्त बच्चों और नदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 14, जो, आगस्ट क्रांति प्रिमायसेस को-आप.  
हाउसिंग सोसाइटी लि., आगस्ट क्रांति मार्ग, गोवालिया टैंक,  
बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4245/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1,

बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

उक्त मर्यादा के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं. 103, जो, 1ली मंजिल, सुगंध पैलेस, प्लॉट नं. 58, स्क्रीम नं. 60, एस. एस. वाघ मार्ग, नायगाम, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/4156/84-85 और जो सभ्यस्य प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा दिनांक 15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(क) कानून से हुई किसी बात की वास्तविकता को  
विचार से वास्तविक कर देने के कारणों से वास्तविक  
करी कराने या उससे बचने के लिये  
कर देना/

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रतिभूति अधिनियम, 1947 (1947 का 6) या प्रत्येक के अन्तर्गत उपरोक्त विधायी कृत्यों द्वारा बनाया जाता लगी है या जिसमें से अधिक ई लिए;

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1,  
बम्बई

क्या ज्ञात है कि जर्मनीयम की मात्रा 260-270 के बराबर  
है, मैं, जिन जर्मनीयम की मात्रा 260 तक ही बढ़ती है।  
के समीप ० परीक्षित व्यक्तियों, वर्धित

70—166GI/85

तारीख : 14-6-1985  
मोहर :

प्रमुख अर्थी टी. एन. एस.

1. श्री वाय. वि. राव.

(अन्तरक)

2. श्रीमती ग्लोरीया और  
श्री अलेक्स एन. फर्नान्डिस।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4270/84-85—  
अतः मुझे, पी. एन. दावे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. फ्लेट नं. 11, जो, 2री मंजिल, लोकमान्य  
नगर, काकासाहेब गाडगील मार्ग, दादर, बम्बई-14 है तथा  
जो बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपाब्ध, अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
15-10-1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापारोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से उसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एने अन्वेषण के लिए तय  
बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्यापारोक्त संपत्ति के पास  
निर्देश के लिए आ संपत्ति।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अपारण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था। विधान में सूचना  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लेट नं. 11, जो, 2री मंजिल, लोकमान्य नगर काका-  
साहेब गाडगील मार्ग, दादर, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4172/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दावे  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :



अथवा न्यायिक, सी. एस. एस. द्वारा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4263/84-85--

अतः मुझे, पी. एन. दूबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जमीन के साथ इमारत, ओल्ड सर्वे नं. 437, न्यू सर्वे नं. 5187 और सी. एस. बेंगलिंग नं. 3111 आफ भूलेश्वर डिविजन, सी. पी. टर्निक रोड, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से है किसी नाब की दम्पत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सहाय के लिए; बाड़/बा

(ख) ऐसी किसी नाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये में गुप्तता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री नरबोराम गोकुलदास भंसाली (एच. यू. एफ.) द्वारा कर्ता और मैनेजर, श्री रवीन्द्रन नरबोराम भंसाली। (अन्तरक)
2. श्रीमती सामुबेन चूनीलाल चंदन। (अन्तरित)
3. भाड़ूत। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करण पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के अन्य कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पञ्चक अर्जितगो में म किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिये गये किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन इमारत के साथ, ओल्ड सर्वे नं. 437, न्यू सर्वे नं. 5187 और सी. एस. नं. 3111 आफ भूलेश्वर डिविजन, सी. पी. टर्निक रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/4165/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रजि-1,  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रकरण आइए टी एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1.,

बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4193/84-85--

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, इमारत के साथ, प्लॉट  
नं. 18-ए, वरली इस्टेट, स्क्रीम 52, एस. नं. 1/742,  
वरली डिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास है  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त  
प्रतिफल से अधिक है और इसलिए (अन्तरकों और अन्तरकों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करते या उससे अधिक के दायित्व  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिनमें सहायक आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 1957 का अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के अधिनियम, 1957 का अधिनियम, 1957  
का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती राधिकाई लोकमूल मनसुखानी और  
(2) श्री मोहन लोकमूल मनसुखानी। (अन्तरक)
2. (1) चिकित्सक शाम चौगुले प्रायवेट ट्रस्ट और  
(2) रणजीत शाम चौगुले प्रायवेट ट्रस्ट। (अन्तरित)
3. अन्तरकों और अन्य भाड़ूत।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
अधिक हो सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

यदि इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

अध्याकरणाः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्तुषी

जमीन का हिस्सा, इमारत के साथ, प्लॉट नं. 18-ए, स्क्रीम  
52, वरली इस्टेट, सी. एम. नं. 1/742, वरली डिविजन,  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची के अंतर्गत सं. अई-1/37-ईई/4095/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-  
84 को रजिस्ट्री किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रजि-1.,  
बम्बई

तारीख : 10-6-1985  
सहूर :

प्रत्यक्ष बार्ड, टी. एन. एन. एन. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4438/84-85.—

अतः सूचित, पी. एन. दूबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसका सं. आफिस नं. 205, जो व्यापार भवन 49,  
पी. डी. सेलो रोड, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित  
है (और इससे लगावदार अ.सूची का अंग पूर्ण रूप से परिणित है),  
और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269कह के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान  
प्रतिफल के लिए संग्रहित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है  
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात का शक्य, उक्त  
अधिनियम के अधिनियम और धारा के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करना या उससे बचने में साधन के लिए  
परिणित

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
य किया जाना चाहए या छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स साईनाथ ट्रांसपोर्ट एण्ड शिपिंग कम्पनी ।  
(अन्तरक)
2. श्री सुभाष के. पवार  
(प्रोप्रायटर साईनाथ ट्रांसपोर्ट एण्ड शिपिंग कम्पनी) ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या अन्य किसी  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

### अनुसूची

आफिस नं. 205, जो व्यापार भवन, 49, पी. डी. सेलो  
रोड, बम्बई-9 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-1/37-ईई/4587/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1  
बम्बई

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

प्रथम भाग टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4217/84-85--

अतः सूचे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आफिस प्रिमायसेंस नं. 115, जो 1 ली मंजिल,  
पारसे मार्केट, 39, केनेडी ब्रीज, आपरा हाउस, बम्बई-4  
है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्र है,  
तारीख 15-10-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से भूके किसी काम की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) किसी किसी काम का किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. सौ. सी. के. पारसे ।

(अन्तरक)

2. भूरलीधर इन्दरप्रसाह ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयां ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेंस नं. 115, जो 1 ली मंजिल,  
पारसे मार्केट, 39, केनेडी ब्रीज, आपरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित  
है।

अनुसूची जमा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/4119/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11

बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

1. मेसर्स सिद्धार्थ कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स कमल एण्ड कम्पनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन रोज-1

बम्बई

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/4172/84-85—

अध्या: मूसे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचारण करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1 और 2, जो 9वीं मंजिल, अरीहन्त  
अपार्टमेंट्स, जी. देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित जो बम्बई-  
26 में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त जनसंख्या में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269कघ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसके यह विचारण  
करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त संगठित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लक्ष्य में उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में बाधिका के लिए;  
और/या

फ्लैट नं. 1 और 2, जो 9वीं मंजिल, अरीहन्त अपार्टमेंट्स,  
जी. देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के परामर्शार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट करने के लिए  
या या किया जाना चाहिए था, किन्तु में बाधिका  
के लिए;

अनसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37-ईई/3901/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1  
बम्बई

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अधिनियम  
में, अ. अ. अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 3-6-1985  
मोहर :

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-जी/5136/84-85---

अनु: मुझे, पी. एन. दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में 3री मंजिल और टॉरसे इमारत, 125 नारा-  
यण ध्रुव स्ट्रीट, गी. एम. नं. 683 आफ मांडवी डिबिजन,  
बम्बई-3 है तथा जो बम्बई-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
को कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में दायित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

71-166GI/85

1. (1) श्री शामजीभाई हरजीवन मेहता,  
(2) श्री जेदराज प्रभासास गोरगंडिया,  
(3) श्री शंतीनाथ अनंतगय काठारी,  
ट्रस्टीज आफ बड़ा गणपत हरजीवन,  
सहा बल्लू भाई हरजीवन और  
बहा शामजीभाई हरजीवन ट्रस्ट।

(अन्तरक)

2. श्री किशोरदाम शामजीभाई मेहता।

(अन्तरिती)

3. (1) इन्डस्ट्रियल फिनरन्स एण्ड कॉमिकल कम्पनी  
प्रायवेट लिमिटेड और

- (2) अन्य भाडूत।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4:  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसे  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं. बोम-2154/79 और जो  
उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

पी. एन. दूबे  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1

बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रस्थ भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

आइए सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1

बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-जी/5137/84-85—

अतः मुझे, पी. एन. दबे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 115-117, बोर बिल्डर स्ट्रीट, हुसेनी  
इमारत, (माणिक भवन), एल. आर. ओल्ड नं. 569, न्यू.  
नं. 1/5682, ओल्ड सर्वे नं. 210-211-884, न्यू सर्वे  
नं. 1/8656, सी. एस. नं. 972, फोर्ट डिविजन, बम्बई  
है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 3-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्य में कमी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हुसेनीभाई अब्दुलकावर कयामखानी।

(अन्तरक)

2. श्री इन्दूर हस्तानन्द गुरसहानी।

(अन्तरिती)

3. भाइत।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकि विलेख सं. बाम-1358/8, और जो  
उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

पी. एन. दबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1

बम्बई

तारीख : 3-6-1985

मोहर :



प्रकृष भाई.टी.एन.एस. -----

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1

बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं. अई-1/37-जी/5138/84-85.---

अतः मुझे, पी. एन. दूबे,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन बेअरिंग न्यू सर्वे नं. 1/1109, सी. एस. नं. 517/10, माटंगा डिविजन, इमारत के साथ, प्लॉट नं. 800, दादर माटंगा इस्टेट, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कुसरो पेस्तनजी बुरजो-बेहराम,
- (2) श्री वारीयस जहांगिर रानीना,
- (3) श्री वारीयस रुस्तम मदन और
- (4) श्री धनजीशा पिराजेशा बाना ।

(अन्तरक)

2. वि वावर पारसी यूथ्स असेम्बली।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयाँ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं. बाम. 2785/80 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1

बम्बई

तारीख : 5-6-1985

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 22nd May 1985

No. A-32011|2|85-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri B. D. Sharma, a permanent Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Under Secretary in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period from 1-5-1985 to 29-6-1985 or until further orders under the powers vested in him *vide* Regulation 7 of UPSC (Staff) Regulations, 1958.

The 23rd May 1985

No. A.32013|1|85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. N. Vohra, an officer of the Central Secretariat Service included in the Select List for the year 1983 (S. No. 84), as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 23rd May, 1985, until further orders.

The above appointment of Shri K. N. Vohra as Under Secretary from the Select List for the year 1983 of CSS officers, is subject to the decision on the writ petition pending in the Delhi High Court in this connection, including the Civil Writ Petition No. 511 of 1980 in the Delhi High Court—Mr. Thomas Mathew and 2 others Vs. Union of India, Civil Writ Petition No. 2555/83 of 1983—M. L. Nathani and others Vs. Union of India and Civil Writ Petition Nos. 10618-28/83—H. V. Pardasani and others Vs. Union of India, pending in the Supreme Court of India.

S. BANERJEE

Under Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 1st June 1985

No. A.32014|1|85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Bhutani, Senior Personnel Assistant (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period 13th May, 1985 to 30th June, 1985 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Bhutani should note that his appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on him any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that grade.

ROOP CHAND

Under Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; TRG.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd July 1985

No. A-19021|15|82-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Diwakar Prasad, IPS (HP : 1968) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 5th June, 1985 and until further orders.

No. 3|25|85-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri V. N. Dikshit, IPS (MP-1971) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 6th June, 1985 and until further orders.

No. 3|26|85-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Paramvir Singh, IPS (TN-1974) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 10th June, 1985 and until further orders.

R. S. NAGPAL

Administrative Officer (E)

CBI

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 1st July 1985

No. E-28017|10|84-Pers.II.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri S. N. Ganju, relinquished charge of the post of Assistant Inspector General in the Office of the Dy. Inspector General, CISF (N|Zone), New Delhi, on the forenoon of 1st July, 1985.

S. ANANDARAM

Director General/CISF

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 17th July, 1985

No. 21/2/82-AII(Vol.III) The President is pleased to appoint the following Assistant Managers (Technical) in the Directorate of Printing temporarily as Managers in the scale of Rs. 1100-50-600 until further orders from the dates shown against their names :—

S/Shri

1. T. K. Narayanan . . . . . 29-2-84 (FN)
2. K. Gopalakrishnan . . . . . 29-2-84 (FN)
3. T. Ramadoss . . . . . 26-12-84 (FN)
4. A. K. Sen . . . . . 4-2-85 (FN)
5. Y. Viswanathan . . . . . 10-12-84 (FN)

2. They will be on probation for a period of two years.

H. R. GROVER

Deputy Director (Admn)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 4th July 1985

No. Admn.8-132|85-86|52.—Shri D. Packianathan and Shri M. Venkata Ramaniiah, Audit Officers, Office of the Accountant General (Audit), Andhra Pradesh, Hyderabad retired from Service on 30-6-1985 (A.N.)

Sd./- ILLEGIBLE

Senior Deputy Accountant General  
(Admn.)

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

## DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 5th July 1985

No. 1477/A-Admn.|130|82-85.—On attaining the age of superannuation, Shri P. V. Unni, Substantive Audit Officer, retired from service, with effect from 31st May 1985 (A. N.).

No. 1478/A-Admn./130/82-85.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the under mentioned

officiating Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officer, until further orders, from the date noted against each :—

Sl. No.	Name & Designation	Office in which appointed	Date from which appointed
S/Shri			
1.	N. Viswanathan, Assistant Audit Officer	Joint Director of Audit, Defence Services (Navy), Bombay.	6-5-85
2.	Madan Lal, Assistant Audit Officer	Joint Director of Audit, Defence Services, Western Command, Chandigarh.	27-5-85
3.	M. R. Ramachandran, Assistant Audit Officer	Joint Director of Audit, Defence Services, Western Command, Chandigarh.	17-6-85
B. S. TYLE Joint Director of Audit Defence Services			

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 18th June 1985

No. 24/G/85.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. C. Sen, Offg Asstt. Director (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st May, 1985 (A.N.).

V. K. MEHTA  
DDG/Establishment

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 4th July 1985

No. CER/2/85/7.—In exercise of the powers conferred on me under clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendments in the Textile Commissioner's Notification No. CER/2/77 dated 15th April, 1977, namely :—

- (1) Sub para (c) of paragraph 2 relating to the expression "Non-wearable varieties of cloth" together with schedule III annexed thereto shall be deleted.
- (2) The directions contained in paragraph 6 of the said Notification shall be deleted.

No. CER/22/85/8.—In exercise of the powers conferred on me under clause 20 and 21 A of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby rescind the following Textile Commissioner's Notifications, namely :—

- (1) No. CER/22/74 dated 3-4-1974.
- (2) No. CER/23/74 dated 3-4-1974.
- (3) No. CER/23/74 dated 5-4-1974.
- (4) No. CER/22/74 dated 21-6-1974.
- (5) No. CER/22/74 dated 26-6-1974.

No. CLB-I/1/1/85/9.—In exercise of the powers conferred on me under clause 30 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby rescind the Textile Commissioner's Order No. CLB-I/1/1/75-A dated 12-9-1975.

No. CLB/5(2)/85/10.—In exercise of the powers conferred on me under clause 3 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby rescind the Textile Commissioner's Notification No. 5(2)/76-CLB dated 16-9-1976.

No. 5(2)/85/CLB-II/11.—In exercise of the powers conferred on me under clause 31 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and clause 10 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby rescind the following Notifications, namely :—

- (1) No. 5(2)/76-CLB-II dated 6-10-1976 and
- (2) No. 5(2)/76-CLB-II dated 15-12-1976.

No. CLB-II/10(1)/85/12.—In exercise of the powers conferred on me under clause 14 A of the Cotton (Control) Order, 1955, I hereby rescind the Textile Commissioner's Notification No. CLB-II/10(1)/73-76 dated 11-10-1976.

No. CER/10/85/13.—In exercise of the powers conferred on me under clause 21(4) of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby rescind the Textile Commissioner's Notification No. 9(9)-TEX-I/49(1) dated 3-9-1949.

No. CER/13/85/14.—In exercise of the powers conferred on me under clause 21(1) of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby rescind the Textile Commissioner's Notification No. 9(9)/TEX-I/49, dated 27-12-1951.

No. CER/1/85/15.—In exercise of the powers conferred on me under clause 22 of the Cotton Textile (Control) Order, 1948, I hereby rescind the Textile Commissioner's Notification No. 9(9)/TX-1/49, dated 27-12-1951.

R. K. KULKARNI  
Joint Textile Commissioner

#### MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

#### (DEPARTMENT OF FOOD)

#### NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 7th June 1985

No. 3(1)/67-VIII/Fstt.—On the recommendations of Group 'B' Departmental Promotion Committee, the undersigned is pleased to appoint substantively Shri Inder Raj in the Group 'B' post of Chief Designer in the National Sugar Institute, Kanpur with effect from 19th May, 1984.

RAM KUMAR  
Director

#### ISPAT, KHAN AUR KOILA MANTRALAYA

#### (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 1st July 1985

No. 6713 B/A-19012(1-RK)/84-19A.—Shri Rahamathulla Khan, Senior Technical Assistant (Geol.), Geological Survey of India is appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th April 1985 until further orders.

A. KUSHARI  
Director (Personnel)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd July 1985

No. A-19011(374)/84-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public

Service Commission Shri A. K. Wankhade, Senior Technical Assistant to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th June, 1985.

The 4th July 1985

No. A-19011(384)/85-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri P. Sreenivasulu, permanent Assistant Mining Engineer, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 26th June, 1985 until further orders.

P. P. WADHI  
Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 4th July 1985

No. A-19011(78)/79-Estt.A.—The President is pleased to promote on the recommendation of Departmental Promotion Committee, Shri S. R. Deshmukh, Ore Dressing Officer to the post of Superintending Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st May, 1985.

G. C. SHARMA  
Asstt. Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 2nd July 1985

No. 1/985-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri T. R. Sharma, Accountant, AIR, Chandigarh to the post of Administrative Officer, AIR in a temporary capacity on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the 31st May, 1985.

2. Shri T. R. Sharma assumed charge as Administrative Officer, AIR, Simla on the same date.

MOHAN FRANCIS  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi-1, the 4th July 1985

No. 6(26)/62-SI(Vol.III).—Shri J. M. S. Achal, Programme Executive, All India Radio, Chandigarh retired from Government service on superannuation with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

No. 6(109)/63-SI(Vol.II).—Shri V. Y. Lohakare, Programme Executive, All India Radio, Nagpur retired from Government service on superannuation with effect from the afternoon of 31st May, 1985.

HARJIT SINGH  
Director (A & F)  
for Director General

New Delhi-1, the 4th July 1985

No. 4(42)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoint Shri C. K. Warthy as Programme Executive at Doordarshan Kendra, New Delhi in a temporary capacity with effect from 15th September, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200.

H. C. JAYAL  
Dy. Director of Administration  
for Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL  
DEVELOPMENT  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 8th July 1985

F. No. A.19023/28/78-A-III.—On attaining the age of superannuation, Sh. K. V. P. Rao, Marketing Officer in the Directorate of Marketing and Inspection has retired from service on 31-5-85 (A. N.).

J. KRISHNA  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Government of India

NORTHERN REGION FARM MACHINERY  
TRAINING & TESTING INSTITUTE,

Hissar-125 001, the 1st May 1985

No. 4-32/63-Estt.—Consequent upon attaining the age of superannuation (58 years) Shri Bhagwan Dass Jhanb, Senior Training Officer (Engg.) is hereby retired from Govt. service w.e.f. 30-4-1985 (A. N.).

V. A. PATIL  
Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 29th June 1985

No. MAPP/3(134)/67-Adm.—The Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint Shri V. K. Senthnam, a permanent Assistant Administrative Officer as Administrative Officer-II in the Madras Atomic Power Project, Kalpakkam, in a temporary capacity on ad-hoc basis from the forenoon of April 15, 1985 until further orders.

B. A. S. PRASAD  
Industrial Relations Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323 030, the 28th June 1985

No. RAPS/Rect/7(10A)/85/S/545.—The Chief Superintendent, Rajasthan Atomic Power Station hereby appoints Shri Mahesh Chandra Gupta a permanent Assistant Accountant of PPED Pool and officiating Assistant Accounts Officer of RAPS to officiate as Accounts Officer-II in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Station with effect from the forenoon of 29-5-1985 until further orders.

A. D. BHATIA  
Administrative Officer (E)

HEAVY WATER PROJECT

Bombay-400 008, the 3rd June 1985

No. 05012/R1/OP/2397.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Achalkumar D. Tillu, a permanent Assistant Accountant in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Asstt. Accounts Officer in the same office in a temporary capacity, on ad-hoc basis w.e.f. May 6, 1985 (F. N.) to June 14, 1985 (A. N.) vice Shri V. K. Mahagaonkar, Asst. Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer-II in Heavy Water Projects (Central Office).

The 28th June 1985

Ref. 05012/R2/OP/2362.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Ghanshyam Chhaganbhai Patel, Selection Grade Clerk of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office in a temporary capacity on ad-hoc basis w.e.f. March 11, 1985 (F. N.) to May 10, 1985 (A. N.) vice Shri N. G. Nair, Assistant Personnel Officer, granted leave.

SMT. K. P. KALLYANKUTTY,  
Administrative Officer

## TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane-401 504, the 22nd June 1985

No. TAPS/2/473/67.—On attaining the age of superannuation Shri V. V. Tamhane, a permanent 'Tradesman-G' and officiating SO/Engr.-SB in Tarapur Atomic Power Station relinquished the charge of his post in the afternoon of May 31, 1985.

D. V. MARKALE  
Chief Administrative Officer

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

The 4th July 1985

No. A.38019/II/83-E.I.—Shri H. S. Billa, Meteorologist Grade I of India Meteorological Department retired from the Government service with effect from 30-4-1985 (AN) on attaining the age of superannuation.

No. A. 38019/II/83-E.I.—On attaining the age of superannuation, the undermentioned Meteorologist Grade I of India Meteorological Department retired from Government service on the dates mentioned against their names :—

S. No.	Name	Date on which officer retired,
1.	Shri G. S. Iyer	31-5-84
2.	Shri M. R. Khan	31-8-84
3.	Shri S. K. Nag	31-10-84
4.	Shri A. K. Banerjee	31-10-84

Sl. No.	Name	Present Stn. of Posting	Station to which posted	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	R. K. Ostia	Gwalior	Gwalior	31-8-84(FN)
2.	K. Narayanan	Cochin	Coimbatore	3-9-84
3.	S. C. Sood-I	Varanasi	Agartala	3-9-84 (FN)
4.	Kulwant Singh	Varanasi	Gauhati	1-12-84(FN)
5.	Jaswant Singh	RCDU, Delhi	Bangalore	28-11-84(FN)
6.	I. C. Sethi	Lucknow	Bangalore	3-9-84 (FN)
7.	Anil Kumar	Aligary	Madras	3-9-84(FN)
8.	M. P. Chauhan	Jammu	Jammu	30-5-85 (FN)
9.	C. S. Saha	Barapani	Barapani	3-9-84(FN)
10.	A. N. Pachapure	Bombay	Kandla	4-1-85 (FN)
11.	D. C. Kamble	Jamnagar	Jamnagar	14-9-84(FN)
12.	N. Majumdar	Madurai	Trichy	30-4-85 (FN)

V. JAYACHANDRAN  
Asstt. Dir. of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 18th June 1985

No. 1/337/85-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. Rajaram, Technical Assistant, Madras as Assistant Engineer, in an Officiating Capacity in the same Branch for the period from 12-11-1984 to 19-12-1984, on the ad-hoc basis.

R. K. THAKKER  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE :  
BOMBAY-I

Bombay-400020, the 28th May, 1985

No. F. No. II/3E(a)2/71/Pt. II—The following Adminis-

No. A.38019/II/83-E.I.—Shri P. E. Moray, Director of the Office of Deputy Director General of Meteorology (Weather Forecasting) retired from Government service with effect from 30-4-1984 on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 26th June 1985

No. A.32014/1/83-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. C. Chatterjee, Charge-man to the grade of Assistant Electrical and Mechanical Officer on promotion with effect from 11th June 1985 (FN) and until further orders on regular basis.

2. Shri K. C. Chatterjee is posted in the E & M Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi.

G. B. LAL  
Assistant Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 27th June, 1985

No. A. 32014/3/84-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in the grade of Asstt. Tech. Officer on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—1200/- for a period of six months w.e.f. the date of their taking over charge of the higher post or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier and to post them to the stations indicated against each :—

trative Officers/Examiner of Accounts/Assistant Chief Accounts Officers are promoted on regular basis with effect from the dates shown against their names

S. No.	Name	Date of assumption of charge
1.	Shri B. A. Kane	6-5-85 F/N
2.	Shri S. G. Mutalik	6-5-85 F/N
3.	Shri S. S. Kulkarni	6-5-85 F/N

F. No. II/3E(a)2/77 Pt. II—The following Selection Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as officiating Superintendents Central Excise, Grade 'B' in the

Collectorate of Central Excise, Bombay-I with effect from the dates shown against their names.

S. No.	Name	Date of assumption of charge
1.	Shri R. K. Ghadge	17-4-85 F/N
2.	Shri R. K. Kurup.	1-5-85 F/N
3.	Shri R. A. Pai	3-5-85 F/N

Sd./- Illegible

#### DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 1st July 1985

No. 16/85.—Shri A. K. Chattopadhyay, lately posted as Superintendent of Central Excise (Group 'B') in the Collectorate of Central Excise Calcutta-II, on his appointment as Inspecting Officer (Group 'B') vide this Directorate-General of Inspection's Order C. No. 104/147/84 dated 10-5-1985 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Group 'B') in the East Regional Unit of the Directorate-General of Inspection (Customs & Central Excise) at Calcutta w.e.f. 1-6-1985 (Forenoon).

A. C. SALDANHA  
Director-General of Inspection

#### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 3rd July 1985

No. 1-TR(9)/83.—The President is pleased to relieve Capt. J.W. Daniel Nautical Officer, T. S. Rajendra—Bombay, on deputation from Shipping Corporation of India, Bombay on 31-5-1985 (afternoon).

A. CHANDRA  
Dy. Director General of Shipping

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-66, the 3rd July 1985

No. A-19012/1072/84-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Mithilesh Kumar Jha, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31-12-1984 until further orders.

2. The above-mentioned officer will be on probation in the grade of F.A.D./A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA  
Under Secy. (C)  
Central Water Commission

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi-110011, the 1st July 1985

No. 27(9)/170-EC.IX.—Shri K. Saddy, Director of Horticulture of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th June 1985.

PRITHVI PAL SINGH  
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 4th July 1985

No. 32/3/85-ECII.—The following officer of the Central Public Works Department have been retired from Government service on attaining the age of superannuation (58 years), with effect from the dates as mentioned against each of the officers :—

S. No., Name of the Officer, Date of retirement and Designation and last posting station

1. V. P. Arora—30-4-85 (AN), E.F. (Civil), MIS, Chief Engineer (NDZ).
2. K. V. R. Iyengar—30-6-85 (AN), E.E. (Valuation), I. T. Department, Calcutta.
3. K. N. Gupta—30-6-85 (AN), E.E. (Elect), Calcutta Central Elect. Divn., No. IV. CPWD, Calcutta.
4. B. S. Arora—30-6-85 (AN), E.E. (Elect), Central Elect. Divn. X. CPWD, New Delhi.

NEFNA GARG  
Dy. Director of Administration  
for Director General (Works)

#### MINISTRY OF SUPPLY & TEXTILES DEPARTMENT OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 28th June 1985

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri K. L. Ghosh to the post of P.A. to Director General, National Test House, Calcutta on a regular basis w.e.f. 16-11-1984 (F/N).

J. M. BHATTACHARJEE  
Deputy Director (Administration)  
for Director General  
National Test House, Calcutta-27

#### MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Jeevan Jyot Finance Co., Private Limited

Bombay-400 002, the 19th June 1985

No. 697/13439/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Jeevan Jyot Finance Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN  
Addl. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay

Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE  
Asstt. Registrar of Companies  
Gujarat, Ahmedabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gujarat Pharmachem Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 1st July 1985

No. 1657/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Gujarat Pharmachem Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Grihalaxmi Rang Udyog Private Limited*

Ahmedabad, the 1st July 1985

No. 1642/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Grihalaxmi Rang Udyog Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ranna Box Manufacturing Co. Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 1st July 1985

No. 2676/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Ranna Box Manufacturing Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gldev Investment Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 1st July 1985

No. 5431/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Gldev Investment Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ankleshwar Commercial and Financial Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 1st July 1985

No. 1417/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Ankleshwar Commercial and Financial Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Panchal & Mistry Engineering Works Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 1st July 1985

No. 5146/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Panchal & Mistry Engineering Works Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

72—166GI/85

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of*

*M/s. Fortech Engineers Private Ltd.*

Bangalore-9, the 3rd July 1985

No. 3677/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Fortech Engineers Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Servokraft Couplings Private Ltd.*

Bangalore-9, the 3rd July 1985

No. 5039/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Servokraft Couplings Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ELLEGIBLE  
Registrar of Companies  
Karnataka, Bangalore

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Cochin-682 016, the 1st July 1985

#### ORDER

SUBJECT :—*Establishment : Promotion to the cadre of  
Income-tax Officer, Group 'B'.*

C. No. 2/Estt/Con/85-86.—The following Inspectors of Income-tax are promoted to officiate as Income-tax Officers, Group 'B', in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date(s) they take 1200 with effect from the date(s) they take over charge and until further orders :

1. Shri D. Suresh Babu.
2. Shri P. Balakrishnan.

They will be on probation for a period of two years.

2. The above promotions are made on a provisional basis. The promotions are liable to termination without notice. It will not confer on the promoted officials any right either to retention or to seniority in the promoted grade.

M. J. MATHAN  
Commissioner of Income-tax  
Cochin

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1985

Ref. No. A.P. No. 5816.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No as per scheduled situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jiwa Ram Chopra s/o Ram Chand R/o 407, New Jawahar Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) 1. Shrimati Harbans Kaur w/o Sardara Singh, 2. Smt. Tarlochan Kaur w/o Mohan Singh and Kuljit Kaur w/o Gurbachan Singh r/o 407, New Jawahar Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property). (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Kothi No. 407 situated in New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3014 of Oct. 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date : 14-6-1985  
Seal ;



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR,

SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 7th June 1985

No. IAC/ACQ/9/19/8586.—Whereas, I,

A. K. JAIN,

being the Competent Authority under Section 269AB(1)(b) Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 382, Flat No. 1A, Chano (Main Building), 520 Clark Town, Kadbi Chowk, Nagpur-440004 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB(1)(b) of the ITAct, 1961 in the Office of the IAC Acquisition Range, Nagpur on 30-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Om Builders, 520, Clark Town, Kadbi Chowk, Nagpur-440004. (Transferor)
- (2) Capt. Mr. Suresh Bharadwaj  
S/o Khajanchand Bhardwaj Shipping Corporation of India (Ltd.) Shipping House, 245, Madam Cama Road, Bombay-400 023. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3rd, Flat No. 1A, Chano (Main Building), 520, Clark Town, Kadbi Chowk, Nagpur.

A. K. JAIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Nagpur

Date: 7-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR,  
SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th June 1985

No. IAC./ACQ/10/90/85-86.—Whereas, I, A. K. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, A & B situated in Sewasadan C. A. Road, Gandhi Nagar, Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of Competent Authority at in the Office on 27-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Pradhadrai Madanlal Agrawal, 2. Om-prakash Madanlal Agrawal, Gandhi bath, Nagpur.  
(Transferor)

- (2) 1. Shri Krishna Murari Kamhaiyal Agrawal, 2. Smt. Shamtikohin Krishna Murari Agrawal, Gandhibagh, Nagpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, A & B situated in the building known as Senasadan at C. A. Road, Gandhibath, Nagpur.

A. K. JAIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Nagpur

Date: 10-6-1985  
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR,  
SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th June 1985

Ref. No. IAC./ACQ./11/20/85-86.—Whereas, I,  
A. K. JAIN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing M. No. 618 as Plot No. 45, situated in Albarapeth Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer[Registrar] Sub-Registrar at Nagpur on 23-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hari Singh Mamuram Chathoriya,  
4/2, MLA Qrs. Chopadi, Pune.

(Transferor)

- (2) Shri Mohan Chandriram Punan,  
Khare Town, Dharampeth, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. 618, an Plot No. 45, situated in Dhananpeth, Nagpur.

A. K. JAIN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Nagpur

Date: 10-6-1985  
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1985

G.I.R. No. 5368/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Arazi situated at 10, Civil Lines, Khurram Gotiya, Bareilly (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar Sub-Registrar at Bareilly on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar Goel. (Transferor)  
(2) Shri Sushil Kumar Agarwal. (Transferee)  
(3) Vendor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Arazi measuring 842.2/9 sq. yards situated at Mohalla-Khurram Gotiya, 10, Civil Lines, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 7658) registered by the Registering Authority, Bareilly, on October, 1984.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-6-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ashok Kumar Goel.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandra Prakash Bansal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1985

G.I.R. No. C-45/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Arazi situated at 10, Civil Line, Khurram Gotiya, Bareilly (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer[Registrar] Sub-Registrar at Bareilly on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Arazi measuring 634 sq. yards, situated at 10, Civil Lines, Khurram Gotiya, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 7657) registered by the Registering Authority, Bareilly on October, 1984.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ashok Kumar Goel.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Behari Jasoriya.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1985

G.I.R. No. V-51/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Arazi situated at 10, Civil Lines, Khurram Gotiya, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar Sub-Registrar at Bareilly on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Arazi measuring 600 sq. yards, situated at 10, Civil Lines, Khurram Gotiya, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 7659) registered by the Registering Authority, Bareilly on October 1984.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-6-1985

Seal :

13-6-1985  
13-6-1985

## FORM ITNS

(1) Shri Ashok Kumar Goel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Vijay Kumar Gupta.  
2. Shri Arvind Kumar Gupta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1985

G.I.R. No. V-82/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Arazi situated at Mohalla Khurram Gotiya, 10, Civil Lines, Bareilly situated at 10, Civil Line, Khurram Gotiya, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer [Registrar] Sub-Registrar at Bareilly on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

73—166GI/85

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Arazi measuring 854.2/9 sq. yards, situated at Mohalla-Khurram Gotiya, 10, Civil Lines, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 7660) registered by the Registering Authority, Bareilly, on October, 1984.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-6-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1985

G.I.R. No. R-248/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One house, situated at Mohalla Peergaib Moradabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/ Sub-Registrar at Moradabad on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Parmatma Swaroop Mathur,  
2. Brijraj Swaroop Mathur,  
Through Attorney & Guardian, Vishnu Swaroop Mathur and Mukhtar Khas, Naresh Swaroop Mathur.  
3. J. S. Mathur.  
4. Viresh Swaroop Mathur.  
Through Mukhtar Khas, C.S. Mathur and Mukhtar Khas, Sarveshwar Swaroop.  
(Transferor)

- (2) 1. Shri Raj Kishore.  
2. Smt. Vimlesh Devi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house measuring 599.88 sq. mtrs. situated at Mohalla Peergaib, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 7632) registered by the Registering Authority, Moradabad, on October, 1984.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-6-1985

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1985

G.I.R. No. M-222/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Araz, situated at Parsa Khara, Bareilly (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer [Registrar] Sub-Registrar at Bareilly on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kamlesh Rani.  
2. Smt. Ramesh Rani.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Madan Lal  
2. Smt. Manjeet Kaur  
3. Shri Pradeep Kumar  
4. Smt. Raj Kumari.

(Transferee)

- (3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Arazi measuring 33 Bighas situated at Parsa Khara, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 9276) registered by the Registering Authority, Bareilly, on October, 1984.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1985

G.I.R. No. 82/37EE/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 4,00,000/- and bearing Office No. 18, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Lucknow on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd.,  
Halwasiya Court, Hazratganj,  
Lucknow.

(Transferor)

(2) Mrs. Anusuiya Devi Verma.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 18 on the IV floor measuring 275 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 98, dated 1-10-1984.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1985

G.I.R. No. 81/37EE/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property measuring about 12370 sq. ft. situated at 11, M.G. Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Lucknow on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Maj. Genl. E. Habibullah  
Successor of Ali Bahadur Habibullah.  
2. Smt. Shahla Habibullah.

(Transferor)

- (2) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd.  
Hazratganj, Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property measuring about 12370 sq. ft. situated at 11, M.G. Marg, Lucknow.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 97, dated 1-10-1984.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-6-1985  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1985

G.I.R. No. 80/37EE/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property measuring 7100 sq. ft. situated at 11, M.G. Marg, Hazratganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Maj. Genl. E. Habibullah  
Successor of Ali Bahadur Habibullah.  
2. Smt. Shahla Habibullah.  
(Transferor)
- (2) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd.  
Halwasiya Court,  
Hazratganj, Lucknow.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property measuring 7100 sq. ft. of the 1st Floor of Commerce House Building situated at 11, M.G. Marg, Hazratganj, Lucknow.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 96, dated 1-10-1984.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No AMB/86/84-85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 11, situated at Jeewan Nagar, Ambala City (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority's 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) at Ambala under Registration No. 5299 on 8-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Basant Kumar s/o  
Mela Ram,  
s/o Ishwar Dass,  
r/o 11 Jeewan Nagar,  
Ambala City.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Kumar Malhotra s/o  
Sh. Krishan Lal r/o  
352 Model Town,  
Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 11 Jeewan Nagar, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5299 dated 8-10-1984 with the Sub Registrar, Ambala.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. AMB/97/84-85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 283, situated at Model Town, Ambala City (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) at Ambala under Registration No. 5657 of Income-tax Rules, 1962 on 26-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Narender Singh s/o Pritam Singh,  
r/o House No. 5, Sisal Hotel,  
Ambala Cantt.

(Transferee)

(2) Smt. Railash Chadha w/o Sh. Sewak Ram,  
r/o 283, Model Town,  
Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 283, situated at Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5657 dated 26-10-1984 with the Sub-Registrar, Ambala.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-6-1985  
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 12th June 1985

Ref. No. AMB/98/84 85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing House No. 9803/6, situated at Ambala City (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) at Ambala under Registration No. 5666 of Income-tax Rules, 1962 on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

74—166GI/85

- (1) Sh. Mohinder Kumar Bansal s/o Gauri Shankar Adopted son of Sh. Kanshi Ram, r/o Ambala City, now Additional District & Sessions Judge Jind. (Transferor)
- (2) Smt. Nilam Mittal w/o Sh. Chander Mohan, s/o Sh. Om Parkash, Smt. Puram Mittal w/o Sh. Pradeep Kumar, s/o Sh. Om Parkash, r/o Kirti Nagar, New Delhi. Sh. Om Parkash s/o Sh. Babu Ram s/o Sh. Bindra Mal, r/o H. No. 10704/6, Mohalla Kharasayan, Ambala City (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 9803/6 and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5666 dated 29-10-84 with the Sub Registrar, Ambala.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-6-1985  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. JDR/75/84 85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land 93 Kanal 12 Marlas, situated at Village Behranpur, Teh. Jagadhari (and more fully described in the schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) at Jagadhari under Registration No. 5564 on 3-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Baij Nath, Somdutt s/o Sh. Mukanda,  
s/o Sh. Bahau Village Behranpur,  
Teh. Jagadhari, Distt. Ambala.

(Transferor)

- (2) Sh. Hari Chand s/o Sh. Labhu Ram,  
r/o Sharma Farm Village,  
Orangabad, Teh. Jagadhari, Distt. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land 93 kanal 12 marlas, situated at vill. Behranpur, Teh. Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5564 dated 3-10-84 with the Sub-Registrar, Jagadhari Distt. Ambala.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-6-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Mohinder Singh s/o Sher Singh,  
r/o Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Sh. Rajiv Bansal, Sanjiv Bansal,  
ss/o Sh. Ishwar Chand,  
r/o 1306/13, Urban Estate,  
Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. KNL/105/84 85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1306/13, situated at Urban Estate, Karnal (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 6019 dated 5-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to have been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being Plot No. 1306/13, situated at Urban Estate, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6019 dated 5-10-1984 with the Sub Registrar, Karnal.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1985  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. PNP/86/84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1-7, situated at Industrial Area, Panipat (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 3237 dated 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Kumar s/o Sh. Raghbir Singh,  
r/o H No. 106 Ward No. 5,  
Panipat.

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Rani wd/o Sh. Raj Kumar,  
r/o 83, Wazir Chand Colony,  
Karnal.  
M/s Virat Enterprises c/o Sh. Vinay Nagpal,  
s/o Sh. Utam Chand,  
r/o 223-R, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being Plot No. T-7, situated at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr No. 3237 dated 1-10-84 with the Sub Registrar, Panipat.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. SPT/78/84-85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Land measuring 11 Kanal 5 marlas situated at Village Jamalpur Khurd and Garhi Brahmanan (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat under Registration No. 3055 dated 8-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bhim Singh s/o Sh. Jagdish Chand,  
s/o Lak Ram,  
r/o Garhi Brahmanan, Distt. Sonapat. (Transferor)
- (2) S/Sh. Om Parkash S/o Sh. Dharam Singh,  
r/o Naya Bans, Teh. Ganaur,  
Umesh Kumar s/o Jagdish Chand,  
H. No. 28, Eight Marla, Sonapat.  
Sultan Singh s/o Pirthvi Singh,  
r/o Jarana Distt. Karnal,  
Mool Chand Bajwa s/o Sh. Parma Nand  
Lalehri Kalan, Teh. Ganaur,  
Ranbir, s/o Sh. Jharu Ram,  
Kanta Bhardwaj d/o Shiv Narayan  
Village Kund, Teh. Rewari,  
Smt. G. bind Rai wd/o Chetan Dass,  
Batra Colony, Sonapat,  
Krishna w/o Rajinder Singh  
r/o Kohla, Teh. Gohana, Distt. Sonapat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanals 5 marlas, situated at village Jamalpur Khurd and Garhi Brahmanan, Distt. Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3055 dated 8-10-84 with the Sub Registrar, Sonapat.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. SPT/80/84 85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Village Jamalpur Khurd, Teh. Sonapat Land measuring 11 Kanals 5 Marlas, (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat under Registration No. 3093 dated 10-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such amount of consideration in such consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Khem Chand s/o Sh. Jagdish Singh,  
s/o Sh. Lok Ram Saini  
r/o Village Garhi Brahmanan,  
Teh. Sonapat c/o  
Nemi Chand s/o Sh. Jagdish Garhi Brahmanan,  
Teh. Sonapat.  
S/Sh. Chhote Lal s/o Sh. Tej Ram  
r/o Kabulpur Distt. Rohtak.  
Jaswant Singh s/o Abhey Ram,  
r/o Village Jagsi, Teh. Gohana  
Moonga Ram s/o Shiv Dayal  
Smt. Santra Devi w/o Jai Kishan Gupta,  
s/o Gopi Ram,  
r/o Jagsi, Teh. Gohana,  
Ya h Wanti Ncon'wal w/o Sh. Om Parkash,  
s/o Sh. Mange Ram,  
r/o Mahlana, Teh. Sonapat  
Rameshwar Dass s/o Sh. Nand Kishore,  
Krishna Nagar, Sonapat,

(Transferor)

- (2) Smt. Kitabo w/o Sh. Iachhman  
r/o Kakroi Road, Sonapat,  
Smt. Dharpati w/o Sh. Umed Singh Verma,  
s/o Mool Chand  
r/o Halalpur, Teh. Sonapat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanals 5 marlas, situated at Village Jamalpur Khurd, Teh. Sonapat and as more mentioned in the said deed registered at Sr. No. 3093 dated 10-10-84 with the Sub-Registrar, Sonapat.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITN3—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. RTK/59/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 276—297P situated at Ward No. 4,  
DLF Colony, Rohtak,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rohtak under Registration No. 4806 dated 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhagwani Devi wife Sh. Harday Singh r/o  
H. No. 712/20, DLF, Colony, Rohtak.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Lal (to Shivanda Ram, Smt. Koushika Devi wife Smt. Ram Lal) r/o H. No. 276-297-P,  
DLF, Colony, Rohtak.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 276-297 P situated at DLF Colony, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4806 dated 12-10-1984 with the Sub Registrar, Rohtak.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Rohtak

Date: 13-6-1985  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. GRG/498/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. Land / Kanal 12 Marlas situated at Village  
Siokhra Teh. & Distt. Gurgaon,  
and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at  
Gurgaon under Registration No. 5960 dated 12-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) Shri Rameshwar Dayal S/o Shri Lekh Ram Vill.  
Siokhra Teh. & Distt. Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) Sh. Ashok Kumar Chopra S/o S. C. Chopra, D-116  
Saket, New Delhi, Smt. Manju Tanwar W/o  
Dr. R. P. Singh, Kothi No. 2, Doctor Lane General  
Hospital, Gurgaon.  
Smt. Renu Chauhan w/o Parmod Singh vill. Jatoli  
Teh. Gurgaon, Smt. Gaytri Devi w/o Krishan Pal  
Singh Vill. Jatoli Teh. Gurgaon and Smt. Ravinder  
Chauhan w/o Shri Sat Pal Singh s/o Mohinder Singh.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 Kanal 12 marlas situated  
at village Siokhra Teh. & Distt. Gurgaon and as more men-  
tioned in the sale deed registered at Sr. No. 5960 dated  
12-10-1984 with the Sub Registrar, Gurgaon.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-6-1985  
Seal:

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Chandgi S/o Sauji S/o Sh. Roop Ram,  
Smt. Surj W/o Amar Singh s/o Sauji Vill, Villaspur  
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suraj Bhan S/o Shri Mangat Ram S/o Shri Hans  
Raj Vill, Choma Teh. Gurgaon.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ret. No. GRG/500/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and  
bearing No.  
Land measuring 52 Kanals 9 Marlas situated at Vill.  
Choma Distt. Gurgaon,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at  
Gurgaon under Registration No. 6007 dated 15-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
73-166Q1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 52 Kanals 9 Marlas situated  
at Village Choma Teh. Gurgaon and as more mentioned in  
the sale deed registered at Sr. No. 6007 dated 15-10-1984 with  
the Sub Registrar, Gurgaon.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Income-tax  
Inspecting Assistant Commi.  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. GRG/512/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Land measuring 97 Kanals 1 marla situated at Vill.  
Karola Teh, Gurgaon,  
(and more fully described in the Schedule below),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at  
Gurgaon under Registration No. 6069 dated 18-10-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Des Raj S/o Shri Munhi S/o Shri Parsh Ram  
vill, Karola Teh, Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) Shri Sant Ram, Shri Bhajan Lal s/o Sumei Singh  
s/o Shri Nand Ram Vill. Nathu Pur Teh. & Dist.  
Gurgaon.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 97 kanals 1 marla situated  
at Vill. Karola Teh. & Distt. Gurgaon and as more mentioned  
in the sale deed registered at Sr. No. 6069 dated 18-10-1984  
with the Sub Registrar, Gurgaon.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 13th June 1985

Ref. No. GRG/513/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. Room No. 195-A, New Colony, Gurgaon situated at  
New Colony, Gurgaon,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at  
Gurgaon under Registration No. 6083 dated 19-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

- (1) Shri Madan Lal s/o Daulat Ram, House No. 195-A,  
New Colony, Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar Ishar s/o Shri Som Raj Ishar,  
House No. E-29, New Colony, Gurgaon.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 195-A, New Colony, Gurgaon  
and as more mentioned in the sale deed registered at Sr.  
No. 6083 dated 19-10-1984 with the Sub Registrar, Gurgaon.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Manthari, Smt. Pehladi w/o Sh. Data Ram  
Vill. Kama Teh. Palwal Distt. Faridabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 12th June 1985

Ref. No. DLI/5/84-85.—Whereas, I,

S. K. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. being and 31 Kanal 17 marlas situated at Vill. Kama Teh. Palwal Distt. Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, under Registration No. 956 dated 18-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 Kanal 17 marlas and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 956 dated 18-10-84 with the Sub Registrar, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-6-1985  
Sent :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 12th June 1985

Ref. No. GRG/700/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. House No. 457/10 situated at Krishna Colony,  
Gurgaon,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at  
Gurgaon under Registration No. 6214 dated 30-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Krishana Rani Chawla W/o Shri Khem Chand  
Chawla s/o Shri Mool Chand Chawla and Shri Khem  
Chand Chawla s/o Shri Mool Chand Chawla s/o  
Dhulia Teh. & Distt. Dhulia (Maharashtra).  
(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Dass Gutati s/o Shri Asa Nand  
s/o Shri Lakshmi Chand, 172/6 Jaikam, ura,  
Gurgaon.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 457/10, Krishana Colony,  
Gurgaon and as more mentioned in the sae deed registered  
at Sr. No. 6214 dated 30-10-1984 with the Sub Registrar,  
Gurgaon.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-6-1985  
Seal :

FORM IINS

(1) Shri Laxman Dass S/o Kalu Ram r/o  
2649, Sector 16, Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1985

Ref. No. FBD/16/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Property situated at Faridabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at  
Faridabad under Registration No. 325 dated 19-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Faridabad and as more mentioned in  
the sale deed registered at Sr. No. 325 dated 19-10-1984 with  
the Sub Registrar, Faridabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1927 (27 of 1927).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-6-1985  
Seal:

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1985

Ref. No. RWR/9/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land 63 Kanal 7 Marlas situated at Malpura  
T.h. Rewari,  
(and more fully described in the schedule below)  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at  
Rewari under Registration No. 2113 dated 25-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Phool Singh s/o Shri Ramesh Singh r/o Malpura,  
(Transferor)

(2) S/Shri Randhir Singh, Raj Singh, Jai Pal Singh,  
Bir Singh, r/o Malpura.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 63 kanals 7 marlas situated  
at Vill. Malpura and as more mentioned in the sale deed re-  
gistered at Sr. No. 2113 dated 25-10-1984 with the Sub Regis-  
trar, Rewari.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-6-1985  
Seal :

FORM "77"

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1985

Ref. No. PNP/89/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land 4 Bigha 19 Biswa situated at Krishanpura  
Distt. Panipat,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at  
Panipat under Registration No. 3410 dated 16-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to be between the parties has not been truly  
stated in the said Instrument of Transfer with the object  
of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :-

- (1) Smt. Geeta w/o Abhimanu through Shri Avtar Krishn  
Khanna s/o Shri Racha Krishn Khanna, Krishn  
Puri,  
(Transferor)
- (2) Shri Devi Ram s/o Lalji Ram, Raj Kumar s/o  
Barhma Nand Babu Ram s/o Junaiayan, Satish  
Kumar s/o Hari Ram, Madan Lal, G.T. Road,  
Shiv Nagar, Panipat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 9 bishwa situated at  
Krishn Pura and as more mentioned in the said deed regis-  
tered at Sr. No. 3410 dated 16-10-1984 with the Sub Regist-  
rar, Panipat.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1985

Ref. No. FBD/17/84-85.—Whereas, I,  
S. K. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land measuring 93 Kanal 8 Marlas situated at Distt. Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridabad under Registration No. 483 dated 22-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

76—166GI/85

(1) Shri Molhed Singh Abhay Singh s/o Nihal Singh  
r/o Khidki Suba Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajbala w/o Shri Satish Bhati r/o Alipur Road,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 93 Kanal 8 marlas situated in Distt. Faridabad and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 483 dated 22-10-1984 with the Sub Registrar, Faridabad.

S. K. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-6-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th June 1985

Ref. No. 60/October/84.—Whereas, I,  
K. VENUGOPALA RAJU,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the said Act have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Door No. 12 situated at Nambulier Street, Madras-79,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S.R. Sowcarpet (Doc. No. 473/84) in October 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely:—

(1) Mrs. M. Pattamal and Mrs. M. Rajeshwari,  
7, Club Road, Chetpet,  
Madras-31.

(Transferor)

(2) M/s Sayar Kavar & Others,  
No. 420, Mint Street,  
Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 12, Nambulier Street,  
Madras-79.

S. R. Sowcarpet Dec. No. 473/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 13-6-85  
Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th June 1985

Ref. No. 62/October/84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 122 situated at Anna Pillai Street, Madras- (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (Doc. No. 476/84 and 478/84) on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Anil Kumar and S. Ramesh Kumar,  
No. 155, Govindappa Naicken St.,  
Madras-600 079.

(Transferor)

(2) Mrs. Tipu Bai, W/o Rikhabchandji and  
Mr. Rasiklal Rikhabchandji, S/o Rikhabchandji,  
No. 20, Perumal Mudali Street, Madras-600 079.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Flat) at Door No. 122, Anna Pillai Street, Madras-600 079. S.R. Sowcarpet Doc. No. 476/84 and 478/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 12-6-85

Seal:

FORM I.T.N.S. ———

(1) M. Anil Kumar and S. Ramesh Kumar,  
No. 155, Govindappa Naicken Street,  
Madras-600 079.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

(2) Pushpa Bai, 23 Vinayaga Mudaly Street,  
Madras-600 079.

(Transferee)

Madras-600 006, the 12th June 1985

Ref. No. 62A/October/84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 122, situated at Anna Pillai Street, Madras-600 079 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (Doct. No. 477/84) on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land Building (Flat) at Door No. 122, Anna Pillai Street, Madras-600 079. S.R. Sowcarpet Doct. No. 477/84.

**K. VENUGOPALA RAJU**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-6-85

Seal :

FORM ITNS—

(1) M. Anil Kumar and S. Ramesh Kumar,  
No. 155, Govindappa Naicken Street,  
Madras-600 079.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Nathmall, No. 103, Mint,  
Madras-600 079.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 12th June 1985

Ref. No. 62B/October/84.—Whereas, I K. VENU-  
GOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 122, situated at Anna Pillai Street, Madras-600 079  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at S.R. Sowcarpet (Doct. No. 479/84) on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Flat) at Door No. 122, Anna Pillai  
Street, S.R. Sowcarpet Doct. No. 479/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-6-85

Seal :

## FORM ITNS

(1) M. Anil Kumar and S. Ramesh Kumar,  
No. 155, Govindappa Naicken Street,  
Madras-600 079.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 12th June 1985

Ref. No. 62C/October/84.—Whereas, I K. VENU-  
GOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing

Door No. 122, situated at Anna Pillai Street, Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
a S.R. Sowcarpet (Doct. No. 480/84) on October 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(2) Ashok Kumar HUF, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Building (Flat) at Door No. 122, Anna Pillai Street,  
Madras-600 079. S.R. Sowcarpet Doct. No. 480/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-6-85  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS

Madras, the 12th June 1985

Ref. No. 62D/October/84.—Whereas, I K. VENU-GOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 122, situated at Anna Pillai Street, Madras-600079.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (Doct. No. 481/84) on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) M. Anil Kumar and S. Ramesh Kumar,  
No. 155, Govindappa Naicken St.,  
Madras-600 079.

(Transferor)

(2) Hamsa Bai, W/o Babulal  
23, Angappa Naicken Street,  
Madras-600079.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Flat) at Door No. 122, Anna Pillai Street, Madras-600 079, S. R. Sowcarpet, Doct. No. 481/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-6-85  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Nalini Ramakrishna,  
No. 36, Harley's Road, Kilpauk,  
Madras-600 010.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 67/Oct.84.—Whereas, I K. VENUGOPALA  
RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32, Landons Road, Madras-10 situated at Landons Road, Madras-10 (and more fully describe in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O., Periamet (Doc. No. 1084/84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(2) M/s. Sunderlal Forma & Others,  
No. 13, Appa Garden Street, Kilpauk,  
Madras-600 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site at Old No. 2, New No. 32, Landons Road, Kilpauk, Madras-10. S.R. Periamet Doc No. 1084/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 5-6-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass-600 006, the 10th June 1985

Ref. No. 70/October/84.—Whereas, I K. VENU-GOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 778, P. H. Road, situated at Madras-10 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O., Periamet (Dist. No. 1047/84) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

77—166G1/85

(1) Mr. Artun Alysious Rego and Other,  
No. 5, Rosart Apartments,  
I.C. Colony, Main Road,  
Borivbi West, Bombay-400 103

(Transferor)

(2) Sri K. P. Jain, Partner,  
H.P. Enterprises, No. 3, Nattu Pillaiyar  
Koil Street, Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Flat) at D. No. 413, New No. 778, "Peninsula", P. H. Road, Madras-10.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 10-6-1985  
Seal:

## FORM INS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 11th June 1985

Ref. No. 71/October/84.—Whereas, I K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 16 situated at Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-600 105 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O., Periamet (Doct. No. 1048/84) on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Shivalaya Constructions,  
16, Commander-in-Chief Road,  
Egmore, Madras-600 105.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Lachmandas & Others,  
No. 54, Casa Major Road,  
Egmore, Madras-600 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 16, Commander-in-chief Road, Egmore, Madras-600 105. S.R.O., Periamet Doct. No. 1048/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass-600 006, the 12th June 1985

Ref. No. 72/October/84.—Whereas, I K. VENU-  
GOPALA RAJUbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearingNo. 16, situated at Commander-in-Chief Road, Egmore,  
Madrass-600 105(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at S.R. Periamet (Doct. No. 1049/84) on October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifty per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets, which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Shivalaya Constructions,  
10, Commander-in-Chief Road,  
Egmore, Madras-600 105.

(Transferor)

- (2) Roopchand S. Nichani Trust,  
Radha Shyam Building,  
87, Marshall Road, Egmore,  
Madrass-600 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Flat No. 203, at No. 16 Commander-  
in-Chief Road, Madras-600 105, S.R. Periamet Doct. No.  
1049/84.K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras 600 006Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—Date: 12-6-85  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 12th June 1985

Ref. No. 72A/October/84.—Whereas, I K. VENU-GOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 16 situated at Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-600 105 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doct. No. 1050/84) on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Shivalaya Constructions,  
16, Commander-in-Chief Road,  
Egmore, Madras-600 105.

(Transferor)

- (2) Mrs. Joth P. Nishani, W/o Mrs. Prakash Nishani,  
and Mrs. Prakash R. Nishani, S/o Roopchand S/o  
Nishani, Rana Sanyam Building,  
87, Marshall Road, Egmore,  
Madras-600105

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Flat) No. 204 at Door No. 16, Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-600 105, S. R. Periamet Doct. No. 1050/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri M. L. Patwari & Others,  
No. 82, Narayana Mudaly Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamala Menon & Others,  
No. 1, Tank Bund Road,  
Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 11th June 1985

Ref. No. 74/October/84.—Whereas, I K. VENUGOPALA  
RAJU

being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 813, Poonamallee High Road, situated at Madras-10  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at S.R.O., Periamet on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 813, Poonamallee High Road,  
Madras-10. S.R.O., Periamet Dist. No 1055/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 11-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

MADRAS-600 006, the 11th June 1985

Ref. No. 75/October/84.—Whereas, I K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Door No. 813, Poonamallee High Road, situated at Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar, Officer at S.R.O. Periamet (D.O. No. 1056/84) on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. L. Patwari & Others,  
82, Narayana Mudaly Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) P. Suresh, 14, Jalan SS155, Taman Subang,  
Petaling Jaya, Selangur,  
Malaysia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Flat) at Door No. 813, Poonamallee High Road, Madras-10, S.R.O. Periamet Doct. No. 1056/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 11-6-1985

Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Shivalaya Constructions,  
16, Commander-in-Chief Road,  
Egmore, Madras-600 105.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 11th June 1985

Ref. No. 77/October/84.—Whereas, I K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16, Commander-in-Chief Road, situated at Egmore, Madras-8 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O., Periamet (Doct. No. 1044/84) on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Sitabai Ramchand,  
226, Shivalaya 'B' Block,  
16, Commander-in-Chief Road,  
Madras-600 105.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 16, Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-8. S.R.O., Periamet Doct. No. 1044/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 11-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

MADRAS-600 006, the 5th June 1985

Ref No. 79/Oct.84.—Whereas, I K. VENUGOPALA  
RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24 situated at Nowroji Road, Chetpet, Madras-31 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doct. No. 1038/84) on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Gopala Menon,  
No. 84, Tamil Nadu Housing Board,  
Korattur, Madras-600 080.

(Transferor)

(2) Sri M. R. Sethuraman,  
No. 47, Rathnasubapathy Mudaliar Road,  
Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 24, Nowroji Road, Chetpet, Madras-31, S.R. Periamet Doct. No. 1038/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 5-6-1985  
Sent:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass-600 006, the 13th June 1985

Ref. No. 80/October/84.—Whereas, I K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 144 situated at Swami Naicken Street, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doct. No. 1035/84) on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
78--166/GT/85

(1) Mr. Mahendra Bhai U. Bhatt and  
Mr. Rajendra M. Bhatt,  
Flat No. 12, 11th Floor, Gokulam Flats,  
56, Rangier Street, Madras-17.  
(Transferor)

(2) Sri K. Mayalagu,  
36, Swami Naicken Street,  
Chindadripet, Madras-2.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 144, Swamy Naicken Street, Chindadripet, Madras-2. S.R. Periamet Doct. No. 1035/84

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 13th June 1985

Ref. No. 90/October/84.—Whereas, I K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 84 situated at Ayyappa Chetty Street Madras-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North (Doct. No. 2910/84) on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 80 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri H. A. Mohammed Ibrahim,  
No. 84, Ayyappa Chetty Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. A. A. Shirajunnisha and  
Mrs. E. Asia Mariam,  
102, Coral Merchant Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 84, Ayyappa Mudaly Street, Madras-1. J.S.R.I., Madras North Doct. No. 2910/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 13-6-1985  
Seal:



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 13th June 1985

Ref. No. 95/October/84.—Whereas, I K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 4 situated at Bunder Garden III Street, Perambur, Madras-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Sembium (Doct. No. 3644/84) on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Rani Ammal & Others,  
No. 4, Bunder Garden IIIrd Street, Perumbur,  
Madras-600 011.

(Transferor)

- (2) Mr. V. Chandrasekaran,  
No. 72, Barracka Road IIrd Street,  
Nammalwarpet, Madras-600 012.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 4, Bunder Garden IIIrd Street, Perumbur, Madras-600 011. S.R. Sembium Doct. No. 3644/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 1-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th June 1985

Ref. No. 109/October/84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 47 & 48, 1st Main Road, situated at Shenoy Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Anna Nagar (Doc. No. 3422/84) in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ratan Bai & Other,  
No. 3, Jereniah Road,  
Swiss Apts., Vepery,  
Madras-7.

(Transferor)

(2) A. S. Muhmood,  
34, Thacher Street,  
Pursawalkam, Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Flat) at Door Nos. 47 & 48, 1st Main Road, Shenoy Nagar, Madras.  
SRO Anna Nagar, Doc. No. 3422/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 11-6 1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th June 1985

Ref. No. 110/October 84-Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 47 & 48, 1st Main Road, situated at Shenoy Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at SRO, Anna Nagar (Doc. No. 3423/84) in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ratan Bai & Other,  
No. 3, Jeremah Road,  
Swiss Apts., Vepery,  
Madras-7.

(Transferor)

(2) C. Shanshyam,  
18, Club Road,  
Pachavathi, Chetpet,  
Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Flat) at Door Nos. 47 & 48, 1st Main Road, Shenoy Nagar, Madras.

SRO, Anna Nagar, Doc. No. 3423/84.

K. VENUGOPALA RAJU

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I

Madras-600 006

Date : 11-6-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th June 1985

Ref. No. 111/October/84.—Whereas, I,

K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 47 & 48, 1st Main Road, situated at Shenoy Nagar, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO, Anna Nagar (Doc. No. 3424/84) on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ratan Bai & Other,  
No. 3, Jereniah Road,  
Swiss Apartment, Vepery,  
Madras-7.

(Transferor)

(2) Suseela Devi,  
No. 658, Poonamallee High Road,  
Aminjikarai, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Nos. 47 & 48, 1st Main Road, Shenoy Nagar, Madras.

SRO, Anna Nagar, Doc. No. 3424/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 11-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 112/October/84.—Whereas, I,  
K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Block AH 208, Anna Nagar, situated at Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Anna Nagar (Doc. No. 3425/84) in September 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri S. P. Thambuswamy,  
Plot No. 3183, Block AH 208,  
Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmalaa Baptist,  
Indian Bank Colony,  
Simco Metes Road,  
Trichy-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 3183, Block AH 208, Anna Nagar, Madras-40.

SRO, Anna Nagar, Doc. No. 3245/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 5-6-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Sri S. Mohamed Iqbal,  
12, V.O.C. Nagar,  
Tanjore (Temporarily at No. 16,  
Haddows Road, Madras-6).

(Transferor)

- (2) Sri S. A. M. Bahjath Ahmed Natchiya,  
No. 12, Paniakara Street,  
Kilakarai, Raminad District.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 113/October/84.—Whereas, J.  
K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old No. 17 (New No. 138) situated at Angappa Naicken St., George Town, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Madras North (Doc. No. 2946/84) in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and Building at Old No. 17 (New No. 138),  
Angappa Naicken Street, George Town, Madras-1.  
SRO, Madras North Doc. No. 2946/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 114/Oct/84.—Whereas, I, **K. VENUGOPALA RAJU** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 131 (I/49) situated at Coral Merchant Street, Madras-600 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Madras North (Doc. No. 2926/84) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Pathiban,  
100, Ramaswamy Street,  
Mannady, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) R. Gajalakshmi &  
N. Ramaseshan,  
2, Ramaswamy Street,  
Mannady, Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 131, Coral Merchant Street, Madras-600 001.  
S.R.O., Madras North, Doc No. 2926/84.

**K. VENUGOPALA RAJU**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
MADRAS-600 006

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 115/Oct/84.—Whereas, I,  
K. VENUGOPALA, RAJU  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the said Act, have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Door No. 20 situated at Angappa Naick Street, Madras-1.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SRO, Madras North Doc. No. 2798/84) on October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Zaibunnissa & Others,  
20, Angappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) A. N. Barkathunnisa,  
237, Angappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 20, Angappa Naicken  
Street, Madras-1.

SRO, Madras North Doc. No. 2798/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 5-6-1985  
Seal :



FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 117/Oct/84.—Whereas, I,  
K. VENUGOPALA RAJU  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-  
and bearing No.  
9B and 9C (Corporation Door Nos. 351-353  
situated at Pantheon Road, Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Madras in October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) D. Wamadco & Co. (Air Unit)  
41/42/140 Adarsh Industrial Estate,  
Sahar Road, Chakala,  
Andher East, Bombay.

(Transferor)

- (2) Bakka Company,  
No. 1, Sattanna Naicken Street,  
Madras-112.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XAX of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 351-353, Pantheon Road,  
Madras-8.  
Doc. No. 1031/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 5-6-1985

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

## FORM ITNB—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th June 1985

Ref. No. 118/Oct/84.—Whereas, I,  
K. VENUGOPALA RAJU  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. 2/5 situated at Mattukara Veerabadran Street,  
Periamet, Madras-3  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SRO, Periamet (Doc No. 988/84) in October 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sri V. S. Krishnamoorthy Chettiar,  
S/o Samarapuri Chettiar,  
56, Kalavai Chetty Street,  
Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Sri Vijay Kumar,  
S/o Dilbagh Rai,  
37, Basti Naw,  
Jallundur-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 5, Mattukara Veerabadran  
Street, Madras-3.  
S.R.O., Periamet Doc. No. 988/84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 5-6-1985

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5781.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. D/82, situated at Katora Talab Sector-V, R.D.A., Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vijay Construction,  
Shanti Nagar, Raipur. (Transferor)
- (2) Smt. Abeda Bantu W/o Noor Mohd.  
Resai Para, Dhamtari, Dist. Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. D/82, is situated at Katora Talab, Sector-V, R.D.A. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Vijay Construction,  
Shanti Nagar, Raipur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendra Kumar Agarwal,  
H. No. D/33, Katora Talab, Sector-V,  
Raipur Development Authority, Raipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./5782.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. D/33, Katora Talab, Sector-V, R.D.A. situated at Raipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. D/33, is situated at Katora Talab, Sector-V, Raipur Development Authority, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range

Date : 27-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5783.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Mauja Khajari, B. No. 84, P. H. No. 95/35 situated at Khajari, Chhindwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sumanbai W/o Gulabchand Gupta,  
R/o Chhindwara, Tcn. & Dist. Chhindwara.  
(Transferor)
- (2) Shikshak Grih Nirman Sakari Samiti Ltd.,  
Khajari Chhindwara Thro' President :  
Shri Madan Singh Verma,  
Lalabhadur Shastri Vidyalaya, Chhindwara.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land is situated at Mauja Khajari, (B. No. 84, P. H. No. 95/34) Chhindwara. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./5784.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at P.H. No. 53 situated at Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on Oct. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Bhribai W/o Late Shri Gordhanji, S/Shri
2. Rameshwar S/o Late Shri Gordhanji
3. Babulal S/o Late Shri Gordhanji
4. Chen Singh S/o Late Shri Gordhanji
5. Thammalal S/o Late Shri Gordhanji
6. Hiralal S/o Late Shri Gordhanji
7. Gopal S/o Late Shri Gordhanji
8. Daya Shanker S/o Late Shri Gordhanji
9. Purushottam S/o Late Shri Gordhanji
- All R/o Malipura, Ujjain.

(Transferor)

- (2) Nav Akash Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, 33, Madhav Nagar, Ujjain, (President : Shri Radheshyam Bansal S/o Chhogalal Bansal).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE.

Land at P. H. No. 53 is situated at Teh, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./5785.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at P.H. No. 53 situated at Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on Oct. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

80-166 GT/85

- (1) Shri Bhagirath S/o Shri Ghanpatji,  
R/o Malipura, Ujjain.

(Transferor)

- (2) Nav Akash Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,  
33, Madhav Nagar, Ujjain,  
(President : Shri Radheshyam Bansal S/o Chhogalal Bansal).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at P.H. No. 53 is situated at Teh. Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC[Acqn.]Bpl./5786.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land & structure at Kh. No. 760 situated at Khajrana, Indore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) L.J.C. Employees Co-operative Housing Society Ltd.,  
Bima Nagar, Indore.  
(Transferor)
- (2) M/s. Shree Builders,  
6/7, Mahesh Nagar, Indore.  
Co-owners :  
1. Smt. Sudha Jhavar W/o V. K. Jhavar  
2. Smt. Urmila Modi W/o Shri C. S. Modi  
3. Ku. Madhu D/o Shri M. L. Ranka  
4. Sh. Shantilal Ranka S/o Sh. Mehtabchand Ranka.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and structure at Khāsra No. 760 is situated at Khajrana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq. [Bpl.] 5787.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing M. H. No. 4/17, Mahesh Nagar situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prakash Chandra Bohra S/o Sh. Mishrilalji Bohra,  
R/o 4/17, Mahesh Nagar, Indore (MP).  
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Manormabai W/o Shri Shantilalji Runwal  
2. Shri Shantilal S/o Sh. Venichandji Runwal,  
R/o 9, Runwal Bazar, Jhabua (MP).  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

M.H. No. 4/17 is situated at Mahesh Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC[Acqn.]Bpl[5788.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Kh. No. 951[1, 953]1 at Vill. Kelod-Kartal situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Madanlal S/o Shri Gangaram,  
R/o Vill. Kelod Kartal, Teh. Indore.  
(Transferor)
- (2) Bihar Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit  
41/2, Jail Road, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 951[1, 953]1 is situated at Village Kelod Kartal, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 31st June 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5789.—Whereas, 1,  
SMT. S. K. AULAKH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. House Bearing Municipal No. 20/3/135 situated at Yesh-  
want Niwas Road, Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Smt. Pan Kunwar Bharkatya  
W/o Late Shri Chandansinghji Bharkatya,  
R/o 20/3, Yeshwant Niwas Road, Indore.  
(Transferor)
- (2) Smt. Madhuri Bharkatya  
W/o Shri Akshay Singhji Bharkatya,  
R/o 20/3, Yeshwant Niwas Road, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 20/3/135 is situated at Yesh-  
want Niwas Road, Indore. This is the immovable property  
which has been described in form No. 37-G duly verified by  
the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl/5790.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Part of House No. 20/3 (New No. 135) situated at Yeshwant Niwas Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pan Kunwar Bharkatya  
W/o Late Shri Chandan Singhji Bharkatya,  
R/o 20/3, Yeshwant Niwas Road, Indore.  
(Transferor)
- (2) Smt. Madhuri Bharkatya  
W/o Shri Akshay Singhji Bharkatya,  
R/o 20/3, Yeshwant Niwas Road, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House (Part of) bearing No. 2/3 (New No. 135) is situated at Yeshwant Niwas Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5791.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1 of M. No. 23/1 situated at Yeshwant Niwas Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kamla W/o Shri Rambhalji Gwal,  
2. Shri Ramphal S/o Shri Badhi Prasadji Gwal,  
R/o 55/5, Vallabh Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Prakash Sahkari Greh Nivman Sanstha Maryadit,  
5, Palsikar Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property Property bearing No. 95/B, Sarawathipuram, Mysore.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herei as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1 of M. No. 23/1 is situated at Yeshwant Niwas Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5792.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing Kh. No. 13/3, 14/1B, 15/6, 15/7, 15/10, 23/3 situated at Village Pansemal, Sendhwa, Dist. Khargone (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pansemal on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bharat Khandsari Sugar Mills, Pansemal, Thro' genl. power of attorney Shri Pirchand S/o Kanhaiyalal Mittal, R/o Sendhwa. (Transferor)
- (2) M/s. Laxmi Khandsari Sugar Mills, Indore. Thro' Partners :  
1. Shri Tarachand S/o Sagarmal Agrawal, R/o Indore.  
2. Shri Manohar S/o Bhagwandas Agrawal, R/o Dhulia (Maharashtra). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 13/3, 14/1B, 15/6, 15/7, 15/10, 23/3 is situated at Village Pansemal, Teh. Sendhwa, Dist. Khargone. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq. [Bpl.] 5793.—Whereas, I,  
Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land in Village Banjari Kh. No. 15/6, 14/1 situated at Vill. Banjari

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
81—166 GI/85

- (1) Shri Kishanlal S/o Shri Munga,  
R/o Akbarpur, Teh. Huzur, Bhopal. (Transferor)
- (2) Ashirwad Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,  
Bhopal,  
Thro' President Shri P. C. Malviya,  
E-4, Sub-station, M.P.E.B.  
Area Colony, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 14/1, 15/6 situated at village Banjari, Teh. Huzur, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th June 1985

Ref. No. IAC/AcqN./Bpl./5794.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing Kh. No. 15, 16/5/1 situated at Village Banjari, Teh. Huzur, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Prakash (Minor)  
Thro' father and Guardian Shri Munga S/o Shri Devchand,  
R/o Akbarpur, Teh. Huzur, Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Ashirwad Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,  
Thro' President Shri P. C. Malviya,  
E-4 Sub-station, M.P.E.B.,  
Area Colony, Bhopal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 15, 16/5/1 is situated at Village Banjari, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(SMT.) S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th June 1985

Ref. No. IAC[Acqn.]Bpl./5795.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot No. 268 situated at Major Shopping Centre, Habibganj,  
Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhopal in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair-  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been of  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Manzur Quereshi and Masbkur Quereshi  
S/o Dr. Hamid Quereshi,  
R/o 38/12, Pari Bazar, Bhopal.  
(Transferor)  
(2) Shri Shyam Sharan Paliwal S/o Shri Munan Bhushan  
Paliwal, President, Premnarain Gavru Savardhan  
Kendra Devri.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette, or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in the Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 268 is situated at Major Shopping Centre, Habib-  
ganj, Bhopal. This is the immovable property which has been  
described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(SMT.) S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./5796.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 254 situated at Ward No. 18, Satna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarladevi W/o Ram Avtar Agarwal,  
R/o Satna, (H. No. 254, Ward No. 18).  
(Transferor)
- (2) Smt. Gulabdevi Singhanian,  
W/o Late Shri Gulabchand Singhanian,  
R/o H. No. 254, Ward No. 18, Satna,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 254 is situated in Ward No. 18, Satna. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(SMT.) S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th June 1985

Ref. No. LAC/Acq. Bpl./5797.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property known as Christian Quarters bearing Corporation No. 1185 & 1186 situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shyamsuddin S/o Late Abdul Hussain,  
2. Mohd. Hussain S/o Late Shri Abdul Hussain,  
R/o Napier Town, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Dr. Vishnu Prakash Kedia,  
S/o Late Sitaram Kedia,  
R/o Marhata, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of property known as 'Christian Quarters' bearing Corporation No. 1185 and 1186 situated at Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

(SMT.) S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th June 1985

Ref. No. LAC/Acq. Bpl./5798.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16 in Dhiraj Apartments situated at Narbada Road, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any property or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhirajlal Mehta,  
Prop. Mehta Investments,  
48, Narbada Road, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Shrivastava,  
W/o Shri Purushottam Lal Shrivastava,  
902, Bai Ki Bagicha, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16 in Dhiraj Apartments is situated at Narbada Road, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th June 1985

Ref. IAC/Acq. Bpl./5799.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 69 and Garage thereon situated at Shahpura Area Colony, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri (Major) R. V. Yadav S/o Choudhary Bhaman-Singh,  
R/o E-6/68, Area Colony, Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Gulwant Rai Gandhi,  
S/o Madanlal Gandhi,  
E-3/299, Area Colony, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 69 & Garage thereon is situated at Shahpura Area Colony, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./5800.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agrl. land (N. B. No. 221, P. H. No. 31) situated at Deguwa, Teh. Gadarwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gadarwara in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dev Shantinath Jain Temple Trust,  
Gadarwara, Trustee  
Shri Tarachand Daga  
S/o Shri Phoolchand Daga,  
R/o Gadarwara,  
Dist. Narsinghpur.

(Transferor)

(2) Shri Arvindkumar  
S/o Shri Premnarain Raghuvanshi,  
R/o Deguwa,  
Teh. Gadarwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land N. B. No. 221, P. H. No. 31 is situated at Mauza Deguwa, Teh. Gadarwara. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 13-6-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th June 1985

Ref. No. IAC[Acqn.]Bpl.5801.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agrl. land (N. B. No. 221, P. H. No. 31) situated at Deguwa, Teh. Gadawara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gadawara on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
82—166 GI.85

(1) Shri Dev Shantinath Jain Temple Trust,  
Gadarwara, Trustee  
Shri Tarachand Daga,  
S/o Shri Phoolchand Daga,  
R/o Gadawara,  
Dist. Narsingpur.

(Transferor)

(2) Shri Premnarain  
S/o Shri Halku Prasad Raghuvanshi,  
R/o Deguwa,  
Teh. Gadawara,  
Dist. Narsingpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agrl. land N. B. No. 221, P. H. No. 31 is situated at Mauza Deguwa, Teh. Gadawara. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 13-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th June 1985

Ref. No. IAC[Acqn.]Bpl]5802.—Whereas, 1, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 75-B situated at Kasturba Nagar, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tirathdas  
S/o Shri Ishwardas,  
R/o Obaidullahganj,  
Dist. Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Nilam Naga  
W/o Shri Maheshkumar  
C/o Pradeep Enterprises,  
Jinsi Jahangirabad,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 75-B is situated at Kasturba Nagar, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 13-6-1985.

Seal :



## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th June 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5803.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Mauza Tili Mafi, Sagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahent Haridas Chela Mahant Premdas, Shri Dev Hanumanji Sarvajanik Nyas, Vrindavan Bag, Sagar. (Transferor)
- (2) Sangam Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit Sagar (Thro' Vice-President Dr. L. L. Tamarkar), R/o Vrindavan Bag, Sagar (MP). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land is situated at Mauza Tili Mafi, Teh. & Dist. Sagar. Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 13-6-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th June 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5804.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Lund Kh. No. 433/4, 433/5, 433/6, 433/7 situated at Vill. Marod, Teh. Dhamtari, Dist. Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhamtari in October, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chimanbhai Mehta  
S/o Shri Ramji Bhai Mehta,  
President Adarsh Shikshan Samiti,  
Dhamtari,  
Dist. Raipur.

('Transferor')

- (2) Shri Chansukh  
S/o Shri Dhanraj Parekh,  
2 Smt. Kamlabai  
W/o Shri Jeetmal Rakheja,  
3. Shri Ashok Kumar  
S/o Shri Sheshmal Rakecha,  
4. Shri Kishore Kumar  
S/o Shri Sheshmal Rakecha,  
5. Dr. Nemichand  
S/o Shri Deepchand Khandelwal,  
6. Shri Ashok Kumar  
S/o Shri Deepchand Khandelwal,  
All R/o Dhamtari,  
Dist. Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lund Kh. No. 433/4 to 433/7 is situated at Village Marod, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 14-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th June 1985

Ref. No. 1AC/Acq/Bpl/5805.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building & land situated at Ganjapara, Durg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg in October, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surendra Kumar  
S/o Shri Bajaranglal Rungta,  
R/o Ganjapara,  
Durg.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi Rungta  
W/o Shri Ghanshyamdas Rungta,  
R/o Ganjapara,  
Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building & land is situated at Ganjapara, Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 14-6-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th June 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5806.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 68 situated at Vill. Lalbagh, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Kamalsingh Amarsingh Verma,  
Silampur, Burhanpur. (Transferor)
2. Narendia Kumar Devidas Agrawal,  
R/o Karaj Bazar, Burhanpur.
3. Ropchand Narayan Dilawar,  
R/o Daudpura, Burhanpur.
4. Ashben, W/o Navnetlal Parekh,  
R/o Shanwara, Burhanpur.
5. Kirankumar Poonamchand Shah,  
R/o Shah Bazar, Burhanpur.
6. Naveenbhai Amhalal Purohit,  
R/o Naya Mohalla, Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 68 is situated at Vill. Lalbagh, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 14-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th June 1985

Ref. No. IAC/Acqn.Bp./5807. - Whereas, I,  
SMT S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Plot No. 10 & (Bungalow No. 17) situated at Malviya Nagar, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in October, 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Rukmini Akhtar,  
W/o Akhtar Hussain,  
R/o Muntaz Manzil, Shahjahanbad, Anwar Rushdi,  
S/o A. R. Rushdi, Walik Manzil, Bhopal.  
(Transferor)

- (2) Shri Sunderlal & Shankarlal,  
S/s of Shri Kanhaiyalal Sewani,  
R/o 122 Sindhi Colony, Bhopal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 10, Bungalow No. 17 is situated at Malviya Nagar, Bhopal. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal, M.P.  
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 14-6-1985  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th June 1985

Ref. No. IAC/Acqg.Bpl./5808,—Whereas, I, SMT S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M.H. No. 32/1313 situated at Jagendraganj, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sonabhai alias Kamlabai, W/o Shri Nandha Kashinath Purnaki 188, Kasba Pune (Maharashtra).  
Kum. Kusum Landge, D/o Shri Iknath Rao Landge, 13/4, South T.T. Nagar, Bhopal (M.P.).  
Smt. Indirabai, W/o Shri P. N. Aterkar, Jagendraganj, Lashkar, Gwalior. (Transferor)
- (2) Shri Rajendra Kumar Gupta & Deepak Kumar Gupta, S/o Shri Ramprasadji Gupta, R/o Jawahar Nagar, Lashkar, Gwalior (M.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Houst No. 32/1313 is situated at Jagendraganj, Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal, M.P.  
Near Central India Flour Mills, Bhopal.

Date : 14-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC No. 141/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Pulletikurru E.G.Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambajipet on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely:—  
83—166 GI/85

- (1) Shri A. Ramunadha Sastry,  
S/o. Yegneswarudu, Pulletikurru, Kothapeta Tq.,  
E.G.Dt. (Transferor)
- (2) Shri T. Ananda Rao, S/o. Venkayya,  
Isukapudi, Kothapeta Tq., E.G.Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1.85 acres situated at Ambajipet registered by the S.R.O., Ambajipet vide document No. 1826/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date : 6-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC. No. 142/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Land situated at Ambajipet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambajipet in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri A. Ramanadha Sastry S/o Yegneswarudu,  
Pulletikurru, Kothapeta Tq., E.G.Dt. (Transferor)

(2) Shri T. Raja Rao S/o Anandaraao,  
Isukapudi, Kothapeta Tq., E.G.Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre situated at Ambajipet registered by the S.R.O., Ambajipet vide document No. 1828/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.).

Date : 6-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri A. Ramanadha Sastry, Pulletikurru,  
Kothapeta Tq., E.G.Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. T. Bhagyavathamma W/o Vasantha Rao,  
Isukapudi, Kothupeta Tq., E.G.Dt.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC. No. 143/85-86.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing  
No. Land situated at Ambajipet  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Ambajipet in October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Land admeasuring 1 acre situated at Ambajipet registered  
by the S.R.O., Ambajipet vide document No. 1830/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 6-6-1985

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC. No. 144/85-86. --Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Ambajipet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambajipet in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Akella Ramanadha Sastry, Pullethikurru, Kothapeta Tq., E.G Dt. (Transferor)  
(2) Shri T. Missamma W/o Raja Rao, Isukapudi, Kothapeta Tq., E.G Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre situated at Ambajipet, registered by the S.R.O., Ambajipet vide document No. 1829/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.).

Date : 6-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC. No. 145/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Vizag (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. P. Radhalakshmi W/o Ramabhadra Raju, 55-14-1, TPT Colony, Seethammadhara, Visakhapatnam. (Transferor)
- (2) Shri. Satyanarayana S/o Satyanandam, Training Officer, APSRTC, Ventitadiagraharam, Vizianagaram Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at Muralinagar, Madhavadhara, Vizag, registered by the S.R.O. Vizag vide document No. 12991/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.).

Date : 6-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC. No. 146/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Golkonda X Roads, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Tirumala Tower Construction,  
1-1-593/C, Gandhinagar, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Shri N. Ramamohan Rao, Block A, No. 26,  
Tirumala Towers, Golkonda X Roads,  
Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 26 in IVth floor of Tirumala Towers, Golkonda X Roads, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 747/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date : 6-6-1985  
Seal :

## FORM IINS

(1) Shri T. Appa Rao Yenugula Street,  
Maharanipet, Vizag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Kondamudi Jymavathi, W/o Venkatapunniah,  
D No MIG IIA/107, Srihailupuram, Vizag.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 147/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at Visakhapatnam bearing D. No. MIG IIA/107 registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 13062/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.).

Date : 6-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC. No. 148/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. House situated at Waltair Ward, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in October 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Srihanu Varaprasada Raju,  
S/o. Satyanarayana Raju Seethammadhara,  
Vizag.

(Transferor)

(2) Dr. Y. Gopalakrishna Murthy,  
S/o. Venkateswara Rao,  
9-15-6B, TBM Compound, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at Waltair Ward, Visakhapatnam registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 13117/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 6-6-1985

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC. No. 149/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. House situated at Waltair Ward, Vizag (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
84—166GI/85

- (1) Shri P. Jinarajadasa and Other,  
46-22-33, Dondaparathi, Visakhapatnam-16.  
(Transferor)
- (2) Shri A. Pasricha, D/o Satyapal Pasricha,  
90-30-3, Balajinagar, Visakhapatnam.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 7-5-6B at Waltair Ward, Visakhapatnam registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 31/85.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 6-6-1985  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC. No. 150/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Waltair Ward, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Chilakavva, S/o. Yellayya,  
Kothajalaripet, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Smt. M. Vidyavathi, W/o Sivakamasundar,  
Trinidad, D. No. 7-3-24, Near Panduranga Temple,  
Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 7-3-24 at Waltair Ward, Vizag registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 14751/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 6-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. RAC. No. 151/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Maddilapalem, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. R. Soubhagyavathi,  
W/o Dr. Ravi Krishna, Rednam Gardens,  
Visakhapatnam.  
(Transferor)

- (1) Smt. P. Shalini Shobha Manjari,  
W/o. P. Paul Joseph, 2, Smt. P.M.M. Sailaja,  
W/o. John Paul Paturi, Plot No. 12,  
North Extension, Seethammadhara, Vizag.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at Maddilapalem bearing D. No. 54-13-4A, Vizag registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 13713/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 6-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th June 1985

Ref. No. RAC. No. 152/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Srinivasanagar Col. Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. G. B. Jogalakshmi, W/o. G. B. Suryanarana Murthy, H. No. 11-3-391|1, Srinivasanagar Colony, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Smt. B. Sorajini W/o B. Venkataram, H. No. 11-3-301|1, Srinivasanagar Colony, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 11-3-391|1, situated in Srinivasanagar Colony, Secunderabad, registered with SRO's Office Marredpally, Secunderabad, vide document No. 2657/84.

M. JEGAN MOHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 7-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M.M.T.B. Mamajiwalu,  
S/o. M.T.B. Pramjiwala,  
11-6-568, Lakadikapul, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. Shadullah Shareef, S/o Shareef,  
10-3-173, St. John Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th June 1985

Ref. No. RAC. No. 153/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House, situated at St. John Road, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 10-3-173, St. John Road, Secunderabad, registered with SRO's Office, Marredpally, Secunderabad, vide document No. 2512/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 7-6-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri M. P. Sharma,  
S/o. Shri Kashram Sharma,  
Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri C. Prithviraj Kothari,  
S/o. H. Chandmal Kothari,  
3-2-210/1, Kalasiguda,  
Secunderabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th June 1985

Ref. No. 154/85-86.—

Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land situated at Paigah House, S. P. Road, Sec'bad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Marredpally on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot of land in plot No. 15/A at Paigah House, S. P. Road, Secunderabad, registered with SR's Office, Marredpally, Secunderabad, vide document No. 2708/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Rang  
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 7-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th June 1985

Ref. No. 155/85-86.—

Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House situated at S. P. Road, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sec'bad on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Vijay Karam and Pratibha Karabn and others,  
IG of Police, Pondicherry.  
(Transferor)

(2) M/s. Deep Estates,  
By P. Subbaramireddy,  
6-3-549/5/A, Road No. 1,  
Banjara Hills, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 1-2-10 to 1-2-14 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad, registered with SR's Office, Secunderabad, vide document No. 583/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 156/85-86.—  
Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Land situated at Lingojiguda, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
Hyd-East on 10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Shri Kamaluddin Rajani and others of  
M/s. Hypro Farm,  
31 Lingojiguda,  
Saroornagar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Kalwa Badrinath and others,  
R/o, Lalithnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Open plot of land in S. No. 31 situated at Lingojiguda,  
Saroornagar, Hyderabad, registered with SRO's Office,  
Hyderabad-East, vide document No. 10213/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-6-1985

Seal:—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th June 1985

Ref No 157/85-86 —

Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Bagh Mahankal, RR Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ibrahimpatnam on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
85—166GT/85

(1) Shri D. Harikishan Reddy  
S/o. Venkatreddy & Others,  
Srigiripuri (V&T),  
Maheswaram, R. R. Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Satish Khosla  
W/o. B. K. Khosla  
No. 26, Bungalow Road,  
Kamalanagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land in S. No. 43, 49, 62, 66 and 67 situated at Bagh Mahankal, Maheswaram Road, R. R. Dt. registered with SRO's Office, Ibrahimpatnam, vide document No. 1164/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date : 6-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th June 1985

Ref. No. 158/85-86.—

Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- bearing No.

Land situated at Bagh Mahankal R. R. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ibrahimpatnam on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri D. Harikishan Reddy,  
S/o. Venkatram Reddy,  
Srigripur (V), TQ), Maheswaram,  
R. R. Dist.

(Transferor)

- (2) Shri B. K. Khosla,  
S/o. Shri S. L. Khosla,  
No. 26, Bungalow Road,  
Kamalganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land in S. No. 65 to 71 situated at Bagh Mahankal, Maheswaram Road, R. R. Dist. registered with SRO's Office, Ibrahimpatnam, vide document No. 1165/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date : 6-6-1985

Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

(1) Shri D. Hanikishan Reddy,  
S/o. Venkatram Reddy & Others,  
Srigiri (V) Maheswaram, R. R. Dist. (Transferor)

(2) Kum. Ruchi Khosla,  
No. 26, Vani Khosla,  
Bungalow Road,  
Kamalanagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. 159/85-86.—

Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value, exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Baghmahal, R. R. Dist.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
Ibrahimpatnam on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue for this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Open land situated at Bagh Mahal, Maheswaram Road, R.  
R. Dist. registered with SRO's Office Ibrahimpatnam, vide  
Document No. 1166/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Gondesi Satyanarayana & Others,  
Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri S. Bhavanarayana, Managing Partner,  
M/s. Lakshmi Showroom,  
Governorpet, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 160/85-86.—

Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,00,000/- and bearing No.House situated at Governorpet, Vijayawada,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
Vijayawada on 10/84for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 23-16-53 situated at Besant  
Road, Governorpet, Vijayawada, registered with SRO's Office,  
Vijayawada vide document No. 6811/84.M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Date : 10-6-1985,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad (A.P.); the 10th June 1985

Ref. No. 161/85-86.—

Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Pedakakani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as agreed between the parties under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 11/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kongara Bapamma,  
W/o. Sambiah & Others,  
Pedakakani, Guntur.

(Transferor)

- (2) Gundavarupu Lakshminarayana,  
S/o Jagannadha Rao,  
Guntur Co-operative House Construction Society  
Ltd., Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land situated at Pedakakani Village, Guntur, registered with SRO's Office, Guntur vide document No. 12988/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 162/85-86.—

Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maremanda Seethamma,  
W/o Rama Rao, GPA K. Sanjaya Rao,  
S/o. K. Narasinga Rao,  
Vijayanagar Colony, Hyd.

(Transferor)

- (2) Mancilipati Ramamohana Rao,  
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 3-14-33 situated at Krishnanagar, Guntur, registered with SRO's Office, Guntur, vide document No. 12667/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 163/85-86 —

Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ramineni Parvathamma,  
W/o. Gurnatham,  
Rajendranagar, Guntur.

(Transferor)

- (2) Koneru Indira Devi,  
W/o. Rama Mohana Rao,  
Arandelpet, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 4-11-14 situated at Chandramoulinagar, Guntur, registered with SRO's Office, Guntur, vide document No. 12637/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985

Seal :

## FORM FIVE

(1) M/s. Arunika Builders, Managing Partner  
V. S. Panduranga Raju, Vijayawada. (Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chilamkurthi Durga Prasad S/o  
Venkataramayya, Suryaraopet, Vijayawada. (Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 164/85-86—

Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Flat situated at Vijayawada.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
Vijayawada on 11/84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as give  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. WF 2 in Kanchan Complex, Mogalrajapuram,  
Vijayawada registered with SRO's Office, Vijayawada, vide  
document No. 1663/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985

Seal :

17 JUN 1985  
10-6-1985

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. 165/85-86—

Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Patamata, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 10/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
86—166GI/85

- (1) Singuluri Chandrasekhar S/o Nagabhushanam, Labbipeta, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Shrimati Talamarla Rajeswari W/o Rama Mohana Rao, Traveller's Bungalow, Nandigama, Krishna Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at Patamata, Vijayawada registered with SRO's Office, Vijayawada, vide document No. 7066/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Anne Appamma w/o Venkataramaiah  
Siddarthnagar, Vijayawada.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

(2) Shrimati Uppalapati Lakshmi Thulasi w/o Suryanarayana,  
Rimmannapuri, Pamaru Tq., Krishna Dt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 166/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Patamata, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 10/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 15/38A, situated at Patamata, Vijayawada, registered with SRO's Office, Vijayawada, vide document No. 7012/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1985

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shrimati Dega Anuradha w/o Dayakar Reddy,  
Ramamoorthynagar, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Pulagam Rajeswari w/o Dayakara Reddy,  
Rebala village, Kovvur Tq., Nellore Dt.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 167/85-86.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing land situated at Rebala Village,  
Kovvur Tq.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Bulchireddypalem  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen percent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferees for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land situated at Rebala Village, Kovvur Tq., Nellore  
Dt. registered with SRO's Office, Bulchireddypalem, vide  
document Nos. 1277 and 1278/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 10-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jayagopal s/o Ramasubbayya,  
Buchireddypalem, Nellore Dt. & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th June 1985

Ref. No. 168/85-86.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Gudur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Gudur on 10/84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at East Gudur, vide document  
No. 189/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 1D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Date : 10-6-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Otra Manemma w/o Rangayya, 8/38, Kummara Veedhi, Gudur, Nellore Dt. (Transferor)

(2) Shrimati R. Dena Bai w/o Ratanlal, 8/116, Jandrapalem, East Gudur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 169/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Kummari St., Gudur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudur on 10/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Kummari Veedhi, East Gudur, registered with SRO's Office, Gudur, vide document No. 1110/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Cherukuri Venkateshwara Rao s/o Nagaiah,  
Suryaraopet, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 170/86.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land situated at Goodavalli Village (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Shri Yarlagadda Rajagopala Rao s/o Pattabbiramaiah, and others, Governorpet, Vijayawada.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 3.59 acentis situated at Goodavalli Village, Vijayawada, registered with SRO's Office, Vijayawada, vide document No. 6744/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ponnamm Madavagopala Rao s/o Nagabhushayya, Mogalrajapuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shrimati Kadiyala Sakunthala w/o Mohana Rao, Suryaraopet, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 171/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 10/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 32-2/1-6C situated at Mogalrajapuram, Vijayawada, registered with SRO's Office, Vijayawada, vide document No. 6848/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 172/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land situated at Kankanampadu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Kanigiri on 10/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Avuthu Sivarama Reddy s/o Pitchi Reddy, Kankanampadu Village, Kanigiri Tq., Prakasham Dt. (Transferor)
- (2) Shri Ghanta Nageswara Rao s/o Lakshmaiah, Pedaparimi Mangaligiri Tq. Guntur Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land situated at Kankanampadi Village, Kanigiri Tq., Prakasham Dist. registered with SRO's Office, Kanigiri, vide document No. 1684/84, 1685, 1686, 1687/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-6-1985  
Seal:

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 173/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing land situated at Pulletikurru Kothapet Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Ambajipeta on 10/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
87--166GI/85

- (1) Sri Akellaramanadha Sastry s/o Yegneswardu Pulletikurru, Kothapeta Tq., East Godavari Dt. (Transferor)
- (2) Sri Tarapatla Narsanna s/o Venkayya Isukapudi, Kothapeta Tq., East Godavari Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1.00 acre situated at Pulletikurru, Kothapeta Tq., East Godavari Dist., registered with SRO's Office, Ambajipet, vide document No. 1827/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. 174/85-86.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Kachiguda,  
Hyderabad  
(and more fully described in Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority at  
Hyderabad on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Sri K. Kantham Raju,  
s/o K. B. Ramulu,  
10/2, RT, Nehru Nagar,  
Kachiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sardar Asif Ajmal Khan,  
8/A, CIB Quarters,  
Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 10/2, RT, M. No. 2-4-620/2, Veerannagutta,  
Nehrunagar, Kachiguda, Hyderabad registered with SRO,  
Hyderabad vide Document No. 5300/84 in October, 1984.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-6-1985  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. RAC.175/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Narayanaguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Hyderabad on 10/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Achanta Janardhanamma & others  
W/o Sri A. Srihari Ram  
H. No. 2-2-118/1-7, New Nallakunta, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri Chitturi Trivikrama Rao, Advocate,  
3-4-533, Narayanaguda, Hyderabad and Smt. Ch. Parvathi,  
w/o Sri Ch. Trivikram Rao, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dwelling house, compound wall, out-houses, garage and appurtenances etc., in House Nos. 3-4-532, 3-4-533 and H. No. 3-4-534, Narayanaguda, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No.5228/84 in the month of October, 1984.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

Ref. No. RAC. No. 176/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Barkatpura, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Hyderabad on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Sunetra Ramachandra Kakade,  
w/o Dr. R. T. Kakade,  
H. No. 3-4-828, Barkatpura, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Gala & Others,  
d/o Premjee Gala  
H. No. 4-4-926/C/5, Sultan Bazar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of house bearing No. 3-4-828, Barkatpura, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 789/84 in the month of October, 1984.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th June 1985

\*Ref. No. RAC. 177/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 4,00,000/- and bearing Flat situated at Dashir bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Hyderabad on 10/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Nikhat Quadari,  
w/o S. M. Quadari,  
Flat No. 701, Bashir bagh, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Madhaw Prasad Agarwala,  
s/o J. M. Agarwal,  
Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 901, 9th Floor in H. No. 5-9-59, Bashir bagh, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5402/84 in the month of October, 1984.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1985

Ref. No. RAC. 178/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Hyderguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Hyderabad in 10/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Aziz Towers,  
rep. by Smt. Azizunnisa Begum,  
W/o Shri M. A. Sattar,  
Hyderguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Ameer Jujtaba,  
S/o Shri Syed Ameer Md. Hanis,  
Flat No. A-IV at H. No. 3-6, 290,  
Hyderguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A-IV on 3rd Floor, at H. No. 3-6-290, Hyderguda, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide document No. 788/84 in the month of October, 1984.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1985

Ref. No. RAC. 179/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 4,00,000 and bearing Flat situated at Hyderguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Hyderabad in 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Malik Builders,  
r.p. by Smt. Azeezunnisa Begum,  
H. No. 3-6-290,  
Hyderguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mehruunnisa  
W/o Shri Syed Md. Ibrahim,  
H. No. 11-5-566,  
Red Hills,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

## THE SCHEDULE

Flat No. A-III, IVth Floor, at H. No. 3-6-290, Hyderguda, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide document No. 781/84 in the month of October, 1984.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1985  
Sd/-

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1985

Ref. No. RAC. 180/85-86.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat situated at Hyderguda, Hyderabad.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office  
of the Competent Authority  
at Hyderabad in 10/84.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to be the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Zainab Khatoon, GPA  
Sri Ali Khaza,  
Banjara Castle Road No. 12,  
Banjara Hills,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Prabhavathi Nambiar,  
12-2-417/46/5, Sharda Nagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 306 on 3rd Floor, at H. No. 3-6-782, Himayat-  
nagar, Hyderabad, registered with SRO, Hyderabad vide  
document No. 785/84 in the month of October, 1984.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th June 1984

C. R. No. 62/939/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chatta, No. 66 to 68 Sheet No. 43 situated at Atmaram Borkar Road, Panaji, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Registering Office at it has under document No. 903/20/84-85 on Nov. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
88—166G/85

(1) Shri Bien Vinayak Sinai Mahatma and  
Smt. Roshan Bien Sinai Mahatma, alias  
Smt. Netra Bien Sinai Mahatma  
of Vasco-de-Gama,  
Goa.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Anant Kamat,  
Director of A.V.C. Investments of  
Trading Co. Pvt. Ltd.,  
Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 903/20. Dated November, 1984.)  
Property admeasuring 462 Sq. Mts. along with Building at Panaji Municipal Limits.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 25th May 1985

C. R. No. 62/4539/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 113, situated at Kirloskar Colony, Laggere Village, B'lore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rajajinagar on 15-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. N. Krishna Prasad,  
Flat No. 005, Ravikiran Apartments,  
No. 80, IV Main Road,  
Malleswaram,  
B'lore.

Transferor (S)

(2) Smt. S. V. Nagarathnamma,  
Hospital Road,  
Konanur Town,  
Arkalgud Taluk,  
Hussan Dist.

Transferee (S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3430/84-85 Dated 15-12-84.)  
Property bearing No. 113, Kirloskar Colony, Laggere  
Village, B'lore North Taluk.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date 25-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 21st May 1985

C. R. No. 62/45466/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 186—18 situated at Village Derebail Village, M'lore Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at at M'lore on 13-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri U. Somayya,  
Kodical,  
Derebail,  
M'lore.

Transferor (S)

(2) Shri S. Thangapandian,  
2. Shri Selvaraj,  
3. Shri S. Thangaraj,  
4. Shri S. Sunderraj,  
Victor Rego Compound,  
Bejai,  
M'lore.

Transferee (S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1229/84-85 Dated 13-11-84.)  
Property bearing No. RS. 186-18, Derebail Village, M'lore Tq.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th May 1985

C.R. No. 62/45746/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39, 39/1 & 39/2, situated at Patalama Temple Street, Basavanagudi, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Basavanagudi on 17-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri V. M. Krishna Raj,  
No. 39, Patalama Temple Street,  
Basavanagudi, Bangalore-4. (Transferor)
- (2) Shri D. V. Raghuvaiiah Setty,  
D. R. Radhamani,  
No. 66/3(6), Up Stairs,  
Jain Temple Road,  
V. V. Punam, Bangalore-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3770/84-85 dated 17-12-1984)  
Property No. 39, 39/1 & 39/2 (Portion), at Patalama Temple Street, Basavanagudi, Bangalore-4.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

C.R. No. 62/45897/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 107/67, situated at block, Jayanagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Jayanagar on 5-12-1948, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Subba Rao Chavan,  
No. 1671/79, BSK I Stage,  
II Block, V Cross, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri A. Narayana Reddy,  
A-13 (Up Stairs), 31st Cross,  
VII block, Jayanagar, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4174/4-85 dated 5-12-1984)  
Property No. 107/67 of V block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-4-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th May 1985

C.R. No. 62/45835/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 21, situated at Attavar Village, Mangalore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mangalore on 15-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Adarsh Enterprises,  
Ganesh Kaipa, Opp. Jyothi,  
Talkies, Balwalta, Mangalore.

(Transferor)

- (2) Shri P. U. Ramakrishnan,  
Nambiar, GPA holder,  
Mr. P.M.G. Nambiar,  
Sukhanivas, Britto Road,  
Faluur, Mangalore.

(Transferee)

- (3) Transferee.

(Person(s) in occupation of the prop.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1435/84-85 dated 15-12-1984)  
Apartment No. 21, Attavar Village, Mangalore city at  
Kudumbi Garden Road.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-5-1985  
Seal :

FORM IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd May 1985

C.R. No. 62/45713/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 425, situated at 18th Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 29-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. M. Shankar,  
No. 895/2, XX Main Road,  
IV 'T' block, Jayanagar,  
Bangalore-41.

(Transferor)

(2) H. Rajarajeshwari,  
No. 154, 27th Cross,  
VI Block, Jayanagar,  
Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3878/84-85 dated 29-12-1984)  
Property bearing No. 425, 18th Main Road, IV 'T' block,  
Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-5-1985  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45537/84-85/ACQ/B.—

Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 23 situated at XVIII Cross, Palace Upper Orchards, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 21-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Narayana Setty,  
No. 7, Paramahansa Road,  
Yadavagiri,  
Mysore.

(Transferor)

(2) V. Krishnamurthy & Others,  
No. 12, Anekallappa Nult Lane,  
Narayanasettypet,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2948/84-85 Dated 21-12-84).  
Property bearing No. 23, XVIII, Cross, Palace Upper Orchards, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd May 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45493/84-85/ACQ/B.—

Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 516/E situated at Magadi Road Chord Road Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Deputy Registrar at Srirampuram on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

89—166GI/85

(1) Dr. B. K. Ramanna,  
No. 66, Margosa Road,  
Malleswaram West,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri P. Survaprasadh,  
No. 96/E, 16th Main,  
Vijayanagar,  
Bangalore-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2901/84-85 Dated 5-12-84).  
Vacant Site No. 516/E, Magadi Road Chord Road Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45772/84-85[ACQ]B.—  
Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS.469/201, TS. No. 308-2C1, situated at Kodialbail Village, M'lore, (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at M'lore on 31st December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. (Mrs.) Prathibha Karanth,  
Reader, Institute of Speech & Hearing,  
Mysore,

(Transferor)

- (2) Shri N. Prasanna Hegde,  
Smt. Chandrakshi Hegde,  
Bendur, M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1516/84-85 Dated 31-12-84).  
Property bearing No. RS. 469/201, TS. No. 308/2C1,  
Kodialbail Village, M'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62/43577/84-85/ACQ/B.—  
Whereas I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, situated at Rest House Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at [with the competent authority under Section 269 AB, in his office at S. Nagar on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Olive Hitchcock,  
No. 20 & 20/1, Rest House Road,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Sirajuddin,  
No. 14, Ebrahim Sahib Street,  
Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2596/84-85 dated 1-12-84).  
Property bearing No. 20, Rest House Road, Bangalore.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 17-4-1985  
Seal :

FORM ITN8

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45883/84-85/ACQ/B.—

Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 748, situated at II Stage, West of Chord Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar on 19-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. T. Janaki Bai,  
No. 748, II Stage,  
West of Chord Road,  
Mahalaxinipura Post,  
Bangalore-56.

(Transferor)

(2) Shri K. Babulal Jain,  
No. 205, Cottonpet,  
Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4555/84-85 Dated 19-12-84).

Property No. 748, II Stage, West of Chord Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. Hameed Khan,  
No. 88, Armstrong Road,  
Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Mrs. Grace Jivothama,  
C/o. V. C. Joseph, Advocate,  
126/2, Brigade Road,  
Bangalore-25.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45302/84-85/ACQ/B.—  
Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 376, situated at HAL III, Stage Extn., Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2678/84-85 dated 1-12-84).  
Property No. 376, HAL III Stage Extn., Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1985  
Seal :

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 25th May 1985

C. R. No. 62/45837/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TS. 334/A3A (S. No. 1344/A3A), situated at Kasba Baraar, M'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at M'lore on 19-12-1984, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Fathima Thai,  
Jayaram Building,  
Alake Cross,  
Kudioti,  
M'lore.

(Transferor)

(2) Shri T. Shaul Hameed,  
2. Shri T. Moidin Kuntri,  
3. Shri T. Abbas,  
Bekal Taiyal House,  
Pallikere,  
Kasargod Dist.  
Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1466/84-85 Dated 19-12-84.)  
Property bearing S No. 1344/A3A, TS. No. 334/A3A, at  
Kasba Baraar Village, M'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 25th May 1985

C. R. No. 62/45424/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 958/35 situated at Banashankari I Stage, B'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at [with the competent authority under Section 269 AB, in his office at Basavanagudi in November, 1984] for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nagarathnamma,  
No. 81, II Cross, IV Block,  
TR Nagar,  
B'lore-28.

(Transferor)

(2) Shri P. L. Srihari and  
2. Shri P. L. Ashok Kumar,  
No. 84, 50 Feet Road,  
Hanumanthanagar,  
B'lore-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3266/84-85 Dated November, 84)  
Vacant Site bearing No. 958/35, II block, I Stage, Banashankari Extn., B'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 27th April 1985

C. R. No. 62/46198/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4, situated at I Stage, K. P. Agrahara, Hosahalli, B'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Srirampuram on 17-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Subramulu,  
No. 36, Budha Vihar Road,  
Frazer Town,  
B'lore-5,

(Transferor)

(2) Smt. Vijay Vig,  
No. 81, VIII Main Road,  
III Cross, RPC Layout,  
B'lore-40,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3026/84-85 Dated 17-12-84.)  
Property No. 4, I Stage, K. P. Agrahara Hosahalli Extn.,  
B'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 15th April 1985

C. R. No. 62/45690/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15, 16 situated at M. G. Road, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

90—166GT/85

(1) M/s. Kirloskar Oil Engines Ltd.,  
Pune, Repd. by,  
Secretary :—Shri P. R. Naware.

(Transferor)

(2) M/s. Vayu Dooth,  
22/1, M. G. Road,  
B'lore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2872/84-85 dated Dec., 84).

Property No. 15—16, M. G. Road, B'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-4-1985  
Seal :

FORM IT.N.S. \_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 27th April 1985

C. R. No. 62/46199/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/9 situated at I Main, Maranahally, B'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Srirampuram on 27-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Daniel Prabhakar,  
Repd. by G. P. Dorairaj,  
No. 14, Rajbhawan Road,  
B'lore.

(Transferor)

(2) Smt. Usha A. Shetty,  
No. 72/1 Shanthi Vilaya,  
Binny Layout,  
Vijayanagar,  
B'lore-40.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3097/84-85 Dated 27-12-84.)

Property No. 18/9, I Main Maranahally, B'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 17th April 1985

C. R. No. 62/45717/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 292/A/54 situated at 34-Cross, IV block, Jayanagar, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 10-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Padmanabha Vasudev Prabhu,  
2. Mrs. Sunithi Padmanabha Prabhu,  
No. 15/16, Veenitha,  
21/3, Tilak Road,  
Wadala,  
Bombay-31.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. K. S. Lakshmi Kantha,  
2. Mr. K. S. Kedarnath,  
No. 35/1, I Main, G. Nagar,  
B'lore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3606/84-85 dated 10-12-1984).  
Property No. 292/A/54, 34th Cross, IV block, Jayanagar, B'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 17-4-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th May 1985

C.R. No. 62/45786/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 57, situated at Padukodi village, Mangalore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 29-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Balauja Industries,  
Kamble Cross Road,  
Mangalore,  
Prop. Shri B. Prabhakar Bhat.  
(Transferor)
- (2) M/s. Ramakrishna Enterprises,  
"Sri Durgakripa", Temple Square,  
Car Street,  
Mangalore.  
Partners :—Mr. G. Janardhana Kamath & Others.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1471/84-85, dated 29-10-84).  
Property bearing No. 57, Padukodi Village, Mangalore  
Tq.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 28-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th May 1985

C. R. No. 62/44790/84-85/ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing RS. 469/2C1, TS. 308/2C1, situated at Kodialbail Village, Kambla Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. (Mrs.) Prathibha Karanth,  
Reader, Institute of Speech & Hearing,  
Mysore,  
Rep. by—Sri K. Sarvothama Shetty,  
Advocate, Mangalore.

(Transferor)

- (2) Mrs. Tara N. Hegde,  
Kodialbail,  
Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1133/84-85 dated 22-10-84).  
Property bearing No. RS. 469/2C1, TS. 308/2C1, Kodialbail Village, Kambla Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 28-5-1985  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISTON RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th May 1985

C.R. No. 62/4434/84 S5/ACQ(B).—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing No.  
S. 29/10, situated at Amblapadi Village, Udupi Taluk  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Udupi on 10-10-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Y. Abbubakker,  
Yenagudde Village,  
Katapadi.

(Transferor)

(2) Anthony Lawrence,  
Periera, Brahmagiri,  
Udupi-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1005/84-85 Dated 10-10-84)

Property bearing S. No. 29/10, Amblapadi Village of  
Udupi Taluk.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 28-5-1985  
Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th May 1985

C.R. No. 62/44828/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 257, situated at Jayanagar, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3641/84-85 dated 26-10-84).  
Property bearing No. 257, Jayanagar, Mysore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. N. R. Ranganathan,  
No. 257, Jayanagar,  
Mysore.  
(Transferor)
- (2) S. Devadan Sadatanda,  
Junior Engineer, T.S. Division,  
KERS, K.R. Sagar,  
Mysore Dt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 28-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th May 1985

C.R. No. 62/44462/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, No. 2, situated Beje Ward, Kodialbail-A-Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) William V. L. Pinto,  
New Road, Beje, Mangalore.

(Transferor)

(2) George Fernandez,  
No. 26, Tuglak Crescent,  
New Delhi,  
By Agent—Frederick-DSA,  
Kurla West, Bombay-70.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1243/84-85 dated October 84).  
Property bearing No. 2, Beje Ward, Kodialbail-A-Village,  
Mangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 28-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Rajsudha Towers Pvt. Ltd.,  
52-A, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. A. K. Mehta, B/1, Single Storey,  
Ramesh Nagar, New Delhi.

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/470.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. RTM-14-A, (Basement) Plot No. 28 situated at Deep Cinema, Shopping Complex, Ashok Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

RTM-14A (Basement) Plot No. 28 Deep Cinema, Shopping Complex, Ashok Vihar, Delhi. Mg. 24 Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
91—166GI/85

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37EE/10-84-85/471.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 1-A, "Smart Bhawan", Plots No. 7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.,  
Eros Cinema Building, Jangpura Extn.,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) S. Pritam Singh, S/o Late S. Mangal Singh,  
93, Raja Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 10-A, "SAMART BHAWAN" Plot No. A-7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi Mg. 164 Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS

- (1) Bhannot Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House, 30-31,  
Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Mrs. Prabha Shrivastava and Mr. Arun Kumar  
Shrivastava, E-29, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq. II]37-EE/10-84/472.--Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. Plot No. 3, Local Shopping Centre, situated at Aram  
Bagh, Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the registering Officer  
at Delhi in October 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office space having approx. super Area 284 Sq. ft. in the  
1st floor of building to be constructed on plot No. 3, Local  
Shopping Centre, Aram Bagh, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/473.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bhanot Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Pangasa Garments (P) Ltd.,  
Flat No. 304 3rd floor of Building on plot No. 3 Shopping  
Jangpura Extn, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 304-3rd floor of Building on plot No. 3 Shopping Centre, Aram Bagh, New Delhi. Mg. Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Manohar Lal, Shankar Dass Manohar Lal,  
Gandhi Cloth Market, Ch. Chowk, Delhi.  
(Transferor)

(2) 1. Surjit Singh Chadha  
2. Sh. Narinder Singh Chadha,  
3. Gurjeet Singh Chadha,  
435, Civil Lines, Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37EE/10-34/474.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-90-A, Kirti Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. F-90-A, Kirti Nagar, New Delhi. Mg. 200-Sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-34/475.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd Floor Plot No. 3 Local Shopping Centre, Aram Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Bhanot Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House, 30-31,  
Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Pangasa Garments (P) Ltd.,  
Sahi Hospital Building,  
Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor of building on plot No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, New Delhi Mg. 284 Sq. Ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 414-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/476.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- bearing No. Flat No. 301 3rd floor plot No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, situated at New Delhi (and morefully described in the Schedule annexure hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bhanot Properties & Industries Ltd.,  
102-103 Raja House, 30-31,  
Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Pangasa Garments (P) Ltd.,  
Sahi Hospital Building,  
Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301 3rd floor plot No. 3 Local Shopping Centre,  
Aram Bagh, New Delhi, Mg. 203 Sq. Ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/477.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Plot No. 3, situated at Local Shopping Centre, Aram Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bhanot Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House, 30-31,  
Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Pangasa Garments (P) Ltd.,  
Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302 3rd floor plot No. 3, Local Shopping Centre,  
Aram Bagh, New Delhi. Mg. 308 sq. ft

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/478.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and No. Plot No. 3 2nd floor, Local Shopping Centre, Aram Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
92—166GI/85

(1) Bhanot Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House, 30-31,  
Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Metal & Mineral Corp. Ltd.,  
3 G.F. Oscean Building,  
12, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space area 203 sq. ft. 2nd floor Plot No. 3 Local Shopping Centre, Aram Bagh, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/480.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 8 on ground floor, Plot No. A-1/3, Naniwala Bugh, Azadpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. R. C. Sood & Co. Pvt. Ltd.,  
Eros Cinema Building Jangpura Extn., New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Mr. Sanjay Arora, S/o Sh. Om Parkash &  
Mrs. Om Rani, W/o Sh. Om Parkash,  
A-124, Gujranwala Town Part I, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 8 on ground floor in the Bldg. at Plot No. A-1/3, Naniwala Bugh, Azadpur, Delhi. Mg. 365 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37EE/10-84/481.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 35/11, West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Sh. C. D. Ahuja, 24/40,  
West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Kaushalya Devi,  
36/4, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. 35/11 West Patel Nagar, New Delhi Mg. 600 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM LT.N.S.

(1) National Chemical Industries Ltd.,  
26, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Vijay Polymers (P) Ltd.,  
6/22, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37EE/10-84/482.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 26/18, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 26/18, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 339.59 Sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) National Chemical Industries Ltd.,  
26, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Vijay Polymers (P) Ltd.,  
6/22, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/483.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. 26/1, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 26/1, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 756.28 Sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq. II]37-EE[10-84]484.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Shop No. G-3, Bldg. No. 4586, Bhai Parmanand Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jewellers Om Parkash,  
1/425, Mori Gate, Delhi. (Transferor)  
(2) 1. Sh. S. Surender Pal Singh, S/o Late Sh. Harbans Singh, 332, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi and  
2. Sh. Narinder Almadi S/o Sh. K. L. Almadi,  
373, Parmanand Colony, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. G-3 in Bldg. No. 4586, Bhai Parmanand Colony, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/485.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1 lakh and bearing No. G-21, Jaina's Shopping Complex, Bassai Darapur Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Jaina Properties (P) Ltd.,  
Adanath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shanta Talwar,  
Quarter No. 240, Sector No. 1,  
R. K. Puram, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-21, Jaina's Shopping Centre, Bassai Darapur, for Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 60 Sq. Ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37EE/10-84/486.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-127, Jaina's Shopping Complex, Bassai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jaina Properties (P) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Satya Chopra, W/o Sh. P. L. Chopra,  
E-29, Mansrover Garden, New Delhi-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. F-127, Jaina's Shopping Complex, Bassai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 165 Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/487.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Flat No. 104, Bassai Darapur, Najafgarh Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
93—166GI/85

(1) Jaina Properties (P) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash Ashani & Mrs. Sheetal Ashani,  
7/3, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 104, Bassai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi.  
Mg. 200 Sq. Ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/488.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. G-64, Jaina's Shopping Complex, Bassai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jaina Properties (P) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi. (Transferor)  
(2) Mrs. Urnala Nanda, W/o Sh. B. R. Nanda,  
B-3-65-C, Janakpuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-64, Jaina's Shopping Complex, Bassai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi Mg. 60 Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.———

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37FE/10-84/489.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. G-23, Jaina's Shopping Complex, Bassai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Jaina Properties (P) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi. (Transferor)  
(2) Mrs. Gita Gupta, W/o Gauri Shanker Gupta,  
2450, Chota Rang Mahal, Tilak Bazar, New Delhi. (Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property No. G-23, Jaina's shopping Complex, Bassai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 60 Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Uppal Builders, A-6, Ring Road,  
N.D.S.E. Part I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37EE/10-84/490.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1 lakh and bearing  
No. C-3, situated at Karampura, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at Delhi in October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

First floor of C-3, Karam Pura, New Delhi. Mg. 3456 Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 22-5-1985

Seal :

## FORM ITES

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq. II/37EE/10-84/491.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. RTM-118, Ground floor, situated at Deep Cinema, Shopping Complex, Asok Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rajsudha Towers (P) Ltd.,  
N-52, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kuldip Kaur, BJ-101, East Shalimar Bagh,  
Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

RTM-118, Ground Floor, Deep Cinema, Shopping Complex,  
Ashok Vihar, Delhi-33. Mg. 50 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/492.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 26/16, situated at Najafgarh Road, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at Delhi in October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) National Chemical Industries Ltd.,  
26, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Saundh Construction Private Ltd.,  
26/15, Najafgarh Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 45 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 26/16, Najafgarh Road, New Delhi. Mg.  
161.18 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD, J. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/493.--Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Dilkhush Indl. Estate, G. T. Road, situated at Karnal Road, Azadpur, Delhi, No. CB-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Miss Asha Chimnani & Mrs. Ravinder Kumari,  
C/o M/s. Aildas Nehbo Mal, 3525, Qutab Road,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Neeru Dhody W/o Shri Gajinder Dhody,  
D-1, Ashok Vihar, Delhi-II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. CB-4, Dilkhush Indl. Estate G. T. Karnal Road, Azadpur, Delhi. Mg. 870 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
DELHI/NEW DELHI

Date : 22-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Allied Construction Company,  
G-5/92, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37-EE|10-84|494.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Space B-30, Plot No. 2, situated at Old Rohtak Road,  
Opp. Shahazada Bagh, Delhi-35,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi in October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(2) M/s. Metfab India,  
83 New Indl. Complex, Delhi Wazirpur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space B-30, Plot No. 2 Old Rohtak Road, Opp. Shahazada  
Bagh, Delhi-35. Mg. 295 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
DELHI/NEW DELHI

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/495.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Duplex flat No. 4 Block No. 4, situated at 9 Raj Narain  
Road, Civil Line, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

94-166GT/85

(1) Sh. Shiv Bhargava,  
C/o M/s. Laxbar India, 1 Vir Nagar Jain Colony,  
Delhi-7.  
(Transferor)

(2) M/s. Prasidh Finance Ltd.,  
4/9, Asaf Ali Road, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as gives in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Duplex flat No. 4 Block No. 4, under power housing Resi-  
dential Complex, 9 Raj Narain Road, Civil Line, Delhi.  
Mg. 3404 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
DELHI/NEW DELHI

Date : 22-5-1985  
Sent :

## FORM ITNS

(1) Sh. Satish Chand Mittal S/o Sh. Kashmeri La Mittal,  
E-154, Kamia Nagar, Delhi-7.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Gupta W/o Sh. Ravi K. Gupta,  
100 Uday Park, New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]37-EE/10-84/496.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 207-A, BMCA House, 23/23-B, situated at Ansari Road,  
Darya Ganj, Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi in October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afo-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and hat  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 207-A, BMCA House, 23/23-B, Ansari Road,  
Darya Ganj, New Delhi. Mg. 70 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 22-5-1985

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Mrs. Uma Kalra,  
MEG 2 and Centre Bangalore-560042.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neelam Aggarwal W/o Sh. Vinay Kumar Aggarwal and Yogi Raj Aggarwal S/o Sh. Janki Dass Aggarwal,  
7/18, Roop Nagar, De.hi-7.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]37-EE[10-84]497.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, A-40-41, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the erduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 104, Plot No. A-40-41, Dr. Mukherjee Ngr., Delhi.  
Mg. 454 sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any monays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shivlok Properties, Adinath,  
Snee House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New  
Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4114A ASAF ALI ROAD, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/498.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs 1,00,000/- and bearing  
No. 1-15, Upper Ground floor, situated at A/2, Najafgarh  
Road, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi in October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Property No. 1-15, Upper ground floor, A/2, Najafgarh  
Road, New Delhi. Mg. 232 sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
414A ASAF ALI ROAD, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/499.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-11, situated at Jaina Shopping Centre, Ranjeet Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) T. M. Apartments (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus,  
New Delhi.  
(Transferor)

- (2) 1. Sh. Ram Piare Chowresia S/o Sh. Sukhdev Chowresia.  
2. Sh. Manoharlal Ram Chowresia S/o Ch. Baijnath Chowresia and Bhudat,  
A-30, Vishal Enclave, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-11 Jaina, Shopping Centre, Ranjeet Nagar,  
Delhi. Mg. 27 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
DELHI/NEW DELHI

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM IIS

(1) M/s. Rajsudha Towers (P) Ltd.,  
No. 52-A, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rajendras Charitable Trust (P) Flat Sagar Apartment,  
6 Tuak Marg, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/500. —Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. RJT-410, Rajindra Tower situated at Wazirpur, Commercial Complex, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Space No. RJT-410, Rajindra Tower, Wazirpur, Commercial Complex, Delhi. Mg. 86.75 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/501.—Whereas 1, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/4 Racquet Court Road, situated at Civil Lines, Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. High Tower Builders, 4  
Racquet Court Road, Civil Lines, Delhi-54.  
(Transferor)
- (2) Smt. Beena Devki Nandan Bagadia W/o Sh. Devki  
Nandan Bagadia,  
62/B, Jolly Maker,  
Apartment No. 1, Cutie Pride, Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 18 of proposed Apartment No. 4 Racquet Court Road, Civil Lines, Delhi-4. Mg. 1145 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

FORM IINS—

(1) Jaina Properties (P) Ltd.,  
Aamath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

(2) Mr. Satwant Singh & Mr. Gurdeep Singh,  
2246/1, Shadipur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/502.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. G-7, Jaina Shopping Complex, situated at Bassai Dara-  
pur, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. G-7, Jaina shopping Complex, Bassai Dara-  
pur, New Delhi. Mg. 101 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 22-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/503.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, Plot No. 40-41, Community Centre, Dr. Mukherjee Nagar, Kingsway situated at North, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

95—166G1/85

- (1) 1. Sqn. Ldr. D. S. Saheed,  
2. Shiraj Saheed,  
3. Sanjoli Saheed,  
98 Hauz Khas, Apartments (SFS), New Delhi.  
(Transferor)

- (2) Swathi Home for Convalescence and Rehabilitation Charitable Trust,  
B/15, Virat Bhavan, D-1, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, Plot No. A-40-41, Community Centre Dr. Mukherjee Nagar Kingsway North, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]37-EE[10-84]504.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immo-  
vable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 103, Plot No. A-40-41, situated at Community Cen-  
tre, Dr. Mukherjee Nagar, Kingsway North, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section (1)  
of Section 269D of the said Act to the following persons  
namely :—

- (1) Lt. Col. H. No. Singh,  
98 Hauz Khas Apartments (SFS), New Delhi.  
(Transferor)

- (2) Aswathi Home for Convalescence and Rehabilitation  
Charitable Trust,  
D-1, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by of the aforesaid persons within a period of  
forty five days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of thirty  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within forty five days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, Plot No. A-40-41, Community Centre, Dr.  
Mukherjee Nagar Kingsway North, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Surjit Kaur,  
10/6762, Gali No. 3, Dev Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

(2) Shree Padam Home for Convalescence and Rehabil-  
itation Charitable Trust,  
B-15, Virat Bhavan, D-1,  
Dr. Mukherjee Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/505.—Whereas I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 106 Plot No. A/37-38-39, situated at Community  
Centre, Dr. Mukherjee Nagar, Kingsway North, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 106 Plot No. A/37-38-39, Community Centre,  
Dr. Mukherjee Nagar, Kingsway North, Delhi, Mg.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-FE/10-84/506.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106 Plot No. A/37-38-39, situated at Community Centre, Dd. Mukherjee Nagar, Kingsway North, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surjit Kaur,  
10/6762, Gali No. 3, Dev Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Chaitanya Home for Convalescence and Rehabilitation Charitable Trust,  
B/15, Virat Bhavan,  
D-1, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 105 Plot No. A/37-38-39, Community Centre, Dr. Mukherjee Nagar, Kingsway North, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Raj Sudha Tower (P) Ltd.,  
N-52, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Kamal Kumar,  
54, Gupta Colony, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/507.--Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. RJT-417 (11nd floor) Gupta Colony, situated at Plot  
No. 18, Wazirpur, Comm. Centre, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi in October 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

RJT-417 (11nd floor), Plot No. 18 Wazirpur, Comm.  
Centre, Delhi. Mg. 50.50 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 22-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.11/37 EE/10-84/508. --Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101 Plot No. A-37-38-39, situated at Community Centre Dr. Mukherjee Nagar, Kingsway North, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Jiswant Singh C/o Sh. Ramji Mal,  
10/6762, Dev Nagar, Gali No. 3, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Rohini Home for Convalescence and Rehabilitation Charitable Trust,  
B-15, Virat Bhavan, D-1,  
Dr. Mukherjee Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101 Plot No. A-37-38-39, Community Centre, Dr. Mukherjee Nagar Kingsway North, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

(1) Jaina's Properties (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus,  
New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ranjit Singh and Sh. Iqbal Singh,  
114, Moti Nagar Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE/10-84/509.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-43 Jaina's Shopping Complex, situated at Bassai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property No. G-43, Jaina's Shopping Complex, Bassai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 45 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/510.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-34, Jaina's Shopping Complex, Bassai Darapur, Najafgarh Rd., New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri O. P. Jaitley and  
Shri Rajiv Jaitley,  
F-13, Naraina Vihar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-34, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 60 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]37-EF[10-84]511.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-28, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Fair Market Value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

96—166GI/85

(1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. P. Mehtani,  
15/NA, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. G-28, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur,  
Najafgarh Road, New Delhi area 60 Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985

Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-FE/10-84/512.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bear No. G-44, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Arunath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri O. S. Rajpal  
WZ-1, Basai Darapur, Industrial Area,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-44, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 45 Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/57-11/10-84/513. --Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bear No. G-11, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Hari Ram Gupta,  
2937/218 Tri Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-11, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 101 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNB

(1) Shri Kulwant Singh,  
S/o late S. Bela Singh,  
Manendragarh Road, Ambikapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rambilas Goel,  
S/o Shri Kashiran Goel,  
D-21, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/10-84/514.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 2/34, situated at Block No. 2, Kirti Nagar Scheme Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2/34 Block No. 2, Kirti Nagar, Delhi Mg. 200 sq. yards.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/515.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 2/35, Block No. 2, Kirti Nagar Scheme, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajendra Singh,  
S/o late S. Kelas Singh,  
Manendragarh Road, Ambikapur.

(Transferor)

(2) Shri Rambilas Goel,  
S/o Kashiram Goel,  
B-21, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. plot Uo. 2/35 Block No. 2, Kirti Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/516.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-59, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Rakesh Harmilapi,  
C/o Shri R. C. Harmilapi,  
73 State Bank Colony, Near R. P. Bagh,  
Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Property No. G-59, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 45 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. ITNS/Acq.II/37-El/10-84/517.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
G-58, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh  
Road, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office  
of the Registering Officer  
at Delhi in October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(2) Shri D. S. Verma and  
Shri D. C. Tyagi,  
B-3/431, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-58, Jaina's Shopping Complex, Basai Dara-  
pur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 45 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/ACQ.II/37-EE/10-84/518.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000  
and bearing No.  
G-65, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh  
Road, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office  
of the Registering Officer  
at Delhi in October, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration or such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
persons, namely :—

(2) Smt. Kartar Kaur,  
W/o Shri Sajjan Lal,  
EA-118/2, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

P. No. G-65, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur,  
Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 60 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq-II]37-EE[10-84]519.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-108, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
97—166GI/85

- (1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Gulshan Pahwa,  
B-16, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. F-108, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 110 Sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
Delhi/New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/10-84/520.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-109, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any source or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Adinath Shree House, Opp.  
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Sheela Pahwa,  
W/o Shri B. D. Pahwa,  
Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. F-109, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 110 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date: 22-5-1985  
Seal:



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/521.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F-112, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Aashwin Shree House, Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar  
S/o Shri Krishan Kumar,  
C-18, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. F-112, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 110 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
4/14-A, Asaf Ali Road  
Delhi/New Delhi

Date: 22-5-1985

Sgtl:

FORM ITNS -- --

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/522.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-24, Jaina's Shopping Complex, situated at Basai Darapur, Najafgarh Rd., N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the I.T. 1961 in the office of the registering Officer at Delhi on Oct. 1084, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings on the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.  
Adinath Shree House Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Darshan Lal Abbott s/o Sh. Ujjager Mal &  
Mrs. Satish Prabha w/o Sh. Darshan Lal Abbott,  
WZ-65-B, Rattan Park, Opp. Kirti Nagar,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. G-24, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur,  
Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 45 sq.ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 22-5-85  
Sd/-

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/37-EE/10-84/523.—Whereas I, SH. K. VASUDEWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-26, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi situated 1 lakh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi I.T. Act, 1961 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as stated in the said instrument of transfer has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jaina Properties Pvt. Ltd.,  
Adinath Shree House Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chander Sethi,  
C-417, Vikas Puri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. G-26, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur,  
Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 45 sq. ft.

K. VASUDEWAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 22-5-85

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Jaina Properties (P) Ltd.,  
Adinath Shree House Opp. Super Bazar,  
Con. Circus, New Delhi, (Transferor)
- (2) Sh. Yash Pal, 59-C, Pandav Nagar  
DDA Flat, Delhi-8. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/524.—Whereas, I SH. K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-25, Jaina's Shopping Complex, situated at Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in Office of the registering Officer at Delhi I.T. Act, 1961 on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. No. G-25, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Road, New Delhi Mg. 45 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-85

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Kamlesh Bahl w/o Sh. B. M. Bahl,  
C-7/200, Sarojinji Development Area  
New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
4/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/10-84/525.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Space No. 7, Plot No. A-1/3, situated at Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in Office of the registering Officer at Delhi on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or say money or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sh. Anil Kumar Bhatta s/o Sh. R. P. Bhatta & Sh. Ram Parkash Bhatta, 10 A/34, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 7 Plot No. A-1/3, Narviwala Bagh, Azadpur, Delhi Mg. 150 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-85  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.  
Eros Cinema Building, Jangpura Ext.,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/10-84/526.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 5 Intermediate Floor "Smart Bhawan" Plot A-7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in Office of the registering Officer at Delhi on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Arun Kapur s/o Mr. M.P. Kapur &  
M/s Annu Kapur (Minor) U/s Sh. M.P. Kapur,  
A-124, Vishal Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. Space No. 5 Intermediate Floor "Smart Bhawan"  
Plots A-7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi  
Mg. 362 sq.ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 22-5-85

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE,  
414 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/37-EE/10-84/529.—Whereas I,  
SH. K. VASUDEVANbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.H. No. L-82 Kirti Nagar, situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in Office of the  
registering Office.  
at Delhi on Oct. 84for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :

98—166 GI/85

- (1) Sh. Rabhubir Singh s/o S. Sant Singh,  
J-11/44, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Kanan Bala Ahuja w/o  
Sh. Tasu Pal Ahuja, 14-B/7, Des Bandhu Gupta  
Rd. K. Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. L-82, Kirti Nagar, New Delhi Mg. 200 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/37-EE/10-84/530.—Whereas I, SH. K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 1 Intermediate Floor, "Smart Bhawan, Plot A-7-8-9, Ranjit Ngr., Community Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1961 in Office of the registering Office, at Delhi on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nehru Place, Hotels Ltd.,  
Eros Cinema Building, Jangpura, Ext.,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjeev Kapoor s/o O. P. Karoor,  
38 North Avenue Road, Punjabi Bagh,  
Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 1 Intermediate Floor, "Smart Bhawan, Plots A-7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi Mg. 404 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sh. Ramji Dass Sh. Malik Ram Gupta  
& Others, H. No. 21 Bharat Nagar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Gural Dass Sh. Ram Kumar  
Ramesh Nagar, B-2/26, Ash k Vihar,  
Phase-2, (Manohar Lal Mohan Lal)

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. 531 IAC[Acq.II]37-EE/10-84/531.—Whereas, I,  
SH. K. VASUDEVANbeing the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. C-126, New Subzi Mandi, Azadpur,  
situated at New Delhi-15  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in Office of the  
registering Officer  
at Delhi on Oct. 84fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transferor;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

P. No. C-126, New Subzi Mandi Azadpur, Delhi Mg. 63  
sq.ft.K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM IINS

(1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd, Adinath Shree House  
Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. B.N.R. Engineers Pvt. Ltd.  
WZ-SIF, Basai Darapur, New Delhi-15.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## ACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]37-EE/10-84/532.—Whereas, I  
SH. K. VASUDEVAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. F-130, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur,  
situated at New Delhi-15  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in Office of the  
registering Officer  
at Delhi I.T. Act, 1961 on Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
thereof by more than fifteen percent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
assets or other assets which have not been or which  
might to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

F-130, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, Najaf-  
garh Rd., New Delhi. Mg. 110 sq.ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 22-5-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/10-84,533.—Whereas, I  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 2/20, W.H.S. Kirti Nagar, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in Office of the  
registering Officer  
at Delhi I.T. Act, 1961 on Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferees for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) P. L. Dua (P.L. Dua & Co.),  
1/35 Sadar Bazar, Delhi Cantt.

(Transferor)

- (2) Sh. Anil Khanna, H.U.F., C-24,  
Greater Kalash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2/20 W.H.S. Kirti Nagar, New Delhi-15.Mg.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]37-EE[10-84]533.—Whereas, I K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 26/5A, Najafgarh Road situated at New Delhi-15 (and the full details are in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act 1961 (43 of 1961) in the registering Officer at I.A.C. ACQ.II, New Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) National Chemical Inds. Ltd.,  
26, Najafgarh Road, New Delhi-15.

(Transferor)

- (2) Smt. Aruna Parwal w/o Acharva Arundev  
1, Doctor's Lane, Gole Market,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

26/5A, Najafgarh Road, New Delhi-15. Area 29.95 sq.yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 22-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th June 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37-EE[10 84]2-85[803].—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-101/1 Wazirpur Industrial Area, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act 1961 (43 of 1961) in the registering Officer at I.A.C. ACQ.II, New Delhi, on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee, to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (1) Vishnu Bhargava 878, Kedar Building  
Suozi Manu, Delhi-7.

(Transferor)

- (2) Shri Rajendar Kumar 2, Asha Rani 3, Shaanti Devi, 4, Balkishan Dass, 5, Mahu Devi, 6, Vishawati all the r/o 833, Chandni Mahal, Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A-101, Wazirpur Industrial Area, Delhi Partly constructed—  
Area 670 Sq. Feet.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1985  
Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, I.P. ESTATE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-84/2481.—Whereas, I  
K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. CB/10, Hari Nagar, Clock Tower, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Chanan Singh s/o Sh. Milkha Singh,  
A-2, G.T. Road, Adarsh Nagar, Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi w/o Sh. Kharaiti Ram  
Chawla And Smt. Sunita Chawla w/o Sh. Sudhir  
Kumar Chawla R/o. J-7/69-B, Rajouri Garden,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. CB/10, 280 sq. yds at Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi Area of village Tehevo.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

- (1) Smt. Sudershan Kaur w/o Sh. Sher Singh  
r/o Deputy General Manager Ordinance Factory,  
Bluswai (Maharashtra) at Present A/E/59,  
Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/10-84/2482.—Whereas, I

K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing

No. 1-6/64, Rajouri Garden situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the registering Officer  
at New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (2) Sh. Ramesh Gosain, S/o Sh. Harnam Das Gosain,  
R/o E-12, Tagore Garden Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1-6/64, measuring 160 sq. yds, at Rajouri Garden  
area of village Tatarpur Delhi State Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

FORM JNS—

- (1) Shri Ramesh Chander Nayyar s/o Sh. Hans Raj Nayyar r/o RL-10, Ganga Ram Vatika, Tilak Nagar, New Delhi. (Transferee)
- (2) Sh. Harish Chander Gaba & Ashok Kumar Gaba s/o Sh. Vasdev Gaba R/o WZ-54, Sant Nagar, Choukhandi, New Delhi. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 5th June 1985

Rf. No. IAC/Acq.III/SR-II/10-84/2483.—Whereas, I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RL-10, Ram Lal Block, Ganga Ram Vatika situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. RL-10, measuring 200 sq. yds. situated at Ram Lal Block, Ganga Ram Vatika New Delhi.

**K. VASUDEVAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|10-84|2484.—Whereas, I,

K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A-66, Village Possangi Pur, Najafgarh Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1928) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harbhajan Singh & Sh. Harpal Singh Sethi sons of Sh. Manohar Singh Sethi. Both R/o No. 12-A, Block-I, Vijay Nagar, Delhi.  
(Transferor)

- (2) Sh. B. P. Bhatia (Rajinder Pal), s/o Sh. Shiv Ram Das Bhatia r/o No. 909, Luxmi Bai Nagar, New Delhi-23.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free hold plot No. A-66, measuring 216-2/3, sq.yds., out of Rect. No. 6 Killa No. 22/1, situated in the area of Vill. Possangipur in the abadi of Shanker Garden an approved colony, Najafgarh Road, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Chanan Devi w/o Sh. Munshi Ram of 15/94, Tehar I, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Raj s/o Sh. Ram Lal 10/18, Tehar-I, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC[Acq.III][SR-II]10-2485.—Whereas, I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15/94 Tehar-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. built property No. 15/94, on 100 sq.yds., on lease hold basis at Tehar I, Subhash Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Khem Chand Bathla  
R/o J-7/70, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) S. Mohan & Smt. Baldev Kaur  
r/o 1/5, Subhash Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-II/2486/10-84.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 70, Block J-7, Rajouri Garden, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 70, Block J-7, Rajouri Garden, New Delhi Area.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]SR-II/10-84/2487.—Whereas, I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Khata Khatuani No. 49, Kh. No. 4/14(3-8), 4/17(4-16) and 4/24(4-8), in Village, Mamoorpur Delhi State Jogeshwari (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. Jai Bhagwan Kuchhal s/o Sh. Fatch Chand Kuchhal r/o Bhagwan Building Sonipat & Smt. Manorma Kuchhal w/o Lt. Col. Jai Bhagwan Kuchhal r/o Bhagwan Building Sonipat, 2. Smt. Mithlesh Kumari d/o Late Sh. Rameshwar Dyal Modi, r/o. Moti Nagar Distt. Meerut currently residing at 110 Hari Marg Civil Lines, Jaipur.  
(Transferor)

- (2) Sh. Kanshi Ram Gupta through its K. R. Gupta s/o Sh. Ram Ratan, R/o C-51, Ashok Vihar I, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

12 Bighas 12 Biswas comprising in Khata Khatuani No. 49 Khasra Nos. 4/14 (3-8), 4/17(4-16) & 4/24 (4-8) in Village, Mamoorpur Delhi State.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 5-6-1985  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/10-84/2488.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13 Bighas 12 Biswas, Kh. No. 3/11, 3/20, 3/21 of Mamoorpur Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Jai Bhagwan Kuchhal s/o Sh. Fateh Chand Kuchhal & Smt. Manorama Kuchhal w/o Sh. Jai Bhagwan Kuchhal r/o Bhagwan Building, Sonipat.  
2. Smt. Vithlesh Kumari d/o late Sh. Rameshwar Dyal Modi r/o Moti Nagar Distt. Meerut currently residing at 110 Hari Marg Civil Lines, Jaipur.  
(Transferor)

- (2) Smt. Veena Gupta w/o Sh. Ashok Kumar r/o C-51, Ashok Vihar-I New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

13 Bighas, 12 Biswas Kh. 3/11, 3/20 3/21 of Mamoorpur in Delhi, State.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC[Acq.III|SR-II|10-84|2489.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 Bighas 14 Biswas, Kh. No. 4/15, 4/16, 4/25, 4/26 situated at Mamoorpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Jai Bhagwan Kuchhal s/o Sh. Fatch Chand Kuchhal & Smt. Manorma Kuchhal r/o Sh. Jai Bhagwan Kuchhal r/o Bhagwan Building Sonipat.  
2. Smt. Mithlesh Kumari d/o Late Sh. Rameshwar Dyal Modi r/o Moti Nagar, Distt. Meerut currently at 110, Hari Marg, Civil Lines, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Sh. Anil Gupta s/o Sh. K. R. Gupta  
R/o C-51, Ashok Vihar-I New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

12 Bighas 14 Biswas, Kh. No. 4/15, 4/16, 4/25, 4/26  
Village Mamoorpur Delhi State.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. 1AC/Acq.III/SR-II/10-84/2490.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12 Bigha, 12 Biswas, Kh. No. 4/14, 4/17, 4/24 situated at Vill. Mamoorpur Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

100—166GI/85

(1) Lt. Col. Jai Bhagwan Kuchhal s/o Sh. Fateh Chand Kuchhal & Smt. Manorama Kuchhal w/o Jai Bhagwan Kuchhal r/o Bhagwan Building Sonapat, 2. Smt. Mithlesh Kumari d/o Late Sh. Rameshwar Dayal Modi r/o Moti Nagar, Distt. Meerut, currency residing at 110 Hari Marg, Civil Lines, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Rajesh Gupta s/o Kanshi Ram r/o C-51, Ashok Vihar-I, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

12 Bighas 12 Biswas, Kh. No. 4/14, 4/17, 4/24 Village Mamoorpur Delhi State.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/10-84/894.—Whereas I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 31/5, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Varsha Arora & 2. Madan Lal Arora,  
6/12, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Komal Malik & 2. Kul Bhushan Malik  
31/5, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. built quarter No. 31/5, Old Rajinder Nagar, New Delhi-60, Original built quarter with asbestos sheets roofing over it. Area 85.9 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC/II/10-84/898.—Whereas, I  
K. VASUDEVAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. H-48, Green Park Extn. situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the registering Officer  
at New Delhi on October 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Mr. Rajendar Aggarwal s/o Sh. S. M. Aggarwal  
r/o House No. E-8, Green Park Extn.  
New Delhi-16. (Transferor)  
Shri G. Man Mohan Singh, S. Gurmeet Singh  
and S. Mohinder Pal Singh s/o S. Inder Singh  
r/o 14/5, Yusuf Sarai, New Delhi-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing N. H-48, measuring 200 sq.yds. consist-  
ing of a room temporary bath and lat, temporary super  
structure bounded by four walls situated at Green Park Extn.  
New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/10-84/900.—hereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 7A/36, Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Manorama Devi  
W/o Shri Krishan Kumar,  
R/o M-86, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Basant Kaur  
W/o Shri Bakeshhi Jaydev Singh,  
R/o C-1/13, Tibbia College,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 7A/36, bearing MCD No. 11261, Ward No. XVI, W.E.A, Karol Bagh, New Delhi, measuring 199.83 sq. yds. build on Plot No. 36, Kh. No. 4876/2598.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 5-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/10-84/901.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 4, Karol Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Darshan Singh Chawla  
S/o S. Partap Singh Chawla  
R/o Flat No. 4, D.B. Gupta Market,  
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Raj Rani  
W/o Shri Krishan Prakash  
R/o 1/48, Narankari Colony,  
Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Desh Bandhu Gupta Market, Karol Bagh, New Delhi area of the property 971 sq. ft. charged 2/3 to G.F. Shops and 1/3rd to flat.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-III/10-84/904.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gali No. 36, Kln. No. 981, Karol Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Sharan Dass S/o  
Shri Bhagwan Singh  
R/o D-20, Narain Vihar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sshri Gurnacet Singh  
S/o Shri Jaswant Singh  
2. Shri Rajinder Snigh  
S/o Shri Jaswant Singh  
R/o A-121 Gujranwala Town, Part-II,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. 1692, Gali No. 36, Block 'F' Khasra No. 981, measuring 111 sq. yds. Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
ACGARWAL HOUSE  
4/14 A, ANAPALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC[Acq.II][SR-II][10-84]906.—Whereas, I K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Government built original quarter with asbestos sheets roofing 86.7 sq. yds. 34/6, Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Neeta Dhawan  
W/o Shri S. Dhawan,  
R-777, New Rajinder Nagar,  
New Delhi-60.

(Transferee)

(2) 1. Ravi Kiran Malik &  
2. Smt. Urmil Malik  
R/o 34/6, Old Rajinder Nagar,  
New Delhi-60.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Government built original quarter with asbestos sheets roofing measuring 86.7 sq. yds. 34/6, Old Rajinder Nagar, New Delhi-60.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC/Acq-3/SR-III/10-84/908.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-56 situated at NDSE, Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raj Kumar Ritesh Deo Singh  
S/o late Raja Shiv Rattan Deo Singh  
R/o 34, Old Survey Road, Dehra Dun,  
through Addl. Distt. Judge  
Shri Ravi Kumar in Execution.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Gandhi  
W/o Shri L. K. Gandhi  
No. C-56, N.D.S.E. (Part-I)  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. C-56, 3rd Floor front N.D.S.E. II, New Delhi area  
212 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]10-84/(579)/909.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. D-33, N.D.S.E.II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
101—166GI/85

(1) Shri Adhikari Lal Sadh &  
Shri Kanti Lal Sadh  
D-25, N.D.S.E.II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daya Kaur, Gurdev Singh  
Amritpal Kaur, Amarjit Singh,  
Nanda, D. S. Nanda,  
D-43, N.D.S.II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½storeyed House No. D-33, N.D.S., Part II, New Delhi, build on Plot measuring 1000 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 5-6-1985  
Seal :

## FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref No. IAC/Acq.II/SR-IV/10-84/1401.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1260/1-A & New No. 1/6525, on plot No. 23, Shahdara situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kusum Lata Verma  
R/o 01/6525, Azad Gali,  
East Rohatash Nagar, Shahdara,  
Delhi-32.

(Transferee)

- (2) Smt. Lata Mehra, Smt. Sushma Mehra &  
Smt. Priti Mehra  
all R/o 152, Gali Batashan,  
Chawri Bazar, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Built up property No. 1260/1A and New No. 1/6525, constructed on plot No. 23, measuring 203, sq. yds. situated in Azad Gali, East Rohatash Nagar, Shahdara, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date: 5-6-1985  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. 689/IAC/Acq.II/SR-1/10-84.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 202, Bldg. No. 6378/4-B, Part I, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ramsakhi Devi w/o Sh. M. C. Bansal
- (2) Sh. Ashok Kumar Bansal and
- (3) Sh. Anil Kumar Bansal s/o of Sh. M. C. Bansal 7/28, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi
- (2) Sh. Brij Mohan Jain s/o Jaagdeesh Sahai Jain, C-34, Viek Vihar, Phase-I, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202, Bldg. No. 6378/4-B, Part I, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi. Mg. 847 sq. ft. Khasra No. 58.

K. VESUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
New Delhi

Date: 30-5-1985.  
Seal :

## FORM INS

- (1) Sh. Amar Nath, H. No. 9662, Islam Ganj, Library Road, Delhi.
- (2) Sh. Kashaya Lal & Sh. Suresh Kumar Ahuja, 10070, Gati Zamirwali, Nawabganj, Delhi.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/690.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9662 (G.F.) Ward No. XII, Mohalla Islam Ganj, behind Library Road, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. 9662 (G.F.) Ward No. XII, Mohalla Islam Ganj, behind Library Road, Delhi-6, Mg. 117 sq. yds.

K. VESUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
New Delhi

Date: 30-5-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No IAC/Acq.II/SR--1/10-84/691.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 29/127, West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Lila Wati w/o. Chuni Lal (2) Smt. Chander Kanta w/o. Narinder Pal, 29/127, West Patel Nagar, New Delhi.  
General Attorney of Sh. Ram Lal s/o Chhabil Dass, (Transferor)
- (2) Sh. Guru Singh Sabha through President Harnam Singh, 29/127, West Patel Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. 29/127, West Patel Nagar, New Delhi Mg. 200 sq. yds.

K. VESUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
New Delhi

Date: 30-5-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/693.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-24, Mansarovar Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) Smt. Sudershan Rewla W/D Sh. Yash Pal Rawla, FC-140, Tagore Garden, New Delhi.
- (2) Sh. Pawan Kumar Kwatra s/o. Sh. T. R. Kwatra, J-7/37, Rajouri Garden, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. D/24, Mansarovar Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi Mg. 297 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
New Delhi

Date: 30-5-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/695.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 167-D, Kamla Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Net Ram Aggarwal s/o. Kedar Nath, B-10 Rana Pratap Bagh, Delhi.  
(2) Shri Ramesh Kumar s/o. Sh. Mangal Dass, 7294, Prem Nagar, Delhi-7.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share undivided in the house No. 167-D, Plot No. 167 Block-D, Kamla Nagar, Delhi. Mg. 190.8 sq. yds.

K. VESUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
New Delhi

Date: 30-5-1985.  
Seal :

FORM IINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

- (1) Smt. Vidya Wati w/o. Late Sh. Gopi Nath,  
4858-A, Harbans Singh Street,  
Daryaganj,  
Delhi.
- (2) M/s. Reliable Finance Corporation Pvt. Ltd.  
through its Director Sh. S. L. Saluja,  
B-6, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/700.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 4852/24, Daryaganj, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the registering Officer at  
Delhi on Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 4852/24, Darya Ganj, New Delhi Mg. 327-21  
sq. ft.

K. VESUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) or Section 269D of the said Act, to the follow-  
persons, namely :—

Date: 30-5-1985.  
Seal :

## FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/701.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 2661, Mohalla Punjabian, Subzi Mandi, Ward No. 12,  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the registering Officer at  
Delhi on Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

102---166GI/85

- (1) Sh. Devi Chand Vason s/o. late Sh. Goda Ram,  
2661 Mohalla Punjabian, Subzi Mandi,  
Delhi.
- (2) Smt. Kamlesh Jain w/o. Sh. Ramavtar Jain,  
1532, Kathotia Bhawan, Subzi Mandi,  
Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as gives in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. 2661 Mohalla Punjabian, Subzi Mandi, Ward No.  
12, Delhi. Mg. 63 sq. yds.

K. VESUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
New Delhi

Date: 30-5-1985.  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/10-84/702.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. MC No. WZ-19, Plot No. 19, Khasra No. 2518/1862/33, Ashoka Colony, Raja Garden, Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sardul Singh  
S/o Shri Bishan Singh,  
J-5/4, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Inderjeet Kaur  
W/o Shri Surinder Singh,  
WZ-26-C, Mukherjee Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. MC No. W-19 Plot No. 19 Khasra No. 2518/1862/33, Ashoka Colony, Raja Garden, Bassai Darapur, Delhi—  
Mg. 272 sq. yards.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/703.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 26/32, East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Banarsi Lal  
S/o Shri Devi Dayal,  
26/32, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rishi Mohan Builders Pvt. Ltd.  
through its Director  
Shri Harmanjit Singh  
S/o Shri Pal Singh,  
A-94, Vishal Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. 26/32, East Patel Nagar, New Delhi—Mg. 200 sq. yards.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.B.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/705.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-3 and G-4, P. No. 4348 B/1 Block 4-C, "Aggarwal Bhawan", Madan Mohan Street, Daryaganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Santosh Kumari Agarwal  
W/o Shri B. S. Agarwal,  
116 State Bank Colony,  
Near R. P. Bagh,  
Delhi-7.

(Transferor)

- (2) Mst. Qaiser Sultana  
W/o Mr. Zia-ur-Rehman Nayyar,  
4348/4-C, Ansari Road, Daryaganj,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. G-3 and G-4, P. No. 4348/B-1, Block 4-C, "Agarwal Bhawan", Madan Mohan Street, Daryaganj, New Delhi-2—Mg. 858 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/706.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Qr. No. 3/126, Ramesh Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi on October 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

- (1) Shri Ved Parkash,
- 
- 3/126, Ramesh Nagar,
- 
- New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Sabharwal,
- 
- 3/126, Ramesh Nagar,
- 
- New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
- 
- property, within 45 days from the date of the publi-
- 
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Qr. No. 3/126, Ramesh Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New DelhiDate : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SK-I/10-84/08.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 45/A-8, The Mall, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the T.I. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal :

- (1) M/s. Rentiers & Financiers (P) Ltd.,  
Through its specially authorised representative—  
Mr. B. K. Paby,  
10 Halley Road,  
New Delhi.  
(Transferee)
- (2) M/s. Narain Cold Storage & Allied Industries Ltd.,  
Through Managing Director  
Shri Harpal Singh,  
26-C, Lawrence Road, Industrial Area,  
Delhi.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 45/A-8, The Mall, Delhi—Mg. 313 sq. yards.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. IAC/ACQ/II/SR-II/10-84/770.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

A-45, Kirti Nagar, Village Bassai situated at Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Sunder Singh Khurana  
S/o Shri Arjan Singh Khurana,  
G-23, Kirti Nagar,  
New Delhi.

PJ

(Transferee)

- (2) Shri Harbhajan Singh  
S/o Shri Makhan Singh  
C-11/114-C, Lawrance Road,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. A-45, Kirti Nagar, Village Bassai Darapur, Delhi  
Mg. 490.5/6 Sq. yards.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-1/10-84/711.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.A-45, Kirti Nagar, Village Bassai Darapur, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the Registering Officer at  
Delhi on October 1984for an apparent consideration which is, less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the terms of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Shri Sunder Singh Khurana s/o  
Shri Arjan Singh Khurana,  
G-23, Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Harbhajan Singh s/o  
Shri Makhan Singh,  
C-11/114-C, Lawrance Road,  
Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. A-45, Kirti Nagar, Village Bassai Darapur, Delhi—  
Mg. 4905/6 sq. yards

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-84/713.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5/40, A & B Kirti Nagar situated at Industrial Area, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

103—166GI/85

(1) Shri Rupinder Singh Suri,  
Kiran Nanda, Gurnit Malik and Smt. Arjun Kaur  
Suri W/o S. Kartar Singh Suri  
D-3, Lajpat Nagar-III,  
New Delhi.  
Deshpal & Kamlesh Aroar  
D/o Late Shri Gyan Chand,  
A-9-A, Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh S/o Gopal Singh,  
99, Hari Nagar, New Delhi and  
Joginder Singh S/o Gurdas Ram,  
BE-231, Hari Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. 5/40, A & B Kirti Nagar, New Delhi (Indl. Area)—  
Mg. 209 sq. yards.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Amar Nath, 9662 Islamganj,  
Library Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Kanhaya Lal,  
Sh. Panna Lal Ahuja,  
10070, Gali Zamirwali, Nawabganj, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/715-A.—

Whereas I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9662 (PF & S.F.), Ward No. XII, Mohalla Islam Ganj, situated at Behind Library Road, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

P. No. 9662 (P. F. & S. F.) Ward No. XII, Mohalla Islamganj, Delhi Mg.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1985

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/10-84/719.—

Whereas I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 50 lakh and bearing No. Qr. No. 22/6, Ramesh Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ram Kishan Dhingra,  
22/5, Ramesh Nagar,  
S/o. Sh. Godha Ram,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Rajinder Sethi,  
W/o. Sh. M. P. Sethi,  
K-135, Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. built Qr. No. 22/6, Ramesh Nagar, New Delhi. Mg.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 30-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Amar Nath,  
Islam Ganj, Library Road,  
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Kanaya Lal &  
Sh. Panna Lal,  
10070, Gali Zamir Wali, Nawabganj,  
Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-1/10-84/721.—

Whereas I, SH. K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1 lakh and bearing No.  
10062A, (FF & SF) Mohalla, Islamganj, Library Rd., Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office  
of the registering Officer at  
Delhi in October 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

P. No. 10062 A, (FF & SF) Mohalla Islamganj, Library  
Road, Delhi Mg.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/722.—

Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

M-1 Satyawati Nagar, Vill. Sadhora Kalan, Delhi Kh. Nos. 86, 88, 89, 92 to 104, 105, 106, 107 situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sohan Lal  
S/o late Sh. Jamuna Pershad,  
J-134, Ashok Vihar Phase I,  
Delhi-52.

(Transferor)

(2) Smt. Shyam Lata,  
W/o Sh. Surender Kumar Goyal,  
122, Main Bazar, Narela,  
Delhi-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

M-1, Satyawati Nagar Vill. Sadhora Kalan, Delhi Kh. Nos. 86, 88, 89, 92 to 104, 105, 106 and 107 Mg. 150 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-84/723.—

Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 31/9, East Patel Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now( therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ashok Kumar,  
S/o Sh. Harivansh Lal Kumar,  
No. K-30-A, Hauz Khas, Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Deepak Anand,  
S/o late Sh. Dina Nath Anand, and  
Mrs. Prem Anand w/o Shri Deepak Anand  
15/23, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 31/9, East Patel Nagar, New Delhi Mg. 200 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 30-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II|SR-1|10-84|726.—

Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. 153 Raja Garden, Najafgarh Road, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Sarabjit Duggal, SC/69,  
Motia Bagh, Old Subji Mandi, Delhi,  
Mrs. Brij Bala Duggal,  
121, Church Lane, Hands-work Wood,  
Birriugham (U. K.).

(Transferor)

- (2) Shri Devnder Kumar Sahjo,  
Dr. (Mrs.) Adarsh Satijo,  
154, Raja Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION a—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. 153, Raja Garden, Najafgarh Road, New Delhi-15.  
Mg.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/10-84/727.—Whereas I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, Block-A, situated at 45, The Mall, Delhi-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Updesh Kaur w/o Sh. Daya Singh, 13-A, Flat at 45, The Mall, Delhi-9.

(Transferor)

- (2) Smt. Varinder Kaur Oberai, w/o Sh. Inder Singh Oberai, Hill Line, Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13 Block-A, 45 The Mall, Delhi. Mg. 358 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC[Acq. II][SR-1][10-84]729.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing MPL No. 1400 (Old) and 2816 (Present) Gali Nalwali, Pipal Mahadev, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—  
104—166GI[85

- (1) Smt. Kusum Gupta w/o Sh. Narender Kumar, for self and as Natural Guardian of Master Parveen, Miss Monika and Miss Dipika, 2831, Gali Ghasi Ram, Bazar Sirkiwala, Delhi-6.

(Transferor)

- (2) The Shri Roop Madhuri Investment Co. Pvt. Ltd. through its authorised Director Sh. Prahlad Dass Agarwal, s/o Sh. Dau Dayal Agarwal, 70 Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property MPL No. 1400 [Old and 2816 (Present)] Gali Nalwali, Pipal Mahadev, Delhi. Mg. 249 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC[Acq. II]SR-1/10-84/830.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 2675/199, Plot No. 31, Tri Nagar, Village Chowkri Mubarkbad, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Mamlesh Kumari w/o  
late Sh. Amar Nath Aggarwal d/o  
Sh. Gyan Chand,  
H. No. 3623, Chawri Bazar,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anand Kumar Jain s/o  
late Sh. Ishwari Pershad Jain,  
2675/199, Tri Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. 2675/199, Plot No. 31, Tri Nagar, Village Chowkri Mubarkbad, Delhi. Mg. 153 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

RECEIVED  
30 MAY 1985



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/10-84/731.—Whereas I, Sh. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P.No. 35-B, Road No. 77, Class 'A', Punjabi Bagh, Bassai Darapur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Delhi I.T. Act, 1961 on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. P. L. Ghai s/o Sh. Malik Chand Ghai,  
77/35-B, Punjabi Bagh, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Gupta w/o  
Sh. Shiv Nagarian Gupta,  
Smt. Parveen Gupta w/o  
Sh. Jal Narain Gupta,  
Smt. Madhu Gupta w/o  
Shree Narain Gupta,  
4662-4663, Gali Mohar Singh Jat Pahari Dhiraj,  
Delhi-6.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P.No. 35-B, Road No. 77, Class 'A', Punjabi Bagh, Bassai Darapur, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/10-34/732.—Whereas I, Sh. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

P. No. B-2, Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sunder Lata,  
B-2 (D.S.), Ramesh Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Parvesh Chander Khanna,  
35/1, Old Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. B-2, Double storey Ramesh Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/10-84/733.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, 32 Alipur Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, in the office of the registering Officer at Delhi on October, 1984 Delhi I.T. Act, 1961 on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- (1) Sh. Kanwar Krishan Dhawan,  
32 Alipur Road, Delhi.

(Transferor)

- (2) Ms. Renana Jhabvala,  
B-4, Sunrise Shopping Centre,  
B-4, Sunrise Shopping Centre,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, 32 Alipur Road, Delhi-110054 mg. 128 sq.mt.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-5-1985  
Seal :

FORM NO. ITNS

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

(2) Shri K. J. Laheri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12582/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 46m 4th floor, Vardhman Kutir Bldg., 'B' Wing Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 46m, 4th floor, Vardhman Kutir Bldg., Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12582/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12584/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 64, 6th floor, Vardhman Kutir Bldg., 'A' Wing,  
Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authorityat Bombay on 1-10-84.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

(2) Smt. D. P. Damani &amp; Oths.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 64, 6th floor, Vardhman Kutir Bldg., 'A' Wing,  
Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Au-  
thority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12584/84-85 on 1-10-  
84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12583|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 57, 5th floor, Vardhman Kutir Bldg., 'B' Wing, Shankar Lane, Kandavali (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

(2) Shri K. J. Mehta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 57, 5th floor, Vardhman Kutir, 'B' Wing, Shankar Lane, Kandavali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|12583|84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12865/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 4, Bobby Shopping Centre Premises Co.op. Soc.  
Ltd., M. G. Road, Dahanukarwadi, Kandivali (W), Bombay-  
67.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority

at Bombay on 1-10-84.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

105—166GI/85

(1) M/s. Hindustan Steel Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. K. S. Ahuja &amp; Oths.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, Bobby Shopping Centre Premises Co.op. Soc.  
Ltd., M. G. Road, Dahanukarwadi, Kandivali (W), Bombay-  
67.

The agreement has been registered by the Competent Aut-  
hority Bombay under No. AR-IV/37-EE/12865/84-85 on  
1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Sent :

## FORM ITNS

(1) M/s. Mankoo Builders &amp; Contractors.

(Transferor)

(2) Smt K. P. Teli &amp; Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12735/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 604, 6th floor, Gyan Darshan Bldg. C.T.S. No. 328, Village Malad, S.V.P. Road, Kandivali (W), Bombay-67, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84, for, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Gyan Darshan Bldg., C.T.S. No. 328, Village Malad at S. V. P. Road, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/12735/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :



## FORM ITNS

(1) Prabhavati Sanghvi.

(Transferor)

(2) V. V. Thakkar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12995/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Uday Apartment, Kamla Nehru Cross Road, No. 2, Kandivali (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, 'Uday Apartment, Kamla Nehru Cross Road, No. 2, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12995/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Mankoo Bilders & Contractors. (Transferor)  
 (2) Mrs. A. K. Tanna & Oths. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-IV  
 BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-IV/37EE/12734/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, Gyan Darshan Bldg., C.T.S. No. 328, Village Malad, S.V.P. Road Kandivali (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 601 6th floor, Gyan Darshan Bldg., C.T.S. No. 328 Village Malad, S.V.P. Road, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/12734/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
 Seal :

## FORM IINS

(1) M/s. G. K. Development Corporation. (Transferor)

(2) Mr. N. V. Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12974/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 48, 4th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar  
Lane, Kandivali (W), Bombay-67,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority

at Bombay on 1-10-84.

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 48 4th floor, G. N. Nagar Bldg. No. 2, Shankar  
Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Aut-  
hority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12974/84-85 on 1-10-  
84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

FORM FINS

(1) Atul Builders &amp; Associates.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. P. Gandhi &amp; Oths.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12919/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paras Darshan, Shankar Lane, Near Mahavir Nagar, Kandivali (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Paras Darshan Shankar Lane, Near Mahavir Nagar, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12919/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) The Dawoodi Bohra Welfare Trust.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. F. Sadikot &amp; Oths.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/13013/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 205, C-II Block, M. G. Road, Kandivali (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 205, C II, Block, M. G. Road, Kandivali (W), Bombay-67.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/13013/83-84 on 1-10-84.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Atul Builders &amp; Associates.

(Transferor)

(2) Smt. K. R. Desai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12920/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paras Darshan, Block No. 303, Shankar Lane, Near Mahavir Nagar, Kandivli (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section-269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Paras Darshan, Block No. 303, Shankar Lane, Near Mahavir Nagar, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12920/37EE/83-84 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Atul Builders &amp; Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. M. S. Katecha &amp; Oths.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/13254/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paras Darshan, Block No. 403, Shankar Lane, Near Mahavir Nagar Kandivali (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

106—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Paras Darshan, Block No. 403, Shankar Lane, Near Mahavir Nagar, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/13254/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM 1113

(1) Atul Builder &amp; Associates.

(Transferor)

(2) Shri N. M. Janani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IV/37-EE/12817/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 301, Paras Darshan, Shankar Lane, Near Mahavair  
Nagar, Kandivali 7(W), Bombay-67,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Flat No. 301, Paras Darshan Shankar Lane Near Mahavir  
Nagar, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/12817/84-85 on  
1-10-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s. S. R. Construction Company.

(Transferor)

(2) Miss, Mary Marits &amp; Other's.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/13035/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 621, 6th floor, Sai Heaven, Cavdevi Rd. Poisar Kandivali (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 621, 6th floor, Sai Heaven, Gomdevi Rd, Poisar Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/13035/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Devchand Sunderji Davad &amp; Oths.

(Transferor)

(2) P. A. Sanghvi &amp; Oths.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/12772/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5-A, 1st floor, 'A' Wing, Krishnakrupa Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5-A, 1st floor, 'A' Wing, Krishnakrupa, Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/12772/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/13462/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, Paras Darash, Shankar Lane, Near Mahavir Nagar, Kandivali (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                                 |              |
|---------------------------------|--------------|
| (1) Atul Builders & Associates, | (Transferor) |
| (2) Smt. B. B. Sejpal           | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202, Paras Darshan Shankar Lane, Near Mahavir Nagar, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/13462/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV[37-EE]12607/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 2, in 'C' Wing, Ground floor, Krishna Krupa Bldg., Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri R. J. Parmar &amp; Otha.

(Transferor)

(2) Shri J. N. Parmar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, C wing, ground floor, Krishna Krupa Bldg., Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV[37EE]12607/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

FORM ITNS — —

(1) Smt. N. P. Bhatia.

(Transferor)

(2) Smt. M. R. Motwani &amp; Oths.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/12757/84-85 —Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 44, 4th floor, Rajratan Place Co. Op. Hsg. Soc/  
Ltd., Kandivali (W), Bombay-67,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 44, 4th floor, Rajratan Palace Co. Op. Hsg. Soc.  
Ltd., Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/12757/84-85 on  
1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12916/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 50, 4th floor, Shivam Bldg. S. V. Road, Fatehbaug, Kandivali (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rajlaxmi Construction Co. (Transferor)
- (2) Shri Parsotamdas G. Parekh & Smt. S. P. Parekh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 50, 4th floor, Shivam Bldg. S. V. Road, Fatehbaug, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12916/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Kiranben H. Shah &amp; Ohs.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) H. M. Babaria,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR-IV/37-EE/13070/84-85. Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearingFlat No. 205, Shivlok, Balika Vidyalaya Road, Kandivali  
(W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-84for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 205, Shivlok, Balika Vidyalaya Road, Kandivali  
(W), Bombay-67.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13070/84-85 on  
1-10-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

107—166GI/85

Date : 31-5-1985  
Seal :

FORM ITNS-----

- (1) M/s. Yashodhan Development Corpn. (Transferor)
- (2) Mrs. J. P. Pilani. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/12909/84-85.--Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Shop No. 7, ground floor, Shankar Lane V. P. Road,  
Kandivali, Bombay-67.  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269C of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, Shankar Lane, V. P. Road,  
Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/12909/84-85 on  
1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :



## FORM IIS

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri B. P. Maniar &amp; Oths.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

K.L. No. AR-IV/37-EE/12581/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 39, 3rd floor, Vardhman Kutir Bldg., 'B' Wing,  
Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 39, 3rd floor, Vardhman Kutir Bldg., 'B' Wing,  
Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12581/84-85 on  
1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Abdul Jatif Adam &amp; Oths.

(Transferor)

(2) M/s. Heena Developments.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :--OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/13067/84-85.---Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.Piece of land, at the junction of S. V. Rd. & Khajuria Tank  
Rd, Kandivali (W), Bombay-67, C. T. S. No. 428 (part),  
428/1 to 20(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-84for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of --(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Piece of Land, at the Junction of S. V. Road, & the Kha-  
juria Tank Rd, Kandivali (W), Bombay-67, C. T. S. No.  
428 (part), 423/1 to 20.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under AR.IV/37/EE/13067/84-85 on  
1-10-84.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons namely :--Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Vardhman Builders. (Transferor)  
 (2) Mrs. M. H. Datta & Oths. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12579/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.Flat No. 59, 5th floor, Vardhman Kutir Bldg., 'B' Wing  
Shankar Lane, Kandivali (W) Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-84for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
movable or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 59, 5th floor, Vardhman Kutir Bldg., 'B' Wing,  
Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12579/84-85 on  
1-10-84.

PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

(2) Mr. R. P. Bhatia &amp; Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12585/84-85.—  
Whereas, I, A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and being  
Flat No. 69, 6th floor, Vardhman Kutir Bldg., 'B' Wing  
Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter I of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 69, 6th floor, Vardhman Kutir Bldg., 'B' Wing  
Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/12585/84-85 on  
1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Vardhaman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. M. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR IV/37-EE/12580/84-85.--

Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 56, 5th floor, Vardhaman Kutir Bldg., 'B' Wing Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 56, 5th floor, Vardhaman Kutir Bldg., 'B' Wing Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV/37EE/12580/84-85 on 1-10-1984.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. G. K. Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Mugat Vrajlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12972/84-85.—  
Whereas, I, A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 59, 5th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar  
Lane, Kandivli (W), Bombay-67,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 59, 5th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar  
Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12972/84-85  
on 1-10-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. G. K. Development Corporation.  
(Transferor)(2) Mr. A. V. Shah.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12973/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 49, 4th floor, G. K. Nagar, Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-aforesaid property by the issue of this notice under sub- persons, namely:—

108—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 49, 4th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12973/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vasudev Purshottam,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. K. Doshi &amp; Oths.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12989/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 43, 4th floor, 'B' Tower, Shreeji Darshan, C.T.S. No. 100, S. V. Road, Kandivali (W), Bombay-67

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, 'B' Tower Shreeji Darshan Bldg. C.T.S. No. 100, S. V. Rd., Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12989/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.,

(Transferor)

(2) Shri S. C. Rajpal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/13033/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13 on 1st floor, Nilkanth Bldg. S. V. Rd. Fatehbaug, Kandivali (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13 on 1st floor, Nilkanth Bldg. S. V. Rd. Fatehbaug, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/13033/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12990/84-85.—  
Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 52, Shreeji Palace, Plot bearing No. C.T.S., No. 99 of village Kandivali, S. V. Rd., Kandivali (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dattani Developments.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena Kumari A. Bhatia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor Shreeji Palace, Plot bearing C.T.S. No. 99, of village Kandivali, S. V. Road, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/12990/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Rangt-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-BE/12967/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25, 2nd floor, C. K. Nagar Bldg. No. 2 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

(1) M/s. G. K. Development Corpn.

(Transferor)

(2) Mrs. H. M. Shah and Mr. M. V. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 25, 2nd floor, C. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12967/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. AR-IV|37-EE|12896|84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 26, Sunderam Building, S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Trilok Construction Co. (Transferor)
- (2) Smt. Jaya Gouri Suryakant Acharya & Shri S. V. Acharya. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 26, Sunderam Building, S. V. Road Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12896|84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 30-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.,

(Transferor)

(2) K. V. Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12635/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 37, 3rd floor, Shivam Bldg., S. V. Road Fatchbaug, Kandivali (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 37, 3rd floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatchbaug, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/12635/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Nath Ji Investments.

(Transferor)

(2) N. G. Thakkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13040/84-85.—  
Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 2nd floor, 'B' Wing Srinivas Apts, 308M, S.V. Road, Kandivali (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, 'B' Wing, Srinivas Apartments, 308, S. V. Road, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13040/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Nath Ji Investments.

(Transferor)

(2) Chandrakant K. Dholakia.

('Transferee')

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12892/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 2nd floor, 'A' Wing, Srinivas Apartments, 308, S. V. Road, Kandivali (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

109—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, 'A' Wing, Srinivas Apartments, 308, S. V. Road, Kandivali (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/12892/84-85 on 1-10-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Bonanza Industrial Estate Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Zankar Industries. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY**

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12649/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. C-14, 2nd floor, Bonanza Ind. Estate, Ashok Chakravarti Rd., Kandivali (E), Bombay-101, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Unit No. C-14, 2nd floor, Bonanza Ind. Estate, Ashok Chakravarti Rd., Kandivali (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IV/37EE/12649/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Mr. Kapil R. Agarwal.

(Transferor)

(2) M/s. Mangaleshari Products.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-BE/12650/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Industrial Gala No. C-1, 1st floor, Bonanza Industrial Estate, Ashok Chakravarti Rd., Kandivali (E), Bombay-101 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Industrial Gala No. C-1, 1st floor, Bonanza Industrial Estate, Ashok Chakravarti Rd., Kandivali (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/12650/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12679/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Dahisar Avdhoot Co-operative Housing Society Ltd., Bldg. A-1, Plot bearing S. No. 16, 61 &amp; 62 (Part), Dahisar (East), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) K. H. Bhambhani.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil V. Chawnde &amp; Mrs. K. V. Chawnde.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3, Dahisar Avdhoot Co-operative Housing Society Ltd., Bldg. A-1, Plot bearing S. No. 16, 61 & 62 (Part), Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12679/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS ———

- (1) M/s. Shree Guru Ashish Construction. (Transferor)  
 (2) Mr. Durgalal Sharma. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12612/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5-B, 5th floor, Akshay Apartments, Yashwant Tawde Marg, Dahisar (W), Bombay-68 situated at Dahisar (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-B, 5th floor, Akshay Apartments, Yashwant Tawde Marg, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/12612/83-84 dt. 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12703/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural Land bearing Survey No. 111, Hissa No. 20 & City Survey No. 2874 & 2875 1 to 3, Village Dahisar in Taluka Borivli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mansukhlal Bhanji Pujara & Ors. (Transferor)  
 (2) M/s. Shrinath Estate Agents. (Transferee)  
 (3) Transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing Survey No. 111, Hissa No. 20 and City Survey No. 2874 & 2875 1 to 3, Village Dahisar in Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12703/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-IV,  
 Bombay

Date : 31-5-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12768/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B-6, 6th floor, Bldg. Akshay Apartments, Village Dahisar, Taluka Borivli, Survey No. 209, Hissa No. 2 (Part), Dahisar (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Shree Guru Ashish Construction.  
(Transferor)  
(2) Mr. Ravi Gharat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-6, 6th floor, Bldg. Akshay Apartments, Village Dahisar, Taluka Borivli, Survey No. 209, Hissa No. 2 (Part), Dahisar (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, vide serial No. AR-IV/37-EE/12768/84-85 dt. 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12879/84-8.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 307, 3rd floor, Vaishali Apartment, Yashwant Tawde Road, Dahisar (West), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Vaibhav Development Corporation.  
(Transferor)
- (2) Damodar N. Bhat & Others.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd floor, Vaishali Apartment, Yashwant Tawde Road, Dahisar (West), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12879/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Vijay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satya Narayan Singh Mankame.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13008/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, 3rd floor, Kashidham Bldg., C.T.S. No. 980, Y. R. Taware Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

110—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, Kashidham Bldg., C.T.S. No. 980, Y. R. Taware Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13008/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12636/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, 2nd floor, Dahisar Barkha Co-op. Hsg. Society, Ltd., S. V. Road, Dehisar (East), Bombay-400 068 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sri M. Janardhan Bhat. (Transferor)
- (2) Sri Sabuddin Jeevanbhai Keshwani. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Dahisar Barkha Co-op. Hsg. Society Ltd., S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12636/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12845/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value of Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 309, H. No. 4, S. No. 296, H. No. 8, Village Dahisar, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Vishnu K. Mahtre &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Kirit J. Bhatt &amp; Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 309( H. No. 4, S. No. 296, H. No. 8, Village Dahisar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12845/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babubhai Premji Waghela.

(Transferor)

(2) Shri Narshi Mohan Parmar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13042/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, 'Dahisar Gaurav' Bldg., Harishankar Joshi Road, Dahisar (East), Bombay-400 068 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 1, 'Dahisar Gaurav' Bldg., Harishankar Joshi Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13042/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Chariot Builders.

(Transferor)

(2) Mr. D. P. Panandikar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12922/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, Shree Yogeshwari Apartments, C.T. S. No. 133, & 133/I, Mandpeshwar, Borivli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, Shree Yogeshwari Apartments, C.T. S. No. 133 & 133/I, Mandpeshwar Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12922/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12928/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Flat No. 108, 1st floor, Hareshwar Apartments, Bldg. B,  
Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92,  
situated at Bombay,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and agreement is registered under Section  
269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the  
Competent Authority  
Bombay on 1-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Preeti Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Vishnu Banavalikar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 108, 1st floor, Hareshwar Apartment, Bldg. No. B,  
Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Autho-  
rity, Bombay under No. ARIV/12928/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) D. N. Enterpise.

(Transferor)

(2) Mrs. Enid Narikuzhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12900|84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Unit No. 44, in A-Wing Dreamland, 120 link Rd.,  
C.T.S. 1838 of village Eksar Borivli (W), Bombay-92,  
situated at Bombay,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority  
Bombay on 1-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 44, A-Wing, Dreamland at 120 Link Road,  
C.T.S. 1838 of Village Eksar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-IV|12900|84-85 on  
1-10-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-5-1985  
Seal:

## FORM ITNS

(1) M/s. Preeti Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. A. R. Pereira,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/12927/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, Hareshwar Apartment, Building-A, Eksar Road, Borivli (W), Bombay 92, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Hareshwar Apartment, Building 'A' Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12927/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Bharatiya Builders.

(Transferor)

(2) M/s Shiv-Shakti Builders.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12815/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece & parcel of land lying at village Eksar & Mount poisar Village, Survey No. 163 H. No. 1 Survey No. 26, Hissa No. 2A, Borivli, situated at Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
111—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece & parcel of land lying at Village Eksar & Mount poisar Survey No. 163, Hissa No. 1, S. No. 26, Hissa No. 2A, Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12815/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-5-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12561/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Flat No. 13, 1st floor, Dattani—Apartments, L.T. Road,  
Borivli (West), Bombay-92,  
situated at Bombay,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Mukesh Babulal Shah. (Transferor)  
(2) Paresh Potatlal Shah. (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor, Dattani Apartments, L.T. Road,  
Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12561/84-85 on  
1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-5-1985  
Seal:



## FORM ITNS—

(1) Shri Ravjibhai Govindbhai Patel.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Kanjibhai Chauhan &amp; Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12746/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. B-7, Rajkamal, Carter Road No. 3, Borivli (E), Bombay-66,

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-7, Rajkamal, Carter Road No. 3, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12746/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Waghela Champagauri Kantilal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-IV[37EE]12872[84-85].—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, Ground floor, Bldg. No. A-13, Rattan Nagar, Borivli (East), Bombay, situated at Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Bldg. No. A-13, 'Rattan Nagar', Borivli (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV[37EE]12872[84-85] on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Nipa Construction.

(Transferor)

(2) Mrs. Kankuben Sohanraj Jain.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12858/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, Wing-B, Pareesh Apartment, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 601, 6th floor, Wing-B, Pareesh Apartment, S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12858/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Hiralaxmi Kantilal Mehta & Ors.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bimal Vanraj Saraiya & Anr.  
(Transferee)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12648/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-9, Kailash Apartment, Building No. II, Survey No. 146, Hissa No. 2 & Survey No. 3, Hissa No. 3, C.T.S. No. 54, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A-9, Kailash Apartment, Bldg. No. II, Survey No. 146, Hissa No. 2 & Survey No. 3, Hissa No. 3, C.T.S. No. 54, S.V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12648/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Himanshu Hasmukhlal Desai &amp; Anr.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ret. No. AR-IV/37EE/12902/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, Ground floor, Bldg. A-7, 'Rattan Nagar', Borivli (East), Bombay, situated at Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 23, Ground floor, Bldg. A-7, 'Rattan Nagar', Borivli (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12902/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12833|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Stall No. 16, ground floor, Toyal Shopping Arcade, Okit nearubq CPS No. 2780 S.V. Road, Opp. Rly. Stn. Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jayantilal Ramjibhai Salia. (Transferor)  
(2) Shri Omprakash R. Jain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Stall No. 16, ground floor, Goyal Shopping Arcade, CTS No. 2780, S.V. Road, Opp. Rly Station, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|12833|37EE|84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-5-1985  
Seal:

FORM NO. LT.N.S. ———

(1) J.M.C. &amp; Meghani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kirti C. Shah &amp; Anita H. Chheda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE IV  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-IV/37EE/12555/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-  
and bearing No.  
Shop No. 3, Jamuna Darshan Natakawala Lane, Off  
Swami Vivekanand Road Borivli (W), Bombay-92,  
situated at Bombay,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XAX of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3, Jamuna Darshan Natakawala Lane, Off Swami  
Vivekanand Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-IV/12555/37EE/84-85 on  
1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
112—166GI/85

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.  
(Transferor)
- (2) Shri Ratan S. Digra  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13060/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, ground floor, Rattan Nagar, Bldg. No. A-13, Borivli (E), Bombay-66, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 1, ground floor, Rattan Nagar Bldg, No. A-13, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/13060/84-85 on 1-10-84.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Suresh Bapalal Shah.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nisha Rajnikant Jhaveri &amp; Ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12702/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 64, 6th floor, Panch Ratna, S.V. Patel Road, Borivli (West), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 64, 6th floor, Panch Ratna, S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12702/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EF/12988/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9-B, Bldg., 2nd floor, Shivsagar Apartment, Ram Bahg. S.V. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kalidas Madhubhai Parmar  
(Transferor)
- (2) Smt. Bhagirathi Chunilal Mehta & Anr.  
(Transferee)
- (3) Transferees.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 9-B, Bldg., 2nd floor, Shivsagar Apartment, Ram Bahg. S.V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority vide serial No. ARIV/37-EF/12988/84-85 dt. 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Roncon Felinto Tellis, 2. Cutao Gladmierer Roncon Tellis, &amp; 3. Smt. Shirina Baretto.

(Transferor)

(2) Basilius D'Silva.

(Transferee)

(3) 1. Mrs. Natalie Rego & 2. Mrs. Renedia Alvares  
(Person in occupation of the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12712/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pieces or parcels of lands bearing Survey No. 161, Hissa No. 1 (Part) and City Survey No. 1308, 1308/1 & 2, Village Eksar, Taluka Borivli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pieces or parcels of lands bearing Survey No. 161, Hissa No. 1 (Part) & City Survey No. 1308, 1308/1 & 2, Village Eksar, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12712/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12781/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, 3rd floor, Bldg. A-17, Survey No. 222, Hissa No. 1 to 5, Rattan Nagar, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, Borivli (E) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |  |              |
|--|--------------|
| (1) M/s. Bhavana Construction Company. | (Transferor) |
| (2) Smt. Kantaben Basiklal Shah        | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Bldg. A-17, Survey No. 222, Hissa No. 1 to 5, Rattan Nagar, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12781/84-85 on 1-10-1984

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Richard Martin Nazareth

(Transferor)

(2) Harold Gregory D'Souza

(Transferee)

(4) Builder Nari Matai.

(Person whom the undersigned knows to be interested in property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13086/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-13, 3rd floor, Rosario Apartments, Eksar, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A-13, 3rd floor, Rosario Apartments, Eksar, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-FE/13086/84-85 dt. 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Bhavana Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Varsha J. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12779/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 2nd floor, Bldg. A-17, Survey No. 222, Hissa No. 1 to 5, Rattan Nagar, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, Borivli (E) Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, Bldg. A-17, Survey No. 222, Hissa No. 1 to 5, Rattan Nagar, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12779/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-5-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vagela Purushotam Nagardas

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV[37-EE]12871[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 35, 3rd floor, Bldg. No. 8-9-10, Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66 has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

113—166G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 35, 3rd floor, Bldg. 8-9-10, Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV[37EE]12871[84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) P. G. Agarwal &amp; G. M. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12873/84-85.—Whereas, I, A.  
PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 60, 4th floor, Bldg. 8-9-10, Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 60, 4th floor, Bldg. 8-9-10, Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/12873/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/12773/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C/20, 'Jeevan Ashiyana', Jeevan, Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103 situated at Borivali (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri T. P. Govindan.

(Transferor)

(2) Miss Mira Mohanlal Davda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C/20, Jeevan Bima Nagar, 'Jeevan Ashiyana', Borivali (West), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/12773/84-85 dt. 1-10-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. G. R. Naidu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. L. Bajaj &amp; Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAYObjections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 31st May 1985

Ref. ARIV/37EE/12959/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 15, Bldg. No. C-6, Jeevan Bima Nagar, orivli  
(West), Bombay-103  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of  
the Competnt Authority  
at Bombay on 1-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 15, Bldg. No. C-6, Jeevan Bima Nagar, Borivli  
(W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/12959/84-85 on  
1-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/13016/84-85.—Whereas, I, A.

PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 38, 2nd floor, Bldg. No. A/6-3, Groves Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Jeevan Bima Nagar, Borivli (West), Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. M. Braganza (Transferor)  
(2) Mr. B. D. Anchan (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 38, 2nd floor, Bldg. No. A/6-3, Groves Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Jeevan Bima Nagar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/13016/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/12606/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 7, 3rd floor, Prasthan Apartments, Sindhi Sadan Colony, S.V.P. Road, Borivali (W), Bombay-103 situated at Borivali (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ramesh Shantilal Doshi & Anr. (Transferor)  
(2) Smt. Manjulaben Nagindas Mehta & Anr. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Prasthan Apartments, Sindhi Sadan Colony, S.V.P. Road, Borivali (W), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/12606/84-85 dated 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Bhavna Construction Co.

(Transferor)

(2) Sh. Navin B. Mehta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/12674/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, 2nd floor, A-17, Bldg. Survey No. 222, Hissa No. 1 to 5, Rattan Nagar, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, Borivli (E), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

stating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, Bldg. A-17, Survey No. 22 Hissa No. 1 to 5, Rattan, Near Premji Nagar and Daulat Nagar, Borivli (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No ARIV/12674/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Bonaza Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Lalitaben C. Patel &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/12742/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Aakansha, 472, S.V.P. Road, C.T.S. No. 1405, Eksar Village, Opp. Bhagvati Hospital, Borivli (W), Bombay-103, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Aakansha 472, S.V.P. Road, C.T.S. No. 1405, Eksar Village, opp. Bhagvati Hospital, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/12742/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. &amp; Mrs. R. Govindaswamy,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manjeet Kaur and Mrs. Harjeet Kaur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV|37EE|12979|84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. D|24, Yogi Ganga Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Eksar Road, Yogi Nagar, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

114—166GT|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. D|24, Yogi Ganga Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Eksar Road, Yogi Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV|12979|84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Vijay Nagar Corporation,  
(Transferor)
- (2) Mr. Rajkumar Manharlal Mehta,  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/12614/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 100,000/- and bearing No. Bldg. No. 57/58, Flat No. 1605/Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg. No. 57/58, Flat No. 1605, Yogi Nagar Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/12614/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 30-5-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s. Parikh &amp; Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Hemantkumar Bhikkhal Vyas  
& Shri G. L. Chavda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/12609/84-85.—Whereas, 1,  
A. PRASAD  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Shop No. 8, Star Trade Centre Sodawala  
Lane, Borivli (W), S.V.P. Road,  
Bombay-92.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of  
the Competent Authority, Bombay on  
1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability\*  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 8, Star Trade Centre Sodawala Lane, S.V. Patel  
Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay under No. ARIV/12609/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 30-5-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Patrick V. Soans.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/12830/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 110 (pt) C.T.S. No. 1128, Village Eksar, E.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 110 (Pt) C.T.S. No. 1128, Village Eksar, E.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/12830/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Param Anand Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) H. R. Gupta and  
Rakesh M. Gupta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/12669/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 59, 4th floor, 8-9-10 Building, Rattan Nagar, Borivli, (E), Bombay-66, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 59, fourth floor, 8-9-10 Building, Rattan Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/12669/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. ARIV/37EE/12747/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, At Hill Abode Co-operative Housing Society Mount Pinsur, Borivili (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Madhu A. Bajaj.

(Transferor)

(2) Dr. Amar Singh Singh and Shri Anant Singh Choudhary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8, Hill Abode Co-operative Hsg. Scty. Mount Pinsur, Borivili (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/12747/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 30-5-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Brij Builders,

(Transferor)

(2) Smt. Anandiben Ramshankar  
Upadhyay & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/13062/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

C-103, Devendra Apartment, Rokadiya Lane, S.V.P.  
Road, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C-103, Devendra Apartment, Rokadiya Lane, S.V.P. Road,  
Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. ARIV/13061/37EE/84-85 on  
1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 30-5-1985.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/13056/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 67, 1st floor, 8-9, 10, Bldg. Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.  
(Transferor)
- (2) Smt. Shantaben A. Sanghvi &  
Shri Deepak A. Shanghvi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 67, 1st floor, 8-9-10, Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/13056/37EE/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 31-5-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Vandana Sharad Mahida.

(Transferor)

(2) Shri Namdeo R. Patkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV/37EE/12869/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
Flat No. 1, ground floor, Madhusudan Terrace on sub plot  
No. 10 & 12 Kastur Park, Final Plot No. 62S TPS  
111, Borivli.

(and more fully described in the Schedule annexed, hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

115—166G/85

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Madhusudan Terrace on sub plot  
No. 10 & 12, final plot No. 62S TPS, 111, Kastur Park,  
Borivli.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. ARIV/12869/37EE/84-85 on  
1-10-84.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/13015/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, Sai Niketan, Madona Colony, Mand-peshwar Road, Borivli (W), Bombay-400103, situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Gadiyar Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Peter D'cunha &  
Miss Bernade D'cunha

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Sai Niketan, Madona Colony, Mand-peshwar Road, Borivli (W), Bombay-400103.  
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/13015/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 30-5-1985  
Sd/-



FORM ITNS—

(1) M/s. Vijay Nagar Corpn.

(Transferor)

(2) Mrs. Bharat Ramesh Alve

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/12976/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Building No. 57/58, Flat No. 1704, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building No. 57/58, Flat No. 1704, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/12976/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1985  
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) M/s. Param Anand Builders P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Amarlal B. Chhabria &  
Heera A. Chhabria

(Transferer)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/12670/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, 1st Floor, B-4 Building in Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, 1st Floor, B-4 Building in Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/12670/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

NOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Raghuvanshi Builders

(Transferor)

(2) Pravinchandra B. Desai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st. May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/12683/37EE/84-85.---

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 1097, S. No. 158, Raghuvanshi Apartment Bldg. C.F. No. 21, 2nd floor, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1097, S. No. 158, Raghuvanshi Apartment Bldg. C. F. No. 21, 2nd floor, Chandavarkar Road, Borivli(W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/12683/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Raghuvanshi Builders

(Transferor)

(2) Sonali Narendra Pandya

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV[37EE]12685[84-85.---

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.T.S. No. 1097, S. N. No. 152, Raghuvanshi Apartment, Bldg. C, Flat No. 101, 1st Floor, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as in the Chapter.

## THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1097, S. N. No. 152, Raghuvanshi Apartment, Bldg. C, Flat No. 101, 1st Floor, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV[12685]84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Raghuvanshi Builders

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mukesh C. Pandya

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/12684/84-85.—

Whereas, I,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102, 1st floor, Raghuvanshi Apartment-C, C.T.S. No. 1097, S. No. 152 Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Raghuvanshi Apartment-C, C.T.S. No. 1097, S. No. 152 Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/12684/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Raghuvanshi Builders

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Maniben Bhikhabhai Desai

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ret. No. AR.IV/37EE/12682/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, C-Bldg., Raghuvanshi Apartment, C.T.S. No. 1097 S. No. 152, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used in this notice are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202 2nd floor, C-Bldg., Raghuvanshi Apartment, C.T.S. No. 1097 S. No. 152, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/12682/37FE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) K. T. Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kala M. Babrekar

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/12572/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, Meghna Apartments, Behind Ganesh Mandir, Vazira Naka, Borivli (W) Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

116—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16, Meghna Apartments, Behind Ganesh Mandir, Vazira Naka, Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.IV/12573/84-85 on 1-10-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Nipa Construction

(Transferor)

(2) Mr. D. P. Patel &  
Mr. B. P. Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/12753/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Wing-B, Paresh Apartment, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Wing-B, Paresh Apartment, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/12753/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :



## FORM ITN—

(1) K. T. Constructions

(Transferor)

(2) Mrs. N. S. Kothare

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|12645|84-85.—

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Meghalay, Flat No. 21, Vazira Naka Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Meghalay, Flat No. 21, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|12645|37EE|84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Gagangiri Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Ramkrishna Ganu Mhatre &  
Mrs. Puspa R. Mhatre

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV[37EE]12828/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 203, 2nd floor, C Bldg. Gagangiri Nagar,  
Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, C Bldg. Gagangiri Nagar,  
Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.IV[12828/37EE/84-85 on  
1-10-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Arihant, Enterprises

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shantilal P. Trivedi  
P. S. Trivedi &  
Mahendra S. Trivedi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/12952/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 104, 1st floor, B-Wing, Plot No. 23, 24 & 25 City survey No. 13/14, 13/12, 13/13, Desai Sheth Nagar, Off S. V. Road, Near Poisar Bus Depot, Borivli (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 104, 1st floor, B-Wing, Plot No. 23, 24 & 25 City survey No. 13/14, 13/12, & 13/13, Desai Sheth Nagar, Off S. V. Road, Near Poisar Bus Depot, Borivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/12952/37EE/84-85 on 1-10-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985

## FORM ITNS

(1) Smt. Ameeta Bharat Burman

(Transferor)

(2) Smt. Bharati Jagdish Shah

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/12924/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 18/D-304, 3rd floor, Prem Apartments, Saibaba Nagar, Off S. V. Road, Survey No. 108(P), 109(P) & 112(P), Village Kandivli, Borivli (W), situated at Borivli (West), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 18/D-304, 3rd floor, Prem Apartments, Saibaba Nagar, Off S. V. Road, Survey No. 108(P), 109(P) & 112(P), Village Kandivli, Borivli(W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/12924/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Bismillah Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri S. Mathi

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/13053/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3006, Doll Apartment, Survey No. 94, Village Pēisar, Borivli (W), Bombay-92,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3006, Doll Apartment, Survey No. 94, Village Pēisar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/13053/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) P. M. Kothari

(Transferor)

(2) Lilam Premises Co-op. Scty. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|12991|84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Lilam Bldg. with and bearing C.T.S. No. 285, Rajendra Nagar Road, Dattapada, Borivli (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lilam Building, C.T.S. No. 285, Rajendra Nagar Road, Dattapada, Borivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|12991|37EE|84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal

FORM NO. ITNS

(1) M/s. Pragati Corporation,

(Transferor)

(2) M/s. Atul Ceramic.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12897/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8, ground floor, Neeldhara Apartment, Devidas Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
117—166GJ/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 8, ground floor, Neeldhara Apartment, Devidas Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12897/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Gautam Builders, (India)  
(Transferor)

(2) Mrs. Vilasben Naunilal &  
Mr. Jayesh N. Parikh,  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY**

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12908/84-85.—Whereas I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, 6th floor, Vishal II Building Chinchwala Lane, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 601, 6th floor, Vishal II Building Chinchwala Lane, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12908/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985  
Seal :



## FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13095/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Prabhu Nivas, Flat No. 22, 2nd floor, S. No. 20, plot No. 2, Eksar Village Borivli (W), Bombay-66, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Himanshu Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Balubhai L. Patel &  
Smt. Lilavanti B. Patel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prabhu Nivas, Flat No. 22, 2nd floor, S. No. 20, Plot No. 2, Eksar Village Borivli (W), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/13095/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM FINE

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV[37-EE]12754/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor, B-Wing, Paresh Apartment, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nipa Construction,  
(Transferor)  
(2) Mr. Mahesh M. Ambani &  
Mrs. Hansa M. Ambani.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, B-Wing, Paresh Apartment, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV[12754]37-EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Saiyed &amp; Bros.

(Transferor)

(2) Shri Rameshkumar N. Sagar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12847/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Laxmi Apartment, 1st floor, Rajda Nagar, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Laxmi Apartment, 1st floor, Rajda Nagar, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12847/37EE/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-ET/12587/84-85.—Whereas I  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Flat No. 203, Ankansha, S.V.P. Road, Opp. Bhagvati  
Hospital, Borivli (W), Bombay-103,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act,  
Act, (957 (27 of 1957));

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of his notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely:—

(1) Bonaza Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Chandrakant C. Dhabalia &amp; Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203, Ankansha, S.V.P. Road, Opp. Bhagvati  
Hospital, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-IV/12587/84-85 on  
1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Bonaza Builders (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Shailesh Jagadish Padh &  
Mrs. C S Padh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12883/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, (603) 6th floor, Aakansha S.V.P. Road, Opp. Bhagvati Hospital, Borivli (W), Bombay-103, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, (603) 6th floor, Aakansha S.V.P. Road, Opp. Bhagvati Hospital, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12883/84-85 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-5-1985  
Seal

## FORM ITNS

(1) S. Vithal Choudhari.

(Transferor)

(2) Shri Vijay S. Naik Veratkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12647/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C/26, Saikripa Co-op. Hos. Soc. Ltd., Ram Mandir Road, Borivli (West), Bombay-400 092, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C/26, Saikripa Co-op. Hos. Soc. Ltd., Ram Mandir Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/12647/84-85 dt. 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Vijay Nagar Corpn.

(Transferor)

(2) Mr. L. R. Subramanian,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. IV/37-FE/12617/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, Yogi Nagar Eksar Road, Borivli (West), Bombay-400 092 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

118—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Building No. 56/58, Flat No. 202, Yogi Nagar Eksar Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IV/37-EE/12617/84-85 dated 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Rajdeep Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirmalaben Bhupatrai Vora.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. AR. IV/37-EE/12589/84-85.—Whereas I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Plot No. 49, Jai Jalaram Apartments, H. No. 8(Pt.), Village  
Dahisar, Wamanrao Sawant Road, Dahisar (East), Bombay-68,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 49, H. No. 8 (Pt.), CTS No. 1103, Jai Jalaram  
Apts., Village Dahisar, Wamanrao Sawant Road, Dahisar  
East), Bombay-68.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR. IV/37-EE/12589/84-85  
dated 1-10-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 31-5-1985

Seal :



## FORM ITNS ———

(1) M/s. Rajdeep Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Bhaskarrao Bhaidas Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. IH[37-EE]12510/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 49, Jai Jalaram Apartments H. No. 8 (Pt.), CTS No. 1103, Village Dahisar W.S. Road, Dahisar (E), Bombay-68, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 49, Jai Jalaram Apartments H. No. 8 (Pt.), CTS No. 1103, Village Dahisar W.S. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IV[37-EE]12510/84-85 dated 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Rajdeep Enterprises.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Jagu Deoji Dimple.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. IV/37-EE/13052/84-85.—Whereas I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Jai Jalaram Apts., Plot No. 49, H. No. 8 (Pt.) Village  
Dahisar W. Sawant Road, Dahisar (East), Bombay-68  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Jai Jalaram Apts., Plot No. 49, H. No. 8 (Pt.) CTS No.  
1003, Village Dahisar Wamanrao Sawant Road, Dahisar  
(East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR. IV/37-EE/13052/84-85  
dated 1-10-1984.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Rajdeep Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. H. N. Pandey &amp; Others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. IV/37-EE/13051/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 49, H. No. 8 (Pt.) CTS No. 1103, Village Dahisar Wamanrao Sawant Road, Dahisar (East), Bombay-68, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 49, H. No. 8 (Pt.) CTS No. 1103, Village Dahisar Wamanrao Sawant Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IV/37-EE/13051/84-85 dated 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985  
Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. IV/37-EE/13050/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 49, H. No. 8(Pt.) Village Dahisar, Wamanrao Sawant Road, Dahisar (East), Bombay-68, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rajdeep Enterprises. (Transferor)  
(2) Mr. Madan Raghunath Revankar & Others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 49, H. No. 8(Pt.) Village Dahisar, Wamanrao Sawant Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37-EE/13050/84-85 dated 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Dev Kanya Dilip Gosalia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Venod Virji Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. IV/37-EE/12769/84-85.—whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 703, 7th Floor, Shriram Apt., S.V. Road, Kandivli (West), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th Floor, Shriram Apt., S.V. Road, Kandivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IV/37-EE/12769/84-85 dated 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shantaben A. Sanghvi.  
C. A. Sanghvi &  
T. A. Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/13059/84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 66, 1st floor, Bldg. 8-9-10, Borivli (E), Bombay-66, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 66, 1st floor, Bldg. 8-9-10, Borivli (E), Bombay-66.  
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/13059 on 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. Rajani A. Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. G. Mhatre.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAYObjections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13106/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12 of Hiraji Bhavan Co-op. Hsg. Scty. Ltd., C.T.S. No. 305, 305 (1 to 5) S. No. 89, Plot No. 429, Borla Village S.V. Road, Kandivli (West) Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 12 of Hiraji Bhavan Co-op. Hsg. Scty. Ltd., C.T.S. No. 305, 305 (1 to 5) S. No. 89, Plot No. 429 & 430, Borla Village S.V. Road, Kandivli (West) Bombay-67

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/13106/84-85 dated 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

119—166GI/85

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri R. B. Kapadia &amp; Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. D. Jain &amp; Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-G/71/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 796, 796(1) to 796(10), Village, Borivli, S.V. Road, Borivli situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2323/78 and registered on 17-10-84 with the Sub-Registrar, Bombay.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1985

Seal :



## FORM LT.NS.

(1) M/s. Goodwill Builders.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. M. Wankhedkar &  
Mr. K. M. Wankhedkar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/83-84.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 8, ground floor, Kadamgiri Apartments, at Village Wadhwan, S. No. 7, pt. 12-A/1 pt 5 & 5 pt, Chakravarty Ashok Road, situated at Kandivli (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, ground floor, Kadamgiri Apartments, at Village Wadhwan, S. No. 9, pt. 13-A/1 pt 5 & 5 pt, Chakravarty Ashok Road, Kandivli (East, Bombay).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/13044/84-85 dated 1-10-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 31-5-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Todi Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Highway Cargo Corporation.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4338/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 425, 4th fl. Vyapar Bhavan, 49, P. D. Road, Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 425, 4th floor, Vyapar Bhavan, 49, P. D. Road, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4208/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Hemant Kumar Chawla.

(Transferor)

(2) Sh. Kuniyil Vifflayan  
S/o. Late P. K. Nair.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4212/84-85.—Whereas, I.

P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing

No. Office No. I-1, "Everest", 156, Tardeo Road, Bombay-34  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of the notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act.  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. I-1, "Everest", 156, Tardeo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I/4114/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. J. S. Garments.

(Transferor)

(2) M/s. Oswal Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4472/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Unit No. 107, 1st fl., 'A' Bldg., Kewal Ind. Estate, S.B.  
Marg, Bombay-13.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid,  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Unit No. 107, 1st floor, Kewal Industrial Estate, 'A' Build-  
ing, Senapati Bapat Marg, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I/4332/84-85 on 30-10-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957),

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. A. R. Agencies.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Cotseed Machinery Corporation.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR1/37EE/4230/84-85.--Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Room No. 303, Vikas Bldg., 3rd fl. 11 Bank Street, Bombay-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of Transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Room No. 303, Vikas Building, 3rd floor, 11, Bank Street, Bombay-23.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4132/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS. —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3342/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Majestic 'Mansion, 380/383, Sandhurst Road & 213-C, Khetwadi Main Road, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gopaldas Bhagwandas, Rasiklal Hiralal and Bhuvaneshwari Madhavdas. (Transferor)
- (2) Kanungo Estate Developers Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) S/Shri
1. Govindram Sobraj
  2. Raghunath S. Mayekar
  3. Sardar Dalip Singh Basant Singh
  4. Smt. Urmila H. Sandhvi
  5. M/s. H. Ramrao
  6. M/s. V. M. Motors
  7. M/s. C. Raman and Co.
  8. Municipal Commission for Greater Bombay
  9. M/s. Marf and Co.
  10. Mafatlal H. Bothra
  11. Smt. Liliben Y. Desai
  12. Ratilal Mokamdas Sharma
  13. Smt. Kuntaben Babulal
  14. Smt. Jaswanti G. Doshi
  15. Paras T. Kanungo
  16. Ramanlal Chaganlal
  17. Shantilal Umerchand
  18. Dharamchand Jagmohandas
  19. Hirabai Dwarkadas
  20. Mohanlal J. Shah
  21. Rajkamal Motilal
  22. Engineer Brothers
  23. Champaklal R. Panchal
  24. Jagmohandas Shamaldas
  25. Rameshkumar Ratanlal
  26. Sanyasi Dawakhana
  27. Sanyasi Dawakhana
  28. Bharat S. Mehta and
  29. Dharamjeet Singh S. Viridi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

'Majestic Mansion, 380/383, Sandhurst Road, and 213-C, Khetwadi Main Road, Bombay-4

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. ARI/3115/84-85 on 1-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Gordhandas Shivchandrai Garodia.  
(Transferor)
- (2) Shri Mohamed Afzal Khan & Mohamed Junaid.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

\* Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4481/84-85-6-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 505, 5th fl. 'F' Wing, Veena Beena Apts., A. D. Marg, Sewri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
120—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor, 'F' Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Donda Marg, Sewri (West), Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. ARI/43395/84-85 on 30-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Maganlal V. Shah.

(Transferor)

(2) M/s. Lakshmi Machine Works Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4486/84-85-6-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
3, Kailash Kripa Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 3, Sion  
(E), Bombay-22,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 30-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

3, Kailash Kripa Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 3, Sion  
(E), Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
ARI-I/4351/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Sh. Nandlal R. Sachdev.

(Transferor)

(2) Sh. Rohatkumar C. Sheth &amp; N. C. Sheth.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4439/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing Flat No. 69, 'Sunita Bldg', & Car parking space, 98 Cuffe Parade, Bombay-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat at 'Sunita Building' No. 69, and Car parking space, 98, Cuffe Parade, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/4588/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4484/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, 6th fl. 'F' Wing, Veena Beena Apts., A.D. Marg, Sewri (W), Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office at the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gordhandas Shivchandrai Garodia. (Transferor)  
(2) Sh. (Dr.) Aslam Suleman Samar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th fl. 'W' Wing, Veena Beena Apts., Acharya Donda Marg, Dewri (W), Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4349/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4398/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala admg. 934 sq. ft. at Delial Road or N. M. Joshi Marg, Bombay-11 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the instrument registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to by the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Jaibumissa B. Malkani & A. A. Malkani, (Transferor)
- (2) Smt. Ayshabi Shaikh Fareed, Abdul G. Shaikh, Fareed, Abdul R. S Raizak Mrs. Zaibunissa Gafoor Sheikh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Gala at Delial Road or N.M. Joshi Marg, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4262/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Mulchand Kunverji Shah

(Transferor)

(2) Paramount Thread Works India.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4192/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 13-B, Thakar Industrial Premises, N. M. Joshi Marg,  
Bombay-11,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 10-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

13-B, Thakar Industrial Premises, N.M. Joshi Marg, Bom-  
bay-11.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4094/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6 1985  
Seal :

FORM TNS

(1) Sh. Vishnuambhar Virujaksha Jangam.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Champavati K. Ambavat & Kundanmal,  
V. Ambavat.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4377/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 340, Shivaji Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., N.M.  
Joshi Marg, Bombay-13  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 20-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 340, Shivaji Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., N.M.  
Joshi Marg, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4242/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sh. Gordhandas Shivchainrai Garodia.  
(Transferor)
- (2) Shri Mohamed Afzal Khan & Mohamed Junaid.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4482/84-85-6-84.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing  
Flat No. 506, 5th fl., 'F' Wing, Veena Beena Apts.,  
Acharya Donde Marg, Sewri (W), Bombay-15.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 30-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506, 5th fl., 'F' Wing, Veena Beena Apts., Acharya  
Donde Marg, Sewri (West), Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4340/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Govardandas Shivchandrai Garodia.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Gulah Hussain Babunia Tamboli.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR137EE4483/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. ₹00,000/- and bearing No. Flat No. 604, 6th Fl., 'F' Wing, Veena Beena Apts., A.D. Marg, Sewri (W), Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
121-166GI/85

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th fl., 'F' Wing, Veena Beena Apts, Acharya Donde Marg, Sewri (W), Bombay-15

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4341/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3464/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-5, Samadhan, Near Tilak Bridge, Dadar (W), Bombay-28, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, Bombay on 6-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- |                                |              |
|--------------------------------|--------------|
| (1) Sh. Ashok Pandurang Parab. | (Transferor) |
| (2) Sh. M. S. Bandivekar.      | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

\*

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

B-5, "Samadhan", Senapati Bapat Marg, (T.P.) Road, Dadar (W), Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3925/84-85 on 26-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Sh. Satya Prakash Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) Sh. Prakash H. Gurnani (Chugh) &amp; Mrs. S. P. Gurani (Chugh).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4485-6-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 69, Tardeo Air-condition Market Co-op. Soc. Ltd., Tardeo Road, Bombay-34 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

69, Tardeo Air-condition Market Co-op. Soc. Ltd., Tardeo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4354/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. R. S. Rathaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Inderjit Nagi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4317/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 504, Shivshaila Co-op. Soc., Worli Naka,  
Bombay-18, situated at Bombay,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority,  
Bombay on 10-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Flat No. 504, Shivshaila Co-op. Soc. Ltd., Worli Naka,  
Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4193/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4468/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 11, 7th floor, Tardeo Air conditioned Market, Tardeo Road, Bombay-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Bhupendra V. Mehta.

(Transferor)

(2) Sh. Ganeshchandra Surajram Mehta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 11, 7th floor, Tardeo Air conditioned Market, Tardeo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4328/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Maruti Narayan Bhatkal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pritam Chhotelal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4487/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. Flat No. 23, Ketan Apartment situated at Wadala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 30-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 23, 11th floor, A Wing, Ketan Apartment, Katrak  
Road, Wadala, Bombay-400031.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4352/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nahar Construction (India).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4428/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 411, Shah & Nahar Indl. Estate situated at S.J. Marg, Lower Parel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 411 on 4th floor in A-1 Shah & Nahar Indl. Estate, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4580/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4347/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1403, Sumer Towers situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                               |  |
|-------------------------------|--|
| (1) M/s. Sumer Associates,    | (Transferor)                           |
| (2) Shri Amrutlal P. Kavedia, | (Transferee)                           |
| (3) Transferor.               | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1403 on 14th floor in building No. 1 of 'SUMER TOWERS' Love Lane, now known as Seth Motisha Road, Mazagaon, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, under Serial No. AR-I/4216/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4364/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 601, 6th floor, Vecna Killedar Service Indl. Estate situated at Byculla, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
122—166GI/85

(1) M/s. Nirmal Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Arvindkumar P. Joshi,  
Anandlal S. Joshi, Mahender Kumar M. Vyas,  
Bhanwarlal L. Joshi,

(3) Transferor.

(Transferee)

(Person whom he undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 601, 6th floor, Vecna Killedar Service Industrial Estate, Pias Street, Off Clerk Road, Byculla, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4234/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date: 3-6-1985

Seal:

## FORM ITNS—

(1) M/s. Malka Construction Company,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Video Clinic,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4386/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 12, Dun Shopping Centre situated at Tardeo Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; \*

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Shop No. 12, Dun Shopping Centre, 225-27, Lallubhai Amichand Compound, Tardeo Road, Bombay-400 007.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. AR-I/4252/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) M/s. Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Amtrex Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4393/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 318A, Shah & Nahar Indl. Estate situated at S.J. Marg, Lower Parel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 20-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 318A on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4258/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nahar Construction (India).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4427/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 410, Shah & Nahar Indl. Estate S.J. Marg, Lower Parel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 410, on 4th floor of A-1, Shah & Nahar Indl. Estate, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4579/84-85 on 30-10-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Sd/-

## FORM ITNS—

(1) M/s. Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Smt. Ansibai Hastimal & Shri Lalitkumar Hastimal,  
(Transferee)(3) Sumer Associates.  
(Person in occupation of the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/4239/84-85.—Whereas I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as 'the said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 304, Super Towers situated at Mazagaon  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority,  
Bombay on 15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 304 on 3rd floor, in Building No. 1 in 'Sumer  
Towers' at Love Lane, Seth Motishah Road, Mazagaon, Bom-  
bay.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4140/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4467/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 32B, Almas Apartment situated at Sane Guruji Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Husseinibhai Eusufali Munshi.  
Mrs. Menfaza H Munshi.  
(Transferor)
- (2) Shri Sajjauddin E Munshi.  
(Transferee)
- (3) Transferee.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 32B, 3rd floor, Almas Apartment, Sane Guruji Marg Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4237/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EF/4324/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Unit No. 145, Shah & Nahar Indl. Estate situated at S.J. Marg, Lower Parle, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s Vijay Instruments &amp; Control Appliances.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 145, 1st floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Sun Mill Compound, S.I. Marg, Lower Parle, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4202/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4325/84-85—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 146, Shah & Nahar Indl. Estate situated at S.J. Marg, Lower Parel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shah &amp; Nahar Associates,

(Transferor)

(2) M/s Pramod Engineers Co.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 146 on 1st floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4203/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Laxmichand A Shah, Mr. Mukhesh J. Upadhyaya  
& Mrs. Aruna M Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Goenka &amp; Goenka.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4335/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as 'the said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000 and bearingNo. Unit No. 342, Shah & Nahar Ind. Estate situated at  
Lower Parel,(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority, at  
Bombay on 10-10-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

123—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 342 on 3rd floor, Shah & Nahar Indl. Estate  
A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Autho-  
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/  
4205/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Keshoram Chadda & Master Moneesh Chhadda.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4174/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act', have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing  
No. Flat No. 3, PSB Apartments situated at  
Worli Naka,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority, at  
Bombay on 10-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property at  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 1st floor, Building No. 2 in PSB Apartments,  
B.G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Autho-  
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/  
3903/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Scal :



## FORM I.T.N.S.—

(1) Mata Sons.

(Transferor)

(2) Navketan Investment.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4135/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Office No. 23, Rajgir Chambers situated at Shahid Bhagat Singh Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 23, 3rd floor, Rajgir Chambers, 12/14 Shahid Bhagat Singh Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3887/84-85 on 5-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramchand N. Ragoovanshi &amp; S. Gopal R Ragoovanshi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4191/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 241, Shah & Nahar Indl. Estate situated at S.J. Marg, Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 241 on 2nd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4093/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.I/37EE/4223/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Office No. 209, Om Chambers situated at Om Corner  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered  
under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in  
the Office of the Competent Authority at Bombay on  
15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

- |                                   |   |
|-----------------------------------|---|
| (1) West Coast Builders Pvt. Ltd. | (Transferor)  |
| (2) M/s. Sang Fasteners Pvt. Ltd. | (Transferee)  |
| (3) Transferee                    | (Person in occupation of the property)                                  |
| (4) Transferee.                   | (Person whom the undersigned knows<br>to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 209, 2nd floor, Om Chambers, Om Corner,  
Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4125/84-5 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3 6 1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Mariam D. Malgi.

(Transferor)

(2) M/s. Jai Hanuman Industries.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX;

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.I/37EE/4237/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 42-B, Lakshmi Ind. Premises Co-op. Soc. Ltd, Gowalia Chawl Lane, Hanuman Galli Gergusson Road, Bombay-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

42-B, Lakshmi Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd., Gowalia Chawl Lane, Hanuman Galli, Gergusson Road, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR.I/37EE/4138/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shanta J. Varma.

(Transferor)

(2) Shri Manoj D Mehta, &  
Kalpana M. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.I/37EE/4120/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 508, 5th floor, Mahavir Apartments, New Shivam Co-op. Hsg. Soc. Plot No. 292 Part, V.N.P. Marg, Sion, Chunabatti, Bombay-22 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 508, 5th floor, Mahavir Apartments, New Shivam Co-op. Housing Soc. Ltd., Plot No. 292 Part, V.N.P. Marg, Sion Chunabatti, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR.I/37EE/3876/84-85 on 5-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.I/37EE/4431/84-85—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2107A, Panchratna, Panchratna Co-op. Housing Society Ltd., Opera House, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nalini M. Doshi &  
Shri Mahendra Kumar C. Doshi. (Transferor)
- (2) Galaxy Gems. (Transferee)
- (3) Transferee. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2107, A, Panchratna, Panchratna Co.op. Housing Society Ltd., Opera House, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR.I/37EE/4583/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. P. I. V. Footwear.

(Transferor)

(2) Glamour Garments.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4435/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 319, 3rd floor, 316, N. M. Joshi Marg, Bombay-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

124—166GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 319, 3rd floor, 316, N. M. Joshi Marg, Bombay-77.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/37EE/4585/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date: 3-6-1985

Seal:

## FORM ITNS

- (1) M/s. Maheshwari & Maheshwari. (Transferor)  
 (2) Shri S. C. Mittal. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EF/4396/84-85.—Whereas, J. P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 306, 3rd floor, Shah-Nahar Worli Light Industrial Estate, Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-18. (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Unit No. 306, 3rd floor, Shah-Nahar (Worli), Light Industrial Estate, Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/37EF/4261/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4403/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Unit No. 108, 1st floor, Kalindas Udyog Bhavan Society Ltd.  
Worli, Bombay-25  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered  
under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in  
the Office of the Competent Authority at Bombay on  
20-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Sudha B. Tiwari.

(Transferor)

(2) Harish Musical Industries.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 108, 1st floor, Kalindas Udyog Bhavan Society  
Ltd., Worli, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial  
No. AR-I/37EE/4276/84-85 on 20-10-1984

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Miss Asma Salebhai Rangwala.

(Transferor)

(2) Mr. Rajendra Khandelwal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4167/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office Premises Room No. 507, "Adamji Building", 413, Narshi Natha Street, Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Office Premises Room No. 507, "Adamji Building", 413, Narshi Natha Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/37EE/3911/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Nishant M. Mahimtura &  
Dr. (Mrs.) Jayanti M. Mahimtura.

(Transferor)

(2) Smt. Shardadevi Agarwal &  
Shri Mukud M. Agarwal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Rcf. No. AR-I/37EE/3422/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 208, 'Himalaya' Worli Sea Face, Road, Bombay-18 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 306, "Himalaya", Worli Sea Face Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/37EE/3912/84-85 on 22-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985  
Seal:

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EF/4368/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing No.  
Unit No. 410, 4th floor, Panchratna Bldg.  
Opera House, Bombay-4  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered  
under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in  
the Office of the Competent Authority at Bombay on  
15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Vasant Ambalal Patel &  
Shri Navinchandra A. Patel.  
(Transferor)  
(2) Shri Atul Kumar Jayantilal Shah.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 410, 4th floor, Panchratna Bldg, Opera House,  
Bombay.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial  
No. AR-I/37EF/4236/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Gosar H. Visharia.

(Transferor)

(2) M/s. Everest Diamond (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4342/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Unit No. 227, 2nd floor, Panchratna Bldg, Opera House, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-84,

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 227, 2nd floor, Panchratna Bldg, Opera House, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4211/84-85 on 15-10-84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. N. DUBEY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Jakana Naglinga Acharya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Valchand Rupshi Sheth.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EF/4110/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing No.  
Unit No. 108-A, 1st floor, Dhanraj Ind.  
Premises Co-op. Soc. Ltd., Sitaram Jadhav  
Marg, Bombay-13,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the  
Competent Authority at Bombay on  
5-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 108-A, 1st floor, Dhanraj Ind. Premises Co-op.  
Soc. Ltd., Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3867/84-85 on 5-10-1984.

P. N. DUBEY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR1/37EE/4389/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
Rs. 100,000/- and bearing No.  
446, Panch-Ratna, 4th floor,  
Opera House, Bombay-4  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the  
Competent Authority at Bombay on  
20-10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

125—166 GI/85

- (1) Navinchandra Manilal Mehta. (Transferor)  
(2) Smt. Aruna Navinchandra Mehta. (Transferee)  
(3) M/s. Aura Gem.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

446, Panch-Ratna, 4th floor, Opera House, Bombay-4.

The Statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-1/4254/84-85 on 20-10-84.

P. N. DUBEY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1  
Seal :

## FORM ITNS

(1) John Fleming &amp; Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Rubab Nazarat Jariwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. ARI/37EE/4496/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEYbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 52, Dock Yard Road  
situated at Dockyard Road, Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the  
Competent Authority at Bombay on  
30-10-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 52 on 5th floor of building at Dockyard Road,  
C.S. No. 8/138 of Mazagaon Division, Bombay.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4365/84-85 on 30-10-84.P. N. DUBEY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM ITN—

(1) M/s. John Fleming &amp; Co. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Akberali H. Badshah & Mrs. Nafisa A. Badshah.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4497/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 61 at Dockyard Road situated at Mazagaon (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-10-1984 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 30-10-84 and the Agreement is registered under section 269AB of the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 61 on the 6th floor, at Dockyard Road, C.S. No. 8/138 of Mazagaon Division, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4366/84-85 on 30-10-84.

P. N. DUBEY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shah & Nahar Associates, (Transferor)  
 (2) M. Wadhawani International, (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,  
 BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4111/84-85.—Whereas, I,  
 P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 218A in Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at Lower Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is Registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Unit No. 218A on 2nd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1 at S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3868/84-85 on 5-10-1984.

P. N. DUBEY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Bombay

Dated : 3-6-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh H. Gehi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4430/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 168 Shah and Nahar Industrial Estate A-2 Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel Bombay-13 situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 168 on 1st floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/4582/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Dated : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Ms. Shah & Nahar Associates. (Transferor)  
 (2) Alpha Engineers. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-..  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4429/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Unit No. 105, Veena Killedar Service Industrial Estate situated at Lower Parel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 216 on 2nd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-2 in Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4581/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4227/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 216 in Shah and Nahar Industrial Estate A-2 situated at Byculla (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nirmal Enterprises.  
(Transferor)  
(2) Smt. Qamar Sultan Kazi Alias Amina Amin Kazi.  
(Transferee)  
(3) Transferor.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 105, on 1st floor Veena Killedar Service Industrial Estate, Pias Street, Off. Clerk Road, Byculla (W), Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4129/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I

## BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I[37EE]4226[84-85].—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Unit No. 104, in Veena Killader Service Industrial Estate,  
situated at Byculla (W), Bombay  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transferor,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Nirmal Enterprises, (Transferor)  
(2) Smt. Rukhesna Iqbar Sayad. (Transferee)  
(3) M/s. Nirmal Enterprises.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 104 on 1st floor, Veena Killadar Service Indl.  
Estate, Pies Street Off. Clerk Road, Byculla (W) Bombay.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I[4128]84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nutta Enterprises.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. AR-I/37EE/4129/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 425A in A-1 Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Unit No. 425A on 4th floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3880/84-85 on 5-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

126—165 GI/85

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Nakoda Trading Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4189/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Unit No. 221, Shah & Nahar Indl. Estate  
situated at Lower Parel(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority,  
at Bombay on 10-10-1984for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 221 on 2nd floor in Shah & Nahar Indl. Estate at  
S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4091/84-85 on 10-10-84.P. N. DUBEY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4420/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 504, Sumer Tower  
situated at Mazgaon  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority,  
at Bombay on 20-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

- (1) M/s. Sumer Associates.  
(Transferor)  
(2) Shri Rajendrakumar Milapchandji  
Shri Ashokkumar Milapchandji.  
(Transferee)  
(3) Builder.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 504 on 5th floor in Building No. 1 of Sumer  
Tower at Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-  
10.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4289/84-85 on 20-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Aruna S Bhosale,  
Mrs. Shilpa V Bhosale &  
Jayant B Bhosale.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4293|84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 210, Shah Nahar Indl. Estate A-2

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 17-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 210 on 2nd floor of Shah &amp; Nahar Indl. Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3789|84-85 on 17-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. H. Mansingh &amp; Bros.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE-IACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I[37EE]4113/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 219B in Shah &amp; Nahar Indl. Estate A-1 situated at Lower Parel (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 219B on 2nd floor in Shah &amp; Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[3870]84-85 on 5-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Mr. Ladharam Dhanimal Ahuja. (Transferor)  
 (2) Mr. Ram Bhagatram Gangwani. (Transferee)  
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
 BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4225/84-85.--Whereas, I,  
 P. N. DUBEY,  
 bearing the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the said Act), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 Flat No. 211, Sind Sewa Samiti  
 situated at Wadala  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred and the Agreement is registered under  
 section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
 the Competent Authority,  
 at Bombay on 15-10-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer  
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
 able property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 211, Sind Sewa Samiti Nagar, Flank Road, Koli-  
 wada, Bombay-37.

The statement has been registered by the Competent  
 Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
 AR-I/4127/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4236/84-85.—Whereas I,  
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingUnit No. 314, Bussa Udyog Bhawan  
situated at Sewri, Bombay-15(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 15-10-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- |                          |   |
|--------------------------|---|
| (1) Alma Laboratories.   | (Transferor)  |
| (2) Giriraj Enterprises. | (Transferee)  |
| (3) Transferee.          | (Person in occupation of the property)                                  |
| (4) Transferee.          | (Person whom the undersigned knows<br>to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 314 on 3rd floor in Bussa Udyog Bhawan, T.J.  
Road, Sewri, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4137/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4390/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 210, Narayan Udyog Bhawan, situated at Lalbaug (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri Shrichand T Jaswani.  
(Transferor)
- (2) Hemant K Kolwankar & Girish K. Kolwankar.  
(Transferee)
- (3) Patel Housing Finance & Constructions (P) Ltd.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 210, 2nd floor of Narayan Udyog Bhawan, Dr. B Ambedkar Road, Lalbaug, Bombay-400 012.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4255/84-85 on 20-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4203/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEYbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Indl. Unit No. 204, Regal Indul. Estate  
situated at Sewree (W)(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority,  
at Bombay on 10-10-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
person, namely :—

127—166 GI/85

(1) A. Aalok &amp; Co.

(Transferor)

(2) C. B. Cama &amp; Co.

(Transferee)

(3) C. B. Cama &amp; Co.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial Gala (Unit) No. 204, Regal Industrial Estate,  
2nd floor, A. D. Marg, Sewree (West), Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I/4106/84-85 on 10-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4498/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 31, Milan Indl. Estate situated at Cotton Green, Bombay-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarla, Wife of Dinesh J. Gogari. (Transferor)  
(2) M/s. Gitanjali Electronics. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 31, 4th floor, Milan Indl. Estate, Abhudayanagar, Cotton Green, Bombay-33.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4367/84-85 on 30-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Shankar Kishinchand Vaswani.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinodkumar Jain,  
Shri Pawankumar Kaushik.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/4226/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 19, Navjivan CHSL situated at Lamington Road, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Room No. 19, Building No. 13, 12th floor, Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-400008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4122/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4348/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 201, 'SUMER TOWERS' situated at Mazgaon, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Sumer Associates. (Transferor)
- (2) Shri Otarmal Dhanchand Kothari & Smt. Kanchanben O. Kothari. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor of Building No. 1, Sumer Towers, Love Lane now known as Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4217/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Mahendra C. Shah,  
Mrs. Pratima M. Upadhyaya,  
Mrs. Danyanti L. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Go-Go International.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-I/37EE/4334/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Industrial Unit No. 341, Shah & Nahar Industrial Estate A-1  
situated at Lower Parel, Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 341 on third floor of Shah & Nahar  
Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel,  
Bombay-400013.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-1/4204/84-85 on 10-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ashok Textile Traders.

(Transferor)

(2) M/s. Global Marines.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-1/37EE/4295/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Gala No. 1, Milan (Ind.) Pre CSL situated at Cotton Green, Bombay-33, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 1, Ground Floor, Milan (Industrial) Premises Co-op. Society Ltd., T.J. Road, Cotton Green, Bombay-33.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3790/84-85 on 17-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4401/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Office Premises No. 215, Anant Deep Chambers situated at  
Narsi Natha Street, Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at Bombay on 25-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration of such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons  
namely :—

- (1) Shri D. H. Andharia &  
Smt. Z. D. Andharia.  
(Transferor)
- (2) Shri H. B. Gala &  
Shri L. K. Gala.  
(Transferee)
- (3) Transferees.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferees.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 215, Anant Deep Chambers, 2nd  
floor, 273-77, Narsi Natha Street, Bhat Bazar, Bombay-  
400009.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4274/84-85 on 25-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4282/84-85,—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 401, Navyug Industrial Estate situated at Sewri(W), Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Navyug Builders. (Transferor)  
(2) Shri Taradevi R. Gupta. (Transferee)  
(3) Transferor (Person in occupation of the property)  
(4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 401 on 4th floor, Navyug Industrial Estate, Tokersey Jivraj Road, Opp. Swan Mill, Sewri (W), Bombay-400015.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4179/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM FINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4423/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 906, on 9th floor, Building No. 1, Sumer Towers, Love Lane, Seth Motisha Road situated at Mazgaon, Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

128 -166 GI/85

- |   |  |
|---|--|
| (1) M/s. Sumer Associates,                                | (Transferor)                           |
| (2) Shri Amritlal K. Borena &<br>Sini Ratambai A. Borena. | (Transferee)                           |
| (3) Builders  | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 906 on 9th floor, Building No. 1, Sumer Towers, Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4292/84-85 on 20-10-84

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37FE/4238/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, 1st floor, Building No. 1, Sumer Towers, Love Lane, Seth Motisha Road situated at Mazgaon, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Sumer Associates. (Transferor)
- (2) Shri Rameshkumar C. Jain & Smt. Kamlabai R. Bain. (Transferee)
- (3) Builders (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, Building No. 1, 'Sumer Towers' Love Lane (Seth Motisha Road), Mazgaon, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4139/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal



FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4426/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Unit No. 409, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as stated in the instrument of transfer has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Shah & Nahar Associates. (Transferor)  
(2) M/s. Nahar Construction (India). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 409 on 4th floor of A-1, Shah & Nahar Industrial Estate, S.J. Marg, Lower Barel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4578/84-85 on 30-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNB

- (1) M/s. Sumer Associates.  
(Transferor)
- (2) Shri Arunkumar K. Shah &  
Shri Bharatkumar K. Shah.  
(Transferee)
- (3) Builders.  
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4422/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 604, Sumer Tower situated at Mazgaon, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 604 on 6th floor in Building No. 1, Sumer Tower, Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.  
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/4291/84-85 on 20-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.I/37EE/4419/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing  
Flat No. 1202 on 12th floor in Building No. 1, Sumer Tower  
Love Lane, Seth Motisha Road, situated at Mazgaon  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 20-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s Sumer Associates  
(Transferor)

(2) Shri Surendra Kumar Mangilal Jain  
(Transferee)

(3) Builder  
(Person in occupation of the property)

Objections if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1202 on 12th floor in Building No. 1, SUMER  
TOWERS, Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-  
10.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR.I/4288/84-85 on 20-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4353/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 26, on 4th floor of Shiv Mahal CHSL, Plot No. 206, Sion East situated at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Radhaben Omkarlal Maheshwari  
(Transferor)

(2) 1. Smt. Nirmala M Shah  
2. Shri Rajnikant M Shah  
3. Shri Girish M Shah  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 26 on 4th floor of Shiv Mahal Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 206, Sion East, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4222/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Laxmichand Bhagaji

(Transferor)

(2) M/s West Coast Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4222/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Unit No. 209, 2nd floor Om Chambers on corner situated at  
Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 209, 2nd floor, Om Chambers, Om Corner, Bom-  
bay-400 026.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4124/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Raja Builders &amp; Investment P. Ltd.

(Transferor)

(2) Prest Impex Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4473/84-85.—Whereas, J. P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 301, 3rd fl., "Anjali Apts", French Bridge, Opera House, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

301, 3rd floor, "Anjali" Apartments, French Bridge, Opera House, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4333/84-85 on 30-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Obol Chemicals Ltd.

(Transferor)

(2) C. Amratlal &amp; Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-I/37EE/4379/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 210, Panch Ratna, Mama Parmanand Marg, Opera House, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 210, Panchratna, Mama Parmanand Marg, Opera House, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4246/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

129—166 GI/85

Date : 3-6-1985  
Seal

## FORM ITNS—

(1) M/s Electronics Industrial Aids

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ana Exports

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4271/84-85.—

Whereas, J. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Indl. Unit No. 319, 3rd floor, Vasani Udyog Bhavan, Off S. B. Marg, Lower Parel, Bombay-13 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 319, 3rd floor, "Vasani Udyog Bhavan"  
Off: Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-400013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4173/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I[371E]3307/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 10, 3rd floor, Central Court, Motlibai Street, Agri-  
pada, Bombay-11  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 1-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Kassam Mohamed Thakur &amp; Anr.

(Transferor)

(2) Shri Amu Premji Lakhani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Flat No. 10, 3rd floor, Central Court, Motlibai Street,  
Agripada, Bombay-400011.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I[3917]84-85. on 1-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Jagdish Ramchand Chhabria

(Transferor)

(2) Vangani Madhavdas Karamchand  
Vangani Haresh Karamchand

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4382/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 21, in Sindhu Building, 1st floor, Satyanarayan  
Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 205, SION(E), Bombay-  
400022  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 20-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

% Flat No. 21, Sindhu Building, 1st floor, Satyanarayan Co-  
operative Housing Society Ltd., Plot No. 205, SION (East),  
Bombay-400022.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4249/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) R. K. Associates.

(Transferor)

(2) Krishnakant Wamanrao Joshi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4159/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, Wing 'E', 293, Bellasis Rd., Opp. S. T. Depot, Bombay Central, Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 1, Wing 'E', 293, Bellasis Rd., Opp. S.T. Depot, Bombay Central, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3906/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4329/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 41-C Mittal Tower, 210, Churchgate Reclamation, Nariman Point, Bombay-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Thakorlal & Co. (Transferor)
- (2) Shubhadra Corporation and others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

41-C, Mittal Tower, 210, Churchgate Reclamation, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/4198/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4323/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Serial 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House known as 'DHARMPAL MAHAL' situated at Sadashiv Street at Vithalbhai Patel Road, C.S. No. 537 of Girgaum Division, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sitabai Ghanshyamdas & Shri Ashok Ghanshyamdas. (Transferor)
- (2) Shri Amratlal S. Shah. (Transferee)
- (3) Tenants & the transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

House known as 'Dharampal Mahal' situated at Sadashiv Street at Vithalbhai Patel Road, C. S. No. 537 of Girgaum Division, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4196/84-85 on 10-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prakash Manubhai Patcl.

(Transferor)

(2) Shri Narayan Janardhan Karekar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/3713E/4408/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 344, 3rd fl., Kewal Ind. Estate, Bldg.-B, Fergusson Road, Lower Parel, Bombay-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 344, 3rd floor, Kewal Ind. Estate Bldg. No. B, Fergusson Road, Lower Parel, Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4279/84-85 on 20-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Manjula V. Jobanputra.

(Transferor)

(2) M/s. Kavita Creations.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR-I/37EE/4229/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 327, Adhyaru Ind.  
Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13  
situated at Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 15-10-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the transferor(s) and the transferee(s) has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 327, Adhyaru Ind. Estate, Sun Mill  
Compound, Lower Parel, Bombay-13.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4131/84-85 on 15-10-84.P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
130—166 GI/85

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM TNS—

(1) Shri Dilip Gems.

(Transferor)

(2) M/s. Hirako India Private Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4231/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 416A, 4th fl., Panchratna, M. P. Marg, Bombay-4 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 416A, 4th floor, Panchratna, Mama Parmanand Marg, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4133/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal.



FORM ITNS- ———

(1) Smt. Nalini Mahendrakumar Doshi &amp; Mahendrakumar C. Doshi.

(Transferor)

(2) Shri Chandanmal S. Baid &amp; Shri Jainendra P. Dhadda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I[37EE]4224[84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2107, 21st floor, Panch Ratna, Near Roxy Cinema, Opera House, Bombay-4 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2107, 21st floor, Panchratna, Near Roxy Cinema, Opera House, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[4126]84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4248/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, Sugandh Palace, Plot 58, Scheme No. 60, S. S. Wagh Marg, Naigaum, Bombay-400 014, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sugandh Builders.

(Transferor)

(2) Shri Narendrakumar U. Jain &amp; Mrs. S. K. Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

x

Flat No. 301, 3rd floor, Sugandh Palace, Plot No. 58, Scheme No. 60, S. S. Wagh Marg, Naigaum, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4145/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-1/37EE/4249/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat 201, Seigandh Palace situated at Bombay-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sugandh Builders.

(Transferor)

(2) Rajkumar H. Sachdev & Mrs. Nirmala R. S. Sachdev  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Seigandh Palace, Plot No. 58, Scheme No. 60, S. S. Wagh Marg, Naigaum, Bombay-400 014

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/4155/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985

Seal:—

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-1[37EE]4130[84-85].—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 401-D, 4th floor, Poonam Chambers, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Vikrant Sham Chougule Pvt. Trust & R. S. Chougule P. Trust.

(Transferor)

(2) Manoj K. Dhupelia, HUF & Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 401-D 4th floor, "Poonam Chambers" Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[3881]84-85 on 5-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Falgun Navin Sheth.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Roma Niranjana Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-I/37EE/4402/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 501, Dalamal Chambers Premises Co-op. Soc. Ltd. 17, New Marine Lines, Bombay-20. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 interest in Office premises No. 501, Dalamal Chambers Premises Co-op. Soc. Ltd, 17, New Marine Lines, Bombay-20.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4275/84-85 on 25-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-I/37EE/4330/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 308, 3rd floor, Jolly Bhavan No. 10, New Marine Lines, Bombay-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Tara Chand Sohanlal Jain. (Transferor)  
(2) Shri Kantilal Nopchand Tejawat & Smt. Indra S. Jain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 308, 3rd floor, Jolly Bhavan No. 110, New Marine Lines, Bombay-20.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4199/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Virendra Kumar Sahu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Trident Travel &amp; Tours P. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-I/37EE/4394/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 5, 5th floor, Arcadia, Plot No. 195, Nariman Point, Bombay-21, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
131—166 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Office No. 5, 5th floor, & open car Parking Space No. 42, in Arcadia, on Plot No. 195, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4259/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-I/37EE/4256/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Mittal Tower B Wing, No. 116, 11th floor, Nariman Point, Bombay-21, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                                    |              |
|------------------------------------|--------------|
| (1) Shri Prakash Dalpatlal Parikh. | (Transferor) |
| (2) Westpoint Impex Pvt. Ltd.      | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mittal Tower B Wing, Office No. 116, 11th floor, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4161/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mahesh Mohan Chhabra &amp; Verinder K. Chhabra,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish Ram Thapar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-I/37EE/4392/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Flat No. 45, 4th floor, Sunflower Apts, Cuffe Parade, Bombay-5, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 45, 4th floor, Sunflower Apartments, Cuffe parade Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4257/84-85 on 20-10-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RECEIVED

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Rang-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM LT.N.S. \_\_\_\_\_

- (1) Seva Samiti Coop. Housing Society Ltd.  
(Transferor)
- (2) Dr. Tarasinghani Hari Ramchand.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. E-I/37EE/4168/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Shop No. 9, Bldg. No. 20A Gr. floor, Seva Samiti Co-op.  
Hsg. Soc. Ltd., Koliwada, Bombay-37.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority, at Bombay on 10-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 9, Bldg. No. 20A, Re-Development Scheme  
Ground floor, Seva Samiti Nagar, Koliwada, Bombay-37.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3897/85-86 on 10-10-1984.

**P. N. DUBEY**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI[37EE]4319[84-85].—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Office No. 10, 2nd floor, Navrattan Bldg. P. D. Mello  
Road, Bombay-9  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 10-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said Instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Sh. Mansukhlal Harjivan,  
Sh. Harshad Mansukhlal,  
Sh. Priyakant Mansukhlal,  
Sh. Mukesh Mansukhlal,  
Sh. Gautam Muljibhai,  
Smt. Shantaben Himatlal,  
Sh. Nanalal Harjivan,  
Sh. Hitesh Nanalal,  
Sh. Piyush Nanalal.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Nanalal Harjivan,  
2. Sh. Hitesh Nanalal,  
3. Sh. Piyush Nanalal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 10, 2nd floor, Navrattan Bldg., P. D. Mello Rd,  
Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4195[84-85] on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/2792/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 23, 2nd Floor, 'B' Block, 'Meherzin Bldg., 109-  
A, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5  
situated at Bombay  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Vanashri Fatu Kenkare.

(Transferor)

(2) Smt. Rajkumari Madhusudan Mor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the re-  
spective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor, 'B' Block 'Meherzin', Building, 109-  
A, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-1/3916/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985

Seal :

NOTICE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4262/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Office No. 5, 9th floor, "Atlanta", 209, B.B.R. Nariman Point, Bombay-21 situated at Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Abdul Malik Tejani & Associates. (Transferor)
- (2) M/s. Elite Builders Private Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 5, 9th floor, "Atlanta", 209, B.B.R. Nariman Point, Bombay-21

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3191/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR/37-EE/4169/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Bldg. 20-A, Seva Samiti Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Koliwada, Bombay-37 situated at Bombay-37 (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Seva Samiti Co-op. Housing Society Ltd.  
(Transferor)  
(2) Dr. Mohan H. Gurnaul.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3, Building No. 20-A, Seva Samiti Co-op. Housing Society Ltd., Koliwada, Bombay-37.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3898/84-85 on 10-10-1984.

INTD  
P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37-EE/4115/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the Said Act), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 71, 7th floor Suraj Building, Opp. Bhatia Hospital,  
Tardeo, Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office  
of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
132—166GI/85

- (1) 1. Shri Shirish M. Gandhi  
2. Satish M. Gandhi  
3. Smt. Pushvati Maneklal Gandhi,  
4. Smt. Prema S. Gandhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Fulchand Chimanlal,  
2. Smt. Ramila Fulchand,  
3. Sh. Rajenkumar Fulchand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 71, 7th Floor, Suraj Building, Opp. Bhatia Hospi-  
tal, Tardeo, Bombay.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3872/84-85 on 5-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37-EE/4188/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 102, Vardhman Chambers, Masjid Bunder, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Vardhman Enterprises.

(Transferor)

(2) Lalchankar Amritlal Bhatt &amp; Mohanlal A. Bhatt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 102, 1st floor, Vardhman Chambers, 72m, Kalyan Street, Masjid Bunder, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4090/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sameer Kishore Koticha, Miss Leena P. Shah.  
(Transferor)(2) Vinodkumar Sharma & Mrs Kusum Sharma.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I[37-EE[4116[84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'MAMTA', Flat 23[D, 2nd Floor, Plot No. 926, T.P.S. IV, New Prabhadevi Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"MAMTA", Flat No. 23[D, 2nd Floor, Plot No. 926, T.P.S. IV, New Prabhadevi Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[3873[84-85 on 5-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Ajit Kashinath Ranade.

(Transferor)

(2) Sh. Anil Ramchandra Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37-EE/4385/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Plot No. 167/D, Block No. 8/B, Poonawadi Dadar Co-op.  
Hsg. Soc. Ltd., Dr. Ambedkar Road, Dadar, Bombay-14  
(and more fully described in the Schedule below),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, in the Office of the  
Competent Authority  
at Bombay on 20-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 167 Block 8/B, Poonawadi Dadar Co-op. Hsg.  
Society Ltd., Dr. Ambedkar Road, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4251/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal

**FORM ITNS**

(1) Sh. Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) EMCO Packaging Industries.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37-FE/4112/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 155, 1st floor, Shah &amp; Nahar Ind. Estate, A-2,

S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Unit No. 155, 1st floor, Shah & Nahar Ind. Estate, A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3869/84-85 on 5-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Mrs. Virbala Jaswantlal Mehta.  
(Transferor)
- (2) Devendra Shantilal Shah, Anil S. Shah, Hemant S. Shah.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR1/37EE/4228/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269D of  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Room No. 2, 2nd floor, Zakaria Bldg. Commercial Pre-  
mises Co-op. Soc. Ltd., Corner of 7, Sheriff Devji Street and  
Yusuf Mehrali Road, Bombay-3  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, in the Office of the  
Competent Authority  
at Bombay on 15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Room No. 2, 2nd floor, Zakaria Bldg. Commercial Premises  
Co-op. Soc. Ltd., Corner of 7, Sheriff Devji Street and Yusuf  
Meherally Road, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-1/4130/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Sugandh Builders.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chandan Pareesh Chheda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37-EE/4376/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearingFlat No. 101, 1st Floor, Building under construction at Plot  
No. 58, Scheme No. 60, S. S. Wagh Marg, Naigaum,  
Bombay-400 014(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, in the Office of the  
Competent Authorityfor an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons.  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Building under construction at Plot  
No. 58, Scheme No. 60, S.S. Wagh Marg, Naigaum,  
Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4241/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37-FE/4140-A/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 328, 3rd floor, Kallandas Udyog Bhavan, Plot No. 1082, Near Century Bazar Wore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Inklink Associates.

(Transferor)

(2) Venkateshwar Industrial Corpn.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 328, 3rd floor, Kallandas Udyog Bhavan, Plot No. 1082, Near Century Bazar, Worli.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3882/84-85 on 5-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4164/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 4 flats at Priya Darshini Mahila CHSL Dadar, Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, in the Office of the  
Competent Authority  
at Bombay on 10-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

133—166GI/85

- (1) M/s. Shiv Enterprises and M/s. Steelco Enterprises.  
(Transferor)  
(2) Dr. Jayant B. Athabale, Dr. J. B. Athabale HUF,  
Dr. Kunda Jayant Athabale & M/s. Sammohan  
Upchar Kendra.  
(Transferee)  
(3) Priya Darshini Mahila CHSL.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Four flats at Priya Darshini Mahila Co-op. Housing Society  
Ltd., Bhavani Shankar Road, Dadar, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3909/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Dhinajlal Ratilal Chitalia.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Sh. Prafulkumar Popatlal Shah,  
2. Mrs. Damayantben P. Shah,  
3. Mrs. Kamlaben P. Shah,  
4. Mrs. Gotaben C. Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR1/37-FE/3163/84-85.—Whereas, 1.  
P. N. DUREY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 702, Vijay Chambers Premises Co-op. Soc., Tribuvan Road, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 702, Vijay Chambers Premises Co-op. Soc., Tribuvan Road, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR1/3843/84-85 on 19-10-1984.

P. N. DUREY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Sd/-



FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4215/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, 3rd floor, Peace Heaven situated at Sion (E) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Rose Pereira,  
Percy Pereira,  
Rexy Pereira.

(Transferor)

(2) M/s. Shiv Sagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the **publication of this notice in the Official Gazette.**

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, Peace Heaven, Plot No. 117, Sion East Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4117/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6 1985  
Seal :

## FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4173/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece or parcel of land alongwith structure standing thereon lying and being at Bhawani Shankar Road, Bombay, bearing C.S. No. 1/1421 of Mahim Division, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Gulam Nabi Shaikh,  
Aziza G. N. Shaikh.  
(Transferor)
- (2) Yusuf H. Momoniat, Khatiza Y Momoniat &  
Nazim Y Momoniat.  
(Transferee)
- (3) 1. K. R. Zarapkar, Vasant Zarapkar,  
(Transferee)
2. R. G. Saligrame
3. C. Y. Korde
4. A. S. Gupta
5. Vasant K. Zarapkar
6. M. A. Khanolkar
7. V. V. Shirrhutty
8. Babulal Ranga Dhobi
9. M/s Gajanand Lime Depot &
10. Dayalal M. Phavsar.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece or parcel of land alongwith structure standing thereon lying and being at Bhawani Shankar Road, Bombay, bearing C.S. No. 1/1421 of Mahim Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Stifal No. AR-I/3902/84-85, on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNE—

(1) Shri Shashikant D. Bhomavat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ganpati Holdings Trading (P) Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herei  
as are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have same meaning as given  
in the Chapter .

Ref. No. AR-I/37EE/4152/84-85.—Whereas I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Office No. 5, 3rd floor, Embassy Centre Premises Co-op. Soc.  
Ltd., Nariman Point, Bombay-21.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 10-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 5, 3rd floor, Embassy Centre Premises Co-op. Soc.  
Ltd., Nariman Point, Bombay-21. Area 525 sq. ft.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3913/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Bonny Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Latif Mohamed Naik.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4114/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 305, Pearl Harbour, Tulsiwadi, Mazgaon, Bombay-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 26A of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 305, Pearl Harbour, Tulsiwadi, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3871/84-85 on 5-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-6-1985.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Ajay Gulabchand Badiani.  
Shri Sharesh Gulabchand Badiani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

- (2) 1. Smt. Sudha B Mandhana  
2. Smt. Nirmala N Mandhana  
3. Smt. Prema P Mandhana  
4. Smt. Sonibai C Mandhana  
5. Smt. Jivanbai N Mandhana  
6. Smt. Bhagirathibai B Mandhana.

(Transferee)

- (3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 31, Mount Unit Co-op. Hsg. Socy. Ltd., 62A,  
Pedar Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4220/84-85 dated 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Lila Heman Mathani.

(Transferor)

(2) Shri Anil V. Pandit.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4178/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-5, Malbar Apts. Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Near Baroda Palace, Bombay-36, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. ✓

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. G-5, Malbar Apts. Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Near Baroda Palace, Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4085/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4344/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 20, Bhandus Court CHSL, 1st Pasta Lane, Colaba,  
Bombay,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following  
persons, namely :—

134—166GI/85

(1) Mr. Mangharan G Kriplani, Constituted Attorney of  
Mr. Hiro M Kriplani.

(Transferor)

(2) Mr. Joginder Singh.

(Transferee)

(3) Mr. Mangharan G Kriplani.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20, Bhandus Court CHSL, 1st Pasta Lane, Colaba  
Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4212/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-10-1984  
Seal :

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3603/84-85.—Whereas I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, 3rd floor, Building No. 2 at Nav Daryamahall Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 80, Napean Sea Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984 Karna under Registration No. 6019 dated 5-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or are not disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shantilal Mohanlal Shah. (Transferor)  
(2) Surbala alias Smita Nalin Almaula. (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 17 on 3rd floor, Building No. 2 at Nav Daryamahall Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 80, Napean Sea Road, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3926/84-85 on 26-10-1984.

**P. N. DUBEY**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-10-1984  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4380/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Godown No. 2, Ground Floor, Vadgadi Azad Chowk Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Bldg., situated at Bombay-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                                    |              |
|------------------------------------|--------------|
| (1) M/s. United Corporation.       | (Transferor) |
| (2) M/s. Sadhna Transport Company. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown No. 2, Ground Floor, Vadgadi Azad Chowk Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Building, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4247/84-85 on 20-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Vidyut Builders.

(Transferor)

(2) Shree Satyavijay Transport Company.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4307/84-85.—Whereas I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 2, 1st fl., "Vidyut Bldg", F.P. No. 12, Narsee Natha Street, Mandavi, TPS-I situated at Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 2, 1st floor, Bldg. Vidyut, F.P. No. 12, Narsee Natha Street, Mandavi, TPS-I, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. ARI/4186/84-85 on 10-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4287/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 2 & 2A, 16th floor, Tower Bldg., Patel Apartments  
& Patel & Gupta situated at Worli  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
consideration for such transfer as agreed to between the  
transfer with the object of:—

- (1) Mr. Yusuf Abdulla Patel (Transferor)  
(2) Mr. Chhabildas Bavabhai Patel. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may  
be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice in  
the Official Gazette or a period of 30 days from the  
service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Flat No. 2 & 2A on 16th floor, Tower Building Patel  
Apartments & Patel & Gupta, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial  
No. AR-I/4178/84-85 on 15-10-84.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Mr. Yusuf Abdulla Patel (Transferor)  
 (2) Vaghani Ranjibhai Shamjibhai. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4289/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2A, 21st floor, Tower Bldg. in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2A, 21st floor, Tower Bldg. Patel Apts. & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4175/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
 Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. K. Hiralal &amp; Co.

(Transferor)

(2) A. R. Segu Allauddeen &amp; A. Mohamed Idroose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4466/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 229, 2nd fl., Panchratna, Queens Road, Near Roxy Cinema, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 229, 2nd fl., Panchratna, Queen Road, Near Roxy Cinema, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4326/84-85 on 30-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1984  
leaf :

## FORM I/NS—

(1) M/s. Sujit Goin.

(Transferor)

(2) Rameshchandra Chandulal &amp; Bros.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4125/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 806, Parckh Market, 8th fl. Kennedy Bridge, situated at Bombay-4. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 806, Parckh Market, 8th floor, 39, Kennedy Bridge, Bombay-400 004 area 266 sq. ft.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4097/84-85 on 10-10-1984

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Sharda Chandra Sen Jhaveri.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4284/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, 3rd floor, Bldg. 7B in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred until the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

135—166GI/85

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, 3rd floor, Bldg. 7B, in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. ARI/4181/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Sd/-

## FORM ITNS—

(1) M/s. Wallace Property Development.

(Transferor)

(2) Mr. Sailesh V. Haribhakti.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Rev. No. AR-I/37EE/4355/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 203, Wallace Apartments situated at Grant Road,  
Bombay  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 15-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifty per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 203 in the building 'Wallace Apartments II'  
situated at the junction of Tukaram Jivaji Marg & Sleanor  
Road, Grant Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4224/84-85 on 15-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4273/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece or parcel of land together with the godown standing thereon bearing New No. 16666 New Survey No. 2G/9454 Cadastral Division Colaba at 3rd Pasta Lanes, Bombay situated at 3rd Pasta Lanes, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Harendra V. Bhansali. (Transferor)
- (2) 1. Dr Abdul Rauf Suleman Sumar,  
2. Gupta Emerald Mines Pvt. Ltd., Gupta Development Pvt. Ltd. and S. Gupta (partner of S. Gupta & Co.),  
3. Mrs. Vimla B. Beri and Mrs. Ratti Gadhook,  
4. Taro J. Gangwani,  
5. Dr. Meher M. Desai,  
6. Mrs. Sundri P. Jagtiani and Kishore Pritamdas Jagtiani,  
7. Kilkiraj D. Bhansali,  
8. Mrs. Zaverben Velji Shah,  
9. Vashdev Chellaram, HUF Chellaram Viroomal HUF and Mrs. Rukmani S. Manwani,  
10. Mrs. Sabera H. Mansoori, Mr. Ashfaq Mansoori and Mrs. Roshan H. Mansoori,  
11. Seroj Kumar Ishwarlal Bhansali & Mrs. Damyanti S. Bhansali,  
12. Mrs. Quraisha Alim Akhtar & Alim Akhtar. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Piece of parcel of land situate at Colaba together with the godown standing thereon bearing New No. 16666 New Survey No. 2G/9464 Cadastral Division Colaba, at 3rd Pasta Lane, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4174/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Place :

## FORM ITNS

(1) Fulchand Punjabhai Shah.

(Transferor)

(2) Kanchandevi Pukhraj Bomb.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref No AR-I/37EE/4206/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 10, 1st floor, "Chandravilla", Plot No. 218, R. A. Kidwai Road, Wadala, Bombay-31, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, 1st floor, "Chandravilla", Plot No. 218, R. A. Kidwai Road, Wadala, Bombay-31.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4108/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR/37EE/4216/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop on Ground Floor Plot No. 117, of Shon-Matunga (East), Peace Heaven, Bombay-22, situated at Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Rose Pereira,  
2. Percy Pereira,  
3. Rexy Pereira.

(Transferor)

- (2) M/s. Shiv Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop on Ground Floor, Plot No. 117, Peace Heaven, Opp. Rupam Cinema, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4118/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) R. Bhagyalakshmi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Bholaprasad Rameshwardayal Agarwal,
2. Chetan R. Agarwal,
3. Subhash Rameshwardayal Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI[37EE]4232[84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2-A, Supari Baug, Estate, Parel, Bombay-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

2-A, Supari Baug Estate, Parel, Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[4134]84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vedprakash Tarachand Rochvani &  
Smt. Meena V. Rochvani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ramprakash Shrikishan Dhawan,  
Omprakash Shrikishan Dhawan,  
Shri Vipin Shrikishan Dhawan,  
Shri Anil Shrikishan Dhawan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4349/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd floor, Sheela Apts, Mahalaxmi Temple Road, Bombay-26, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Sheela Apts, Mahalaxmi Temple Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/421R/84-85 on 15-10-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4359/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Mount Blanc Apartment at Dady Seth Hill, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mount Blanc Properties & Industries Pvt. Ltd.  
(Transferor)

(2) Mr. Walter N. A. Nazareth &  
Mrs. Mavis Navareth.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mount Blanc Apartment at Dady Seth Hill, Bombay. Flat No. 3, BR, 22nd floor.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4230/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(1) Mansukhani Mohan Jagatrai &  
Mrs. Nalini Mohan Mansukhani

(Transferor)

(2) Miheer Madhukar Chinal &  
Mrs. Lopa Mithcer Chinal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4211/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51, 5th floor, Venus Apartments, Altamont Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Venus Apartments, Altamont Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4113/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel

(Transferor)

(2) Smt. Anjali Manek

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4185/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3 on 9th floor, Building No. Tower in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower situated at B. G. Kher Road, Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3 on 9th floor, Building No. Tower in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4088/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) V. K. Jain &amp; Others

(Transferor)

(2) Kamanwala Housing Development Finance Co. Ltd.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-1/37EH/4370/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 1518, 15th floor, Maker Chambers V, Nariman Point, Bombay-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Office No. 1518, 15th floor, Maker Chamber V, Nariman Point, Bombay-29.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/4238/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Roopnarayan Chandulal Kabra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suhasini Suresh Salunke

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4202/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 697, Bldg. No. 34, Adarsh Sharmik Coop. Hs. Soc., Adarshnagar, Prabhadevi, Bombay-25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 697, Bldg. No. 34, Adarsh Sharmik Coop. Hs. Soc., Adarshnagar, Prabhadevi, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4105/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Hansuben B. Parekh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jawaharbhair M. Jhaveri

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3382/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 802, Auto Commerce P. CSL situated at Nana Chowk, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 802, 8th floor, Auto Commerce P Co-op. Soc. Ltd., 602, Auto Commerce House, Opp. Jyoti Studio, Near Kennedy Bridge, Nana Chowk, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3844/84-85 on 18-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Amar Builders & Developments Pvt. Ltd.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bulsara Hygiene Products Ltd.  
(Transferee)  
(3) Transferee  
(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4412/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala (structure) together with land thereunder situated at Kumbharwada, K. Mills Compound, Dadar (West), Bombay-28, bearing C.S. No. 1390 & 1392 of Lower Parel Division Senapati Bapat Marg, F.P. No. 488, 489, and 488A (pt). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala (structure) together with land situated at Kumbharwada, Kastirchand Mills Compound, Dadar (West), Bombay-28, bearing C.S. No. 1390 & 1392 of Lower Parel Division Senapati Bapat Marg, F.P. No. 488, 489 and 488A (pt).

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/4282/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM FIVE

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4391/84-85.—

Whereas, **P. N. DUBEY**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Flat No. E-20, Venus Housing Soc. Ltd. situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Neelu M Gurusahanas

(Transferor)

- (2) Shri Huseini Yusufali Munshi  
Smt. Mchitza Huseini Munshi

(Transferee)

- (3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. E-20 on 5th floor, Venus Housing Soc. Ltd., Plot No. 48E, Worli Hill Estate, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4256/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I[37EE]4318[84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Office No. 9, 2nd floor, Navrattan Bldg. P.D. Mello Road, Bombay-9, situated at Bombay (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mansukhlal Harjivan
2. Harshad Mansukhlal
3. Priyakant Mansukhlal
4. Mukesh Mansukhlal
5. Gautam Muljibhai
6. Shantabehn Himatlal.

(Transferor)

- (2) 1. Nanalal
2. Hitesh Nanalal
3. Piyush Nanalal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 9, 2nd floor, Navrattan Bldg., P. D. Mello Road, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I[4194]84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Mrs. Shashi Roopchand Mahtani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chaturvedi SK &amp; Fellows

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4358/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 113, 13th floor Mittal Tower, 'B' Wing, Plot No. 210, Block III Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-21,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 113, 13th floor, Mittal Tower, 'B' Wing, Plot No. 210, Block III Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-20.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4225/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4395/84-85.—

Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property together with bldg. known as Chandra Mahal & Structures standing thereon, Plot No. 157 of Naigaum Estate of BMC Scheme No. 60 part of New S. No. 2057, C.S. No. 785 of Dadar Naigaum Division. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Abdul Kader Haji Siddick,  
Abdulla Haji Siddick,  
Abdul Razak Haji Ahmed &  
Zubedabai Haji Ahmed  
(Transferor)
- (2) Nitin B Dedhia  
(Transferee)
- (3) Assignors & Tenants  
(Person in occupation of the property)
- (4) Assignors  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property together with bldg. known as Chandra Mahal & Structures standing thereon, Plot No. 157 of Naigaum Estate of BMC Scheme No. 60 part of New S. No. 2057, and bearing CS No. 785 of Dadar Naigaum Division.  
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4260/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM L.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4283/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on 3rd floor, Bldg. No. 7B in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower situated at B. G. Kher Road Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Smt. Sabiha Salim Kapadia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 3rd floor, Building No. 7B in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4180/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4285/84-85. -Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2A on 17th floor, Tower Bldg., Patel Apartments & Patel & Gupta Tower situated at B. G., Kher Road Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Ydsuf Abdulla Patel,

(Transferor)

(2) Bharatiben M Sukharanwalla,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2A on 17th floor, Tower Building, Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4182/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mr. Jivrajibhai B Patel.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4286/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2 on 17th floor, Tower Bldg., in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower situated at B. G. Kher Road Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 17th floor, Tower Bldg., in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/37EE/4183/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mrs. Koshi Govind Punjabi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4290/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3 on 5th floor, Bldg. No. 7B in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower situated at B. G. Kher Road Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 17-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3 on 5th floor, Bldg. 7B in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3787/84-85 on 17-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Master Manish G Punjabi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.Ref. No. AR-I/37EE/4291/84-85.—Whereas, 1,  
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 4, 5th floor, Bldg. No. 7B Patel Apartments  
& Patel & Gupta Tower  
situated at B. G., Kher Road Worli, Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority, at  
Bombay on 17-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 5th floor, Building 7B in Patel Apartments  
& Patel & Gupta Tower, B. G. Road, Worli, Bombay-18.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3788/84-85 on 17-10-1984.P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Parshottam C. Budhrani &  
Smt. Rukhmani C. Budhrani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Neelam C. Parkash &  
Shri Chandra K. Parkash.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/4121/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 701, Jamuna Sagar Bldg. Near Colaba Bus Depot,  
Shahid Bhagat Singh Road, Colaba, Bombay-5,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority, at  
Bombay on 5-10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Flat No. 701, Jamuna Sagar Building, Near Colaba Bus  
Depot, Shahid Bhagat Singh Road, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3877/84-85 on 5-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mohan Dattatraya Nalkarni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mulchand L. Nagda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37FE/4166/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Gr. Floor, 4/124, Ambedkar Nagar, Worli, Bombay-18  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority, at  
Bombay on 10-10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen percent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
138—166 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gr. Floor, Flat 4/124, Ambedkar Nagar, Worli, Bombay-  
18.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3910/84-85 on 10-10-84.

P. N. DUBEY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Shri Mayaram V Bulchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Print Pals.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 3rd June 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/333/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Unit No. 307, Wadala Udyog Bhavan  
situated Naigaum Cross Road, Wadala  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority, at  
Bombay on 19-7-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 307, 3rd floor, 8 Naigaum Cross Road, Wadala,  
Bombay-31.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/D-112/84-85 on 5-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Bhanu Prasad Mohanlal Shah &  
Pravina Bhanuprasad Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Hemant Kumar Naryah Bhotica Tushar &  
Naravan Bhotica.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3161/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 9/D, Malbar Apt. Coop. Hsg. Socy, Malbar Apts.  
C. S. No. 442, Nepean Sea Rd. L. J. Marg, Opp. Simla  
House, Baroda Palace, Bombay-36,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority, at  
Bombay on 19-10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 9/D, Malbar Apt. Coop. Hsg. Socy. (Malbar Apts)  
C. S. No. 442, Nepean Sea Rd. L. J. Marg, Opp. Simla  
House, Baroda Palace, Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3842/84-85 on 19-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4187/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
situated at Bombay  
Indira Niwas, Forjett St. Bombay  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered unde-  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority, at  
Bombay on 10-10-84  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) or Section 269D of the said Act, to the follow-  
persons, namely :—

(1) Mr. Devidas G. Vete.

(Transferor)

(2) Mrs. R. M. Jamani  
Rafia M. I. Jamani &  
Umar M. K. Jamani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Indira Nivas Forjett Street, Bombay

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/4089/84-85 on 10-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Vijay Shankar Nadkarni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Associated Polymers Limited.

(Transferee)

(3) Schrader-Scovill Duncan Limited.

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3397/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 20, Bhaveshwar CHSL  
situated at Worli, Bombay  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority, at  
Bombay on 10-10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as gives in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 20, 3rd floor, building known as 'Bhaveshwar' in  
Worli Bhaveshwar Co-op. Housing Soc. Ltd., 148-B, Dr.  
Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3918/84-85 on 19-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sreelekha Dalpatram Joshi.

(Transferor)

(2) Shri Murad Ahmed Haji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I[37EE]4151[84-85].—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. C-9, 3rd fl. Dolours Colony, Our Lady of Dolours  
Co. op. Hsg. M. A. H. Soc. Ltd. Antop Hill Rd. Wadala,  
Bombay-37,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority, at  
Bombay on 10-10-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-9, 3rd fl. Dolours Colony Our Lady of Dolours  
Coop. Hsg. Soc. Ltd., M. A. H. Antop Hill Rd, Wadala (E),  
Bombay-37.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I[3923]84-85 on 10-10-84.

P. N. DUBEY

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 3-6 1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Saroj R. Jangiani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Nand G. Dingrani & Smt. Sharda N. Dingrani.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAYObjections, if any, to be acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4485/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'Said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.—  
and bearingFlat No. 11, 2nd floor, P. No. 186, Chandar Niwas,  
Sion (East), Bombay-22,  
situated at Bombay.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the Object of :(a) by any of the aforesaid persons within period of  
forty five days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of thirty  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within forty five days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/orFlat No. 11, 2nd floor, P. No. 186, Chandar Niwas, Sion  
(East) Bombay-22,The statement has been registered by the Competent Authority,  
Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/  
4350/84-85 on 30-10-1984.(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act,  
1952 (27 of 1957).P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section (1)  
of Section 269D of the Said Act to the following persons  
namely :—

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Vinod Sharma.

(Transferor)

(2) Anil Kumar Jhajharia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR1/37EE/4134/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Unit at Embassy Centre, 9th floor, R. No. 9, Nariman Point, Bombay-21, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office at Embassy Centre, Nariman Point, 9th floor, Room No. 9, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3886/84-85 on 5-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Electrical Manufacturing Co.

(Transferor)

(2) M/s. Sarani's International.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. ARI/37EE/4332/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Industrial Unit No. 209, 2nd floor, Vasani Udyog Bhavan, Off. Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 209, 2nd floor, Vasani Udyog Bhavan, Off. Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4201/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

139—166 GI/85

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mahesh Chopra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bharti P. Parikh &amp; Shri Pravinchandra D. Parikh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI[37FE]4418/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nain Krupa Premises Coop. Soc. Ltd. 118/122, Kazi Syed Street, Mandvi, Bombay-3, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nain Krupa Premises Coop. Soc. Ltd. Block No. 501, 118/122, Kazi Syed St., Mandvi, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4287/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mr. Arvind Kumar Chhabildas Zaveri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AKI/37EE/4288/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 2 & 2A, 15th floor, Tower Bldg. Patel Apts. & Patel & Gupta Tower, B.G. Kher Rd., Worli, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 2&2A, 15th floor, Tower Bldg. in Patel Apartments and Patel & Gupta Tower, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4177/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. ARI/37EE/4196/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. The Shyam Niwas Co-op Hsg. Soc. Ltd., 51, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26, Flat No. 26, Block-9, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Chetan Dharamrai Shivdasani & Prem. D. Shivdasani.

(Transferor)

(2) Mayur Jormalbhai Kothari, Mrs. Shaila Mayur Kothari, Shri Jormal J. Kothari & Mrs. Pushpaben Jormal Kothari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 26, Block No. 9, 2nd floor, The Shyam Nivas Co-op. Housing Society Ltd., 51, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4098/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4383/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing Plot No. 228 of Dadar Matunga Estate, New S. No. 902 (pt.) and C.S. No. 194/10 of Matunga Division along with ground floor and a staircase room and two garages, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

4

- (1) Smt. Ranbai Ramji Vora & Shri Ramji Ladhahhai Vora.  
(Transferor)
- (2) Shri Lakshmichand Devji Shah & Smt. Jaya Lakshmichand Shah.  
(Transferee)
- (3) Tenants.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

4

Land bearing Plot No. 228 of Dadar Matunga Estate, New Survey No. 902 (pt.) and C.S. No. 194/10 of Matunga Division alongwith ground floor and a stair case room and two garages in compound.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4250/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4378/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, August Kranti Pre. CHSL Gowalia Tank situated at Bombay Road, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Himotlal P Sharma, Shri Ramakant P. Sharma  
Dr. Kishore P. Sharma, Shri Mahesh P. Sharma.  
(Transferor)
- (2) Dr. Kishorechandra P. Sharma & Mrs. Nila  
K. Sharma.  
(Transferee)
- (3) Transferor and his family.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, August Kranti Premises Co-op. Housing Soc. Ltd., Gowalia Tank Road, Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4245/84-85 on 20-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985.  
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Sugandh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Dhirajlal H. Sangoi & Mrs. Leena D. Sangoi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 14th June 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons.  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that ChapterRef. No. AR1/37EE/4250/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flta No. 103, 1st floor, Plot No. 58, Scheme 60, S.S.  
Wagh Marg, Naigaum, Bombay-14, Sugandh Palace,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 15-10-1984for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Sugandh Palace, Plot No. 58,  
Scheme No. 60, S.S. Wagh Marg, Naigaum, Bombay-14.The statement has been registered by the Competent Authority,  
Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/  
4156/84-85 on 15-10-1984.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, BombayDate : 14-6-1985  
Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) Shri Y. V. Rao.

(Transferor)

(2) Mrs. Gloria &amp; Mr. Alev N. Fernandes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref: No. ARI/37EE/4270/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 11, Lokmanya Nagar, Kaksahab Gadgil Marg, Dadar  
Bombay-25,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 15-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
movable or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 20 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

11, Lokmanya Nagar, Kaksahab Gadgil Marg, Dadar,  
Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Author-  
ity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/  
4172/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4263/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land together with the building & tenements standing therein bearing C.S. No. 3111 of Bhuleshwar Division at C.P. Tank, Road, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
140—166 GI/85

(1) Shri Narbharam Gokuldas Bhansali (HUF) through its Karta and Manager, Mr. Ravivadan N. Bhansali.

(Transferor)

(2) Smt. Samuben C Chandan.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land together with the buildings and tenements standing thereon bearing Old Survey No. 437, New Survey No. 5187 and C.S. No. 3111 of Bhuleshwar Division at C.P. Tank Road, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4165/84-85 on 15-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4193/84-85.—Whereas, I, F. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situate on and being Plot No. 18-A Scheme 52 of the Worli Estate together with the building standing thereon and C.S. No. 1/742 of Worli Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Radhibai Lokumal Mansukhani & Mohan Lokumal Mansukhani.  
(Transferor)
- (2) Vikrant Sham Chougule Private Trust and Ranjit Sham Chougule Private Trust.  
(Transferee)
- (3) Transferors and other tenants.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situate on and being Plot No. 18-A Scheme 52 of the Worli Estate together with the building standing thereon, C.S. No. 1/742 of Worli Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4095/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-6-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EF/4438/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 205 Vyapar Bhavan, 49, P. D. Mello Road, Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

141—166 GI/85

- (1) M/s. Sainath Transport & Shipping Co. (Transferor)  
(2) Subash K. Pawar Prop. Sainath Transport & Shipping Co. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

205, Vyapar Bhavan, 49, P. D. Mello Road, Bombay-9.  
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4587/84-85 on 30-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) C. K. Parekh. (Transferor)  
 (2) Murlidhar Enterprises. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EF/4217/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 115, 1st floor, Parekh Market 39, Kennedy Bridge Opera House, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 115, 1st floor, Parekh Market, 39, Kennedy Bridge, Opera House, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4119/84-85 on 15-10-84.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S. \_\_\_\_\_

(1) M/s. Siddhartha Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. Kamal &amp; Co.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4172/84-85.—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat Nos. 1 & 2, on 9th floor Arihant Apartments  
situated at G. Deshmukh Marg, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 and 2 on 9th floor, Arihant Apartments, G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3901/84-85 on 10-10-1984.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 3-6-1985  
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I[37-G]5135[84-85].—Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
2nd floor building, 125 Narayan Dhuru Street,  
Bombay-400 003, bearing CS No. 683 of Mandvi Division  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 5-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Shamjibhai Harjivan Mehta,  
Shri Jivraj Prabhudas Goredia,  
Shri Shantilal Anantrao Kothari.  
(Transferor)
- (2) Shri Nagindas Shamjibhai Shah.  
(Transferee)
- (3) Industrial Minerals & Chemical Co. P. Ltd. Tenants.  
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.  
2153/79 and registered on 5-10-1984 with the Sub-registrar,  
Bombay.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985

Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-1/37C/5136/84-85.--Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
3rd floor & Terrace Building, 125, Narayan Dhuru Street,  
Bombay-400 003, bearing C. S. No. 683 of Mandvi Division.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 5-10-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :--

- (1) Shri Shamjibhai Harjivan Mehta,  
Shri Jivraj Prabhudas Goredia,  
Shri Shantilal Anantrao Kothari,  
Trustees of Shah Ganpat Harjivan,  
Shah Lalubhai Harjivan and  
Shah Shamjibhai Harjivan Trust.

(Transferor)

- (2) Shri Kishoridas Shamjibhai Mehta.

(Transferee)

- (3) Industrial Minerals & Chemical Co. P. Ltd and  
Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.  
2154/79 and registered on 5-10-1984 with the Sub-registrar.  
Bombay.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-I[37G]5137/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 115-117, Bora Bazar Street, Hussein Bldg. formerly known as 'MANEK BHAVAN', L.R. Old No. 569, New No. 1/5682, Old Survey No. 210-211—884, New Survey No. 1/8656, C.S. No. 972 of Fort Division situated at Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Husseinibhai Abdulkader Kayamkhani.  
(Transferor)  
(2) Mr. Indur Assanand Gursahani.  
(Transferee)  
(3) Occupants.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM/1358/81 and registered on 3-10-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR 1/37-G/5138/84-85.--Whereas, I,  
P. N. DUBEY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land bearing New Survey No. 1/1109, C. S. No. 517/10 of  
Matunga Division, alongwith building situated at Plot No. 800  
Dadar Natunga Estate.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 17-10-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice, under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) Khushro Pestonji Burjo-Behram,  
2 Shri Darius J Ranine,  
3. Shri Darius R Madon and  
4. Shri Dhanjishaw P Bans.

(Transferor)

- (2) The Dadar Parsee Youths Assembly,

(Transferee)

- (3) Transferees,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM/  
2785/80 and registered on 17-10-1984 with the Sub-registrar,  
Bombay.

P. N. DUBEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th May 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9054/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. III, First Floor, within the limits of Kalyan Corporation situated at Kalyan, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on I.A.C. Acq. Range, Pune on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. B. Sompalki,  
M/s. Siddharaj Construction, Ranade Wade Gandhi Chowk  
Kalyan, Dist. Thane.  
(Transferor)
- (2) Sri Chhaganlal Otramal Jain,  
Gandhi Chowk, Bazar Peth, Kalyan, Dist. Thane.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. III, First Floor, within the limits of Kalyan Corporation Area 590 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 9054/84-85 dt. Oct. 1984.

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 28-5-1985  
Seal :